THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 292 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष पूर्णिमा 2081 सोमवार, 13 जनवरी-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

खाई में गिरी बस, चार की मौत की आशंका

पौड़ी, 12 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड के पौड़ी में रविवार को दर्दनाक हादसा हो गया। श्रीनगर के लिए निकली मिनी बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। हादसे में चार लोगों की मौत की आशंका है। वहीं, कई लोग घायल हुए हैं।

जानकारी के अनुसार, हादसा दोपहर करीब तीन बजे हुआ। मिनी बस पौड़ी बस अड्डे से केंद्रीय विद्यालय होते हुए श्रीनगर के लिए निकली थी। तहसील पौड़ी के कोठार बैंड के पास बस खाई में जा गिरी। प्राथमिक सूचना के अनुसार, बस में लगभग 18 लोग सवार थे। जिसमें से चार की मौत की आशंका है। जबकि अन्य यात्री घायल हुए हैं।

बिना लक्ष्य के जीवन नहीं : मोदी

जो लोग कहते हैं- छोड़ो यार होता रहता है, वे जिंदा लाश जैसे

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को भारत मंडपम में आयोजित विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2025 कार्यक्रम में शामिल हुए। पीएम ने करीब 45 मिनट की स्पीच दी।

युवाओं को संबोधित करते हुए मोदी ने विकसित भारत, युवा शक्ति, अमृतकाल और भारत के भविष्य पर बात की। पीएम ने कहा- बिना लक्ष्य के जीवन नहीं होता, यह जीवन जीने की जड़ी बूटी होती है। जो लोग कहते हैं छोड़ो यार होता रहता है, कुछ बदलने की क्या जरूरत है क्यों सर खपाते हो, इस भावना के लोग मरी हुई लाश से ज्यादा कुछ नहीं होते।

पीएम ने कार्यक्रम में 3 हजार से ज्यादा युवाओं को संबोधित किया। संबोधन से पहले पीएम ने युवाओं की तरफ से लगाई गई प्रदर्शनी देखी। वहां मौजूद युवाओं से बातचीत की। उनके प्रोजेक्ट मॉडल भी देखे। यह कार्यक्रम 11 जनवरी से शुरू हुआ है। आज दूसरा दिन है।

दरअसल, पीएम मोदी ने 15 अगस्त 2024 को एक लाख गैर-राजनीतिक युवाओं को जन प्रतिनिधि के रूप में राजनीति में लाने की बात कही थी। ये कार्यक्रम उसी का हिस्सा है। विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग को मोटिव नेशनल यूथ फेस्टिवल को ट्रेडिशनल तरीके के आयोजित करने की 25 साल पुरानी परंपरा को तोड़ना है।

युवाओं पर :

पीएम मोदी ने कहा मुझे आप पर बहुत विश्वास है और इसी विश्वास ने मुझे http://MYBharat.com के गठन की प्रेरणा दी, इसी विश्वास ने विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग का

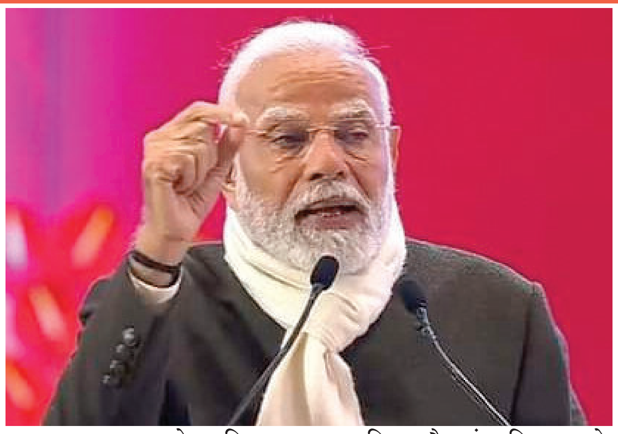

आधार बनाया। मेरा विश्वास कहता है कि युवा शक्ति का सामर्थ्य भारत को जल्द से जल्द विकसित राष्ट्र बनाएगा।

विकसित भारत पर :

विकसित भारत में हम क्या देखना चाहते हैं, कैसा भारत देखना चाहते हैं? विकसित भारत यानी जो आर्थिक, सामरिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से सशक्त होगा। जहां इकोनॉमी भी बुलंद होगी और इकोलॉजी भी समृद्ध होगी। जहां अच्छी कमाई और पढ़ाई के ज्यादा से ज्यादा अवसर होंगे। जहां दुनिया की सबसे बड़ी युवा स्किल्ड मैन पॉवर होगी। जहां युवाओं के पास अपने सपने पूरा करने के लिए खुला आसमान होगा।

भारत की ताकत पर :

1930 के दशक में अमेरिका भीषण आर्थिक संकट में फंस गया था, तब अमेरिका की जनता ने ठाना कि हमें इससे बाहर निकलना है और तेज गति से आगे बढ़ना है। उन्होंने उसका रास्ता चुना और अमेरिका न सिर्फ उस संकट से निकला, बल्कि उसने विकास की रफ्तार को कई गुना तेज करके दिखाया। दुनिया में ऐसे बहुत सारे देश हैं, घटनाएं हैं, समाज है, समूह हैं। हमारे देश में भी अनेक ऐसे उदाहरण रहे हैं। भारत के लोगों ने आजादी का संकल्प लिया। अंग्रेज सल्तनत की ताकत क्या नहीं थी, उनके पास क्या नहीं था। लेकिन देश उठ खड़ा हुआ, आजादी के सपने को जीने लगा और भारत के लोगों ने आजादी हासिल करके दिखाई।

भारत के भविष्य पर :

आज दुनिया भारत की इस गति को देख रही है। हमने जी-20 में ग्रीन एनर्जी को लेकर प्रतिबद्धता जताई थी। भारत दुनिया का पहला देश बना जिसने पेरिस कमिटमेंट को पूरा किया। यह तय समय से 9 साल पहले ही पूरा कर लिया गया। अब भारत ने 2030 तक पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाने का लक्ष्य रखा है। यह लक्ष्य भी 2030 से पहले पूरा कर लिया जाएगा।

स्वामी विवेकानंद पर :

भारत की युवा शक्ति की ऊर्जा से आज ये भारत मंडपम भी ऊर्जा से भर गया है, ऊर्जावान हो गया है। आज पूरा देश स्वामी विवेकानंद जी को याद कर रहा है, उन्हें प्रमाण कर रहा है। स्वामी विवेकानंद जी को देश के नौजवानों पर बहुत भरोसा था।

>14

शरद पवार की राजनीति दफन : शाह

उद्धव फरेब करके सीएम बने, महाराष्ट्र ने उनको जगह दिखाई, घमंडिया गठबंधन बिखर रहा

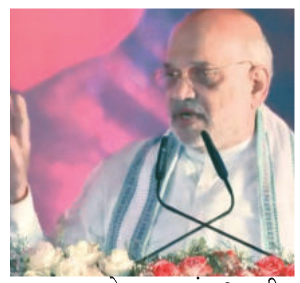

शिरडी, 12 जनवरी (एजेंसियां)। गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को शिरडी में कहा- महाराष्ट्र की महाविजय ने कई मायने बदले हैं। शरद पवार जी ने 1978 से दाग-पत्का (विश्वासघात) की जो राजनीति शुरू की थी, उसे 20 फीट जमीन में दफनाने का काम किया।

उद्धव ठाकरे ने जो द्रोह किया था और बालासाहेब के सिद्धांतों को छोड़ा था। झूठ-फरेब करके मुख्यमंत्री बने थे। महाराष्ट्र ने उद्धव ठाकरे जी को उनकी जगह दिखा दी। शाह शिरडी में महाराष्ट्र भाजपा के सम्मेलन में बोल रहे थे।

इंडिया गठबंधन पर शाह ने कहा, मुंबई चुनाव आ रहा है और शिवसेना (यूबीटी) कांग्रेस से अलग लड़ने वाली है। पूरा इंडी अलायंस एक घमंडिया गठबंधन में बिखरने की शुरूआत हुई है। इसमें महाराष्ट्र का योगदान है। इनका मनोबल टूट गया है। 2025 में हम दिल्ली फतह करेंगे।

शाह ने कहा इसी साल नगर निकाय के चुनाव हैं। विरोधियों को एक भी जगह बैठने की न मिले, इसकी चिंता करनी है। विकास की चेन तभी पूरी होती है, जब पंचायत से पार्लियामेंट तक भगवा लहरा दो। हर जगह विजय का सूत्रधार बनना है। साईंनगरी में संकल्प करते हैं कि एक-एक इकाई भाजपा जीतेगी। आगे कोई हमारे साथ विश्वासघात न कर पाए, ऐसी मजबूत भाजपा बनानी है।

दिल्ली में कांग्रेस और आप अलग लड़ रहे हैं। बंगाल में टीएमसी और कांग्रेस अलग पड़े हैं। बिहार में लालू अलग छटपटा रहे हैं। इनका मनोबल टूट गया है। वहीं, भाजपा एक के बाद एक विजय लेकर आगे बढ़ रही है। आज कह के जाता हूं, 8 तारीख को पटाखे तैयार रखना। दिल्ली में भी भाजपा की सरकार बनने वाली है। 2024 का अंत महाराष्ट्र भाजपा ने किया और 2025 के विजय की शुरूआत दिल्ली भाजपा करने वाली है।

हमारी परंपरा है जो कहते हैं वो पूरा करते हैं। विरोधी कह रहे हैं कि कैसे पूरा करोगे। भाई, अब आपका काम देखने का है, देखते रहो जो कहा है सब पूरा करेंगे। हमने 2014 से 2024 तक अनगिनत वादे किए और सब पूरे किए। धारा 370 खत्म की, आतंकवाद खत्म किया और आज कह कर जा रहा हूं, 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद खत्म कर देंगे।

शरद पवार इतने साल किसान नेता रहे, देश में मंत्री, राज्य के मुख्यमंत्री रहे, किसान की आत्महत्या से महाराष्ट्र को मुक्त नहीं करा पाए।

अगली बार जब भाजपा मैंडेट लेने आएगी देवेंद्र फडणवीस सरकार हर किसान के खेत तक पानी पहुंचा कर आएगी। 2047 में यह देश दुनिया में नंबर एक बनेगा। हर क्षेत्र के अंदर भारत सर्वप्रथम हो, पूर्ण विकसित राष्ट्र हो, सुरक्षित और शिक्षित राष्ट्र हो इसका संकल्प लेकर आगे बढ़ना है, लेकिन विकसित महाराष्ट्र के बगैर विकसित भारत बन ही नहीं सकता, क्योंकि विकास का नेतृत्व महाराष्ट्र और मुंबई करता है।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों ने 3 नक्सली मार गिराए

नेशनल पार्क एरिया कमेटी के माओवादियों से मुठभेड़, ऑटोमेटिक वेपन बरामद, सर्चिंग जारी

बीजापुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में फोर्स ने तीन नक्सलियों को मार गिराया है। घटनास्थल से तीनों के शव के साथ ऑटोमेटिक वेपन बरामद किए गए हैं। इलाके में सर्चिंग जारी है। बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। घटना मद्देड़ इलाके के बन्देपारा क्षेत्र की है।

बताया जा रहा है कि नेशनल पार्क एरिया कमेटी के माओवादियों को रविवार सुबह से जवानों ने घेर रखा था। मारे गए नक्सलियों में से कुछ डीवीसीएम (डिविजनल कमेटी मेंबर) कैडर के बताए जा रहे हैं। इस कैडर के नक्सलियों पर छत्तीसगढ़ में 8 लाख रुपये का इनाम है।

नक्सलियों ने जवानों पर की फायरिंग :

जानकारी के मुताबिक, पुलिस को सूचना मिली थी कि नेशनल पार्क एरिया के जंगल में भारी संख्या में नक्सली मौजूद हैं। इसी सूचना के आधार पर जवानों को माओवादियों के कोर इलाके में ऑपरेशन के लिए निकाला गया था। वहीं जवान मौके पर पहुंचे। जहां नक्सलियों ने जवानों पर फायरिंग शुरू कर दी।

ऑपरेशन जारी :

जवानों ने भी मोर्चा संभाला और जवाबी कार्रवाई की। बताया जा रहा है कि फोर्स ने नक्सलियों को घेर रखा है। फिलहाल नो नेटवर्क जोन होने की वजह से जवानों से संपर्क नहीं हो पा रहा है। पुलिस अफसरों का कहना है कि बड़े नक्सली लीडरों की मौजूदगी की सूचना थी। फिलहाल ऑपरेशन जारी है।

विदेश भागने वाले भगोड़ों पर टूटेगा कहर

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। भारत में अपराध करके विदेश भाग जाने वाले भगोड़ों के लिए इस नए साल से और अधिक मुश्किलें आना शुरू होंगी। इसके दो अहम कारण बताए गए हैं। जिसमें विदेशों में छिपे वांटेडों को जहां इंटरपोल के माध्यम से भारत लाने का काम करने वाली एजेंसी सीबीआई ने इस साल और अधिक वांटेडों को भारत लाने के लिए अभी से तैयारी शुरू कर दी है।

वहीं 10 जनवरी को इंटरपोल द्वारा एक नया सिल्वर नोटिस जारी किया गया है। जिसके माध्यम से मानव तस्करी, ड्रग्स, साइबर क्राइम, आर्थिक अपराध और भ्रष्टाचार समेत किसी भी तरह के अपराध से कमाए पैसों से अपराधियों द्वारा विदेशों में बनाई प्रॉपर्टी का पता लगाना और उस पर अंकुश लगाना आसान हो जाएगा। इंटरपोल ने पहले से अपने आठ अलग-अलग रंग के नोटिसों में 10 जनवरी से यह सिल्वर कलर का एक नया नोटिस जोड़ा है।

>14

ट्रम्प के शपथ ग्रहण में जयशंकर जाएंगे

चीनी राष्ट्रपति को भी न्योता, वीआईपी टिकट खत्म
प्रोग्राम कमेटी ने 1400 करोड़ जुटाए

वॉशिंगटन/नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। विदेश मंत्री जयशंकर 20 जनवरी को अमेरिका के दौरे पर रहेंगे। वे यहां नवनिर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के शपथ ग्रहण में शामिल होंगे। शपथ ग्रहण आयोजन समिति ने इसके लिए भारत को न्योता भेजा है। विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी एक्स पर पोस्ट के जरिए दी।

इसके साथ ही चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई और अल साल्वाडोर के राष्ट्रपति नायब बुकेले को भी निमंत्रण भेजा गया है। ट्रम्प की प्रवक्ता कैरोली लेविट ने चीनी राष्ट्रपति को निमंत्रण भेजने की पुष्टि की है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रम्प के शपथ ग्रहण में शामिल होने के लिए दुनिया भर के अरबपतियों में

होड़ लगी है। हालांकि इस कार्यक्रम के लिए बड़ा डोनेशन देने के बाद भी कई लोगों को वेटिंग लिस्ट में डाल दिया गया है, क्योंकि सारे वीआईपी टिकट खत्म हो चुके हैं। ट्रम्प की आयोजन टीम ने प्रोग्राम के लिए अभी तक 1400 करोड़ रुपये से ज्यादा की धनराशि जुटा ली है। माना जा रहा है कि जल्द ये आंकड़ा 1700 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है।

जयशंकर अन्य देशों के डेलिगेशन से भी मिलेंगे :

अमेरिका पहुंच कर भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ट्रम्प प्रशासन में शामिल हो रहे मंत्रियों और दूसरे तमाम देशों से आए नेताओं के साथ मुलाकात भी करेंगे। ट्रम्प अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ लेंगे। उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव में कमला हैरिस को हराकर जीत हासिल की है। डोनाल्ड ट्रम्प ने चुनाव में 312 इलेक्टोरल वोट जीते, जबकि कमला हैरिस को 226 वोट ही मिले।

5,000 युवा नक्सलवाद छोड़ मुख्यधारा में हुए शामिल : नितिन गडकरी

मुंबई, 12 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में नक्सलवाद में भारी कमी आई है, क्योंकि करीब 5,000 युवा गैरकानूनी आंदोलन छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं। यहीं नहीं उनमें से कई को रोजगार भी मिला है। अहिल्यानगर जिले के शिरडी में भाजपा के राज्य स्तरीय सम्मेलन में उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में गढ़चिरौली महाराष्ट्र में सबसे अधिक राजस्व अर्जित करने वाला जिला बन जाएगा।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने भाजपा कार्यकर्ताओं से पार्टी की चुनावी सफलता को सार्थक सामाजिक परिवर्तन में बदलने की अपील की। उन्होंने कहा कि पिछले साल के राज्य विधानसभा चुनावों में मिली जीत से 'सुराज्य' की स्थापना होनी चाहिए। नक्सल प्रभावित गढ़चिरौली में आए

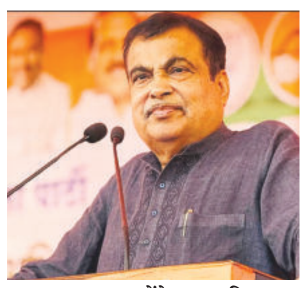

बदलाव पर उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब जिले के कुछ इलाकों का दौरा करना जनप्रतिनिधियों के लिए भी मुश्किल था, लेकिन अब स्थिति बदल गई है।

गडकरी ने कहा कि, आज करीब 5,000 युवा नक्सलवाद छोड़कर मुख्यधारा में लौट आए हैं। कई लोगों को ड्राइवर, फिटर आदि जैसी नौकरियां मिल गई हैं। उन्होंने कहा कि जिले में इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक कॉलेज स्थापित किए गए हैं और निर्यात के लिए परिधान निर्माण का काम शुरू हो गया है।

एक राष्ट्र, एक चुनाव पर बहस

'समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए आचार संहिता महत्वपूर्ण', चुनाव आयोग की टिप्पणी

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। सरकार की तरफ से एक साथ चुनाव कराने के लिए जोर देने के पीछे एक प्रमुख कारण यह बताया गया है कि बार-बार आचार संहिता लागू होने से विकास कार्य और सामान्य जन-जीवन बाधित होता है, लेकिन इस पर चुनाव आयोग ने कहा है कि यह चुनावों में समान अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से एक 'महत्वपूर्ण साधन' है।

विधेयक में क्या दिया गया हवाला :

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को लागू करने के लिए सरकार की तरफ से लाए गए विधेयकों के अनुसार, चुनाव महंगे और समय की खपत होने समेत कई कारणों से एक साथ चुनाव कराने की अनिवार्य आवश्यकता है। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को लागू करने के लिए संविधान संशोधन विधेयक में कहा

गया है कि देश के चुनाव वाले हिस्सों में आदर्श आचार संहिता लागू होने से पूरे विकास कार्यक्रम रुक जाते हैं और सामान्य जन-जीवन में व्यवधान उत्पन्न होता है।

आचार संहिता के अनुप्रयोग को व्यवधान के रूप में देखना सही नहीं

इसमें कहा गया है कि बार-बार आचार संहिता लागू होने से सेवाओं का कामकाज भी प्रभावित होता है और लंबे समय तक जनशक्ति अपने मूल कार्यों से हटकर चुनाव ड्यूटी में लग जाती है। लेकिन चुनाव प्राधिकरण का मानना है कि आचार संहिता के अनुप्रयोग को व्यवधान के रूप में देखना सही नहीं होगा क्योंकि यह अभियान में शामिल सभी हितधारकों को समान अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण साधन है।

मार्च 2023 में विधि आयोग की तरफ से एक साथ चुनाव कराने के बारे में पूछे गए प्रश्नावली का जवाब देते हुए, चुनाव आयोग ने कहा था कि आदर्श आचार संहिता की प्रयोज्यता चुनावों के चक्र और आवृत्ति पर निर्भर करती है और इसे युक्तिसंगत बनाने से, उस सीमा तक, आदर्श आचार संहिता का समय कम हो जाएगा।

>14

श्रीलंका ने 8 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

2 नौका भी जब्त, बॉर्डर पार कर श्रीलंकाई इलाके में मछली पकड़ने का आरोप

कोलंबो, 12 जनवरी (एजेंसियां)। श्रीलंका की नेवी ने रविवार को 8 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर दो 2 नौकाओं को जब्त कर लिया। इन लोगों पर अवैध तरीके से श्रीलंका के जलक्षेत्र में मछली पकड़ने का आरोप है। श्रीलंका सरकार की तरफ से जारी प्रेस रिलीज में कहा गया कि नौसेना ने मन्नार के उत्तर में स्पेशल ऑपरेशन चला कर इन लोगों को गिरफ्तार किया है।

श्रीलंका की नौसेना ने कहा कि 11 जनवरी की रात को भारतीय मछुआरों के एक ग्रुप को अवैध तरीके से लंकाई जलक्षेत्र में मछली पकड़ते देखा गया। इसके बाद नेवी ने फास्ट अटैक क्राफ्ट और इनशोर पैट्रोल क्राफ्ट के जरिए इन लोगों के खिलाफ ऑपरेशन चलाया था। भारतीय मछुआरों को आगे की कार्रवाई के लिए हाई अथॉरिटी को सौंप दिया गया है। इस साल अब तक 18 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि 3 नौकाओं को जब्त किया गया है।

कैसे पकड़े जाते हैं मछुआरे :

भारत सरकार के आंकड़ों के मुताबिक 2024 में श्रीलंका ने रिकॉर्ड 535 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया गया था, जो 2023 तुलना में लगभग दोगुना है। 29 नवंबर 2024 तक, 141 भारतीय मछुआरे श्रीलंका की जेलों में बंद थे, और 198 ट्रॉलर जब्त किए गए थे।

भारतीय हिस्से में मछलियों की संख्या लगातार कम हो रही हैं। ऐसे में फिशिंग के लिए मछुआरे श्रीलंका के आइलैंड (खासकर कच्चाथीवू और मन्नार की खाड़ी) की तरफ जाते हैं। हालांकि वहां तक जाने के रास्ते में इंटरनेशनल समुद्री सीमा पड़ती है, जिसे भारतीय मछुआरों को लांघना पड़ता है। इस सीमा को पार करते ही श्रीलंकन नेवी भारतीय मछुआरों को अरेस्ट कर लेती है।

भारतीय इलाकों में क्यों घट रही मछलियां :

एक रिपोर्ट के मुताबिक समुद्र में बढ़ते प्लास्टिक प्रदूषण और दशकों से मशीनी ट्रॉलरों के बेतहाशा इस्तेमाल की वजह से भारतीय क्षेत्र में मछलियों की संख्या में कमी आ रही है। मछली की तलाश में समुद्र तल को खुरचने वाले ट्रॉलर मूंगा चट्टानों समेत समुद्र तल में मौजूद मछलियों के आवास को नष्ट कर देते हैं। इससे उनके फर्टिलाइजेशन में दिक्कत आती है।

पिछले साल तमिलनाडु के रामनाथपुरम जिले मछुआरों के एक संगठन के अध्यक्ष पी. जेसुराजा ने बताया था कि मछुआरो यह तरह से जानते हैं कि बॉर्डर पार कर मछली पकड़ने पर उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है या उनकी जान जा सकती है, इसके बाद भी वो सीमा पार करते हैं।

भारत को क्यों आई अफगानिस्तान की याद

मोदी सरकार ने तालिबान की ओर बढ़ाया दोस्ती का हाथ, पाकिस्तान की नींद उड़ी

काबुल, 12 जनवरी (एजेंसियां)। पिछले हफ्ते बुधवार को भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने दुबई में तालिबान के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी से मुलाकात की थी। इसे अफगानिस्तान में तालिबान नेतृत्व के साथ भारत की पहली बड़ी मुलाकात के तौर पर देखा गया था। भारत पिछले एक साल से धीरे-धीरे तालिबान के साथ संबंधों को बेहतर बना रहा है। हालांकि, तालिबान ने अगस्त 2021 में ही काबुल फतह कर ली थी। तब से तालिबान पूरे अफगानिस्तान पर हूकुमत कर रहा है। इस बीच चीन, पाकिस्तान और रूस जैसे देशों ने तालिबान के साथ अपने रिश्तों को काफी मजबूत करने की कोशिश की है, लेकिन इस दौरान भारत ने दूरी बनाए रखी। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर भारत को 3.5 साल बाद तालिबान की याद कैसे आई।

>14

सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

पति के साथ रहने से इनकार करने वाली पत्नी भी गुजारा भत्ता की हकदार

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में कहा कि साथ रहने के आदेश का पालन नहीं करने की सूरत में भी पत्नी अपने पति से गुजारा भत्ता पा सकती है, बशर्ते कि महिला के पास पति के साथ रहने से इनकार करने का वैध और पर्याप्त कारण हो। सीजेआई संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की बेंच ने इस सवाल पर कानूनी विवाद का निपटारा किया कि क्या वैवाहिक अधिकारों की फिर से बहाली का आदेश पाने वाला पति कानून के अनुसार पत्नी को भरण-पोषण देने से मुक्त हो जाता है, यदि उसकी पत्नी साथ रहने के आदेश का पालन करने और ससुराल लौटने से इनकार कर देती है।

जस्टिस संजीव खन्ना की बेंच ने झारखंड हाई कोर्ट के अगस्त 2023 के फैसले को खारिज कर दिया। इसमें महिला को भरण-पोषण देने से इनकार कर दिया

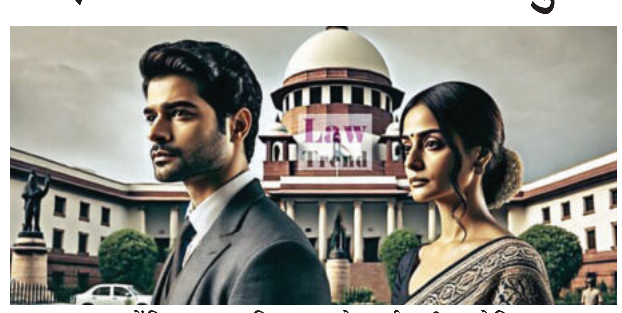

गया था। क्योंकि, वह महिला वैवाहिक अधिकारों की बहाली के आदेश के बावजूद अपने पति के साथ रहने नहीं आई। कोर्ट के पास यह तथ्य रखे गए थे कि पति लगातार अपनी पत्नी के साथ बुरा बर्ताव करता था। कोर्ट ने कहा कि उसके वापस न आने की वजह काफी अच्छी थी। कोर्ट ने पति को निर्देश दिया कि वह अगस्त 2019 में आवेदन करने के दिन से भरण-पोषण का भुगतान करे।

क्या है पूरा मामला :

अब पूरे मामले पर गौर करें तो एक जोड़े की शादी 1 मई 2014 को हुई थी, लेकिन अगस्त 2015 में उनका रिश्ता टूट गया। पति ने दावा किया कि पत्नी 21 अगस्त 2015 को उसका घर छोड़कर चली गई और फिर कभी वापस नहीं लौटी। पति ने वैवाहिक अधिकारों की बहाली के लिए रांची में पारिवारिक न्यायालय में याचिका दायर की। पत्नी ने कोर्ट को बताया कि उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया और उससे 5 लाख रुपये की मांग भी की गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनके पति का विवाहेतर संबंध था और 2015 में गर्भपात होने के बाद भी वह उनसे मिलने नहीं गए।

फैमिली कोर्ट ने साथ रहने का दिया था आदेश :

पत्नी ने यह भी कहा कि वह वापस जाने को तैयार हैं, लेकिन शर्तों के साथ। उसे घर के टॉयलेट का इस्तेमाल करने और खाना पकाने के लिए लकड़ी के चूल्हे या कोयले के चूल्हे के बजाय गैस का चूल्हे का इस्तेमाल करने की इजाजत दी जानी चाहिए। 23 मार्च 2022 को फैमिली कोर्ट ने दोनों को साथ रहने का आदेश दिया, लेकिन पत्नी ने उस आदेश का पालन नहीं किया। इसके बजाय, उन्होंने भरण-पोषण के लिए झारखंड हाई कोर्ट में अपील की। हाई कोर्ट ने फैसला सुनाया कि चूंकि पत्नी ने सहवास आदेश का पालन नहीं किया था और आदेश के खिलाफ अपील नहीं की थी, इसलिए वह भरण-पोषण की हकदार नहीं थी।

इसरो का स्पैडेक्स मिशन तीसरी बार टला, आखिर क्या है वजह

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट (स्पैडेक्स) प्रोजेक्ट अपने लक्ष्य के बिल्कुल करीब पहुंचने के बाद भी मिशन को पूरा नहीं कर पाया। इसरो ने बताया कि दोनों सैटेलाइट्स की दूरी को 15 मीटर से 3 मीटर तक लाने की कोशिश सफल रही, जिसके बाद दोनों सैटेलाइट्स को एक दूसरे से दूर कर दिया गया है। अब डाटा विश्लेषण के बाद डॉकिंग की कोशिश की जाएगी। आज ये तीसरी कोशिश थी। इससे पहले भी डॉकिंग प्रोसेस को दो बार टालना पड़ गया था।

डॉकिंग की तीसरी कोशिश

अंतरिक्ष में दो सैटेलाइट्स को आपस में जोड़ने की जटिल प्रक्रिया को स्पेस डॉकिंग कहा जाता है। डॉकिंग की ये तीसरी कोशिश शनिवार आधी रात के बाद शुरू हुई, जिसके तहत स्लो ड्रिफ्ट तकनीक का इस्तेमाल करते हुए दोनों सैटेलाइट्स के बीच की दूरी महज 15 मीटर लाया गया। उस समय इसरो ने कहा कि दोनों सैटेलाइट्स एक दूसरे से मिलन को तैयार हैं। 9 जनवरी को किए गए प्रयास के तहत जब दोनों सैटेलाइट्स के बीच की दूरी 230 मीटर थी, तभी सैटेलाइट का ड्रिफ्ट यानी भटकाव उम्मीद से ज्यादा हो गया और मिशन को टालना पड़ गया था।

क्यों रोकी गई डॉकिंग प्रक्रिया?

आज तड़के जब दोनों सैटेलाइट्स की बीच की दूरी 15 मीटर रह गई, तब पूरा देश ये उम्मीद करने लगा कि इस बार डॉकिंग सफल रहेगी। कुछ देर तक इस पोजीशन पर सैटेलाइट्स को होल्ड किया गया। दोनों सैटेलाइट्स से एक दूसरे की तस्वीरें और वीडियो बनाया गया, जिसके बाद अगले पड़ाव की कोशिश शुरू हो गई। सैटेलाइट्स को 15 से 3 मीटर की दूरी पर लाया गया, तभी कुछ गड़बड़ी हुई और दोनों सैटेलाइट्स को एक दूसरे से सुरक्षित दूरी तक ले जाया गया। पिछली कोशिश में ड्रिफ्ट यानी दोनों के बीच भटकाव ज्यादा हो गया था। दोनों सेटेलाइट को एक दूसरे से मिलाने के लिए दोनों को एक सीध में होना बेहद अहम है। दोनों की दिशा में थोड़ा सा भी भटकाव डॉकिंग को नाकाम कर सकता है। इस बार ड्रिफ्ट यानी भटकाव को जीरो डिग्री पर बनाए रखने में इसरो के वैज्ञानिक कामयाब रहे, लेकिन एक अहम सेंसर से सिग्नल मिलने में देरी हो गई। इसरो के सूत्रों ने बताया कि डॉकिंग के लिए जरूरी प्रोक्सिमिटी एंड डॉकिंग सेंसर के बर्ताव में गड़बड़ी देखी गई। सैटेलाइट्स की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ऑन बोर्ड सिस्टम्स को इस तरह डिजाइन किया जाता है कि जरा सी गड़बड़ी होने पर भी सैटेलाइट्स का सेफ्टी मोड खुद ब खुद ऑन हो जाता है और सैटेलाइट्स एक दूसरे से सुरक्षित दूरी पर चले जाते हैं।

कब होगी डॉकिंग की कोशिश?

इसरो के सूत्रों के मुताबिक, आज कुछ ऐसा ही हुआ। अब प्रोक्सिमिटी एंड डॉकिंग सेंसर के बर्ताव में हुई गड़बड़ी का विस्तार से आकलन किया जा रहा है। इस खामी को दूर करने के बाद ही अब डॉकिंग की अगली कोशिश की जाएगी। इसरो सूत्रों के मुताबिक, आज शाम को दोनों सैटेलाइट्स एक बार फिर इसरो के ग्राउंड स्टेशन के ऊपर से गुजरेंगे, तब डॉकिंग की एक कोशिश की जा सकती है, लेकिन अगर तब तक खामी का आकलन नहीं हो पाता है, तो फिर अगले अवसर का इंतजार करना पड़ेगा। इसरो सूत्रों के मुताबिक, दो दिनों के बाद इन दोनों सैटेलाइट्स की विजिबिलिटी भारत में मौजूद ग्राउंड्स स्टेशन से नहीं मिल पाएगी। ऐसे में हमें डॉकिंग के अगले अवसर के लिए मार्च महीने तक इंतजार करना पड़ सकता है।

विवेकानंद की 3-डी रंगोली बनाने में 48 घंटे का समय लगा, सीएम ने अनावरण किया, वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज

भोपाल, 12 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने युवा दिवस पर रविवार को स्वामी विवेकानंद पर बनी दुनिया की सबसे बड़ी 3-डी रंगोली का अनावरण किया। सीएम ने रंगोली में खुद रंग भरे। भोपाल के शौर्य स्मारक में 18 हजार स्क्वेयर फीट में 3-डी रंगोली बनी है। इस रंगोली में स्वामी विवेकानंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की तस्वीरें उकेरी गई। इस रंगोली में संवाद, सामर्थ्य और समृद्धि का संदेश दिया गया। विश्व की सबसे बड़ी यह 3-डी रंगोली गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हो गई है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद की जयंती पर मध्यप्रदेश ने इतिहास रचा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की बेटी द्वारा बनाई गई अद्भुत कौशल और अतुलनीय कला से समृद्ध यह रंगोली भारतीय संस्कृति और सृजनात्मकता का जीवंत प्रतीक है, जो प्रदेश के प्रत्येक युवा को मध्यप्रदेश का नाम गर्व से ऊंचा करने की निरंतर प्रेरणा देता रहेगी।

गोल्डन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज हुई रंगोली

युवा दिवस के उपलक्ष्य में भोपाल के शौर्य स्मारक में 18 हजार स्क्वेयर फीट में बनी 'विश्व की सबसे बड़ी 3डी रंगोली' को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में स्थान मिला है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के शौर्य स्मारक पहुंचते। यहां मुख्यमंत्री और स्कूली बच्चों ने एक दूसरे पर पुष्प वर्षा की। सीएम ने शौर्य स्मारक में इस 3-डी रंगोली को बनाने में 48 घंटे से अधिक का समय लगा है, रंगोली को इंदौर की जानी-मानी कलाकार शिखा शर्मा जोशी और उनकी टीम तैयार की है

ठाणे की इमारत में लगी आग, 250 लोग बचाए गए

ठाणे, 12 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे शहर में रविवार सुबह पांच मंजिला इमारत में आग लग गई। इसके बाद करीब 250 निवासियों को सुरक्षित निकाल लिया गया। ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया कि श्रीनगर के वागले एस्टेट इलाके में स्थित इमारत के भूतल पर कपड़े धोने की एक दुकान में सुबह करीब पांच बजे आग लग गई, हालांकि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। लगभग एक घंटे में आग पर काबू पा लिया गया जिसके बाद लोगों को अपने अपार्टमेंट में लौटने की अनुमति दी गई। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

लड़की का 62 लोगों ने किया यौन शोषण, 14 लोग हिरासत में; शख्स ने पड़ोसी की हत्या के बाद आत्महत्या की

तिरुवनंतपुरम, 12 जनवरी (एजेंसियां)। केरल के पथानामथिट्टा में एक दलित लड़की के साथ यौन शोषण के मामले में 14 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्हें 14 दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि कई अन्य लोगों को भी इस मामले में पुलिस हिरासत में लिया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच जारी है और कई अधिक गिरफ्तारी होने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि दो अलग-अलग पुलिस स्टेशनों में कुल नौ मामले दर्ज हैं। लड़की की उम्र फिलहाल 18 साल है, उसने अपनी शिकायत में बताया कि जब वह 13 साल की थी तब से उसके साथ 62 लोगों ने यौन शोषण किया। पुलिस ने बताया कि उन्हें सबूत मिले कि लड़की का उसके खेल ट्रेनर, एथलीटों और सहपाठियों ने यौन शोषण किया था। केरल महिला आयोग ने अपनी तरफ से एक मामला दर्ज किया और पथानामथिट्टा के पुलिस अधीक्षक को इस संबंध में तुरंत रिपोर्ट सौंपने को कहा।

कुलगाम में ऑनलाइन ठगी में 13.69 लाख वसूले गए,पीड़ितों को मिली राहत

श्रीनगर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। पुलिस के साइबर सेल ने ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी के कई मामलों को सुलझाकर 13.69 लाख रुपये वसूले हैं। साइबर पुलिस कुलगाम ने लोगों से प्राप्त शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए सबूत और आवश्यक जानकारी जुटाई। उन्नत तकनीक का प्रयोग कर धोखाधड़ी वाले लेनदेन को रोका गया। वसूली गई रकम पीड़ितों के खातों में ट्रांसफर कर दी गई है। अधिकारियों ने कहा कि ऐसी घटनाओं पर तुरंत 1930 पर राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन पर रिपोर्ट करें।

कैदी ने जेल के बाथरूम में लगाई फांसी, दुराचार और पॉक्सो एक्ट में काट रहा था सजा

बैतूल, 12 जनवरी (एजेंसियां)। बैतूल के जिला जेल में दुराचार और पॉक्सो एक्ट के आरोप में बंद एक विचाराधीन कैदी ने जेल के बाथरूम में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी। फिलहाल इस मामले की जांच की जा रही है। मामले को लेकर बैतूल एसडीओपी शालिनी परस्ते ने बताया कि विचाराधीन कैदी गोलू उर्फ गोटू उर्फ संदीप पिता कामिलाल सेमरे उम्र 28 साल निवासी खड़ाडू थाना आठनेर बैरक नंबर 2 में बंद था। रात में उसने बाथरूम में धोती के कपड़े से फांसी लगा ली। मृतक पर अपराध क्रमांक 320/23 धारा 366, 376(1)(2)(3) और 506 के तहत आठनेर थाना में मामला दर्ज था।

7640 करोड़ रुपये की इनकम पर टैक्स देना चाहता हूं
सुकेश चंद्रशेखर ने वित्त मंत्री को भेजा लेटर

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी केआरोप में 2015 में गिरफ्तार ठग सुकेश चंद्रशेखर ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को लेटर भेजा है। इसमें उसने 2024 के लिए अपनी घोषित 7,640 करोड़ रुपये की विदेशी आय को संबंधित सरकारी कर योजना के तहत शामिल करने की अपील की है। सुकेश ने एक पत्र में निर्मला सीतारमण को सूचित किया है कि उनके विदेशी व्यवसाय, एलएस होल्डिंग्स इंटरनेशनल और स्पीड गेमिंग कॉर्पोरेशन, जो नेवादा और ब्रिटिश वर्जिन द्वीप समूह में रजिस्टर्ड हैं, ऑनलाइन और ऑफलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी में शामिल हैं। सुकेश ने बताया कि उनका कारोबार अमेरिका, स्पेन, ब्रिटेन, दुबई और हांगकांग में सक्रिय है। उन्होंने यह भी कहा कि वे भारत में लंबित आयकर वसूली की सभी ऐक्शन और अपीलों का निपटारा करने के लिए तैयार हैं। सुकेश चंद्रशेखर ने भी प्रधानमंत्री मोदी की भी तारीफ की है। सुकेश के अनुसार पीएम मोदी के नेतृत्व में वह अपनी विदेशी आय पर कर चुकाकर और उसे देश में निवेश करके भारत के विकास में योगदान देना चाहते हैं।

टैक्स देना चाहता हूं

सुकेश ने अपने लेटर में लिखा, आज से, एक गौरवान्वित भारतीय होने के नाते, हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी के महान नेतृत्व में, मैं इस महान राष्ट्र के विश्व स्तरीय विकास में अपना योगदान देना चाहता हूं। उसने आगे लिखा कि अब से मैं स्वेच्छा से अपनी विदेशी आय पर भारतीय करों का भुगतान करूंगा। सुकेश ने लिखा कि वह अपनी विदेशी आय को यहां भारत में निवेश करेगा। ठगी के आरोपी सुकेश ने लिखा, इसके लिए मैं वर्ष 2024 के लिए अपनी वैध विदेशी आय 7,640 करोड़ रुपये घोषित कर रहा हूं। साथ ही, तत्काल आधार पर भारतीय कर कानूनों के अनुसार उचित करों का भुगतान करना चाहता हूं।

दस साल में सात गुना बढ़ी ड्रग्स की जब्ती 50 अवैध लैब भी पकडाई: अमित शाह

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। भारत में 7 फीसदी आबादी अवैध ड्रग्स का यूज करती है। जिसमें कई प्रकार के नशीले पदार्थ शामिल हैं। इसकी जानकारी खुद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दी है। इसके साथ ही उन्होंने ड्रग प्रवर्तन एजेंसियों को इस खतरे को कम करने के संकल्प पर जोर देने की बात की है। उन्होंने कहा कि इस जहर को समाज से पूरी तरह से खत्म करना है। माना इसमें कई चुनौतियां हैं लेकिन फिर भी हमें इसके लिए काम करना होगा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने खुलासा किया कि अकेले साल 2024 में ही 16,914 करोड़ रुपये के नशीले पदार्थ जब्त किए गए हैं। जो अब तक की सबसे बड़ी मात्रा है। इस दौरान उन्होंने 'ड्रग डिस्पोजल पखवाड़ा' भी लॉन्च किया, जिसके तहत अगले दस दिनों में लगभग 8,600 करोड़ रुपये की कीमत के एक लाख किलोग्राम नशीले पदार्थों को नष्ट कर दिया जाएगा। जिससे जनता को नशीली दवाओं के उन्मूलन के लिए सरकार की प्रतिबद्धता के बारे में एक संदेश भेजा जाएगा।

10 साल में 7 गुना बढ़ी ड्रग्स की जब्ती

शाह ने बताया कि 2004 से 2014 के बीच 3.63 लाख किलोग्राम ड्रग्स जब्त किए गए थे, जो 2014 से 2024 के 10 वर्षों में सात गुना बढ़कर 24 लाख किलोग्राम हो गए। 2004 से 2014 के बीच 10 वर्षों में नष्ट की गई दवाओं का मूल्य 8,150 करोड़ रुपये था। उन्होंने कहा, जो पिछले 10 वर्षों में सात गुना बढ़कर 56,861 करोड़ रुपये हो गया है। गृह मंत्री ने कहा कि नशीली दवाओं के उपयोग में वृद्धि के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए। बल्कि अब कार्रवाई की जा रही है और परिणाम प्राप्त हो रहे हैं। आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी। किसी भी कीमत पर ड्रग माफियाओं को बख्शा नहीं जाएगा।

50 अवैध प्रयोगशालाएं पकड़ी गई

शाह ने बताया कि भारत पूर्ववर्ती रसायनों के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक था। शाह ने यह भी बताया कि यह दवाओं के खिलाफ लड़ाई में एक चिंता का विषय बन गया है। उन्होंने कहा कि जब पारंपरिक दवाओं के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाते हैं, तो रासायनिक दवाओं की ओर एक स्वाभाविक मोड़ आ जाता है। देश भर में कम से कम 50 अवैध प्रयोगशालाएं पकड़ी गई हैं। हमें इस मोड़ को तुरंत रोकने की जरूरत है। शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने 2019 से ड्रग्स के खिलाफ अपना दृष्टिकोण बदल दिया है। उन्होंने कहा कि अगर छोटे मामले में ऊपर तक जांच की जाती है, इसके साथ ही उस बड़े तस्कर तक पहुंचने का प्रयास किया जाता है। ताकि इसका पूरा नेटवर्क ही ध्वस्त किया जा सके।

फर्जी कागजात के आधार पर वोटर आईडी कार्ड बनवाने के आरोप में 2 लोग गिरफ्तार, ईआरओ की शिकायत के बाद केस दर्ज

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। फर्जी कागजात के आधार पर वोटर आईडी कार्ड बनवाने के आरोप में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। निर्वाचन रजिस्ट्रेशन अधिकारी (ईआरओ) की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। शिकायत की जांच में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनके पास से फर्जी दस्तावेज बरामद किए गए हैं। यह मामला 30 दिसंबर 2024 को प्रकाश में आया, जिसके बाद निर्वाचन रजिस्ट्रेशन अधिकारी (ईआरओ), विधानसभा क्षेत्र-09 (किरारी) ने प्रेम नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में बताया गया कि पांच लोगों ने नए वोटर आईडी कार्ड के लिए आवेदन किया था, जिनमें से कुछ के दस्तावेज फर्जी पाए गए। पुलिस ने इस मामले में एफआईआर संख्या 771/24 दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने मामले की जांच के लिए विशेष टीम गठित की। जांच में पाया गया कि जुबैर, जो रमेश एन्क्लेव का रहने वाला है, ने अपने आधार कार्ड का उपयोग कर नया वोटर आईडी कार्ड बनवाने की कोशिश की। हालांकि, उसके आधार कार्ड में आवासीय पते के साथ छेड़छाड़ की गई थी।

24 घंटे में संजय राउत के बदले सुर
बीएमसी चुनाव में अकेले लड़ने और एमवीए गठबंधन पर अब क्या बोले?

मुंबई, 12 जनवरी (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत के सुर अब बदलते दिख रहे हैं। स्थानीय निकाय चुनावों को अकेले लड़ने और कांग्रेस पर हमला बोलने वाले राउत के तेवर आज नरम दिखे। राउत ने कहा कि उनकी पार्टी अपना आधार मजबूत करने के लिए स्थानीय निकाय चुनावों में अकेले उतरना चाहती है और उन्होंने कभी भी विपक्षी इंडी गठबंधन और महा विकास अघाड़ी (एमवीए) को भंग करने का आह्वान नहीं किया है।

राउत को बयान पर आई सफाई

राउत की यह टिप्पणी उनके एक दिन पहले के उस बयान के बाद आई जिसमें उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा था कि उनकी पार्टी बृहन्मुंबई नगरपालिका चुनाव अकेले लड़ेगी। राउत के बयान के बाद विपक्षी गठबंधन की एकता पर सवालिया निशान खड़ा हो गया था, जिसके बाद उनकी अब सफाई आई है।

क्या बोले थे राउत?

पत्रकारों से बात करते हुए राउत ने कहा था कि एमवीए का गठन विधानसभा चुनावों के लिए और इंडी गठबंधन का गठन लोकसभा चुनावों के लिए किया गया था। स्थानीय निकाय चुनाव पार्टी कार्यकर्ताओं को सशक्त बनाने और जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने के लिए हैं।

गठबंधन के अस्तित्व पर उठाए थे सवाल

राज्यसभा सांसद ने ये भी कहा था कि कांग्रेस के कारण इंडी गठबंधन में दरार आई है। लोकसभा चुनाव के बाद से सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी ने एक भी बैठक नहीं ली और न ही कोई रणनीति बनाई गई। यहां तक कि राउत ने कहा था कि उमर अब्दुल्ला, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव, अरविंद केजरीवाल जैसे नेता कहते हैं कि गठबंधन का अब कोई अस्तित्व नहीं है। अगर लोगों के मन में ऐसी भावना आ गई तो इसके लिए गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस जिम्मेदार होगी।

काले जादू के नाम पर स्वघोषित फकीर ने महिला से 8.8 लाख रुपए ठगे, इस तरह दिया चकमा

मुंबई, 12 जनवरी (एजेंसियां)। मुंबई से सटे भिवंडी इलाके में इलाज के नाम पर काला जादू करने को लेकर महिला के साथ 8 लाख रुपए से ज्यादा की ठगी हो गई है। इस ठग ने अंडे में से कील निकालकर महिला को भरोसा दिलाया और कहा कि काला जादू नहीं हटा तो 6 महीने में बेटे की मृत्यु हो जाएगी। प्राथमिक रूप से मिली जानकारी के मुताबिक, मुंबई से सटे भिवंडी इलाके में 44 साल के स्वघोषित फकीर हजरत बाबा पर एक महिला से उसके पति और बेटे को काला जादू से ठीक करने के बहाने 8.8 लाख रुपए ठगने का आरोप है। दोनों ही भिवंडी के रहने वाले हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपी अमजद असद खान उर्फ हजरत बाबा ने महिला को 3 लाख रुपए का लोन भी दिया और उससे ब्याज पर पैसा भी लिया। पुलिस के मुताबिक, धोखाधड़ी अक्टूबर 2023 से लेकर अभी तक चली, जब तक शिकायतकर्ता को धोखाधड़ी का एहसास नहीं हुआ तो महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

वोटर बनने में महिलाएं पीछे, किसी भी सीट पर पुरुषों के बराबर नहीं; ओखला में सबसे बड़ा अंतर

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी की महिलाएं मतदाता बनने में पुरुषों से काफी पीछे हैं। यह स्थिति तब है, जब दिल्ली की सत्ता पर काबिज होने की कोशिश कर रहे राजनीतिक दलों के घोषणा पत्र में महिलाओं से जुड़ी योजनाओं की भरमार है। सभी दल महिला मतदाताओं को अपने पाले में करने के लिए भरसक प्रयास कर रहे हैं, लेकिन मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की ओर से जारी अंतिम मतदाता सूची को देखें तो पुरुष मतदाताओं से महिलाओं की संख्या काफी कम है। इस बार दिल्ली में कुल 1,55,24,858 मतदाता हैं। इनमें पुरुष 85,49,645 और महिलाएं 71,73,952 हैं। दिल्ली के 70 विधानसभा क्षेत्रों में किसी में भी महिलाएं पुरुष मतदाताओं से आगे नहीं हैं। ओखला विधानसभा क्षेत्र में सबसे ज्यादा करीब 60 हजार के अंतर से महिलाएं पुरुषों से पीछे हैं, तो तिलक नगर विधानसभा में सबसे कम 2649 के अंतर से पीछे हैं। मतदाता सूची पर नजर डालें तो 19 विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं जहां पर एक से 10 हजार के अंतर से महिलाएं पुरुषों से पीछे हैं। वहीं, 33 विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं जहां पर 10 से 20 हजार के अंतर से महिलाएं पुरुषों से पीछे हैं। दूसरी तरफ 70 विधानसभा क्षेत्रों में से 18 विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं जहां पर पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं की संख्या काफी कम है। यहां पर 20 से 60 हजार तक के अंतर से महिलाएं पीछे हैं।

असम की कोयला खदान से अबतक निकाले गए 4 शव, रेस्क्यू ऑपरेशन अभी भी जारी

गुवाहाटी, 12 जनवरी (एजेंसियां)। असम के दीमा हसाओ जिले में कोयला खदान में फंसे मजदूरों का पता लगाने के लिए बचाव अभियान रविवार को सातवें दिन भी जारी रहा। इस खदान में फंसे चार मजदूरों के शव अबतक निकाले जा चुके हैं, जबकि पांच लोगों की अभी भी तलाश की जा रही है। अधिकारियों ने इस बात की जानकारी जानकारी दी। राज्य के खान एवं खनिज मंत्री कौशिक राय ने बताया कि खदान से पानी निकालने का काम जारी है और उम्मीद है कि यह प्रक्रिया जल्द ही अंतिम चरण में पहुंच जाएगी। बता दें कि गुवाहाटी से लगभग 250 किलोमीटर दूर उमरंगसो क्षेत्र में स्थित कोयला खदान में छह जनवरी को अचानक पानी भर गया। इस हादसे के बाद खदान के अंदर नौ मजदूर फंस गए थे। इनमें से अब तक चार मजदूरों के शव बरामद किए जा चुके हैं। पहला शव बुधवार को बरामद किया गया, जबकि तीन अन्य शव शनिवार को निकाले गए। एनडीआरएफ टीम के कमांडर रोशन कुमार सिंह ने कहा कि जलमग्न खदान से पानी निकालने की प्रक्रिया जारी है और जलस्तर घट रहा है। उन्होंने बताया, आज बचाव अभियान का सातवां दिन है और अब तक चार शव बरामद किए जा चुके हैं। पानी निकालने का काम जारी है और जलस्तर घट रहा है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना और नौसेना कर्मियों समेत कई एजेंसियां अभियान में जुटी हैं तथा ड्रोन तैनात किए गए हैं। राज्य के खान एवं खनिज मंत्री कौशिक राय ने शनिवार को घटनास्थल पर जारी अभियान निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि अगले 36 घंटे में जल निकासी का अंतिम चरण पूरा हो जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, पानी निकालने का काम जारी है। अगले 36 घंटे में हम अभियान के अंतिम चरण में पहुंचने की उम्मीद करते हैं। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा था कि यह खदान 12 साल पहले बंद कर दी गई थी और तीन साल पहले तक यह असम खनिज विकास निगम के अधीन थी। खनिकों के मुखिया को गिरफ्तार कर लिया गया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

न सांसद-न मंत्री, फिर भी महिलाओं की उन्नति से जुड़ीं स्मृति ईरानी, 1 लाख विधवाओं को बनाएंगी आत्मनिर्भर

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। बीजेपी नेता स्मृति ईरानी ने महिला और बाल विकास मंत्री रहते हुए महिलाओं की उन्नति और सशक्तिकरण के लिए कई कार्यक्रम चलाए थे, सरकार में शामिल नरहकर भी वह गैर सरकारी संगठनों के जरिए सामाजिक सरोकार खासकर महिलाओं की उन्नति से जुड़े मुद्दों लेकर लगातार काम कर रही हैं। उनकी सबसे लेटेस्ट पहल है देश में विधवा महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार लाने की कोशिश करना। स्मृति ईरानी ने एक गैर सरकारी संगठन लुंबा फाउंडेशन के जरिए देश में विधवा महिलाओं की सशक्तिकरण का बीड़ा उठाया है। स्मृति ईरानी की पहल पर लूंबा फाउंडेशन ने भारत में "उसका कौशल-उसका भविष्य" कार्यक्रम चलाने का निर्णय लिया है। इस कार्यक्रम के पहले चरण में देशभर में 1 लाख विधवा महिलाओं को स्किल डेवलपमेंट और ट्रेनिंग देकर आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। स्मृति ईरानी गैर सरकारी संगठन लूंबा फाउंडेशन की वाइस प्रेसिडेंट हैं जबकि पूर्व ब्रिटिश पीएम टोनी ब्लेयर की पत्नी चेरी ब्लेयर इसकी प्रेसिडेंट हैं। शुक्रवार में दिल्ली में इस कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत के मौके पर स्मृति ईरानी ने कहा कि "महिलाएं परिस्थितियों या चुनौतियों की शिकार नहीं होती हैं, बल्कि उनमें प्रतिकूल परिस्थितियों से लड़ने और उभरने की क्षमता होती है।" इस पहल का उद्देश्य विभिन्न समुदायों की विधवाओं के बीच आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक हिस्सेदारी को बढ़ावा देना है। इसके जरिए 1 लाख विधवा महिलाओं को ना सिर्फ दक्ष बनाने के ट्रेनिंग दी जाएगी, बल्कि उनको अपने पैरों पर खड़े होने किए जरूरी सहायता भी मुहैया कराई जाएगी। स्मृति ईरानी ने 1 लाख विधवा महिलाओं को सशक्तिकरण के लिए चलाए जा रहे इस कार्यक्रम की शुरुआत करने से दो दिन पहले ही यानि मंगलवार को कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन द्वारा कानपुर में यूपी और उत्तराखंड की 56 महिला विधायकों के प्रशिक्षण के लिए आयोजित कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि की भूमिका अदा की है। यूपी की 48 और उत्तराखंड की 6 महिला विधायकों के प्रशिक्षण के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में ईरानी ने सदन की कार्यवाही में महिलाओं की सहभागिता और संसदीय लोकतंत्र को मजबूत करने में महिलाओं की भूमिका को लेकर चर्चा की थी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता

सुविचार: विश्वास वो शक्ति है जिससे उजड़ी हुई दुनियाँ में भी प्रकाश फैलाया जा सकता है।

हर पात्र को राशन कार्ड, इंदिराम्मा घर : मंत्री पोन्नम

अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी कल्याण और परिवहन मंत्री, हैदराबाद जिला प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि पात्र सभी लोगों को राशन कार्ड और इंदिराम्मा मकान दिए जाएंगे। रविवार को जीएचएमसी मुख्यालय में मंत्री की अध्यक्षता में हैदराबाद जिले के अधिकारियों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक हुई।

इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री ने कहा कि 10 जनवरी को मुख्यमंत्री ने राज्य स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक की, जिलाधिकारियों और मुख्यमंत्री ने चार महत्वाकांक्षी योजनाओं के उद्घाटन को लेकर समीक्षा बैठक की। रैतु भरोसा और इंदिरम्मा आत्मिया कनुका ये दोनों योजनाएं हैदराबाद और जीएचएमसी के दायरे में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि सर्वे का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक लाभार्थी तक सरकारी कल्याणकारी योजनाएं पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि सभी पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करने के लिए चयन प्रक्रिया की जायेगी। हैदराबाद के लोगों से अपील के बाद सर्वे के बाद भी अधिकारियों को जानकारी दी जा सकती है। चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार उन सभी लोगों को न्याय देगी जो इसके हकदार हैं। लोगों को राजनीति से प्रभावित नहीं होना चाहिए। पिछली सरकार ने 10 साल तक राशन कार्ड जारी नहीं किये थे।

उन्होंने कहा कि सरकार ने गरीबों को राशन कार्ड उपलब्ध कराने का स्पष्ट निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कलेक्टर्स की बैठक में राशन कार्ड जारी करने का सकारात्मक निर्णय लिया है। प्रभारी मंत्री सभी संयुक्त जिलों में बैठकें कर रहे हैं। सांसदों, विधायकों और विधान पार्षदों के साथ बैठक की गई। हम उनके सुझावों पर विचार कर रहे हैं और जरूरत पड़ने पर मुख्यमंत्री से चर्चा कर निर्णय ले रहे हैं। सभी लोगों को इस अवसर का उपयोग करना चाहिए। 16 से 20 तारीख के बीच फील्ड वेरिफिकेशन किया जाएगा। स्थलीय सत्यापन के बाद 20 से 24 जनवरी के बीच वार्डवार ग्राम सभाओं द्वारा सूची का गठन किया जाएगा और लाभार्थियों का चयन पारदर्शी तरीके से किया जाएगा। सरकार ने 21-25 के बीच डेटा एंट्री पूरी करने के बाद प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र को 3,500 इंदिरम्मा घर आवंटित किए हैं। 26 से नये राशन कार्ड आयेंगे।

इंदिराम्मा घरों के लाभार्थियों की घोषणा होगी। हैदराबाद में 50 प्रतिशत आवेदन उन लोगों से प्राप्त हुए हैं जिनके पास अपनी जमीन है और वे बेघर हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही सर्वे पूरा होने के बाद पात्र लाभार्थियों की सूची सामने आ जायेगी।

मंत्री ने कहा, ग्रेटर हैदराबाद लोक प्रशासन में 10 लाख 70 हजार 463 आवेदन प्राप्त हुए और उनमें से 50 प्रतिशत का सर्वेक्षण किया गया, जिनमें से 9,913 लोगों के पास घर है। हालांकि, हैदराबाद में जमीन का मुद्दा अनोखा है और इसलिए गरीबों को एक अच्छा निर्णय लेने की जरूरत है और जन प्रतिनिधियों के सुझाव के अनुसार, हमने मल्टी स्टोर बनाने या झुग्गियों को विकसित करने और घर बनाने की कार्य योजना बनाई है।

सीपीएम ने जनसभा का पोस्टर जारी किया

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीएम तेलंगाना राज्य समिति का चौथा सम्मेलन इस महीने की 25 से 28 तारीख तक आयोजित किया जाएगा। 25 जनवरी को संगारेड्डी पीसीआर ग्राउंड में जनसभा होगी। इस पृष्ठभूमि में सीपीएम पोलित ब्यूरो सदस्य बीवी राघवुलु और सीपीएम राज्य सचिव तम्मिनेनी वीरभद्रम ने जनसभा का पोस्टर जारी किया।

इस अवसर पर बोलते हुए तम्मिनेनी वीरभद्रम ने आरोप लगाया कि सीएम रेवंत की सरकार जनविरोधी फैसले ले रही है और फार्मा सिटी, फोर्थ सिटी और हाइड्रा के नाम पर गरीब लोगों के घरों को ध्वस्त कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा चुनावों में किया गया सातवां वादा आजादी अब तेलंगाना में लागू नहीं किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि पार्टी अपने राज्य सम्मेलन में रेवंत सरकार के फैसलों पर चर्चा करेगी और कहा कि राज्य सरकार ने घोषणा की है कि 26 जनवरी से कल्याणकारी योजनाएं लागू की जाएंगी। उन्होंने कहा, यह जानकर खुशी हुई कि सरकार ने घोषणा की है कि वह लोगों के लिए किए गए वादों को लागू करेगी, न कि स्थानीय निकायों के चुनावों के लिए चुनावी लाभ के लिए।

उन्होंने टिप्पणी की कि इंदिराम्मा के घरों का चयन ग्राम सभा में ही किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, लाखों लोग ऐसे हैं जिनके पास जॉब कार्ड और राशन कार्ड नहीं हैं।

इंदिराम्मा के घरों की पात्रता के लिए उनके पास राशन कार्ड और जॉब कार्ड नहीं होंगे। ऐसे लोगों को भी घर दिए जाने चाहिए। वीरभद्रम ने कहा कि अगर वे राज्य सरकार में सहयोगी होते, तो वे मंत्री पद ले लेते। बीवी राघवुलु ने मांग की कि श्रम न्यायालयों पर केंद्र के फैसले को उलट दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, रेवंत सरकार को यह बयान देना चाहिए कि तेलंगाना में श्रम न्यायालय के नियम लागू नहीं होंगे और एक राष्ट्र-एक चुनाव एक निरंकुश प्रणाली की तरह है।

फिल्म निर्माता सुरेश बाबू, वेंकटेश, अबिराम के खिलाफ मुकदमा

घर में जबरन घुसने और आपराधिक साजिश रचने का मामला

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। फिल्मनगर पुलिस ने फिल्म निर्माता डी सुरेश बाबू, अभिनेता डी वेंकटेश, डी अबराम के खिलाफ कथित तौर पर घर में जबरन घुसने और आपराधिक साजिश रचने का मामला दर्ज किया है। यह मामला स्थानीय अदालत के निर्देश पर दायर किया गया था, जब भाजपा नेता नंदा कुमार ने अदालत का दरवाजा खटखटाकर आरोप लगाया था कि टॉलीवुड हस्तियों ने जुबली हिल्स स्थित उनकी संपत्ति पर कथित रूप से अतिक्रमण कर उसे हड़प लिया है। यह मुद्दा कुछ साल पहले तब शुरू हुआ जब नंद कुमार ने कथित तौर पर जुबली हिल्स में संपत्ति लीज पर ली और डेक्कन किचन रेस्तरां शुरू किया। फिल्मनगर पुलिस ने आईपीसी की धारा 448, 452, 458 के साथ 120बी के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एटीएम चोरी, गैस कटर से काटा, 17 लाख रुपये चोरी

कामारेड्डी, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। चोरों ने शनिवार रात यहां पितलाम कस्बे में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एटीएम मशीन को काटकर 17 लाख रुपये नकदी लूटने में सफलता प्राप्त की। पुलिस ने बताया कि चोरों ने एटीएम को गैस कटर से काटा और लूट का माल ले गए। बैंक अधिकारियों का कहना है कि चोर एटीएम से करीब 17 लाख रुपये ले गए हैं। जांचकर्ता सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं।

नहीं मिली महाधरना की अनुमति, भुवनगिरी में तनाव

बीआरएस नेताओं को किया गया नजरबंद

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा पार्टी कार्यालय के विरोध में रविवार को बीआरएस द्वारा आहूत महाधरना की अनुमति न मिलने के बाद भुवनगिरी कस्बे में माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है। पुलिस ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए इसकी अनुमति देने से इनकार कर दिया। प्रस्तावित धरना स्थल के चारों ओर बैरिकेड्स लगा दिए गए हैं और कस्बे में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

बीआरएस समर्थक बड़ी संख्या में एकत्र होकर बीआरएस जिला इकाई कार्यालय पर हमले में शामिल आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। बंद को रोकने के लिए रविवार सुबह से ही पुलिस ने कई बीआरएस नेताओं को नजरबंद कर दिया है। रिपोर्टों के अनुसार भुवनगिरी और अलेयर निर्वाचन क्षेत्रों में बंद के आह्वान के मद्देनजर पुलिस ने बीआरएस नेताओं को घरों से बाहर निकलने से रोक दिया।

बीआरएस के पार्टी कार्यालय पर हमला होने के बावजूद पुलिस द्वारा बीआरएस को निशाना बनाकर की गई कार्रवाई की आलोचना की गई है। अधिकारियों द्वारा जारी एक आधिकारिक नोट में शहर में जनजीवन को बाधित करने के लिए बीआरएस और उसके विरोध प्रदर्शनों को दोषी ठहराया गया। नतीजतन, अमरेंद्र गौड़, कोलुपुला अमरेंद्र, बुदिदा बिक्षमैया गौड़, विधायक कुसुकुंतला प्रभाकर रेड्डी और गोंगिडी सुनीता सहित पार्टी के सभी महत्वपूर्ण नेताओं को नजरबंद कर दिया गया। सभी व्यस्त व्यापारिक इलाकों की घेराबंदी कर दी गई और बीआरएस और कांग्रेस कार्यालयों की ओर जाने वाली सड़कों को अवरूद्ध कर दिया गया।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने स्वामी विवेकानंद की 162वीं जयंती के अवसर पर जुबली हिल्स स्थित अपने आवास पर उनके चित्र पर मल्यार्पण की। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री सुदर्शन रेड्डी, जगित्याला विधायक डॉ. संजय कुमार, पालकुर्ती विधायक यशस्विनी रेड्डी और वरिष्ठ कांग्रेस नेता जेटी कुसुमा कुमार, रोहिन रेड्डी ने भाग लिया।

ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए उचित सावधानी बरती जाए : डॉ लक्ष्मण

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट जिले के कोंडापोचम्मा जलाशय में मारे गए युवाओं की अंतिम यात्रा में भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राज्यसभा सदस्य डॉ.के. लक्ष्मण शामिल हुए। उन्होंने कहा कि इस घटना में मुशीराबाद के बोलाकपुर डिवीजन के इंदिरानगर के भाइयों ग्यारा धनुष और ग्यारा लोहित की जान चली गई, जो हृदय विदारक है। उन्होंने प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने ईश्वर से शोक संतप्त माता-पिता को साहस प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कहा कि सरकार को मृतकों के परिजनों को हरसंभव मदद देनी चाहिए। लक्ष्मण ने सुझाव दिया कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए उचित सावधानी बरती जानी चाहिए और कोंडापोचम्मा सागर में कई लोगों की जान जा चुकी है। जलाशय के आसपास सुरक्षा उपाय बढ़ाए जाने चाहिए। प्रभावित परिवारों को डबल बेडरूम मकान के साथ 25 लाख मुआवजे की मांग की गई। इसी तरह उन्होंने सरकार से पीड़ित परिवार में योग्य लोगों को सरकारी नौकरी देने की मांग की।

श्रीराम सागर परियोजना के तहत रबी का पूर्वानुमान बहुत अच्छा नहीं

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीराम सागर परियोजना (एसआरएसपी) में चालू जल वर्ष के दौरान पानी का पर्याप्त प्रवाह देखा गया है, जिसमें मानसून के मौसम की शुरूआत से अब तक कुल प्रवाह 283 टीएमसी तक पहुंच गया है। खरीफ फसल के मौसम में भरपूर बारिश का लाभ मिला, जिससे किसानों के लिए एक सुचारू और उत्पादक अवधि सुनिश्चित हुई। हालांकि, रबी सीजन के लिए संभावना कम ही दिखाई देती है। यह कृषि समुदाय के बीच चिंता पैदा कर रहा है।

एसआरएसपी के दूसरे चरण में किसानों ने पहले ही विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है, शनिवार को सूर्यपेट जिले के रामोजी टांडा जैसे इलाकों में प्रदर्शन की खबरें आई हैं। अशांति मुख्य रूप से रबी सीजन के लिए सिंचाई सहायता को लेकर अनिश्चितता से उपजी है। रबी के लिए पानी की आवश्यकता और उपलब्ध आपूर्ति में संतुलन नाजुक स्थिति में है, जिससे अधिकारियों के लिए मांग को पूरा करना चुनौतीपूर्ण स्थिति में है, विशेष रूप से हुजूरनगर और कोडाद जैसे निर्वाचन क्षेत्रों में, जहां से सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी और उनकी पत्नी पद्मावती रेड्डी प्रतिनिधित्व करते हैं। एसआरएसपी कमांड का क्षेत्रफल 9.68 लाख एकड़ है, जिससे निजामाबाद, जगतियाल, करीमनगर, पेड्डापल्ली और वारंगल समेत कई जिले लाभान्वित होते हैं। इसमें से 5,40,171 एकड़ लोअर मनैर बांध (एलएमडी) के ऊपर की ओर स्थित है। कमांड क्षेत्र जोन I के अंतर्गत जगित्याल, कोराटला और बालकोंडा और जोन II के अंतर्गत चोपडांडी, करीमनगर और धर्मपुरी में आता है।

हर गरीब व्यक्ति को बिना किसी भेदभाव के लाभ मिले : पोंगुलेटी

मंत्री ने विभिन्न सरकारी योजनाओं पर समन्वय बैठक की

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हनमाकोंडा जिला कलेक्टर के मीटिंग हॉल में मंत्री कोंडा सुरेखा, दानासारी अनसूया सीताक्का, राज्य सरकार के सचेतक डॉ. रामचन्द्र नाइक, राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष सिरिसिला राजैया, महबूबाबाद संसद सदस्य पोरिका बलराम नाइक, महापौर श्रीमती गुंडू सुधारानी, एमएलसी बसवराजू सरैया, विधायक नैनी राजेंदर रेड्डी, गंडरा सत्यनारायण, केआर नागराज, तेलम वेंकटराव, संयुक्त वारंगल जिला आवास विशेष अधिकारी विनय कृष्ण रेड्डी के साथ रैतु भरोसा, इंदिराम्मा आत्मीय भरोसा जैसी कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन पर एक संयुक्त बैठक आयोजित की गई। इंदिराम्मा घर, वारंगल जिला परिचालन समन्वय बैठक में राजस्व, आवास सूचना नागरिक संबंध विभाग, जिला प्रभारी मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने समीक्षा की और प्रभावी प्रबंधन के लिए जिला कलेक्टरों तथा जिला अधिकारियों को निर्देशित किया। कलेक्टर प्रवीण्य, डॉ. सत्या शारदा, शेख रिज़वान बाशा, दिवाकरा, कुडा के अध्यक्ष इनगाला वेंकटरामी रेड्डी, आईटीडीए पी.ओ. मिश्रा, छह जिलों के उप कलेक्टर, संबंधित जिला अधिकारी और अन्य ने भाग लिया। इस अवसर पर, संबंधित जिलों के कलेक्टरों और अतिरिक्त कलेक्टरों ने बताया कि गांव और वार्ड परिषदों का आयोजन कैसे किया जा रहा है, अधिकारियों की टीमों का आयोजन कैसे किया जा रहा है, और रैतु भरोसा से संबंधित मुद्दों पर गांव और वार्ड की बैठकें कैसे आयोजित की जा रही हैं। इंदिराम्मा आत्मीय भरोसा, नए राशन कार्ड, इंदिराम्मा घर आदि पर कार्य कैसे किया जा रहा है। बाद में राजस्व, आवास, सूचना नागरिक संबंध विभाग मंत्री, संयुक्त वारंगल जिला प्रभारी मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी कहा कि राज्य सरकार महत्वाकांक्षी रूप से 26 जनवरी को इन चार योजनाओं को शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गरीबों के सपने को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए जिलाधिकारियों ने अपर समाहर्ता एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि राशन कार्ड जारी करने के दिशा-निर्देश पिछली सरकार के दौरान दिए गए थे और नियमानुसार नए राशन कार्ड जारी किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि परिवार को एक इकाई माना जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार पात्र लोगों को नये राशन कार्ड उपलब्ध करायेगी। इंदिरम्मा ने कहा कि सरकार का मुख्य इरादा हर उस व्यक्ति को लाभ पहुंचाना है जो पात्र है। उन्होंने कहा कि इन चारों योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर ग्राम स्तर पर नगर निगम स्तर पर ग्राम सभा आयोजित की जाये तथा लाभार्थियों के चयन से संबंधित सूची वार्ड में रखी जाये तथा ग्राम सभा आयोजित होने से पहले संबंधित क्षेत्रों में फैलाया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि आगामी उगादी से नागरिक आपूर्ति दुकानों में छोटे चावल उपलब्ध कराने की योजना तैयार की जा रही है। उन्होंने कहा कि ग्राम स्तर एवं नगर निगम स्तर पर भ्रमण दल में कृषि राजस्व एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के प्रतिनिधि अवश्य रहें। उन्होंने कहा कि इंदिराम्मा आत्मीय भरोसा योजना के तहत भूमिहीन खेतिहर मजदूर परिवार को दो किस्तों में 12,000 रुपये दिये जायेंगे। वहीं, इंदिरम्मा ने कहा कि आवास चयन में आवासहीन गरीब परिवारों को मौका दिया जाना चाहिए। ग्राम वार्ड बैठकें आयोजित करते हुए सहायता केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए।

फॉर्मूला-ई रेस पर विधायक की टिप्पणी से कांग्रेस में संकट

कुछ लोगों ने की मेरी टिप्पणियों की गलत व्याख्या : नागेंदर

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद के विधायक दानम नागेंदर की यह टिप्पणी कि फार्मूला-ई रेस ने हैदराबाद की ब्रांड छवि को बढ़ाया है, इससे उनकी परेशानी बढ़ गई है। एक चैनल को दिए गए इंटरव्यू में उन्होंने जो टिप्पणी की, वह सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है।

टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने कहा कि वह विधायक के इंटरव्यू की जांच करेंगे और उसके अनुसार जवाब देंगे। परेशानी को भांपते हुए विधायक ने रविवार को इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने जानबूझकर उनकी टिप्पणियों की गलत व्याख्या की।

मीडियाकर्मियों से बात करते हुए नागेंद्र ने कहा कि मैंने रेस से जुड़ी कथित अनियमितताओं में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव को क्लीन चिट नहीं दी है।

मैंने बस इतना कहा कि फॉर्मूला-ई रेस ने हैदराबाद की ब्रांड इमेज को बढ़ाया है...। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोगों ने मेरी टिप्पणियों की गलत व्याख्या की और इसे इस तरह पेश किया जैसे कि वे सरकार के खिलाफ़ कही गई हों। मामले में एसीबी और ईडी की जांच जारी है और सभी तथ्य लोगों के सामने रखे जाएंगे।

नौकरियों के लिए 158 पूर्व सैनिकों को चुना गया

12 बहुराष्ट्रीय कंपनियों और निजी कंपनियों ने भाग लिया

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 9वें सशस्त्र बल भूतपूर्व सैनिक दिवस के उपलक्ष्य में, तेलंगाना और आंध्र उप क्षेत्र (टीएएसए) के तत्वावधान में सेना कल्याण प्लेसमेंट संगठन (एडब्ल्यूपीओ) द्वारा गोल्डन पाम सैनिक भवन, सिकंदराबाद में मैजिक बस फाउंडेशन (भारत), फैक्टसेट रिसर्च सिस्टम, तेलंगाना ओवरसीज मैनेजमेंट कंपनी (टॉमकॉम) और निजी/बहुराष्ट्रीय कंपनियों के सहयोग से एक नौकरी मेले का आयोजन किया गया।

टीएएसए मुख्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए डिप्टी जीओसी ब्रिगेडियर एनवी नंजुंदेश्वरा ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और नौकरी मेले में उम्मीदवारों को संबोधित किया।

एडब्ल्यूपीओ (एपी और तेलंगाना) के निदेशक कर्नल बी.जी. बुधोरी (सेवानिवृत्त) ने भी उम्मीदवारों को कार्यक्रम का अवलोकन कराया। कुल 12 बहुराष्ट्रीय कंपनियों और निजी कंपनियों ने भाग लिया। 206 पूर्व सैनिकों और 27 वीर नारियों/आश्रितों सहित 233 उम्मीदवारों के साक्षात्कार आयोजित किए गए। आश्चर्यजनक रूप से, 23 वीर नारियों/आश्रितों सहित 158 पूर्व सैनिकों को विभिन्न कंपनियों द्वारा अंतिम चयन के लिए चुना गया। चयनित उम्मीदवारों को तीन ऑफर लेटर सौंपे गए, जिनमें एक वीर नारी भी शामिल है।

रहम की गुहार लगाती रही दरिंदे नोचते रहे शरीर, महिला से दो शराबियों ने किया गैंगरेप

भागलपुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के भागलपुर में दो युवकों ने शौच के लिए जा रही 50 वर्षीय विधवा महिला के साथ गैंगरेप की घटना को अंजाम दिया। दोनों आरोपियों ने शराब के नशे में महिला के साथ दरिंदगी की। यह घटना कहलगांव अनुमंडल के सनोखर थाना क्षेत्र की है। खून से लथपथ महिला किसी तरह घर पहुंची और अपने परिजन को आपबीती सुनाई। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता का अनुमंडल अस्पताल में मेडिकल जांच करवाया गया है, जिसके बाद न्यायालय में उसका बयान दर्ज किया जाएगा। वहीं घटनास्थल पर एफएसएल की टीम भी जांच के लिए पहुंची थी, उनके द्वारा सैंपल भी एकत्रित किया गया है। मामले में पुलिस अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। पीड़िता ने दुष्कर्म के आरोपियों में से एक की पहचान नीतीश कुमार पासवान के रूप में की है।

राहुल गांधी के पटना दौरे की तैयारी तेज

लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार आएंगे

पटना, 12 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 18 जनवरी को एकदिवसीय पटना दौरे पर रहेंगे। वे संविधान सुरक्षा सम्मेलन को तो संबोधित करेंगे। इसके साथ ही राहुल गांधी सदाकत आश्रत जाकर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से भी संवाद करेंगे। उनके आगमन को लेकर पार्टी के स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

लोकसभा चुनाव के बाद पहला बिहार दौरा

राहुल गांधी पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार पटना आ रहे हैं। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता राजेश राठौड़ और प्रवक्ता आनंद माधव ने बताया कि राहुल गांधी सबसे पहले श्रीकृष्ण मेमोरियल हाल में आयोजित संविधान सुरक्षा सम्मेलन में अनुसूचित जाति, पिछड़े-अति पिछड़े और अल्पसंख्यक समेत विभिन्न समुदायों के लोगों से संवाद करेंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन दलित अधिकार मंच समेत सिविल सोसाइटी के विभिन्न संगठनों द्वारा किया गया है, जिसमें

राहुल गांधी शामिल होंगे।

कार्यकर्ता सम्मेलन को करेंगे संबोधित

इस कार्यक्रम के तुरंत बाद राहुल गांधी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय सदाकत आश्रम पहुंचेंगे, जहां कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया है। इस दौरान वह पार्टी के सभी सांसद, विधायक, विधान पार्षद, जिला प्रभारी व अन्य नेताओं-कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत करेंगे। विधानसभा चुनाव से पहले अहम दौरा इसी साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर यह आयोजन महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे आगामी चुनाव को लेकर पार्टी की रणनीति तो तय होगी ही, जमीनी स्तर के नेताओं और कार्यकर्ताओं में भी जोश भरेगा। सदाकत आश्रम में ही राहुल गांधी इंदिरा कर्मचारी आवास का भी उद्घाटन करेंगे। सदाकत आश्रम के कर्मियों के लिए परिसर में ही आठ फ्लैटों का निर्माण किया गया है। इस दौरान वह आवास पाने वाले कर्मियों को चाभी भी सौंपेंगे।

बिहार में इस साल होगा विधानसभा चुनाव

बिहार में इसी साल अक्टूबर-नंवबर महीने में विधानसभा चुनाव होने हैं, जिससे पहले सभी राजनीतिक दलों ने अपनी-अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। जेडीयू और आरजेडी नेता जनता के बीच जा रहे हैं। ऐसे में राहुल गांधी का बिहार दौरा काफी अहम माना जा रहा है। राहुल गांधी के दौरे से चुनावी तैयारियों में जुटे कार्यकर्ताओं के अंदर नई उर्जा का संचार होगा। वहीं आगे की चुनावी रणनीति भी तय होगी। राहुल गांधी के पटना आगमन के मौके पर कांग्रेस के राज्य प्रभारी मोहन प्रकाश, प्रदेश अध्यक्ष व सांसद डा। अखिलेश प्रसाद सिंह, विधानमंडल दल के नेता डा। शकील अहमद खान, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा समेत सभी वरीय पार्टी नेता मौजूद रहेंगे।

20 दिन के भीतर 150 से ज्यादा वारंटी को जेल, 5 घंटे में 72 को किया अरेस्ट

फिरोजाबाद, 12 जनवरी (एजेंसियां)। पुलिस लगातार वांछित अपराधियों को गिरफ्तार करने में जुटी हुई है। इसी क्रम में पुलिस कानून व्यवस्था को दुरुस्त रखने और जनपद में अपराधिक गतिविधियों को शून्य करने के लिहाज से लगातार अपराधियों पर शिकंजा कस रही है। पुलिस ने देर रात से लेकर सुबह 5:00 बजे तक जनपद के सभी थानों में गैर जमानती वारंटी के विरुद्ध गिरफ्तारी अभियान चलाया। इस अभियान के तहत जनपद भर के सभी थानों में 72 गैर जमानत वारंटी गिरफ्तार किए गए। फिरोजाबाद पुलिस ने 20 दिन के भीतर बड़े पैमाने पर यह अभियान दूसरी बार चलाया। इससे पहले 21 दिसंबर की रात अभियान चला कर जनपद के सभी 19 थाना क्षेत्रों में गिरफ्तारी की गई थी। इस अभियान के दौरान 61 वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। तब से यह अभियान लगातार जारी है। प्रतिदिन गैर जमानती वारंट में वांछित चल रहे अपराधियों को जेल भेजा जा रहा है। फिरोजाबाद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित के मुताबिक, जनपद में किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि को शून्य करने और अपराध नियंत्रण की दिशा में यह कार्रवाई लगातार की जा रही है। पेशेवर अपराधियों को गिरफ्तार कर उन्हें जेल भेजा जा रहा है। साथ ही साथ यह भी कोशिश की जा रही है कि जनपद वासियों को अपराध मुक्त और भयमुक्त माहौल प्रदान किया जाए। दिन रात 12:00 के बाद 5:00 बजे तक चले इस अभियान में 72 वारंटी गिरफ्तार किए गए। सिरसागंज थाने में सबसे ज्यादा 15 वारंटी गिरफ्तार किए गए, जबकि सर्कल के लिहाज से सबसे ज्यादा वारंटी टूंडला सर्कल से 21 वारंटी और सबसे छोटे सर्कल सिरसागंज में 16 वारंटी की गिरफ्तार हुए। गौरतलब है कि सिरसागंज सर्कल में जनपद के दो थाने सिरसागंज और नसीरपुर हैं। टूंडला सर्कल में सबसे ज्यादा 21, सिरसागंज में 16, सिटी में 12, जसराना में 10, शिकोहाबाद में 8 और सदर सर्किल में 7 गैर जमानती वारंट अपराधी गिरफ्तार किए गए।

सावधान! मथुरा में घूम रहा तेंदुआ

वन विभाग की सावधानी बरतने की अपील, दो जगहों पर लगाए कैमरा

मथुरा, 12 जनवरी (एजेंसियां)। सावधान, शहर में तेंदुआ घूम रहा है। हालांकि एक माह से जिले में तेंदुआ होने की सूचनाएं वन विभाग को मिल रही हैं। लेकिन, सिविल लाइंस क्षेत्र में स्ट्राइक वन कोर के आसपास तेंदुआ दिखने की प्रथमदृष्टया पुष्टि हो रही है। तेंदुआ का एक वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। वन विभाग की टीम लगातार सर्च कर रही है। इस कार्य में करीब आधा दर्जन कर्मचारी लगाए हैं, जो लगातार क्षेत्र में भ्रमणशील हैं। नरहौली क्षेत्र में एक पिंजड़ा एवं कैमरे भी लगवाए गए हैं, ताकि वह पकड़ा जा सके। वहीं लोगों से भी सावधान रहने की अपील की जा रही है। सर्द मौसम में तेंदुआ एवं टाइगर क्षेत्र में दिखने की सूचनाएं वन विभाग को करीब एक माह से मिल रही हैं। वन विभाग की टीम इस ओर सक्रिय बनी हुई है। बीते दिनों फरह, नरहौली क्षेत्र में तेंदुआ दिखने की सूचनाएं मिली हैं। एक पिंजड़ा रखवाया गया नरहौली थाना के आसपास आर्मी के क्षेत्र में तेंदुआ मिलने के बाद यहां पर एक पिंजड़ा रखवाया गया है। साथ ही कैमरे एवं पिंजड़ा भी रखवाया गया है। लेकिन, सिविल लाइंस के स्ट्राइक वन कोर टैंक चौराहा के आसपास तेंदुआ दिखाई दिया है। किसी ने इसका वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित किया है। ये वीडियो शहर में चर्चा का केंद्र बना हुआ है।

नोएडा की केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग

5 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद 32 फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने पाया काबू

नोएडाग्रेटर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। नोएडा के बादलपुर थाना क्षेत्र के दुजाना में स्थित एक केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। फैक्ट्री में रखे केमिकल के ड्रम में लगातार धमाके होने से स्थिति और भी गंभीर हो गई। दमकल की 32 गाड़ियों ने 5 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। राहत की बात यह रही कि बचाव दल ने जेसीबी की मदद से फैक्ट्री की दीवार तोड़कर अंदर फंसी 25 गायों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। डीसीपी सेंट्रल शक्ति अवस्थी ने बताया- आग रविवार तड़के 3.35 बजे लगी थी। करीब 32 दमकल की गाड़ियों ने 5 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया है। हादसे में कोई भी जनहानि नहीं हुई है

अरविंद केजरीवाल के बचाव में उतरे तेजस्वी

कहा उन्होंने बिहारियों को गाली नहीं दी है, आरजेडी के पोस्ट पर बीजेपी बोली- पिता जोकर, आप मिमिक्री आर्टिस्ट

पटना, 12 जनवरी (एजेंसियां)। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल के बाद राजद ने बीजेपी के लिए अपशब्द का प्रयोग किया। दरअसल,राष्ट्रीय जनता दल के एक्स अकाउंट से तेजस्वी यादव के वीडियो के साथ एक पोस्ट लिखा है, जिसमें भाजपा नेताओं के गलत शब्द को प्रयोग किया गया है। पोस्ट में लिखा है कि भाजपा नेताओं को अगर बिहारियों की इतनी चिंता हो रही है तो बिहार को विशेष राज्य का दर्जा क्यों नहीं देते। पोस्ट में तेजस्वी यादव का एक वीडियो भी है, जिसमें वे कह रहे हैं, अगर उन्हें बिहार की चिंता है तो बाढ़ में कितना फंड मिला पहले ये बताएं। इस दौरान उन्होंने केजरीवाल के उस बयान का भी बचाव किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि दिल्ली में यूपी-बिहार के 13 हजार फर्जी वोटर हैं। राजद नेता के इस बयान पर बीजेपी ने भी पलटवार किया है। भाजपा प्रवक्ता अरविंद सिंह ने कहा है, मैं जानता था कि राजद का मतलब राशि प्रवृत्ति, जलादि संस्कृति और दलित विरोधी हैं, लेकिन हम ये नहीं जानते थे कि भाषाई लंपटीकरण का आप नौजवान चेहरा बनेंगे। 'राजद के ट्विटर हैंडल पर जिस तरीके के शब्द का प्रयोग हुआ है। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। आप अपने पिता के संस्कारों पर चल रहे हैं।'

बीजेपी ने भाषाई लंपटीकरण का नौजवान चेहरा बताया

वहीं अब इस पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के प्रवक्ता अरविंद सिंह ने कहा है कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, मैं जानता था कि राजद का मतलब राशि प्रवृत्ति, जलादि संस्कृति और दलित विरोधी हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम नहीं जानते थे कि भाषाई लंपटीकरण का आप नौजवान चेहरा बनेंगे। राजद के ट्विटर हैंडल पर जिस तरीके के शब्द का प्रयोग हुआ है। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। आप अपने पिता के संस्कारों पर चल रहे हैं।

सत्ता और कुर्सी के लिए बिहार को बेचना बंद कीजिए

अरविंद सिंह ने कहा कि आपके पिता राजनीति के जोकर बने थे और आप मिमिक्री करने वाले बन चुके हैं। कांग्रेस-राजद की सरकार में जब इटालियन नेता के चरण वंदन करते थे। जब आपके पिताजी जेल यात्रा कर रहे थे, तब उस समय अपने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा क्यों नहीं दिलवा दिया। आप बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बने हैं। बिहार का विरोध करने के लिए नेता प्रतिपक्ष नहीं बने है। अरविंद केजरीवाल की वकालत कम कीजिए। सत्ता और कुर्सी के लिए बिहार को बेचना बंद कीजिए। दरअसल, अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में मौजूद यूपी-बिहार के वोटर्स को फर्जी बताया था। उनका आरोप था कि बीते 15 दिनों में दिल्ली में 13 हजार नए वोटर्स जोड़े गए और ये सभी यूपी-बिहार के फर्जी वोटर्स हैं।

लॉ स्टूडेंट पर 5 युवकों ने किया हमला, सुए से छेद डाला शरीर, डॉक्टरों को निकालनी पड़ी किडनी

ग्रेटर नोएडा, 12 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के नोएडा में लॉ स्टूडेंट पर 5 युवकों ने हमला कर दिया। आरोपियों ने छात्र पर बर्फ तोड़ने वाले सुए से कई वार किए। आरोपियों के हमले में छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल छात्र को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। डाक्टरों ने घायल छात्र का ऑपरेशन किया, सुए के वार से छात्र की किडनी खराब हो गई। डॉक्टरों को उसे निकालना पड़ा है। छात्र की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। वह अस्पताल के आईसीयू वार्ड में वेंटिलेटर पर जिंदगी और मौत से जूझ रहा है। घायल छात्र के परिजन की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। हमला करने वाले आरोपियों की तलाश की जा रही है।

बीपीएससी परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर पप्पू यादव का बिहार बंद बेअसर? पीके 11वें दिन भी अनशन पर डटे हैं

पटना, 12 जनवरी (एजेंसियां)। बीपीएससी परीक्षा को लेकर बिहार में विरोध प्रदर्शन हो रहा है। ये प्रदर्शन लंबे समय से चल रहा है। इसके बाद भी इसका कोई समाधान नहीं निकला है। जन सुराज पार्टी प्रमुख प्रशांत किशोर भी पिछले 10 दिनों से आमरण अनशन पर डटे हुए हैं। आज उनके अनशन का 11वां दिन है। इस बीच पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने बीपीएससी पुनर्परीक्षा की मांग को लेकर बिहार बंद का आह्वान किया था। बीपीएससी अभ्यर्थियों के समर्थन में पप्पू यादव और उनके समर्थकों ने 3 जनवरी को भी चक्का जाम किया था, इस दौरान पटना में पैसेंजर ट्रेनें रोकी गई थीं। हालांकि पटना समेत बिहार के ज्यादातर इलाकों में इस बंद का खास असर फिलहाल नहीं दिख रहा है। बंद के समर्थन में छात्र युवा शक्ति के बैनर तले कुछ छात्रों ने पटना विश्वविद्यालय के सामने अशोक राजपथ को जाम करने की कोशिश की। पप्पू यादव अपने समर्थकों के साथ आयकर गोलंबर से डाक बंगला चौराहा तक मार्च करेंगे। पप्पू यादव ने कहा कि बिहार बंद में नेशनल हाइवे और रेल को बंद नहीं किया जाएगा, सिर्फ बाजार बंद किया जाएगा। पूर्णिया सांसद की अपील पर उनके समर्थक सुबह से ही सड़कों पर उतरकर मार्केट बंद करा रहे हैं। इसके अलावा पप्पू यादव ने अन्य राजनीतिक दलों से भी इस बंद को लेकर समर्थन मांगा है। दरअसल बीते साल 13 दिसंबर को 70वीं बीपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा हुई थी। राजधानी पटना के एक सेंटर बापू परीक्षा परिसर का एग्जाम रद्द हुआ था। उसके बाद से नाराज अभ्यर्थियों ने विरोध प्रदर्शन शुरू किया और पूरी परीक्षा रद्द करने की मांग की। देखते ही देखते इस मामले ने लूत पकड़ लिया। हालांकि आयोग ने किसी भी तरह की गड़बड़ी होने से इनकार किया है।

प्रशांत किशोर अस्पताल से हुए डिस्चार्ज

प्रशांत किशोर पिछले 10 दिनों से बीपीएसी को लेकर आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं। जिन्हें पिछले दिनों गिरफ्तार कर लिया गया था। जिसके बाद कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी थी। इसी के दूसरे दिन उसकी तबीयत बिगड़ गई। बाद में उन्हें मेदांता में भर्ती कराया गया। जिन्हें अब डिस्चार्ज कर दिया गया है। ऐसा माना जा रहा है कि अस्पताल से आने के बाद पीके इस आंदोलन को एक बार फिर शुरू कर सकते हैं। जनसुराज ने मंगलवार से सत्याग्रह के अगले चरण की घोषणा की है। इसके लिए पटना के अलग जगहों पर पोस्टर भी लगाए गए हैं।

लखनऊ में रेप के बाद पिता को भेजा अश्लील वीडियो

घर वालों को दिया सुसाइड करने की धमकी; दोनों नर्सिंग स्टूडेंट

लखनऊ, 12 जनवरी (एजेंसियां)। लखनऊ में नर्सिंग छात्रा के साथ उसके दोस्त ने बातों में फंसाकर मिलने को बुलाया। रेप के बाद अश्लील वीडियो बना लिया। अब वायरल करने की धमकी दे रहा है। छात्रा ने पुलिस से शिकायत की तो सुसाइड नोट में उसका नाम लिख कर उसे चुप करा दिया। जेल जाने की डर से छात्रा ने किसी को घटना की जानकारी नहीं दी। आरोपी से दूरी बनाने लगी। दूरी बनाने पर उसका श्लील वीडियो माता-पिता को भेज दिया। परिजनों ने घटना की जानकारी होने पर चिनहट थाने में आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कुशीनगर निवासी युवती के मुताबिक वह चाचा के घर पर रहकर चिनहट स्थित एक इंस्टीटयूट से नर्सिंग कोर्स कर रही है। यहां उसके साथ बहराइच का राहुल भी कोर्स कर रहा है। यहीं से दोनों की दोस्ती हुई। वह अपनी बातों में फंसाकर कमरे पर ले गया था। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि राहुल से दूरी बनाई तो वह धमकी देने लगा। जवाब न देने पर रेप के दौरान बनाए वीडियो पिता के मोबाइल पर भेज दिए। सोशल मीडिया पर मेरे नाम से बनाए फर्जी अकाउंट पर फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी दिया है। चिनहट थाना प्रभारी भरत पाठक का कहना है कि तहरीर पर राहुल के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

बीजेपी विधायक की फिसली जुबान

कहा- 'जो निर्दोष है किसी कीमत पर नहीं बच पाएगा', आरजेडी ने की खिंचाई

पटना, 12 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार की राजनीतिक पार्टियों के नेता अक्सर अपने अजीबो-गरीब बयानों से चर्चाओं में रहते हैं। कुछ ऐसा ही मामला बगहा विधानसभा सीट से सामने आया है। जहां बीजेपी विधायक राम सिंह अपने बयान की वजह से राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के निशाने पर आ गए हैं। दरअसल, एक प्राइवेट स्कूल में छात्र की मौत के बाद बगहा में जमकर हंगामा हुआ।

घटना के जानकारी मिलने पर विधायक राम सिंह भी अस्पताल पहुंचे थे। मीडिया से बातचीत के दौरान विधायक की जुबान फिसल गई, उन्होंने कहा कि 'जो निर्दोष है वो किसी कीमत पर बच नहीं पाएगा।' बीजेपी विधायक राम सिंह ने आगे कहा कि बिहार में एनडीए की सरकार है एनडीए की सरकार में कोई निर्दोष नहीं बच पाएगा। वह सड़क पर नहीं घूम पाएगा। जेल के अंदर जाकर उसको हर्जाना भुगतना पड़ेगा।

आरजेडी ने बोला हमला

बीजेपी विधायक राम सिंह के बयान के वीडियो को राष्ट्रीय जनता दल ने अपने एक्स अकाउंट पर शेयर करते हुए हमला बोला है। एक्स पर लिखा कि ये एनडीए की सरकार है, इसमें कोई भी निर्दोष नहीं बच पाएगा। सुनिए बगहा के बीजेपी विधायक राम सिंह को। इसे गलती से फिसली ज़ुबान का कांड मत समझिए। यह कोई गलती से गलत निकली हुई बात नहीं है। सत्य का एक स्वाभाविक चरित्र होता है, गाहे बगाहे, जाने अनजाने वह सामने आ ही जाता है। एनडीए के 'सुसाशन' की सरकार में बेचारे हर निर्दोष पर ही तो कार्रवाई होती है। पोस्ट में आगे लिखा कि दोषी, अपराधी तो सब एनडीए, भाजपा-जेडीयू के तो हमेशा अपने चहेते लोग ही होते हैं। दोषियों पर कब कार्रवाई हुई है इनके राक्षसराज में? निर्दोषों का इन्होंने सचमुच रोड पर चलना दूभर कर दिया है।

पुलिस के हत्थे चढ़ी बीटेक पास युवती: बीएचयू की लाइब्रेरी से चुराती थी लैपटॉप और टैबलेट, पूछताछ में हुआ खुलासा

वाराणसी, 12 जनवरी (एजेंसियां)। बीएचयू की सेंट्रल लाइब्रेरी से छात्र-छात्राओं के लैपटॉप और टैबलेट चुराने के आरोप में बीटेक उत्तीर्ण एक युवती को लंका थाने की पुलिस ने गिरफ्तार किया। युवती की पहचान भेलूपुर थाना क्षेत्र की विश्वनाथपुरी कॉलोनी की रहने वाली विभा यादव के रूप में हुई है। उसके पास से चोरी का एक लैपटॉप और एक टैबलेट बरामद किया गया है। बीएचयू की सेंट्रल लाइब्रेरी के लाइब्रेरियन डॉ. देवेंद्र कुमार सिंह ने लंका थानाध्यक्ष शिवाकांत मिश्र से शिकायत की। उन्होंने बताया कि तीन-चार दिनों से सेंट्रल लाइब्रेरी से छात्र-छात्राओं के लैपटॉप और टैबलेट चोरी हो जा रहे हैं। विभा यादव नामक युवती एक लैपटॉप चुराते हुए रंगेहाथ पकड़ी गई है। पूछताछ के दौरान युवती ने लाइब्रेरी से दो दिन पहले चोरी हुआ एक टैबलेट भी बरामद कराया है।

43 करोड़ रुपये का लोन, 25 खातों में गड़बड़झाला

पूर्वांचल कोऑपरेटिव बैंक की मुख्य शाखा पर ईडी ने मारी रेड

गाजीपुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने पूर्वांचल अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक में छापा मारा है। टीम ने बैंक के पूर्व प्रवर्तक रामबाबू शांडिल्य को गिरफ्तार किया है। ईडी की टीम बिहार नंबर की गाड़ियों से बैंक में पहुंची। दिनभर टीम की कार्रवाई से हड़कंप मचा रहा। बैंक पर करोड़ों रुपयों को गोलमाल किए जाने का आरोप है। आरबीआई ने बैंक का लाइसेंस भी निरस्त किया हुआ है। पूर्वांचल अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक के नाम पर आम लोगों की गाढ़ी कमाई जो करीब 40 करोड़ के आसपास थी, उस रकम को बैंक के प्रवर्तक ने इस तरह से कुछ गोलमाल किया की मजबूरी में रिजर्व बैंक को भी लाइसेंस को निरस्त करना पड़ा। पूर्व प्रवर्तन सहित कई लोगों के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज कराया गया। हालांकि, बाद में रिजर्व बैंक ने 5 लाख तक के जमाकर्ताओं का करीब 12 करोड़ रुपए अब तक वापस कर चुकी है।

बैंक के पूर्व प्रवर्तक गिरफ्तार

ईडी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शुक्रवार देर रात पूर्व प्रवर्तक रामबाबू शांडिल्य को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई। गाजीपुर में अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक जिसका रिजर्व बैंक आफ इंडिया ने पहले ही फर्जीवाड़ा के मामले में लाइसेंस निरस्त कर दिया है। इसी बैंक के मुख्य शाखा पर बिहार नंबर की गाड़ी से ईडी की टीम ने दिनभर गोपनीय जांच के बाद बैंक के पूर्व प्रवर्तक रामबाबू शांडिल्य को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी की पुष्टि पुलिस अधीक्षक डा। ईरज राजा ने की। उन्होंने बताया कि यह गिरफ्तारी मनी लाउंड्री मामले में हुई है।

2023 में कर दिया 43 करोड़ रुपयों का लोन

पूर्वांचल कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड की स्थापना सन 1989 जिला शासकीय अधिवक्ता रहे रामबाबू शांडिल्य के द्वारा की गई। जिसका मुख्य शाखा शास्त्री नगर कचहरी पर है। इसकी शाखाएं महाराजगंज, जंगीपुर, सैदपुर, मोहम्मदाबाद में भी खोली गईं। शुरू में तो इस बैंक का लेनदेन सब कुछ ठीक-ठाक रहा। लेकिन साल 2023 में इस बैंक के द्वारा नियमों की अनदेखी करते हुए करीब 43 करोड रुपए का लोन कर दिया गया। आरबीआई ने जब इस बैंक की जांच कराई तब मामला सामने आया कि बैंक की तरफ से आरबीआई को गलत सूचनाओं भी भेजी गई हैं। क्योंकि 31 मई 2023 को एक करोड़ 97 लाख की एसएलआर प्रतिभूतिया दिखाई गई थी जबकि वह शून्य थी।

23 करोड़ रुपया फंसा

इन्हीं सब को देखते हुए आरबीआई ने इस बैंक की जमा एवं निकासी पर रोक लगा दिया था। हालांकि इस रोक लगाई जाने के बाद रिजर्व बैंक ने 912 खाताधारको के करीब 12 करोड़ 63 लाख रुपए वापस किए, जिनमें 5 लाख या उससे कम जमा थे। लेकिन मौजूदा समय में अभी भी 1691 खाता धारकों का करीब 23 करोड़ रूपया बैंक में फंसा हुआ है। 2023 में आरबीआई की जांच रिपोर्ट पर पूर्वांचल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के पूर्व प्रवर्तक राम बाबू शाण्डिल्य, पूर्व सीईओ विवेक पांडेय, प्रबंध कमेटी, लेखा परीक्षक मेसर्स विजय के। शर्मा एंड कंपनी, बैंक प्रोप्राइटर और संबंधित पार्टी व फर्म के खिलाफ शहर कोतवाली में 30 अगस्त 2023 में मुकदमा दर्ज कराया गया था। इस पूरे प्रकरण की जांच को ऑपरेटिव सेल वाराणसी कर रही है।

मणिपुर में सुरक्षाबलों को कामयाबी, फायर आर्म्स एके-56 समेत बड़ी संख्या में हथियार बरामद

इंफाल, 12 जनवरी (एजेंसियां)। मणिपुर के चुराचांदपुर और तेंगनौपाल जिलों में सुरक्षा बलों ने सात फायर आर्म्स और विस्फोटक सामग्री बरामद किए। पुलिस ने इसकी जानकारी दी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस घटना को लेकर कहा कि चुराचांदपुर पुलिस स्टेशन की सीमा के तहत ओल्ड गेलमोल गांव में एक तलाशी अभियान के दौरान, एक एके -56 राइफल और एक चीनी मूल के हथगोले सहित सात फायर आर्म्स बरामद किए गए। सुरक्षा बलों ने मणिपुर के चुराचांदपुर और तेंगनौपाल जिलों में तलाशी अभियान के दौरान सात फायर आर्म्स और विस्फोटक सामग्री बरामद की है, पुलिस ने रविवार को इसकी जानकारी दी है। सुरक्षा बलों ने तेंगनौपाल में मोरेह पुलिस स्टेशन की सीमा के तहत गोवाजंग क्षेत्र में भी तलाशी अभियान चलाया और लगभग 1 किलोग्राम वजन वाले दो इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) और लगभग 5 किलोग्राम वजन वाला एक आईईडी बरामद किया। पिछले साल मई से मणिपुर में जातीय हिंसा में 250 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। वहीं इससे पहले इंफाल पूर्वी जिले में नुंगब्रम और लैरोक वैफेई क्षेत्रों में एक 7.62 एमएम रूसी आरपीडी मशीन गन और 5.56 एमएम आइएनएसएएस राइफल बरामद हुई थी। इसी क्षेत्र में दो और हथियार और चार हथगोले, दो वायरलेस रेडियो सेट और गोलियां भी जब्त की गई हैं। कंगपोकपी जिले में लैमाटोन थांगबुह के समीप नेपाली खुट्टी क्षेत्र से तीन हथियार, एक डेटोनेटर एक आईईडी और गोलियां बरामद की गईं। मई में हिंसा भड़कने के बाद सुरक्षा बल पूरे मणिपुर में तलाशी अभियान चला रहे हैं। दो समूहों के बीच हिंसा में 250 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

'उद्धव की ताकत कमजोर हो रही', शिवसेना यूबीटी के अकेले चुनाव लड़ने के एलान पर राणे का तंज

मुंबई, 12 जनवरी (एजेंसियां)। भाजपा सांसद नारायण राणे का कहना है कि उद्धव ठाकरे की पार्टी कमजोर हो रही है। दरअसल शिवसेना यूबीटी ने स्थानीय निकाय चुनाव अकेले लड़ने का एलान किया है। उसे लेकर ही नारायण राणे ने तंज कसा है।

शिवसेना यूबीटी के अकेले चुनाव लड़ने के एलान के बाद महाराष्ट्र के महा विकास अघाड़ी गठबंधन के अस्तित्व पर सवालिया निशान लग गया है। अकेले चुनाव लड़ने का एलान करते हुए शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने कहा कि गठबंधन में अवसरों की कमी होती है और साथ ही संगठनात्मक विकास भी नहीं हो पाता है। राउत ने ये भी कहा कि महाविकास अघाड़ी और इंडी गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए था।

'उद्धव ने ढाई साल में गंवाई ताकत'

शिवसेना यूबीटी के अकेले चुनाव लड़ने पर जब भाजपा सांसद नारायण राणे से प्रतिक्रिया मांगी गई तो उन्होंने कहा कि 'उद्धव ठाकरे कभी आत्मविश्वास से बात करते थे, लेकिन अब उनकी ताकत कम हो गई है। अगर वे अकेले चुनाव लड़ेंगे तो क्या होगा? पार्टी में अब क्षमता नहीं है। बालासाहेब ठाकरे के नेतृत्व में उनकी पार्टी ने जो हासिल किया था, उसे उद्धव ठाकरे ने सिर्फ ढाई साल में गंवा दिया है।' शिवसेना (यूबीटी) द्वारा स्थानीय निकाय चुनाव में अकेले उतरने की घोषणा ऐसे समय हुई है, जब शिवसेना यूबीटी के रुख में भाजपा सरकार के प्रति नरमी देखी जा रही है।

शिवसेना यूबीटी के भाजपा के साथ आने की संभावनाओं पर बोले राणे

शिवसेना (यूबीटी) और भाजपा के बीच बढ़ती कथित नजदीकियों को लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने कहा, 'मुझे इसकी जानकारी नहीं है, लेकिन मुझे इससे कोई आपत्ति नहीं। पार्टी के वरिष्ठ नेता इस पर फैसला करेंगे और हमें वो मंजूर होगा।'

भाजपा के स्थानीय निकाय चुनाव अकेले लड़ने की संभावना पर प्रतिक्रिया देने से राणे ने इनकार कर दिया। बीड में सरपंच की हत्या को लेकर जारी हंगामे पर राणे ने संजय राउत को घेरा। उन्होंने कहा कि 'जब शिवसेना सत्ता में थी, तब राउत किसको बचा रहे थे? किस माफिया से उनकी मुलाकात हुई? किस अच्छे काम की वजह से उन्हें जेल जाना पड़ा? पहले उन्हें इसका जवाब देना चाहिए। राणे ने ये भी कहा कि 'शिवसेना (यूबीटी) में विश्वसनीय आवाजों की कमी है, इसलिए राउत बयानबाजी करते रहते हैं।

मां के साथ मिलकर गर्भवती पत्नी की हत्या, लाश के टुकड़े कर लगाई आग

श्रीनगर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग में चार माह पहले हत्याकांड के मामले में दिल दहला देने वाले वाकये सामने आ रहे हैं। अपनी आठ माह की गर्भवती पत्नी की हत्या के बाद आरोपित सबूतों को धीरे-धीरे मिटा रहा था। आरोपित ने चार अक्टूबर को अपनी पत्नी की हत्या की। इसके बाद घर में ही शव को दबा दिया। 10 दिन बाद इसे निकाला, छोटे-छोटे टुकड़े किए और इन्हें मिट्टी का तेल डालकर जला दिया। इसके बाद इन्हें घर के परिसर में ही बनी गोशाला में गाड़ दिया। आरोपित ने इसके बाद उस गड्ढे से अस्थियों की राख को अपने किचन गार्डन में खाद के तौर पर इस्तेमाल किया। इस पूरे कारनामे में आरोपित की मां (महिला की सास) ने उसका पूरा साथ दिया। इस अपराध को स्वीकारते हुए आरोपित इमरान खान ने बयान यह पुलिस थाने में पूछताछ में दिए हैं। दोनों आरोपितों को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। घटना अनंतनाग में पहलगाम के पास स्थित हलमुला हपतनाड़ अशमुकाम की है। मामले की जांच में शामिल एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि अक्टूबर 2024 के पहले सप्ताह के दौरान हलमुला हपतनाड़ के रहने वाले इमरान खान ने पहलगाम पुलिस स्टेशन में अपनी बीवी शबनम अख्तर के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। इमरान मजदूरी का काम करता है। शबनम इमरान की तीसरी बीवी थी। उसकी पहली बीवी की संदिग्ध परिस्थितियों में अपने ससुराल में खाना पकाने के दौरान जल गई थी। मायके वालों ने उस पर जलाने का आरोप लगाया था। सबूतों के अभाव में इमरान बरी हो गया था। उसके बाद उसने दूसरी शादी अपने गांव के ही नंबरदार की बेटी से की थी, लेकिन संतान न होने पर उसे शबनम से तीसरी शादी की थी, जिससे उसका एक बच्चा हुआ था। अब वह दूसरी बार मां बनने जा रही थी और आठ माह की गर्भवती थी।

नशे के खिलाफ 80 किमी पैदल चलेंगे राज्यपाल: गुलाब चंद 10 दिन करेंगे पैदल यात्रा, लोगों से भी की अपील

लुधियाना, 12 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया 80 किलोमीटर की पैदल यात्रा करेंगे। राज्यपाल ने नशे के खिलाफ जिम्मेदारी संभाल ली है। युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक करने के लिए दस दिन में राज्यपाल करीब 80 किलोमीटर पैदल चलेंगे। राज्यपाल की तरफ से नशे के खिलाफ जागरूकता यात्रा शुरू करेंगे। यात्रा में जुड़ने के लिए कटारिया विश्वविद्यालयों, धार्मिक गुरुओं व सामाजिक संगठनों के साथ बैठक कर रहे हैं। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू) के ओपन एयर थिएटर में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत नशे के खिलाफ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया एवं केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार खास तौर पर उपस्थित रहे। इस दौरान नशे के खिलाफ रैली का भी आयोजन किया गया। इसमें युवाओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। रैली में कुछ दूरी तक राज्यपाल एवं केंद्रीय मंत्री ने भी युवाओं का साथ दिया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को नशे से दूर रहने और दूसरों ऐसा करने के लिए प्रेरित करने की शपथ भी दिलाई गई। इस दौरान राज्यपाल ने युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। राज्यपाल ने कहा कि नशे की बढ़ रही कुरीति का समाज पर बुरा असर हो रहा है। युवा पीढ़ी इसकी दलदल में फंस कर बर्बाद हो रही है। ऐसे में नशा मुक्त समाज बना कर ही देश के भविष्य को संवारा जा सकता है। इसके लिए सभी का सहयोग जरूरी है। राज्यपाल ने कहा कि नशे के खात्मे के लिए सरकारों के प्रयास नाकाफी हैं। राज्यपाल ने कहा कि पंजाब गुरुओं और योद्धाओं की भूमि है। आज भी इस धरती पर वैसे ही योद्धा पैदा होते हैं लेकिन नशा ने उनको खोखला कर दिया है। पड़ोसी देश भारत के सामने इस समय सैन्य मोर्चा से लेकर हर मामले में कहीं नहीं टिकता। इसलिए उसने भारत के खिलाफ छद्म युद्ध शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि पंजाब बॉर्डर स्टेट है और यहां के युवाओं को नशे के गर्त में धकेल कर उन्हें बर्बाद कर रहा है जिसका असर आने वाले 10 से 15 सालों में सामने आएगा। उन्हें पूर्ण विश्वास है कि पंजाब सरकार, प्रशासन व आम लोग इस यात्रा के जरिये लोगों को जागरूक करने के लिए सड़क पर जरूर आएंगे।

गुजरात में 9 महीने के बच्चे और 59 वर्षीय व्यक्ति में एचएमपीवी संक्रमण की पुष्टि

अहमदाबाद, 12 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात के अहमदाबाद में 9 महीने के बच्चे और एक 59 वर्षीय व्यक्ति में एचएमपीवी वायरस की पुष्टि हुई है। इसी के साथ गुजरात में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के कुल पांच केस सामने आ गए हैं। इस बात की जानकारी अधिकारियों ने दी है। सभी मामले एक हफ्ते से भी कम समय में सामने आए हैं। अहमदाबाद नगर निगम द्वारा मिली जानकारी के अनुसार, बच्चे को सर्दी-खांसी और सांस लेने में तकलीफ के चलते 6 जनवरी को शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बच्चे का विदेश या अन्य यात्रा का कोई इतिहास नहीं है। उसका एचएमपीवी टेस्ट कराया गया, जिसमें रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इसके अलावा, अहमदाबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कच्छ जिले के एक व्यक्ति को एचएमपीवी से संक्रमित पाया गया। एएमसी ने कहा कि उसका भी यात्रा का कोई इतिहास नहीं है। इससे पहले शुक्रवार (10 जनवरी) को साबरकांठा जिले में 8 साल के एक लड़के में एचएमपीवी वायरस की पुष्टि हुई थी। गुजरात में एचएमपीवी का यह तीसरा मामला था। दो दिन पहले अहमदाबाद में 80 वर्षीय एक व्यक्ति में वायरल संक्रमण की पुष्टि हुई थी। अस्थमा से पीड़ित इस मरीज का फिलहाल एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। गुजरात में एचएमपीवी का पहला मामला 6 जनवरी को दर्ज किया गया था, जब राजस्थान के दो महीने के एक बच्चे में वायरल बीमारी की पुष्टि हुई थी। बच्चे में बुखार, जुकाम और खांसी जैसे लक्षण थे।

यहां एक अस्पताल में इलाज के बाद उसे डिस्चार्ज कर दिया गया था। बच्चे में संक्रमण की पुष्टि के साथ, राज्य में 6 जनवरी से अब तक एचएमपीवी के चार मामले सामने आ चुके हैं।

'ईमानदार हैं तो अपने पैसे से लड़ें ना'

सीएम आतिशी के क्राउड फंडिंग पर बोलीं अलका लांबा

कालकाजी, 12 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली की सीएम आतिशी ने कालकाजी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने के लिए जनता से मदद की अपील की है और क्राउड फंड कैम्पेन शुरू किया है। इस पर कांग्रेस प्रत्याशी अलका लांबा की तीखी प्रतिक्रिया आई है। अलका लांबा ने कहा, "आतिशी आज जनता से पैसे मांग रही हैं। अगर वह ईमानदार हैं तो अपने पैसे से चुनाव लड़े ना। अलका लांबा ने कहा, "हमने और जनता ने देखा है कि आम आदमी पार्टी ने कैसे शराब घोटाला किया है। अब दिल्ली धोखे में नहीं आएगी। दिल्ली की जनता अब कांग्रेस की ओर देख रही है। केजरीवाल और बीजेपी ने मिलकर दिल्ली को बर्बाद कर दिया है। मैं अरविंद केजरीवाल से कहूंगी कि वे बीजेपी और आरएसएस मुख्यालय जाना बंद करें और जनता के बीच जाएं।"

आतिशी ने दिल्ली वालों से की थी यह अपील

सीएम आतिशी ने 'डोनेट फॉर आतिशी' कैम्पेन की शुरुआत करते हुए ट्वीट किया, "पिछले पांच साल से बतौर विधायक, मंत्री और अब सीएम रहते आप मेरे साथ रहे। आप लोगों के समर्थन और आशीर्वाद के बिना यह संभव नहीं होता। एक युवा और शिक्षित महिला होने के नाते आपके विश्वास और दान ने मुझे राजनीति में करियर बनाने का सपना देखने के लायक बनाया। एक ऐसी राह जिसपर मैं अकेली नहीं चल सकती थी।" आतिशी ने समर्थन की अपील करते हुए कहा, "अब जब एक और चुनाव अभियान हमारे सामने है, मुझे आप लोगों की फिर से जरूरत है। मेरे क्राउड फंडिंग कैम्पेन में योगदान दीजिए।"

बीजेपी के कपिल मिश्रा ने कहा- इनकी दुर्गति हो गई

उधर, बीजेपी नेता कपिल मिश्रा ने पहले एनआरआई और देशभर के लोग आप को पैसा देते थे और आज मीडिया में आकर बोल रही है कि क्राउड फंडिंग करेंगी, ये उनकी दुर्गति है। ये लोग जनता से कट चुके हैं और पराजित हो चुके हैं।

तकिया मस्जिद क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने के लिए चली जेसीबी और पोकलेन

नोटिस जारी करने के साथ ही सुबह तक अनाउंसमेंट करता रहा प्रशासन

उज्जैन, 12 जनवरी (एजेंसियां)। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर के 500 मीटर क्षेत्र में आने वाले 257 मकान का अतिक्रमण हटाने के लिए आज सुबह 6 जेसीबी, 6 पोकलेन व अतिक्रमण रिमूवल गैंग के कर्मचारियों के साथ पुलिस व प्रशासन तकिया मस्जिद क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने पहुंचा था जहां इस कार्यवाही की शुरुआत हुई। अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो इसीलिए बड़ी संख्या में यहां पुलिस बल तैनात रहा। महाकाल लोक विस्तारीकरण को लेकर शहर में आज सुबह बड़ी कार्रवाई की गई। जिसके तहत प्रशासन ने तकिया मस्जिद और आसपास के क्षेत्र में आने वाले करीब 257 मकानों पर जेसीबी चलाकर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की। नायब तहसीलदार रुपाली जैन ने बताया कि इसे तो से अतिक्रमण हटाने के लिए पूर्व में ही मकान मालिकों को नोटिस दिए जा चुके थे। इसके साथ ही यहां काफी लोगों को मुआवजे की राशि भी मिल चुकी है। इस क्षेत्र में रहने वाले लोग अपने मकान खाली कर दे इसीलिए मुनादी भी करवाई जा रही थी। यही कारण रहा कि आज सुबह से कार्यवाही की शुरुआत हो गई। बताया जाता है कि तो क्या मस्जिद के आसपास के 257 मकान में लगभग 7 मकान का मामला न्यायालय में विचाराधीन है। इसीलिए अभी इन मकानों को छोड़कर बाकी के मकान पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जाएगी। बताया जाता है कि तो क्या मस्जिद के आसपास रहने वाले लोगों को इन मकानों को खाली करने के लिए लगभग 32 करोड़ का मुआवजा दिया जा चुका है। आज से शुरू हुई है कार्रवाई अभी लगातार चलेगी जिसमें धीरे-धीरे सारे मकान इस स्थान से हटाए जाएंगे।

शराब तस्करी में पुष्पा गैंग का पर्दाफाश : नाबालिगों से सप्लाई कराता था सरगना संतोष; चार गिरफ्तार

दक्षिण दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक्स स्टाफ ने अंतरराज्यीय शराब तस्कर गिरोह का खुलासा कर दो नाबालिगों सहित चार लोगों को पकड़ा है। गिरोह सरगना संतोष, चंदन तस्करी पर आधारित अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा से प्रभावित होकर नाबालिगों से शराब तस्करी करा रहा था। इस दक्षिण भारतीय फिल्म से प्रभावित होकर उसने गैंग का नाम भी पुष्पा रख लिया था। आरोपितों से हरियाणा से तस्करी करके ला रहे देसी शराब के 450 पव्वे, अंग्रेजी शराब की 203 और बीयर की 64 बोतल सहित शराब लाने में इस्तेमाल की जा रहीं तीन स्कूटी बरामद की। दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त सुरेन्द्र चौधरी ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि विधानसभा चुनावों व गणतंत्र दिवस के मद्देनजर पुलिस ने बॉर्डर के क्षेत्रों में अपनी सक्रियता बढ़ा रखी है। इस दौरान दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक्स स्टाफ को सूचना मिली कि रजोकरी क्षेत्र में जंगल की तरफ से शराब की तस्करी की जा रही है। पुलिस टीम ने सूचना के आधार पर जाल बिछाया। इस दौरान पुलिस को रजोकरी जंगल की तरफ से बिना नंबर की तीन स्कूटी आती दिखी। उन्हें रुकने का इशारा किया, पर युवकों ने स्कूटी दौड़ा दी। पुलिस ने उनका पीछा कर दो युवकों को धर दबोचा, जबकि एक स्कूटी छोड़कर भागने में कामयाब हो गया। जांच-पड़ताल में दोनों नाबालिग निकले। तलाशी लेने पर तीनों स्कूटी पर रखे बैग में से शराब की बोतलें बरामद हुई। पकड़े गए किशोरों ने बताया कि वे दोनों महिपालपुर एक्सटेंशन, नई दिल्ली निवासी संतोष के लिए शराब तस्करी करते हैं। पुलिस ने दोनों की निशानदेही पर उनके फरार साथी महिपालपुर निवासी मुमताज और गिरोह के सरगना संतोष को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आबकारी अधिनियम सहित नाबालिगों से अवैध रूप से शराब तस्करी करवाने के आरोप में संतोष के खिलाफ जेजे एक्ट के तहत भी मामला दर्ज किया है।

सेना के जवान ने की एटीएम लूट

यू-ट्यूब से सीखा तरीका, ऑनलाइन मंगवाए औजार, हवलदार समेत तीन गिरफ्तार

बटाला, 12 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय सेना के जवान ने एटीएम लूटने की प्लानिंग बनाई। आरोपी के साथ उसके दो साथियों ने भी इस वारदात को अंजाम दिया। आरोपियों ने लूट के लिए यू-ट्यूब से ट्रेनिंग भी ली थी। वहीं, एटीएम को तोड़ने के लिए औजार भी ऑनलाइन मंगवाए थे। इसके बाद दो एटीएम को लूटने कोशिश की गई। हालांकि आरोपी अपने मकसद में कामयाब तो नहीं हो पाए, लेकिन पुलिस के हत्थे जरूर चढ़ गए। पंजाब के बटाला में एटीएम लूट की कोशिश करने के आरोप में पुलिस ने आर्मी कैंट में तैनात हवलदार समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। चार दिन के भीतर ही बटाला ने उक्त गिरोह के लोगों को गिरफ्तार करके आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं, पुलिस ने वारदातों में इस्तेमाल किए गैस सिलिंडर, गैस कटर और एक मोटरसाइकिल व अन्य सामान भी बरामद किया है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए तीन आरोपियों में एक भारतीय सेना में हवलदार है जो गुरदासपुर की तिब्बड़ी आर्मी कैंट में तैनात है और दूसरा गुरदासपुर के भारतीय सेना के तिब्बड़ी कैंट में ही प्राइवेट रूप में कार्यरत है। पुलिस के अनुसार उक्त आरोपियों ने सबसे पहले यू-ट्यूब से एटीएम काटने की ट्रेनिंग ली। इसके बाद उन्होंने एटीएम तोड़ने के लिए संबंधित औजार ऑनलाइन मंगवाए। इस संबंध में बटाला पुलिस लाइन में एसपी (डी) गुरप्रीत सिंह सहोता ने बताया कि बटाला के थाना सेखवां के अधीन आते गांव डेयरीवाल दरोगा में एसबीआई का एटीएम 6 जनवरी को गैस कटर से काटने की कोशिश की थी जबकि 7 जनवरी की रात को ही दीनानगर में गांव भटोया में भी पीएनबी का एटीएम तोड़ने की कोशिश की थी। वहीं, बटाला पुलिस ने उक्त मामले में अपनी जांच पड़ताल के लिए एक टीम गठित की।

'अपने गिरेबान में झांककर देखें राजीव बिंदल'

मंत्री अनिरुद्ध सिंह का हिमाचल बीजेपी अध्यक्ष पर पलटवार

शिमला, 12 जनवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश की सियासत में पक्ष और विपक्ष के नेताओं के बीच वार-पलटवार का सिलसिला लगातार जारी है। अब हिमाचल प्रदेश सरकार में पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने हिमाचल बीजेपी अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल पर पलटवार किया है। अनिरुद्ध सिंह ने हिमाचल बीजेपी अध्यक्ष के उस बयान पर पलटवार किया, जिसमें डॉ. बिंदल ने कांग्रेस के भीतर कलह की बात कही थी। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने कहा कि डॉ. राजीव बिंदल वरिष्ठ नेता हैं। पहले उन्हें मंत्री पद से हटाया गया। बाद में उन्हें हिमाचल बीजेपी के अध्यक्ष का पद भी छोड़ना पड़ा था। अनिरुद्ध सिंह ने डॉ. राजीव बिंदल को अपने गिरेबान में झांकने की नसीहत दी। अनिरुद्ध सिंह ने कहा कि बिंदल पहले अपने गिरेबान में झांकें और फिर बात करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू समाज के गरीब वर्ग, अनाथ बच्चों, एकल नारियों और राज्य के विकास के लिए बेहतरीन काम कर रहे हैं। यह बीजेपी से देखा नहीं जा रहा है। इससे पहले हिमाचल बीजेपी डॉ. राजीव बिंदल ने कांग्रेस पर निशाना साधा था। राजीव बिंदल ने कहा था कि कांग्रेस की आपसी खींचतान और लड़ाई से हिमाचल प्रदेश की जनता को भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू हर तीन महीने बाद एक शोशा छेड़ते हैं और वो हीरो बनने की कोशिश करते हैं।

अंगमाली-एर्नाकुलम महाधर्मप्रांत में बवाल; बंगलूरू में उपद्रवियों का तीन गायों पर हमला, इलाके में तनाव

एर्नाकुलम, 12 जनवरी (एजेंसियां)। केरल के एर्नाकुलम-अंगमाली आर्चडीओसीज के बिशप हाउस में विरोध प्रदर्शन के दौरान एक पुलिस अधिकारी पर हमला करने के आरोप में रविवार को 20 पादरियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एर्नाकुलम सेंट्रल पुलिस ने पादरियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 189(2), 190, 191(2), और 121(2) के तहत मामला दर्ज किया है। उनपर गैरकानूनी तरीके से इकट्ठा होना, दंगा करना और किसी लोक सेवक को अपना कर्तव्य निभाने से रोकने के लिए चोट पहुंचाने का आरोप है।

सेंट्रल पुलिस के सब इंस्पेक्टर अनूप सी की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया। प्रदर्शनकारियों को संभालने के दौरान वे भी घायल हो गए थे। इस विरोध प्रदर्शन के बीच एर्नाकुलम-अंगमाली के आर्कपर्चो के लिए मेजर आर्कबिशप के विकर के रूप में नियुक्त आर्कबिशप मार जोसेफ पैम्प्लानी ने रविवार को प्रदर्शनकारियों से खुले संवाद के माध्यम से मुद्दे को आराम से हल करने का आग्रह किया। रविवार को भी बिशप हाउस के बाहर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। एर्नाकुलम एसीपी जयकुमार ने कहा, हम शांतिपूर्ण स्थिति को संभालने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस ने कई पादरियों को बिशप हाउस से हटा दिया गया, जिसके बाद से घंटों तक तनाव बना रहा। ये पादरी एक अपोस्टोलिक प्रशासक द्वारा जारी किए गए कुछ दस्तावेजों को वापस लेने की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन उपवास पर थे। बाद में दोपहर के समय आस्था रखने वाले लोगों ने बिशप हाउस में प्रवेश करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें वापस धकेल दिया। पुलिस कार्रवाई में कुछ पादरी भी घायल हुए हैं।

तीन गायों पर हमला

इसी तरह कर्नाटक के चामराजपेट इलाके में अज्ञात लोगों ने तीन गायों पर हमला कर दिया और उनके थन काट दिए। इस घटना से इलाके में तनाव फैल गया। यह घटना विनायकनगर में घटी। तीनों गाय कर्ण नामक एक स्थानीय व्यक्ति की थीं। गायों की रोने की आवाज सुनकर स्थानीय लोग जाग गए। गायों को खून से लथपथ देखकर इलाके में आक्रोश फैल गया। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा ने काली संक्रांति मनाने की योजना की घोषणा की। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा, यह घृणित कृत्य जिहादी मानसिकता को दर्शाता है। अगर सरकार आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने से चूकती है तो हम काली संक्रांति मनाएंगे। उन्होंने गायों और बैलों के सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व पर भी जोर दिया, जिन्हें संक्रांति उत्सव के दौरान सजाया और पूजा जाता है। भाजपा नेता ने पूछा, इस घटना के बाद हम संक्रांति कैसे मनाएंगे? उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ घटनास्थल का दौरा किया। राज्य विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी और पूर्व उपमुख्यमंत्री सीएन अश्वथ नारायण समेत कई नेताओं ने इस घटना की निंदा की।

भारत के इस राज्य ने दुनिया में जमाई धाक, विश्व के 52 पर्यटन स्थलों में बनाई टॉप 5 में जगह

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के पूर्वोत्तर राज्य असम ने अपनी खूबसूरती की छाप दुनिया पर छोड़ दी है। अपनी प्राकृतिक सुंदरता, चाय के हरे भरे बागानों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के कारण इस राज्य की खूबसूरती का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। पूर्वोत्तर का 'प्रवेश द्वार' कहे जाने वाले असम ने हाल ही में न्यूयॉर्क टाइम्स की प्रतिष्ठित 'ट्रैवल लिस्ट 2025' में पर्यटकों के घूमने लायक दुनिया की 52 खास जगहों में चौथा स्थान हासिल किया है। ब्रह्मपुत्र नदी का बहता जल, घने वन और चाय बागानों के साथ ही 'बायो डायवर्सिटी' की खासियत असम को अलग ही प्राकृतिक सुंदरता प्रदान करती है। यही कारण रहा कि पर्यटन के लिए दुनिया की 52 खास जगहों में से असम को न्यूयॉर्क टाइम्स की सूची में चौथा स्थान मिला है। असम ने दुनिया के कई प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों को टक्कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार असम ने गैलापागोस आईलैंड्स, न्यूयॉर्क सिटी म्यूजियम जैसे स्थलों को टक्कर दी है। असम को हरे-भरे चाय बागानों और जीवंत संस्कृति की भूमि कहा गया है। यूरोपीय शहर जेन ऑस्टेन अव्वल रहा, जो अपनी समृद्ध वास्तुकला और आधुनिक सुविधाओं का अद्भुत संगम है।

स्वतंत्र वार्ता
सोमवार, 13 जनवरी - 2025

यूनियन कार्बाइड सियासत के घेरे में

रघु ठाकुर

अंततः यूनियन कार्बाइड के कचरे को पीथमपुर में जाकर नष्ट करने का तय हुआ। हाईकोर्ट के निर्देश व मप्र सरकार की पहल पर यह निर्णय अमल में आना शुरू हुआ। 1984 में लगभग 40 साल पहले भोपाल में यूनियन कार्बाइड में गैस रिसी थी और जिसके चलते सैकड़ों लोग मारे गये थे तथा लाखों लोग प्रभावित हुये थे। यूनियन कार्बाइड का कारखाना कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में ही मिक गैस का रिसाव हुआ था। यह गैस त्रासदी दुनिया में एक बड़ी त्रासदी थी। यूनियन कार्बाइड के मालिक विदेशी एनडरसन थे और उस समय स्वरू अर्जुन सिंह मप्र के मुख्यमंत्री थे और तथा केंद्र में स्वरू राजीव गांधी श्रीमती इंदिरा गांधी की हत्या के बाद प्रधानमंत्री बन चुके थे। यद्यपि यह भी विचित्र है, और हमारे देश जनतंत्र कितना बिकाऊ है इसका भी प्रमाण है, कि लोग सभा के चुनाव भोपाल में इस गैस त्रासदी के कारण 6 माह को स्थगित कर दिये गये थे और प्रदेश सरकार ने इन 6 माह में मुपत राशन बाँटना शुरू किया था जिसकी कोई सीमा नहीं, जितना ले जा सकता है वह ले जाये और 6 माह के बाद जब चुनाव हुए तो इसी कांग्रेस पार्टी का प्रत्याशी जो इस घटना के लिये सबसे बड़ी अपराधी थी, भारी मतों से जीतकर आये। लगातार मीडिया के प्रचारात्मक दबाव में कंपनी के मालिक के खिलाफ भोपाल की अदालत में मुकदमा दर्ज हुआ था और भारत सरकार के निर्देश पर कंपनी के मालिक एंडरसन दिखावटी पेशी करने के लिये भोपाल आये थे। वे अमेरिका से चलकर दिल्ली पहुंचे थे और दिल्ली से शायद सरकारी विमान से भोपाल आये थे। भोपाल में कलेक्टर और एस.पी. ने उनकी अगवानी की थी तथा कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी और उसके बाद वह वापिस नहीं लौटे। सरकारें कैसे वैश्विक पूंजीपतियों के दबाव में काम करती हैं, उसका यह प्रमाण था। परंतु इतनी बड़ी घटना के बाद भी भोपाल के मतदाताओं का जमीर नहीं जागा। यूनियन कार्बाइड से जो हर्जाने की राशि आई उसकी बंदरबांट शुरू हुई और जो जितना ताकतवर था वह अपने हिस्से में सही या गलत उतना ही ले गया। चूँकि मिक गैस भारी होती है अतरू उसका सर्वाधिक प्रभाव भोपाल के निचले हिस्से में हुआ थास जहां आमतौर पर भोपाल के गरीब लोग रहते थे, परंतु कुछ ही समय बाद नये भोपाल के ऊँचाई पर स्थित उन पढ़े-लिखे और ताकतवर लोगों ने हर्जाना व पैसा मांगना शुरू कर दिया जिनमें से शायद ही कोई वास्तविक गैस पीड़ित हो। और यह मांग एक प्रकार से राजनैतिक एजेंडा बन गई।

लगभग 25 वर्ष पूर्व स्वरू आलोक प्रताप सिंह ने जबलपुर उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की थी कि यूनियन कार्बाइड का जो कचरा है वह जहरीला है अतरू उसे भोपाल से हटाकर नष्ट किया जाये। इस याचिका के पीछे क्या कारण थे या कौन लोग थे यह कहना कठिन है परंतु हाईकोर्ट ने मप्र सरकार को कचरा हटाने के और उसके निस्तारण के निर्देश दिये। यह भी विचित्र है क्योंकि गैस घटना के कुछ दिनों बाद भोपाल के लोगों में सुरक्षा का विश्वास जगाने के लिये दो घटनायें हुई थीं- 1.स्वरू राजीव गांधी प्रधानमंत्री व स्वरू अटल बिहारी वाजपेयी विरोधी दल के नेता साथ-साथ भोपाल आये थे, कारखाने में गये थे और यह प्रचारित हुआ था कि गैस का जहरीलापन खत्म हो गया है। इस घटना को मीडिया ने जोर-शोर से प्रचारित किया था। हालांकि वही मीडिया अब अलग पक्ष रख रहा है।

स्वरू राजीव गाँधी, स्वरू अटल बिहारी वाजपेयी जी की यह मित्रता व्यक्तिगत थी और दोनों दलों के छिपे गठबंधन की भी थी। 2. दूसरी घटना हुई थी कि जब स्वरू मोतीलाल वोरा मुख्यमंत्री थे, भोपाल में एक यज्ञ स्वरू शंकराचार्य स्वरूपानंद जी के सानिध्य में आयोजित किया गया था जो शासन द्वारा प्रायोजित था और जिसका भारी प्रचार हुआ था कि यह यज्ञ भोपाल के वायुमंडल के शुद्धिकरण के लिये है। जब प्रधानमंत्री व विरोधी दल के नेता ने गैस के असर को समाप्त होने का प्रमाण दे दिया जब स्वरू शंकराचार्य ने वायुमंडल को शुरद्ध कर दिया तो यह कचरे का जहर कहां से आ गया??

हाईकोर्ट के निर्देश के बाद लगातार प्रदेश सरकार इस कचरे के निस्तारण के लिये स्थान खोजने में प्रयासरत थी और अंततरू जाकर यूनियन कार्बाइड का 337 टन कचरा धार जिले के पीथमपुर जो कि एक औद्योगिक केंद्र है, में निस्तारण का फैसला हुआ। कचरे की पहली खेप जो शायद 33 टन की है वह पहुंचा दी गई है। एक प्रमुख दैनिक अखबार ने इस घटना को ऐसा छापा है कि जैसे यह कोई महान घटना हो। उसके अनुसार आखिर 40 साल बाद भोपाल का बोझ उतरा परंतु यह नहीं सोचा जा रहा है कि यह कचरा अगर जहरीला था और बोझ है तो इसे पीथमपुर क्यों ले जाया गया। आखिर जो लोग वहां रहते हैं क्या वे इंसान नहीं हैं?? और राजधानी के जहर को सत्ता की ताकत से राज्य के छोटे कस्बे में ले जाकर वहां के जनजीवन को खतरे में डालना क्याउ उचित है और अमानवीय नहीं है?? यह भी कहा जा रहा है कि इस कचरे को 1200 डिग्री सेल्सियस पर जलाया जायेगा जिसमें 150 मजदूर लगेंगे। अगर कचरे को जलाना उसका हल था तो भोपाल में क्यों नहीं जलाया गया। यूनियन कार्बाइड के आसपास अभी भी सघन बस्तियाँ बसी हैं जहां हजारों लोग रहते हैं। प्रतिवर्ष कारखानों में 3 दिसंबर को प्रार्थना सभायें इत्यादि होती हैं। यूनियन कार्बाइड परिसर में जानवरों व लुके छिपे लोगों का आना-जाना होता है। अगर वह सभी सुरक्षित हैं तो इसका मतलब कचरे में जहर नहीं बचा है। इसके बावजूद भी अगर उच्च न्याायलय व सरकार को केवल भोपाल के स्वास्थ्य की चिंता है तो यह एक असंवैधानिक निर्णय व कदम है, जो उच्च न्यायालय व सरकार उठा रही है। पीथमपुर और इंदौर में स्थानीय लोगों ने इसका विरोध भी शुरू किया है और स्थानीय भाजपा के लोगों की यह लाचारी है कि वे अपने राजनैतिक हितों के आधार पर इस विरोध में भले ही दिखावे को सही पर सहभागी बने। अब इस विरोध को शांत करने के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भाजपा के नेता व सरकार के वरिष्ठ मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय को जिम्मा दिया है। निसंदेह यह उनका चतुर निर्णय है क्योंकि कैलाश विजयवर्गीय स्वतरू ही पहले पीथमपुर के कचरे के निस्तारण का विरोध कर चुके हैं और अब उन्हें ही इसका समर्थन करना है। मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि कचरे का निस्तारण सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के तहत सावधानीपूर्वक हो रहा है। इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कचरे में 60 स्थानीय मिटटी व 40 प्रतिशत रसायनिक अवशेष तथा विशेषज्ञों के अनुसार 25 वर्ष में कचरे का विषैला प्रभाव खत्म हो जाता है, तो यह प्रश्न उठता है कि 40 वर्ष हो गये, जब स्वतरू सरकार के अनुसार विषैला प्रभाव समाप्त हो गया है तो फिर उसे भोपाल में क्यों नहीं जलाया गया। 12 साल पहले जर्मनी जो भोपाल से 6000 किमी दूर है, वहां की संस्था जीआईजेड ने मात्र 25 करोड़ रुपये में कचरे को जर्मनी के हम्बर्ग में ले जाकर निस्तारण करने का प्रस्ताव दिया था, तब सरकारने इसे मंजूर क्यों नहीं किया??

और अब इसी कचरे के निस्तारण पर केंद्र सरकार को 126 करोड़ रुपया खर्च करना पड़ रहा है। इस कचरे को पहले गुजरात के अंकलेश्वर और महाराष्ट्र के नागपुर में भी निस्तारण की योजना बनाई थी परंतु वहां के स्थानीय लोग व राज्य सत्ता की असहमति से इस योजना को रद्द कर दिया गया था। उस समय गुजरात के मुख्यमंत्री स्वतरू नरेन्द्र मोदी थी, उन्होंने अपने प्रदेश के कचरे के निस्तारण को इंकार किया था। कहीं ऐसा तो नहीं है कि अब प्रधानमंत्री के इशारे पर लाचार मुख्यमंत्री को मप्र में ही इसके निस्तारण के लिये स्वीद्धति देना पड़ी। हालांकि 4-1-25 को स्थानीय लोगों ने जिस तीव्रता से पीथमपुर में कचरा जलाने का विरोध किया। दो लोगों ने आग लगाकर आत्महत्या का निर्णय किया, उसके बाद, राज्य सरकार ने इस कार्यवाही को रोक दिया तथा कहा है कि जन भावनाओं से माननीय हाईकोर्ट को अवगत कराएंगे। संभवतरू 6 जनवरी को इसकी सुनवाई होना थी। अब देखें हाईकोर्ट क्या निर्देश देता है।

प्रयागराज महाकुंभ आज से

यूपी की धार्मिक नगरी प्रयागराज में दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन महाकुंभ सोमवार से शुरू हो रहा है। अगले 45 दिनों तक करोड़ों लोग पवित्र स्नान के लिए संगम में डुबकी लगाएंगे। इसके साथ ही दुनिया के सबसे बड़े जनसमूह की मेजबानी महाकुंभ करेगा। गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती के संगम पर 4 हजार हेक्टेयर में फैला एक अस्थायी जिला बनाया गया है, जहां अगले 45 दिनों तक देश-विदेश से 40 करोड़ से ज्याद श्रद्धालु पवित्र स्नान के लिए आएंगे। इस महाकुंभ के लिए लगभग 12,670 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है, जिसमें केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार ने मिलकर 410 से अधिक परियोजनाओं को पूरा किया है। प्रशासन के लिए यह 45 दिनों का समय एक बड़ी परीक्षा की घडी होगी। बिजली-पानी की आपूर्ति, कचरा प्रबंधन, सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन और आपातकालीन सेवाएं जैसी चुनौतियों का सामना करना होगा। महाकुंभ हर 12 साल में एक बार होता है। जनवरी 2018 में, उत्तर प्रदेश सरकार ने एक कानून पारित करके पूर्ण कुंभ का नाम बदलकर महाकुंभ कर दिया। इसी तरह, हर छह साल में होने वाले अर्ध कुंभ को कुंभ मेला नाम दिया गया। इसी साल, इलाहाबाद का नाम बदलकर प्रयागराज कर दिया गया। इस महाकुंभ का आयोजन 13 जनवरी से 26 फरवरी तक चलेगा, लेकिन श्रद्धालु पहले ही संगम पर पहुंचने लगे हैं और कई लोग मेले के समाप्त होने के बाद भी वहां रुकेंगे। इसलिए, गंगा और यमुना के किनारे बनाए गए अस्थायी टेंट सिटी को डेढ़ महीने से ज्यादा समय तक चलने के लिए सुसज्जित किया गया है। प्रशासन का दावा है कि हर दिन औसतन 90 लाख लोग महाकुंभ में आएंगे। यहां तक कि अगर वास्तविक संख्या कम भी हो, तब भी यह एक विशाल जनसमूह होगा। 1954 में हुए भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी, यह घटना एक दुखद याद दिलाती है कि चीजें कितनी गलत हो सकती हैं। हालांकि, तब से लेकर अब तक काफी समय बीत चुका है और प्रशासन ने कई सबक सीखे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मेला क्षेत्र का दौरा किया है और महाकुंभ की तैयारियों का जायजा लिया है। मेले की अवधि के दौरान प्रयागराज को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने के लिए 13 हजार से ज्यादा ट्रेनें और 250 उड़ानें उपलब्ध होंगी। वाराणसी और अयोध्या की एक दिन की यात्राएं भी की जा सकेंगी। गंगा आरती देखने के लिए वाराणसी की तर्ज पर रिवर क्रूज की सुविधा भी उपलब्ध होगी। पांच लाख कारों को समायोजित करने वाले 100 से ज्यादा पार्किंग स्थल बनाए गए हैं। मेले के लिए KumbhSahAIyak ऐप डाउनलोड करें। इसमें रूट मैप और अन्य उपयोगी जानकारी है। वास्तविक समय में ट्रैफिक अपडेट देने के लिए पूरे शहर में लगभग एक हजार एआई-सक्षम कैमरे लगाए गए हैं। भीड़ नियंत्रण में मदद के लिए 30 हजार से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। इसके अलावा शहर की दीवार कला पर भी काम किया गया है। संगम क्षेत्र को हवाई अड्डे और रेलवे स्टेशन से जोड़ने वाले मार्गों का पूरी तरह से नवीनीकरण किया गया है। इसके अलावा मेला स्थल से सात लाख घन मीटर रेत निकाला गया, जो 187 ओलंपिक आकार के स्विमिंग पूल को भर सकती है। ये रेत निकालने के बाद 26 हेक्टेयर भूमि को स्नान घाट में बदलने के लिए मुक्त कर दिया गया। घाट की लंबाई 12 किमी तक बढ़ गई है। संगम के उस जगह को भी फिर से बसाया है, जहां नदियां मिलती हैं। इसलिए इस बार आस्था की डुबकी लगाने में श्रद्धालु सुरक्षित

नक्सलवाद: समस्या और समाधान

मुनीष त्रिपाठी

बीजापुर में नक्सली हिंसा में मारे गए सशस्त्र जवानों के बाद गृहमंत्री अमित शाह ने दावा किया कि मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद का सफाया हो जाएगा। ऐसे में सवाल ये उठता है कि आखिर सरकार का ये 'नक्सल मुक्त' लक्ष्य कितनी बड़ी चुनौती है, नक्सलियों का नेटवर्क कितना बड़ा है ? गृहमंत्री के दावे में कितनी सच्चाई है यह तो मार्च 2026 के बाद ही पता लग सकेगा। लेकिन देश के लिए अभी भी नक्सलवाद बड़ी चुनौती है। नक्सलवाद की शुरुआत पश्चिम बंगाल के दार्जलिंग जिले के नक्सलबाड़ी गांव से हुई थी। किसानों के शोषण के विरोध में शुरू हुए एक आंदोलन ने इस उग्रवाद की नींव डाली थी। लेकिन देखते ही देखते नक्सलवाद ने देश के कई हिस्सों को अपनी जद में ले लिया। नक्सलवाद का एक मजबूत वैचारिक अधिष्ठान है। इसमें काफी उच्चशिक्षित लोग जुड़ते चले गए। विश्वविद्यालयों, एकेडमिक संस्थानों से छात्र और शिक्षक काफ़ी संख्या में नक्सल विचारधारा से जुड़े जिन्होंने भारत में नक्सली विचारधारा को विस्तारित करने में बड़ी भूमिका निभाई। 1967 से शुरू हुए इस उग्रवाद को कई चरणों में देखा जा सकता है। देश के कई हिस्सों में इसका प्रभाव धीरे-धीरे बढ़ने लगा था। लेकिन साल 2000 के बाद से नक्सलवाद का सबसे वीभत्स रूप सामने आने लगा। 1 अक्तूबर 2003 को नक्सलियों ने आंध्र प्रदेश के तत्कालीन सीएम चंद्रबाबू नायडू के काफिले पर हमला किया था। इसके बाद आंध्र सरकार ने राज्य में नक्सलियों के खिलाफ एक बड़ा अभियान छेड़ा था। इसी साल आंध्र प्रदेश में 246 नक्सलियों की मौत हुई थी। एक जमाना था ज़ब आंध्रप्रदेश के जंगलों में देश के टॉपमोस्ट नक्सली रहकर नक्सल आंदोलन को तेज कर रहे थे। आंध्र के अलावा कई राज्यों में नक्सलियों ने एक के बाद एक कई बड़े हमले किए। नक्सल का विरोध करने वालों को निशाना बनाया गया। बम धमाकों के जरिए पुलिस और सेना के जवानों को निशाना बनाया गया। कई बड़े नेताओं और पूर्व मुख्य मंत्री विद्याचरण शुक्ला की भी नक्सली हमले में मौत हुई। नक्सल के इस उभार का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अकेले ओडिशा में 2005 से लेकर 2008 के बीच 700 लोगों की मौत हुई थी। एक समय ऐसा भी था ज़ब देश के दस राज्यों के लगभग 70 जिले नक्सल हिंसा से प्रभावित थे। मसलन सम्पूर्ण भारत का लगभग 10 से 15 प्रतिशत भूभाग और जनसंख्या नक्सल हिंसा से प्रभावित थी। विकराल होती नक्सल हिंसा के मद्देनजर इसके खात्मे के लिए समय-समय पर केंद्र सरकार और राज्य सरकारों ने कई बड़े ऑपरेशन चलाए । नक्सलियों को मुख्यधारा में लाने के लिए भी कई अभियान चलाए गए हैं। 2011 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने नक्सलवाद को देश की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया था। उन्होंने कहा था कि विकास ही इस उग्रवाद को खत्म करने का सबसे पुख्ता तरीका है। लेकिन इस समस्या के पीछे विकास न होना एक कारण हो सकता है, यही एक मात्र कारण है ऐसा नहीं है। बड़े और शिक्षित नक्सली नेताओं के समय समय पर मीडिया में आये बयान कुछ और ही कारणों का खुलासा करते है। इन नक्सली नेताओं ने माना वे भारत की मौजूद व्यवस्था पर भरोसा नहीं करते है। मौजूदा पूरी व्यवस्था को ही वे शोषणकारी मानते है। उनका खुले तौर पर मानना है कि मौजूदा व्यवस्था के चलते गरीब लोगों को शोषण से नहीं बचाया जा सकता है। इसलिए सरकार को सशस्त्र अभियान चलाने के साथ साथ वैचारिक काउंटर करने की भी जरूरत है जिससे नक्सलवाद के वैचारिक अधिष्ठान पर चोट पहुंच सके। नक्सली हिंसा के आंकड़ों पर अगर गौर करें तो एक भयावह दृश्य सामने आता है। 1990 के बाद से ही नक्सलवाद का खतरनाक रूप सामने आने लगा था। 1996 में नक्सली हमलों में कुल 156 लोगों की जान गई थ। 1997 में ये आंकड़ा बढ़कर 348 तक पहुंच गया। फिर साल-दर-साल ये आंकड़ा बढ़ता ही रहा। 2009 और 2010 में नक्सली हमले में सबसे ज्यादा लोगों की मौत हुई। दोनों ही साल ये आंकड़ा एक हजार के पार रहा। कुल आंकड़ों की बात करें तो 1995 के बाद से 2024 तक कुल 5490 नक्सली घटनाएं हुई हैं, जिसमें करीब साढ़े 5 हजार से ज्यादा आम नागरिकों की मौत हुई है। 3 हजार से ज्यादा जवानों की मौत हुई है। वहीं 5 हजार से ज्यादा नक्सली भी मारे गए है। यानी कुल मौत का आंकड़ा 14 हजार से ज्यादा का है। हाल ही में गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया था कि छत्तीसगढ़ के कुछ जिलों को छोड़कर देश के बाकी हिस्से से नक्सलवाद का खात्मा कर दिया गया है। गृहमंत्री के दावे का विश्लेषण करना भी जरुरी है। पिछले साल 7 अगस्त को गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने नक्सलवाद या वामपंथी उग्रवाद से जुड़े आंकड़े संसद में रखे थे। इसमें उन्होंने बताया था कि 2010 की तुलना में 2024 में नक्सली घटनाओं में 73% की कमी आई है। इसी तरह से इन नक्सली घटनाओं में होने वाली मौतें भी 86% तक कम हुई हैं। 2010 में नक्सली घटनाओं में 1,005 मौतें हुई थीं, जबकि 2023 में 138 लोग मारे गए थे। इनमें सुरक्षाबलों के शहीद जवानों की संख्या भी शामिल है। उन्होंने बताया था कि 2013 तक देशभर के 10 राज्यों के 126 जिले कुछ न कुछ नक्सल प्रभावित थे। अप्रैल 2024 तक 9 राज्यों के 38 जिलों तक ही नक्सलवाद सिमट गया है। अब अगर राज्यवार नक्सल हिंसा पर गौर करें तो स्थिति संतोषजनक ही कही जाएगी। तीन साल पहले तक बिहार के 10 जिले नक्सल प्रभावित थे। लेकिन अब वहां से नक्सल का सफाया हो गया है। इसी तरह आंध्र प्रदेश, झारखंड, ओडिशा और तेलंगाना जैसे राज्यों में भी नक्सली दो-चार जिलों तक सिमट कर रह गए हैं। 2021 तक झारखंड के 16 जिले नक्सल प्रभावित थे, लेकिन अब यहां के 5 जिले ही ऐसे हैं। आंध्र प्रदेश का आलुरी सीतारामराजू, केरल का वायनाड और कन्नूर, मध्य प्रदेश का बालाघाट, मंडला और डिंडोरी, महाराष्ट्र का गढ़चिरौली और गोंदिया, तेलंगाना का भद्राद्री-कोतागुदेम और मुलुगु और पश्चिम बंगाल का झारग्राम जिला ही नक्सल प्रभावित बचे हुए है। केंद्र सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, 2010 तक 96 जिलों के 465 पुलिस थानों तक नक्सलवाद फैला हुआ था। 2023 के आखिर तक ये 42 जिलों के 171 पुलिस थानों तक सिमट गया। वहीं, जून 2024 तक देश के 30 जिलों के 89 पुलिस थाने ही ऐसे हैं, जहां नक्सलवाद फैला हुआ है। उपरोक्त आकड़ो से पुष्टि होती है कि पिछले कुछ सालों में देश में नक्सलवाद कमजोर हुआ है। वहीं नक्सल को लेकर सेना के ऑपरेशन में भी बढ़ोतरी हुई है। सरकार ने उग्रवादियों को मुख्यधारा में लाने के लिए कई योजनाएं भी चलाई हैं।

श्रद्धालुओं के साथ अन्याय है दर्शन के लिए 'वीआईपी कल्चर

मनोज कुमार अग्रवाल

हाल ही में एक विडियो क्लिप बहुत वायरल हो रहा है जिसमें एक बुजुर्ग महिला एक प्रसिद्ध मंदिर की वीआईपी तोड़ कर मंदिर के भीतर प्रवेश करने की कोशिश करती है और वहां मौजूद सुरक्षा गार्ड व व्यवस्थापकों से भिड़ जाती है वह आम और खास श्रद्धालुओं के भेदभाव पर कड़ा एतराज व्यक्त करती है। यह घटना महज उस आक्रोश की छोटी सी अभिव्यक्ति है जो इन दिनों तमाम बड़े धर्मस्थलों मंदिरों में आम और खास वीआईपी लोगों के लिए दर्शन व्यवस्था से पैदा हो रहा है। जरा सोचिए कई कई हजार किलोमीटर से आस्था वश यात्रा कर दर्शन के लिए आए आम श्रद्धालु बीस बीस घंटे लाइन में लगकर दर्शन करने के लिए मजबूर किए जाते हैं जबकि हजार दस हजार की रसीद कटा कर संपन्न श्रद्धालु मिनटों में विशेष वीआईपी द्वार से दर्शन कर लेते हैं। इतना ही नहीं तमाम खास मंदिरों पर दलालों की फौज मौजूद हैं जो पुलिस और सुरक्षा गार्ड से मिलीभगत कर लाइन से अलग दर्शन कराते हैं बस इस के लिए चौथ वसूल करते हैं। क्या यह कुप्रबंध हमारे भोले भाले श्रद्धालुओं के साथ धोखा और अन्याय नहीं है? सनातन परम्परा में हर काम ईश्वर का ध्यान करके शुरू किया जाता है और मंदिर जाना भी इसका एक हिस्सा है जहां प्रवेश करते ही ऐसी ऊर्जा प्राप्त होती है जिससे शरीर की पांच इंद्रियां (दृष्टि, श्रवण, स्पर्श, गंध और स्वाद) सक्रिय हो जाती हैं। इनका मंदिर जाने से गहरा सम्बन्ध है। मंदिर कुछ मांगने का स्थान नहीं है। वहां शांतिपूर्वक बैठकर केवल अपने आराध्य भगवान के दर्शन करने चाहिएं परंतु अनेक लोग यह सोचने लगे हैं कि उन्हें भगवान के सामने अपनी मांगें रखने के लिए मंदिर जाना है। इसी उद्देश्य से मंदिरों में कई बार भगवान के शीघ्र दर्शन पाने की लालसा से पहुंचे भक्तों की भीड़ को काबू करने के समुचित प्रबंध न होने व अन्य कारणों से भगदड़ मच जाती है जिसमें कई बार अनमोल प्राण चले जाते हैं। इसका एक उदाहरण गत 8 जनवरी को देखने को तब मिला जब आंध्र प्रदेश में स्थित 'तिरुपति मंदिर' के 'विष्णु निवास' के निकट 'तिरुमाला श्रीवारी वैकुंठ एकादशी' के पर्व पर श्रद्धालुओं को दर्शन टोकन बांटने के लिए लगाए गए काउंटरों में से कुछ काउंटरों पर अचानक उमड़ी भक्तों की भीड़ के कारण भारी भगदड़ मच जाने से 6 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार जब टोकन जारी करने वाले एक काउंटर पर किसी कर्मचारी की तबीयत खराब हुई और उसे अस्पताल ले जाने के लिए वहां के दरवाजे खोले गए तो वहां एकत्रित श्रद्धालुओं ने समझा कि टोकन जारी करने के लिए 'क्यू लाइन' खोल दी गई है और वे तुरंत उस ओर दौड़ पड़े जो वहां भगदड़ मचने के परिणामस्वरूप दुखद मौतों का कारण बना। जहां धर्मस्थलों में दर्शनों की उतावली के कारण मचने वाली भगदड़ वहां के प्रबंधन की त्रुटियों का परिणाम है वहीं मंदिरों में दर्शनों के लिए विशिष्ट लोगों को पहल के आधार पर दर्शन करवाने की व्यवस्था भी समस्याएं पैदा करती है। इसी बारे सुप्रीमकोर्ट में एक याचिका भी विचाराधीन है जिस पर 27 जनवरी को सुनवाई होनी है। इसमें याचिकाकर्ता ने कहा है कि ₹मंदिरों में विशेष या जल्दी दर्शन के लिए अतिरिक्त 'वी. आई. पी. दर्शन शुल्क' वसूल करना संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 के अंतर्गत समानता के सिद्धांत का उल्लंघन है। अनेक धर्मस्थलों में 400-500 रुपए तक का अतिरिक्त शुल्क लेकर मंदिरों में देवताओं के विग्रह के अधिकतम निकटता तक जल्दी पहुंचा जा सकता है। यह व्यवस्था शारीरिक और आर्थिक बाधाओं का सामना करने वाले वी. आई.पी. प्रवेश शुल्क देने में असमर्थ साधारण भक्तों के प्रति असंवेदनशील है। इससे शुल्क देने में असमर्थ भक्तों से भेदभाव होता है। विशेष रूप से इन वंचित भक्तों में महिलाएं तथा बुजुर्ग अधिक बाधाओं का सामना करने वाले शामिल हैं। इसी सिलसिले में उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने भी 7 जनवरी को धर्मस्थल (कर्नाटक) में स्थित श्री मंजूनाथ मंदिर में देश के सबसे बड़े 'क्यू काम्पलैक्स' (प्रतीक्षा परिसर) का उद्घाटन करते हुए कहा कि, ₹हमें विशेष रूप से मंदिरों में वी.आई.पी. कल्चर को समाप्त करना चाहिए, क्योंकि वी. आई.पी. दर्शन का विचार ही देवत्व के विरुद्ध है। जब किसी को वरीयता और प्राथमिकता दी जाती है और जब हम उसे वी.वी.आई.पी. या वी.आई.पी. कहते हैं तो यह समानता की भावना को कमतर करने के समान है। वी. आई. पी. कल्चर एक पथभ्रष्टता है। यह एक अतिक्रमण है। समानता के नजरिए से देखा जाए तो समाज में इसका कोई स्थान नहीं होना चाहिए। धार्मिक स्थानों में तो बिल्कुल भी नहीं।

जोश और उल्लास का महापर्व है लोहड़ी

योगेश कुमार गोयल

उत्तर भारत में मनाया जाने वाला प्रमुख पर्व है लोहड़ी। पंजाब, हरियाणा तथा हिमाचल प्रदेश में खासतौर से पंजाबी समुदाय में तो इस पर्व पर एक अलग ही उत्साह देखा जाता है। यह ऐसा त्यौहार है, जो आधुनिक युग के व्यस्तता भरे माहौल में सुकून भरे कुछ पल लेकर आता है और लोग सारी व्यस्तताएं भूलकर भरपूर जोश और उल्लास के साथ इस पर्व का भरपूर आनंद लेते हैं। पंजाब तथा जम्मू कश्मीर में तो लोहड़ी पर्व मकर संक्रांति के रूप में ही मनाया जाता है। सिंधी समाज में भी मकर संक्रांति से एक दिन पहले लोहड़ी के रूप में 'लाल लाही' नामक पर्व मनाया जाता है। लोहड़ी को लेकर कुछ लोककथाएं भी प्रचलित हैं। मान्यता है कि कंस ने इसी दिन लोहिता नामक एक राक्षसी को श्रीकृष्ण का वध करने के लिए भेजा था, जिसे श्रीकृष्ण ने खेल-खेल में ही मार डाला था और उसी घटना की स्मृति में यह पर्व मनाया जाने लगा। लोहड़ी पर अग्नि प्रज्जवलित करने के संबंध में एक लोककथा यह भी है कि दक्ष प्रजापति की पुत्री सती के योगाग्नि दहन की स्मृति में ही इस दिन अग्नि प्रज्जवलित की जाती है। लोहड़ी को लेकर सर्वाधिक प्रचलित कथा दुल्ला भट्टी नामक डाकू से संबंधित रही है, जिसे 'पंजाबी रॉबिनहुड' का दर्जा प्राप्त है। जिस प्रकार होली जलाई जाती है, ठीक उसी प्रकार लकड़ियां एकत्रित कर लोहड़ी के अवसर पर अलाव जलाये जाते हैं और अग्नि का तिलों से पूजन किया जाता है। जिस दिन यह पर्व मनाया जाता है, उस दिन कड़ाके की ठंड होती है और उत्तर भारत में अधिकांश जगहों पर घने कोहरे के बीच तापमान प्रायः शून्य से पांच डिग्री के बीच होता है लेकिन इतनी ठंड के बावजूद इस पर्व के प्रति लोगों का उत्साह देखते बनता है। लोहड़ी के पावन अवसर पर लोग घरों के बाहर अलाव जलाकर यह पर्व धूमधाम से मनाते हैं। इस पर्व का संबंध उस उत्सव से भी माना गया है, जिसमें सर्दी को अलविदा कहते हुए सूर्यदेव का आव्हान करते हुए कहा जाता है कि वह इस माह अपनी किरणों से पृथ्वी को इतना गर्म कर दे कि ठंड से किसी को कोई नुकसान न पहुंचे और लोग आसानी से सर्दी के मौसम का मुकाबला कर सकें। माना जाता है कि इसी दिन से सर्दी कम होने लगती है। लोग अपने घरों के बाहर अलाव जलाकर ठंड से बचाव करने के साथ-साथ अग्नि की पूजा भी करते हैं ताकि उनके घर में अग्निदेव की कृपा से सुख-समृद्धि का साम्राज्य स्थापित हो सके। हरियाणा व पंजाब में जिस घर में नई शादी हुई हो अथवा संतान (लड़के) का जन्म हुआ हो या शादी की पहली वर्षगांठ का मौका हो, ऐसे परिवारों में लोहड़ी का विशेष महत्व होता है। इन परिवारों में लोहड़ी के अवसर पर उत्सव जैसा माहौल होता है। आसपास के लोगों के अलावा रिश्तेदार भी इस उत्सव में सम्मिलित होते हैं। घर में अथवा घर के बाहर खुले स्थान पर अग्नि जलाकर लोग उसके इर्द-गिर्द इकट्ठे होकर आग सेंकते हुए अग्नि में मूंगफली, गुड़, तिल, रेवड़ी, मक्का के भुने हुए दानों इत्यादि की आहूति देते हैं और रातभर भंगड़ा, गिद्धा करते हुए मनोरंजन करते हैं तथा बधाई देते हैं। लोहड़ी का संबंध सुन्दरी नामक एक ब्राह्मण कन्या और दुल्ला भट्टी नामक कुख्यात डाकू से जोड़कर देखा जाता रहा है। दुल्ला भट्टी अमीरों का धन लूटकर निर्धनों में बांट दिया करता था।

गंदी बातों की सफाई

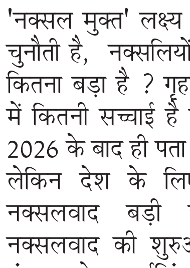
डॉ. सुरेश मिश्रा

हरियाली से भरी एक बस्ती थी, जहाँ जीवन की चहल-पहल थी, लेकिन उस चहल-पहल के पीछे एक गहरी सिसकियाँ छिपी हुई थीं। एक दिन, बस्ती के एक घर में चाय की चुस्की लेते हुए लोग बड़ी गंभीरता से चर्चा कर रहे थे। चर्चा का विषय था—परिवार में रिश्तों की गंदगी और उसे छिपाने की कला। क्या बताएं भाई, एक पड़ोसी ने कहा, हमारे मोहल्ले में तो हर कोई रिश्तों का चटपटा मसाला खा रहा है। दूसरे ने सहमति में सिर हिलाया, सच कह रहे हो! हर घर में कोई न कोई 'खास रिश्ता' जरूर है। इसी बीच, उस बस्ती के एक घर में एक छोटे से बच्चे ने कुछ सुना। उसकी मां और चाचा, जिन्हें वह कभी 'दादा' समझता था, अजीब स्थिति में थे। मां ने कहा, अब क्या करना है? चाचा ने हंसते हुए कहा, करना क्या है? खत्म कर दो, नहीं तो ये सबको बता देगा। बच्चा अपने खेल में था, लेकिन उसकी मासूमियत ने उसे थोड़ा चौंका दिया। क्या लाएँ हैं, चाचा? उसने पूछा। चाचा ने मुग़री उठाई, जैसे कोई कर्ता-धर्ता हो, और बोला, तेरी मौत! बच्चा चौंका, पर चाचा के चेहरे पर जो बेशर्मी थी, उसने उसे मौन रहने पर मजबूर कर दिया। बस्ती के लोग इन सब चीजों को देखते रहे, मानो यह सब उनके लिए सामान्य सी बात हो। किसी ने कहा, अरे, बच्चे तो बचपन में ऐसी बातों को भूल जाते हैं। दूसरे ने हंसते हुए कहा, फिर तो सब ठीक है। ऐसा लगता था, जैसे बस्ती के लोग गंदगी के ढेर में जकड़े हुए हों और उस गंदगी को छिपाने के लिए हंसी-ठट्ठा कर रहे हों। दूसरी ओर, मां ने गंदे रिश्तों के लिए अच्छे रिश्ते की बली चढ़ाने पर खुशी-खुशी राजी हो गई। कुछ नहीं होगा? उसने अपने दिल को समझाते हुए कहा। चाचा ने कहा, धीरे-धीरे सब ठीक हो जाएगा। लेकिन किसी ने नहीं सोचा कि बच्चे की मासूमियत पर ये हरकतें कितनी भारी पड़ेंगी। वे सब तो अपनी-अपनी जिंदगियों में मस्त थे, जैसे सब कुछ सही हो। चाय की चुस्कियों के साथ ही किसी ने कहा, बच्चे की किस्मत में यही था। जैसे यह एक सामान्य बात हो, जैसे सबको पता हो कि रिश्तों की गंदगी को छिपाने का यही एक तरीका है। सच तो यह था कि बस्ती की हर दीवार पर, हर दरवाजे पर, हर छत पर इस गंदगी की कहानी लिखी हुई थी। लेकिन बस्ती वालों को इसकी कोई परवाह नहीं थी। वे अपने-अपने कामों में व्यस्त थे। जैसे किसी ने कहा, देखो, जब रिश्ता इतना मजबूत है, तो गंदगी का क्या? अब बस्ती में सब कुछ चलता रहा, जैसे कुछ हुआ ही नहीं। बच्चा चुप था, उसकी मासूमियत की कोई कीमत नहीं थी। जिंदगी मस्ती का दूसरा नाम है। यह वही शब्द थे जो बस्ती के लोग एक दूसरे से कहते थे। लेकिन इस मस्ती में गंदगी भी अच्छी लगने लगी थी। इस तरह, एक बच्चा और उसकी मासूमियत की कहानी खत्म हो गई। बस्ती के लोग फिर से अपनी चाय की चुस्कियों में मस्त हो गए।

कल्पवास और कुंभ का संबंध

महाकुंभ और कल्पवास का अनूठा संबंध है। कुंभ में जिसने कल्पवास का निर्वाहन कर लिया, उसे श्रीहरि की कृपा मिल गई। लेकिन कल्पवास में भक्तों को निष्ठापूर्वक नियम का पालन करना होता है।

पौष पूर्णिमा सोमवार, 13 जनवरी 2025 से महाकुंभ का आरंभ होने जा रहा है। महाकुंभ दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन है, जिसमें देश-दुनिया के साधु-संत और श्रद्धालु एकत्रित होकर पवित्र त्रिवेणी संगम पर आस्था की डुबकी लगाते हैं।

महाकुंभ के दौरान कई लोग कल्पवास के नियमों का भी पालन करते हैं। यह नियम निष्ठापूर्वक पूर्ण करने वालों को भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है। कल्पवास का नियम वैसे तो कभी भी अपनाया जा सकता है। लेकिन शास्त्रों के अनुसार कुंभ, महाकुंभ और माघ मास में कल्पवास का महत्व काफी बढ़ जाता है। कल्पवास को आत्मिक विकास और शुद्धि का सर्वोच्छ साधन माना गया है। आइये जानते हैं कल्पवास के महत्व, नियम और लाभ के बारे में-

क्या होता है कल्पवास

कल्पवास को आप आध्यात्मित विकास का साधन भी कह सकते हैं। ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास बताते हैं कि, कल्पवास का मतलब होता है पूरे एक महीने तक संगम तट पर रहकर वेदाध्ययन, ध्यान, पूजा में संग्लित रहना। इस दौरान भक्त को कठिन तपस्या और भगवत साधना करनी होती है। कल्पवास का समय पूर्ण रूप से प्रभु भक्ति को समर्पित होता है। लेकिन कुंभ के दौरान किए कल्पवास का महत्व कई गुणा बढ़ जाता है।

महाकुंभ के लिए इस साल कल्पवास के नियमों का पालन पौष महीने के 11वें दिन से लेकर माघ महीने से 12वें दिन तक करना होगा। धार्मिक मान्यता है कि सूर्य देव जब धनु राशि से निकलकर मकर राशि की यात्रा आरंभ करते हैं जब एक माह के कल्पवास का ठीक वैसा ही पुण्य फल मिलता है, जो कल्प में ब्रह्म देव के एक दिन के समान होता है। इसलिए कई लोग मकर संक्रांति के दिन से भी कल्पवास की शुरुआत करते हैं। पूरे माघ महीने में संगम पर निवास कर तप, साधना, पूजन, अनुष्ठान को ही कल्पवास कहा जात है।

2025 में कब शुरू होगा कल्पवास

इस साल 2025 में महाकुंभ के साथ ही कल्पवास का भी आरंभ हो जाएगा। पौष पूर्णिमा के स्नान के साथ 13 जनवरी को जहां महाकुंभ मेले की भव्य शुरुआत होगी और इसी दिन से कल्पवास भी शुरू होगा। कल्पवास पूरे एक महीने तक चलता है। इस दौरान साधक संगम तट पर रहते हुए कल्पवास के नियमों का निष्ठापूर्वक पालन करते हैं और साथ ही साथ ज्ञान, सत्संग और साधु महात्माओं की संगति का लाभ उठाते हैं।

कल्वास के नियम क्या हैं?

कल्पवास के नियम बहुत कठोर होते हैं। कल्पवास करने वाले को श्वेत या पीले रंग का वस्त्र पहनना होता है। कल्पवास की सबसे कम अवधि एक रात होती है। इसके साथ ही इसकी अवधि तीन रात, तीन महीने, छह महीने, छह साल, बारह साल या जीवनभर भी होती है। पद्म पुराण में महर्षि दत्तात्रेय द्वारा वर्णित कल्पवास के 21 नियम बताए गए हैं। जो व्यक्ति 45 दिनों तक कल्पवास करता है, उन्हें इन पूरे 21 नियमों का पालन करना अनिवार्य होता है। यह 21 नियम इस प्रकार हैं-

सत्यवचन, अहिंसा, इंद्रियों पर नियंत्रण रखना, सभी प्राणियों पर दया भाव रखना, ब्रह्मचर्य का पालन करना, व्यसनों से दूर रहना, ब्रह्म मुहूर्त में जागना, नियमित तीन बार पवित्र नदी में स्नान करना, त्रिकाल संध्या का ध्यान करना, पितरों के लिए पिंडदान, दान, अंतर्मुखी जप, सत्संग, संकल्पित क्षेत्र से बाहर न जाना, किसी की भी निंदा ना करना, साधू-सन्यासियों की सेवा, जप और कीर्तन, एक समय भोजन ग्रहण करना, भूमि पर सोना, अग्नि सेवन न करना, देव पूजन करना। कल्पवास के इन 21 नियमों में ब्रह्मचर्य, व्रत, उपवास, देव पूजन, सत्संग और दान को सबसे अधिक महत्वपूर्ण बताया गया है।

कल्पवास के लाभ

जो व्यक्ति श्रद्धा और निष्ठापूर्वक कल्पवास के नियमों का पालन करता है, उसे इच्छित फल की प्राप्ति होने के साथ ही जान-जन्मांतर के बंधनों से मुक्ति मिल जाती है।

महाभारत के अनुसार माघ महीने में किया गया कल्पवास उतना ही पुण्य होता है, जितना 100 वर्षों तक बिना अन ग्रहण किए तपस्या करना।

कल्पवास के नियमों का पालन करने वाले को भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है और जीवन में सुख-समृद्धि, सौभाग्य और सकारात्मकता का निवास होता है।

समय के साथ बदल रहे हैं लोहड़ी से जुड़े रस्मों-रिवाज

पूरे विश्व में भारतीय संस्कृति अपना एक अलग स्थान रखती है क्योंकि इसमें अनेक रीति-रिवाज व परम्पराएं समाई हैं, जो लोगों को करीब लाकर एकसूत्र में बांधती हैं। त्यौहारों की इस श्रृंखला में माघ महीने की संक्रांति से एक दिन पहले आता है लोहड़ी का पर्व। लोहड़ी हर्ष और उल्लास का पर्व है। इसका संबंध मौसम के साथ गहरा जुड़ा है। पौष माह की कड़ाके की सर्दी से बचने के लिए भाईचारक सांझ और अग्नि की तपिश का सुकून लेने के लिए लोहड़ी मनाई जाती है।

लोहड़ी रिश्तों की मधुरता, सुकून और प्रेम का प्रतीक है। दुखों का नाश, प्यार और भाईचारे से मिल जुलकर नफरत के बीज का नाश करने का नाम है लोहड़ी। यह पवित्र अग्नि का त्यौहार मानवता को सीधा रास्ता दिखाने और रुठों को मनाने का जरिया बनता रहेगा। लोहड़ी शब्द तिल+रोड़ी के मेल से बना है जो समय के साथ बदल कर तिलोड़ी और बाद में लोहड़ी हो गया। लोहड़ी मुख्यतः तीन शब्दों को जोड़ कर बना है ल (लकड़ी) ओह (सूखे उपले) और डी (रेवड़ी)।

लोहड़ी के पर्व की दस्तक के साथ ही पहले 'सुंदर मुंदरिए' दे माई लोहड़ी जीवे तेरी जोड़ी आदि लोक गीत गाकर घर-घर लोहड़ी मांगने का रिवाज था। समय बदलने के साथ कई पुरानी रस्मों का आधुनिकीकरण हो गया है। लोहड़ी पर भी इसका प्रभाव पड़ा। अब गांव में लड़के-लड़कियां लोहड़ी मांगते हुए 'परम्परागत गीत' गाते दिखलाई नहीं देते। गीतों का स्थान 'डीजे' ने ले लिया।

लोहड़ी की रात को गन्ने के रस की खीर बनाई जाती है और अगले दिन माघी के दिन खाई जाती है जिसके लिए पौह रिद्धी माघ खाघी गई कहा जाता है।

ऐसा करना शुभ माना जाता है। यह त्यौहार छोटे बच्चों एवं नव विवाहितों के लिए विशेष महत्व रखता है। लोहड़ी की संध्या में जलती लकड़ियों के सामने नवविवाहित जोड़े अपने वैवाहिक जीवन को सुखमय बनाए रखने की कामना करते हैं। लोहड़ी का संबंध नए जन्मे बच्चों के साथ ज्यादा है पुराने समय से ही यह रीत चली आई है कि जिस घर में लड़का जन्म लेता है उस घर में धूमधाम से लोहड़ी मनाई जाती है। लोहड़ी से कुछ दिन पहले गुड़ बांटा जाता है और लोहड़ी की रात सभी गांव वाले लड़के वाले घर आते हैं और लकड़ियां, उपले आदि से अग्नि जलाई जाती है।

सभी को गुड़, मूंगफली, रेवड़ी, तिल घानी बांटे जाते हैं। आजकल लोग कन्या भ्रूण हत्या को रोकने के लिए लड़कियों के जन्म पर भी लोहड़ी मनाते हैं ताकि रुढ़िवादी लोगों में लड़के-लड़की का अंतर खत्म किया जा सके। लोहड़ी की पवित्र आग में तिल डालने के बाद बड़े-बुजुर्गों से आशीर्वाद लिया जाता है।

जितना संभव हो, रसोई में लाल बल्ब अवश्य जला कर रखें

हमने पहले आपसे रसोई के संबंध में बात की थी। अब उसी बात को आगे बढ़ाते हैं। रसोई आग्नेयकोण में सबसे अच्छी है। कई बार सवाल उठता है कि आग्नेयकोण की रसोई में सिंक और पानी कैसे हो सकता है। अग्नि और पानी का बैर तो सर्व विदित है। बात सही है। दरअसल, पहले बर्तन साफ करने का सिस्टम रसोई में होता ही नहीं था। झूठे बर्तन भी रसोई में नहीं रखे जाते थे। मिट्टी में बर्तन मांजे जाते थे। बड़े घर होते थे जिनमें दालान होता था। जैसे जैसे जगह कम हुई। वास्तु की परिस्थितियों में भी बदलाव हुआ। अब छोटे मकान और फ्लैट कल्चर में छोटी सी रसोई में सारी व्यवस्थाएं करनी होती है। ऐसे में रसोई का जो ईशान कोण है उसमें सिंक और पानी के नल लगाने का प्रावधान है। फ्रिज को अग्नि कोण के दायरे में रखना चाहिए। रसोई का प्लेटफार्म हमेशा लाल रंग में हो। कई लोग काला पत्थर लगा लेते है जो गलत है। पहले परिंडे अलग होते थे। मतलब पीने के पानी का एक सेपरेट स्थान होता था।

अब वह भी रसोई में ही बनाने पड़ते है। ऐसे में पीने के पानी का मटका भी ईशान में ही रखें। RO लगाने का भी यही स्थान है। यहां मटके के पास सुबह शाम दीपक जरूर जलाना चाहिए। इससे घर के पितृगण प्रसन्न रहते है। रसोई में तांबे के बर्तन में रात को पानी भरकर रखें जिसे घर की स्त्री सुबह सूर्योदय के समय घर के मुख्यद्वार पर समर्पित करे। माना जाता है कि सुबह पितृगण घर आते हैं और ये जल ग्रहण करने के बाद प्रसन्न होकर और आशीर्वाद देकर जाते है। खाना बनाते समय ग्रहणी का मुंह पूर्व की तरफ होना चाहिए।

जितना संभव हो, रसोई में लाल रंग का बल्ब अवश्य जला कर रखे। यहां बल्ब या led लाइट पूर्व या उत्तर दिशा में होनी चाहिए। यदि आपकी रसोई आग्नेयकोण में बनी है और वहां अन्य सारी चीजें गलत बन गई है तो उनकी रेमेडी यानी निदान हो सकते हैं। जो किसी वास्तु शास्त्री के निर्देशन में कराए जा सकते हैं।

भोगी पण्डिगाई कहां मनाई जाती है?

आन्ध्र प्रदेश, तेलंगाना तथा तमिलनाडु में, संक्रान्ति को चार दिवसीय उत्सव के रूप में मनाया जाता है। चार दिनों के दौरान प्रत्येक दिन कुछ विशेष अनुष्ठानों का पालन किया जाता है, यह चार दिन निम्नलिखित नामों से जाने जाते हैं -

दिन 1 - भोगी, जिसे भोगी पण्डिगाई के नाम से भी जाना जाता है।

दिन 2 - मकर संक्रान्ति, आन्ध्र प्रदेश व तेलंगाना में पेड्डा पाण्डुगा तथा तमिलनाडु में पोंगल के रूप में जाना जाता है।

दिन 3 - आन्ध्र प्रदेश में कनुमा पाण्डुगा तथा तमिलनाडु में मट्टू पोंगल के रूप में जाना जाता है।

दिन 4 - आन्ध्र प्रदेश में मुक्कानुमा तथा तमिलनाडु में कानुम पोंगल के रूप में जाना जाता है।

भोगी पण्डिगाई के बारे में

भोगी पंडिगाई दक्षिण भारत में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण त्योहार है, जो मुख्य रूप से तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में प्रसिद्ध है। यह पोंगल उत्सव का पहला दिन होता है और मकर संक्रांति से एक दिन पहले आता है।

भोगी पण्डिगाई को आंध्र प्रदेश, तेलंगाना तथा तमिलनाडु में बड़े धूमधाम से मकर संक्रांति से एक दिन पहले मनाया जाता है। इस वर्ष भोगी पण्डिगाई 13 जनवरी, 2025 को सोमवार के दिन मनाया जाएगा।

यह त्यौहार इंद्र देव को समर्पित है, जिन्हें वर्षा का देवता माना जाता है। ऐसी मान्यता है, कि इंद्र देव के प्रसन्न होने से अच्छी बारिश होती है, जिससे अच्छी खेती और उपज होती है। भोगी पण्डिगाई के दिन अच्छी फसल की कामना लेकर इंद्र देव की पूजा की जाती है। भोगी पण्डिगाई के दिन पिछले साल प्राप्त हुई अच्छी फसल के लिए भगवान का शुक्रिया करने और आने वाले समय में भी अच्छी फसल हो ऐसी कामना लेकर इंद्र देव की पूजा की जाती है। इंद्र देव को भोग विलास में रहने वाले देवता भी माना जाता है, इसलिए इस पर्व को भोगी पण्डिगाई कहा जाता है।

भोगी पण्डिगाई हरी-भरी फसल की कामना करने के लिए मनाया जाता है, इसलिए इस दिन फसलों के साथ-साथ पशु और खेतों की भी पूजा की जाती है। इस दिन किसान अपने हल और अन्य औज़ारों की भी पूजा करते हैं और भैंसे के सींग से बना एक वाद्य यंत्र, जिसे 'भोगी कोट्टम' कहते हैं, उसे बजाकर लोक गीत गाते हैं।

इस दिन सुबह जल्दी उठकर घरों की सफाई कर उन्हें चमकाया जाता है और घरों में एक स्थान पर अलाव जलाया जाता है। इस अलाव में घर में अनुपयोगी लकड़ी या उससे बने सामान, गोबर से बने उपले और अन्य अनुपयोगी चीज़ों को जलाते हैं। भोगी पण्डिगाई पर जलाए गए अलाव को भोगी मंटालू कहा जाता है। यह सभी इस त्योहार के अनुष्ठान हैं।

भोगी पण्डिगाई पर एक और परंपरा मनाई जाती है। कुछ तेलुगु परिवारों की मान्यता अनुसार, तीन से छह साल की उम्र के बच्चों पर बेर फल की वर्षा की जाती है। इस क्रिया को रेगी पल्लू कहा जाता है। इस दिन लड़कियां लंगा-वोनी नाम की एक पारंपरिक पोशाक पहनती हैं। इस दिन रेगी पल्लू, सेनागुल अर्थात भिगोये हुए और सूखे हुए काले चने के साथ फूल की पंखुड़ियां, गन्ने के छोटे टुकड़े और कुछ सिक्कों का मिश्रण तैयार किया जाता है, जिसकी वर्षा बच्चों पर की जाती है। इस अनुष्ठान को भोगी पल्लू कहा जाता है। ऐसी मान्यता है, कि ऐसा करने से बच्चों पर बुरी नज़र का असर नहीं होता, उनका स्वास्थ्य अच्छा रहता है और उन्हें सभी सुख प्राप्त होते हैं। नवजात बच्चे, जो अपना पहला कदम रखना सीख रहे हों, उनके लिए अरीसेलू अडुगुलु का अनुष्ठान किया जाता है। अरीसेलू एक तरह का व्यंजन होता है, जो चावल से बनता है। इस व्यंजन को ज़मीन पर रखकर छोटे बच्चों को इसके ऊपर चलाया जाता है। ऐसा करना छोटे बच्चों के लिए शुभ माना जाता है।

भोगी पण्डिगाई के दिन से ही तमिल नववर्ष का आरंभ होता है, इसलिए लोग अपने घरों को आम के पत्तों और फूलों से सजाते हैं। घर के मुख्य द्वार पर रंगोली बनाई जाती है और नए वस्त्र पहने जाते हैं। लोग एक दूसरे को बधाई और मिठाई देते हैं। इसके साथ ही, सामूहिक भोजन का आयोजन भी किया जाता है। इस दिन कुछ लोग अपने घरों के बाहर बोम्मवाला कोलुवु भी सजाते हैं। इसमें अलग-अलग देवी-देवताओं के साथ मिट्टी से बने खिलौनों को सजाया जाता है। इस दिन व्यापारी अपने पिछले वर्ष के खातों का अंत करते हैं, फिर अगले दिन से नए खातों की शुरुआत की जाती है।

भोगी पण्डिगई का इतिहास तथा व्यंजन

भोगी पण्डिगाई का यह विशेष त्योहार करीब एक हज़ार साल पहले से मनाया जा रहा है। यह त्यौहार श्रीलंका, मॉरीशस, मलेशिया आदि स्थानों पर भी मनाया जाता है। इस दिन गुड और चावल से बना व्यंजन बनाया जाता है, जिसे पगल कहते हैं। इस व्यंजन के नाम पर ही इस त्यौहार का नाम पोंगल रखा गया है। यह त्योहार दक्षिण भारत में बहुत लोकप्रिय है और हर साल पूरे जोश के साथ इसे मनाया जाता है।

तो यह थी भोगी पण्डिगाई से जुड़ी संपूर्ण जानकारी। आशा करते हैं आपको यह जानकारी पसंद आई होगी। ऐसे ही भारत के विभिन्न उत्सवों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए जुड़े रहिए श्री मंदिर के साथ।

रश्मिका मंदाना के पैर पर प्लास्टर

साउथ की फेमस एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना को जिम में वर्कआउट करते वक्त चोट लग गई थी। अब उन्होंने सोशल मीडिया पर हेल्थ अपडेट शेयर किया है। उन्होंने ये भी बताया

कि इस वजह से उनकी फिल्में प्रभावित हुई हैं। वो शूटिंग नहीं कर पा रही हैं। शायद हफ्तों या महीनों तक रेस्ट करना पड़े।

रश्मिका मंदाना ने शेयर किया हेल्थ अपडेट

'पुष्पा 2' एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना को हाल ही में जिम में वर्कआउट करते समय पैर में चोट लग गई। साउथ एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर हेल्थ अपडेट दिया है। उन्होंने बताया कि इस घटना के कारण उनकी अपकमिंग मूवीज की शूटिंग प्रभावित हुई है। एक्ट्रेस ने देरी के लिए अपने डायरेक्टर्स से माफी मांगी है।

रश्मिका मंदाना कई सारी फोटोज शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'ठीक है... मुझे लगता है कि मुझे नया साल मुबारक हो ! मैंने अपने पवित्र जिम मंदिर में खुद को घायल कर लिया। अब मैं अगले कुछ हफ्तों या महीनों के लिए 'हॉप मोड' में हूं या केवल भगवान ही जानता है, इसलिए ऐसा लगता है कि मैं 'थामा', 'सिकंदर' और 'कुबेर' के लिए सेट पर वापस जाऊंगी !'

एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'मेरे निर्देशकों को देरी के लिए खेद है... मैं जल्द ही वापस आ जाऊंगी, बस यह सुनिश्चित करूंगी कि मेरे पैर एक्शन के लिए फिट हैं (या कम से कम कूदने के लिए फिट हैं)। इस बीच अगर आपको मेरी जरूरत होगी... तो मैं कोने में एक बेहद उन्नत 'बन्नी हॉप' वर्कआउट करूंगी। हॉप हॉप हॉप।'

फैंस ने सेहत के लिए मांगी दुआ

रश्मिका के फैंस कॉमेंट बॉक्स में भर-भरकर कॉमेंट कर रहे हैं। सब दुआ कर रहे हैं कि वो जल्द से जल्द ठीक हो जाएंगी और सेट पर वापस लौटकर शूटिंग शुरू करेंगी। नीना गुप्ता, रॉनित रॉय सहित कई स्टार्स ने भी चिंता जताई है।

उर्वशी ने निर्देशक बॉबी कोली की तारीफ में पढ़े कसीदे

निर्देशक बॉबी कोली के निर्देशन में बनी नंदमुरी बालकृष्ण की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'डाकू महाराज' ने आज 12 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक दे दी है। इस फिल्म का निर्देशन बॉबी कोली ने किया है। फिल्म 'डाकू महाराज' में बॉबी देओल खलनायक बने दिखे हैं। उनके अलावा उर्वशी रौतेला, चांदनी चौधरी, प्रज्ञा जायसवाल और श्रद्धा श्रीनाथ जैसे कलाकार भी फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म का संगीत थमन एस ने तैयार किया है। वहीं, बॉबी कोली ने फिल्म का निर्देशन करने के साथ इसका लेखन भी किया है। हाल ही में उर्वशी रौतेला ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बॉबी कोली की तारीफों के पुल बांधे हैं।

वाल्टेयर वीरय्या के 'बॉस पार्टी' से शुरू हुआ सफर

उर्वशी ने बॉबी कोली के साथ तस्वीरें शेयर करते हुए एक चिट्ठी लिखी है। अभिनेत्री ने लिखा है, 'प्रिय प्रिय बॉबी गारू, आपका बेमिसाल काम मैंने देखा है। उसकी तारीफ में यह चिट्ठी मैं बहुत खुशी के साथ लिख रही हूं। आपके साथ काम करने का सफर वाल्टेयर वीरय्या के 'बॉस पार्टी' गाने से शुरू हुआ, जो जादुई रहा है। उस प्रोजेक्ट के दौरान आपने मेरी क्षमताओं को पहचाना और मुझ पर

यकीन किया। उस दौरान अपके टैलेंट और जुनून ने मुझे हैरान कर दिया'।

दिल और आत्मा सब झोंक दिया

अभिनेत्री ने आगे लिखा है, 'अब जब हमने 'डाकू महाराज' में साथ काम किया तो मैंने देखा आपने इस फिल्म के लिए अपना दिल और आत्मा सबकुछ झोंककर काम किया है। पिछले दो साल से मैं आपकी मेहनत, प्रतिभा और समर्पण देख रही हूं। मैं इसकी गवाह रही हूं। यह खूबी आपको हमारे समय के सबसे महान निर्देशकों में शामिल करती है। यह सफर सिर्फ एक फिल्म बनाने को लेकर नहीं रहा, यह एक सपने को जीवन में उतारने का सफर रहा। उस सपने के प्रति आपकी प्रतिबद्धता मुझे प्रेरित करती है।

बोलीं- साथ काम करके गौरवान्वित हूं

उर्वशी ने लिखा है, 'मैं तहे दिल से ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि 'डाकू महाराज' खूब सफलता अर्जित करे। मुझे उम्मीद है कि यह न सिर्फ रिकॉर्ड तोड़ेगी, बल्कि आपकी हर हसरत पूरी करेगी। इस फिल्म की सफलता मेरे लिए बेहद निजी होगी, क्योंकि मैंने देखा है कि इस मास्टरपीस के लिए आप रात-रातभर जागे हैं आपकी क्रिएटिविटी तो देखी ही जा सकती है, आप भावनात्मक रूप से बहुत ज्यादा जुड़े हैं। आपके साथ काम करते हुए मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है'।

सोशल मीडिया पर मिल रही मिलीजुली प्रतिक्रिया

यह फिल्म एक डाकू पर आधारित है जो अपने लोगों के अस्तित्व के लिए निडरता से लड़ता है। फिल्म में एक्शन है। इस फिल्म को दर्शकों की मिलीजुली प्रतिक्रिया मिल रही है। कुछ दर्शकों ने फिल्म को बेहतर तरीके से बनाई गई कमर्शियल एक्शन एंटरटेनर के रूप में सराहा है। वहीं, कई लोगों ने बालकृष्ण के एंट्री सीन की भी काफी तारीफ की।

सुपरहीरो फिल्म में नजर आएंगे रणवीर सिंह, साथ दिखेंगी वामिका गब्बी

रणवीर सिंह इन दिनों धुरंधर की शूटिंग में व्यस्त हैं। हाल ही में फिल्म के सेट से रणवीर सिंह की सरदार लुक में कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुईं। जानकारी के अनुसार, वहीं अब रणवीर निर्देशक बेसिल जोसेफ की आगामी फिल्म के लिए अपनी कमर कस रहे हैं। इस फिल्म में रणवीर के साथ बॉलीवुड अभिनेत्री नजर आएंगी, जिनको आपने रणवीर के साथ पहले किसी भी फिल्म में नहीं देखा है।

रणवीर के साथ नजर आएंगी वामिका?

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में बेबी जॉन में नजर आईं वामिका गब्बी अब रणवीर सिंह के साथ बेसिल जोसेफ की फिल्म का हिस्सा बनने वाली हैं। यह फिल्म शक्तिमान का बॉलीवुड रूपांतरण हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, वामिका, बेसिल जोसेफ की सुपरहीरो फिल्म में मुख्य महिला भूमिका निभाने के लिए सबसे आगे हैं। इस फिल्म को लेकर पिछले पांच सालों से काम चल रहा है।

जी2 में नजर आएंगी वामिका

हाल ही में वामिका ने अदिवी शेष और इमरान हाशमी के साथ जी2 में शामिल होने की बात को एक इंस्टाग्राम पोस्ट के लिए शेयर किया था। इस पोस्ट के साथ वामिका ने लिखा,'बेहद खुश हूं इस जानकारी को शेयर करते हुए की यह मेरा अगला प्रोजेक्ट है। बेहतरीन कास्ट के साथ काम करने का मौका मिलेगा.... फिल्म के सेट पर इमरान हाशमी से मिलने का और इंतजार नहीं कर सकती।'

वामिका का वर्कफ्रंट

काम की बात करें तो वामिका गब्बी ने 2007 में इम्तियाज अली की फिल्म जब वी मेट से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म में उन्होंने करीना कपूर खान की चचेरी बहन का किरदार निभाया था। इसके बाद उन्होंने मौसम, बिट्टू बॉस, 83, खुफिया और बेबी जॉन जैसी हिंदी फिल्मों में काम किया।

भूल भुलैया 2 की मंजुलिका की हुई फिल्म भूत बंगला में एंट्री

काफी समय से सोशल मीडिया पर ऐसी चर्चा थी कि फिल्म भूत बंगला का हिस्सा तब्बू भी होंगी. अब ये कंफर्म हो गया. एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर सेट से एक तसवीर शेयर की. फोटो के सात उन्होंने लिखा कि, हम यहां बंद हैं. फोटो पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, डॉक्टर आदित्य श्रीवास्तव से मुलाकात करतीं मंजुलिका. एक यूजर ने लिखा, इसका इंतजार नहीं कर सकता. एक यूजर ने लिखा, हेराफेरी के बाद वापस. एक यूजर ने लिखा, अक्षय और तब्बू की जोड़ी कमाल की है. एक यूजर ने लिखा, भूत कौन बनेगा.

14 साल बाद प्रियदर्शन संग काम कर रहे अक्षय कुमार

अक्षय कुमार 14 साल बाद प्रियदर्शन के साथ काम कर रहे हैं. इस बारे में पिछले साल एक्टर ने अपने बर्थडे पर फैंस को बताया था. उनकी स्काई फोर्स 24 जनवरी 2025 को रिलीज होगी, जिसमें वीर पहारिया और सारा अली खान भी अहम किरदार में दिखेंगी. फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है और इसपर दर्शकों और आलोचकों ने पॉजिटिव रिव्यूज दिया था. ये एक देशभक्ति वाली मूवी है और यह संदीप केलवानी और अभिषेक कपूर की ओर से निर्देशित है. इसके अलावा एक्टर्स के पास कई सारी फिल्में है, जिसमें वेलकम टू द जंगल, कन्नप्पा हैं.

'गेम चेंजर' को लग रहे एक के बाद एक झटके अब तेलंगाना सरकार ने उठाया ये बड़ा कदम

तेलंगाना सरकार ने अभिनेता राम चरण की फिल्म गेम चेंजर के लिए टिकट मूल्य में वृद्धि की अनुमति देने वाले अपने आदेश को वापस ले लिया है। उच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद सरकार ने यह फैसला लिया। सरकार ने कहा कि भविष्य में सुबह के शो की अनुमति तब तक नहीं दी जाएगी, जब तक सार्वजनिक हित, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर उचित रूप से विचार नहीं किया जाता।

शनिवार रात एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि 16 जनवरी से यह आदेश प्रभावी हो जाएगा, जिसमें बढ़ी हुई दरों पर फिल्म के प्रदर्शन की अनुमति वापस ले ली जाएगी।

गेम चेंजर के निर्माताओं की मांग पर राज्य सरकार ने 3 जनवरी को आदेश जारी किया थ। इसके मुताबिक 10 जनवरी को छह शो (जिसमें 4 बजे का अतिरिक्त शो भी शामिल था) प्रदर्शित करने की अनुमति दी गई थी। साथ ही, मल्टीप्लेक्स थिएटरों के लिए 150 रुपये और सिंगल थिएटरों के लिए 100 रुपये अतिरिक्त शुल्क लेने की अनुमति दी गई थी। इसके अलावा 11 जनवरी से 19 जनवरी तक पांच शो (नौ दिनों के लिए) 100 रुपये के अतिरिक्त शुल्क मल्टीप्लेक्स और 50 रुपये सिंगल थिएटरों के लिए तय किए गए थे।

हाई कोर्ट ने निर्णय के बाद बदला गया

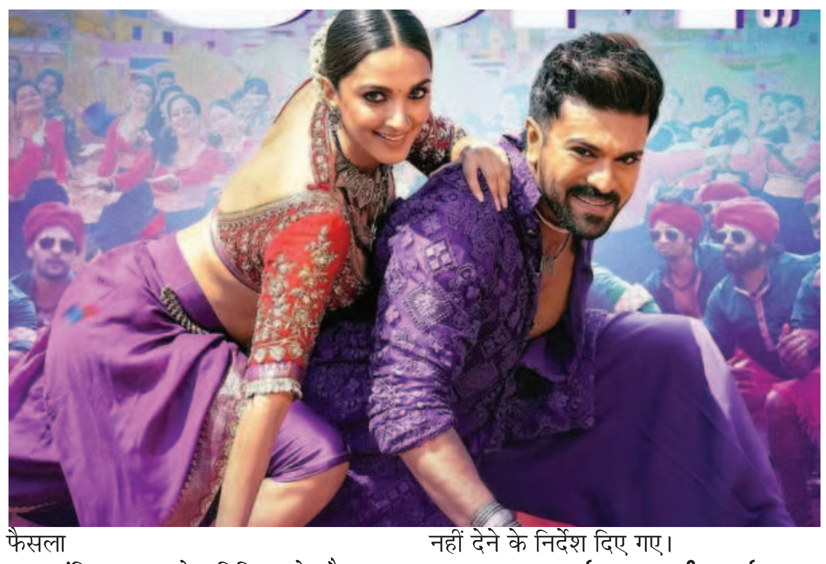

फैसला

हालांकि, सरकार ने अतिरिक्त शो और मूल्य वृद्धि की अनुमति देते हुए यह भी कहा था कि फिल्म के साथ नारकोटिक्स और ड्रग्स के प्रभाव तथा साइबर अपराध के बारे में विज्ञापन भी दिखाए जाने चाहिए। इसके बाद 10 जनवरी को उच्च न्यायालय ने अंतरिम आदेश जारी किया, जिसमें सरकार को टिकट दरों में 150 रुपये और 100 रुपये की वृद्धि के फैसले वापस लेने और सुबह के शो की अनुमति भी नहीं देने के निर्देश दिए गए।

अब तक हुई महज इतनी कमाई

गेम चेंजर के कलेक्शन की बात करें तो शुक्रवार को यह फिल्म 51.25 करोड़ रुपये का ही कारोबार कर सकी। वहीं, दूसरे दिन इस फिल्म की कमाई में 57 फीसदी से ज्यादा की गिरावट नजर आई। शनिवार को फिल्म ने 21.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 72.5 करोड़ रुपये हो गई है।

आमिर ने कहा जुनैद पर गर्व है

आमिर खान के बेटे जुनैद खान और बोनी कपूर-श्रीदेवी की बेटी खुशी कपूर फिल्म लवयापा के साथ बड़े पर्दे पर अपनी शुरुआत करने जा रहे हैं। आमिर खान ने हाल ही में बताया कि वो कभी भी अपने बच्चों के लिए अवेलेबल नहीं रहे। एक्टर ने यह बात अपने बेटे जुनैद की अपकमिंग मूवी लवयापा के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर कही हैं।

मैं पिता के तौर पर कभी अवेलेबल नहीं रहा- आमिर

आमिर खान ने ट्रेलर लॉन्च इवेंट में कहा कि उन्हें अपने बेटे पर गर्व है। जिस तरह से वो अपने की करियर की शुरुआत कर रहे हैं।

एक्टर ने कहा- मैं कभी भी अपने बच्चों के लिए एक पिता के तौर पर अवेलेबल नहीं रहा। उनके बचपन में भी मैंने उन पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया।

मेरा सारा ध्यान अपने ऊपर और अपने काम के ऊपर ही रहता था। मैं 1988 से इस इंडस्ट्री का हिस्सा हूं, मुझे इंडस्ट्री में 36 साल से ज्यादा हो गए हैं। अब मेरा बेटा भी इस इंडस्ट्री में कदम रख रहा है, इसका हिस्सा बनने जा रहा है तो यह मेरे लिए काफी इमोशनल मोमेंट हैं।

आमिर ने आगे कहा- जैसे मेरी अम्मी ने मेरी परवरिश की थी वैसे ही परवरिश रीना और मैंने जुनैद और इरा की। जुनैद खान और इरा खान, आमिर और उनकी पहली पत्नी रीना के बच्चे हैं। आमिर ने रीना दत्ता से 18 अप्रैल 1986 को शादी की थी। साल 2002 में दोनों का तलाक हो गया था।

बता करें जुनैद खान की फिल्म लवयापा की तो इसमें उनके साथ बोनी कपूर-श्रीदेवी की बेटी खुशी कपूर लीड रोल में है। जुनैद ने पिछले साल नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई फिल्म महाराज से स्क्रीन पर डेब्यू किया था, जबकि उनकी पहली फिल्म लवयापा 7 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को अद्वैत चंदन ने डायरेक्ट किया है। डायरेक्टर अद्वैत चंदन ने आमिर की फिल्म लाल सिंह चड्ढा भी बनाई थी। आमिर अपकमिंग फिल्म सितारे जमीन पर में नजर आएंगे।

बिग बॉस में पहले से ही तय होते हैं विनर्स! एक्स-विनर शिल्पा शिंदे का खुलासा, बोलीं- दर्शकों को उल्लू बनाया जाता है

टीवी का कॉन्ट्रोवर्शियल शो बिग बॉस-18 लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। अब शो धीरे-धीरे अपने फिनाले की ओर बढ़ रहा है। इसी बीच अब टीवी एक्ट्रेस और बिग बॉस सीजन 11 की विनर रह चुकीं शिल्पा शिंदे का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने शो के मेकर्स पर दर्शकों को उल्लू बनाने का आरोप लगाया है।

इस वायरल वीडियो में शिल्पा शिंदे कहती हुई नजर आ रही हैं, 'मुझे नहीं पता, लेकिन कुछ लोगों को यह पता चल गया है कि मेकर्स ही विनर्स तय करते हैं। वे खुद ही चुनते हैं, अपने घर से उठाकर लाते हैं और दिखाते हैं। अब चैनल की जो भी स्ट्रैटेजी हो, वह लोगों को भी पता चल गई है, इसलिए लोग अब शो ज्यादा नहीं

देख रहे हैं, क्योंकि आप एक हद तक किसी को उल्लू बना सकते हैं।'

शिल्पा के वीडियो पर यूजर्स भी जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। एक ने लिखा, 'बात तो सही है।', दूसरे ने लिखा, 'इसका मतलब यह है कि आपको भी मेकर्स ने ही विनर बनाया, आप डिजर्व नहीं करती थीं जितना।', तीसरे ने लिखा, 'हां, क्योंकि हिना शो को डिजर्व करती थीं।'

बिग बॉस 11 जीत चुकी हैं शिल्पा शिंदे

बिग बॉस सीजन 11 में शिल्पा शिंदे और हिना खान के बीच कड़ा मुकाबला था, लेकिन ट्रॉफी शिल्पा शिंदे ने जीती थी। हालांकि, उस समय सोशल मीडिया पर कई लोगों का मानना था कि हिना खान ट्रॉफी जीतने की हकदार थीं। बता दें, बिग बॉस सीजन 18 का ग्रैंड फिनाले 19 जनवरी को होगा।

भाग्यश्री बोलीं- यात्रा के दौरान भी खाना पसंद करती हूं

अभिनेत्री भाग्यश्री सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। वह समय-समय पर फैंस के साथ दिलचस्प चीजें साझा करती रहती हैं। हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपने पसंदीदा नाश्ते की एक झलक साझा की है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि यात्रा के दौरान भी वह इस नाश्ते को खाना पसंद करती हैं।

भाग्यश्री ने साझा की तस्वीर

भाग्यश्री ने रविवार (12 जनवरी) को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें एक प्लेट में डोसा, चटनी और सांबर रखा था। इसके साथ उन्होंने लिखा, ₹मेरा पसंदीदा नाश्ता... यात्रा के दौरान भी।₹ इसके बाद उन्होंने एक और तस्वीर शेयर की, जिसमें वह पूलसाइड पर लाल रंग के कफ्तान ड्रेस में पोज देते हुए दिखाई दे रही थीं। इस पोस्ट को उन्होंने कैप्शन दिया, प्रकृति के रंग।

पर्दे पर इस फिल्म में आई थीं नजर

अभिनेत्री इस समय झारसुगुड़ा, ओडिशा में हैं। हालांकि, उन्होंने इस यात्रा के कारण का खुलासा नहीं किया। वर्क फ्रंट की बात करें तो भाग्यश्री को आखिरी बार फिल्म 'सजनी शिंदे का वायरल वीडियो' में देखा गया था।

इस फिल्म का निर्देशन मिखिल मुसाले ने किया था। फिल्म में निमरत कौर, राधिका मदान और सुबोध भावे भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए थे। फिल्म में वह ग्रे शेड किरदार में नजर आई थीं।

अच्छे मैनेजर के गुण

किसी भी बिजनैस में सफलता के लिए जरूरी है कि आप एक अच्छे मैनेजर साबित हों। अच्छा मैनेजर वही कहलाएगा जो अपने तहत काम करने वाले कर्मचारियों को खुश रखने के साथ ही उनसे बेहतरीन ढंग से काम ले सकता हो।

अच्छे मैनेजरों के तहत काम करने वाले कर्मचारियों की रुचियां कम्पनी की प्राथमिकताओं के अनुरूप होती हैं। यदि आपके साथ ऐसा नहीं है तो यहां दिए 3 तरीकों को आजमाएं, जिनसे यह तालमेल बैठाना सुनिश्चित हो जाएगा कि आपकी कम्पनी कर्मचारियों से जो करवाना चाहती है, वे उसी तरह से काम करें।

अपने कर्मचारियों की सभी प्राथमिकताएं जानें

समीक्षा के समय का इंतजार न करें बल्कि नियमित रूप से अपने कर्मचारियों से पूछते रहें कि वे व्यक्तिगत रूप से किस चीज की सबसे ज्यादा परवाह करते हैं। मैनेजर के रूप में आपको यह जानने की जरूरत है कि कौन- सी चीज उन्हें प्रेरित करती है।

कम्पनी की प्राथमिकताएं व्यक्त करें

अपने कर्मचारियों को बता दें कि कम्पनी को अगले सप्ताह महीने और वर्ष में क्या हासिल करने की जरूरत है। प्राथमिकताओं में हेर-फेर न करें। उन्हें यह बात स्पष्टता से और बार-बार बताएं।

रूचियों को जिम्मेदारियों के तालमेल में लाएंः जब दोनों चीजें स्पष्ट हो जाएं तो कर्मचारियों की रुचि को कम्पनी की प्राथमिकताओं के अनुरूप बनाने की अधिकतम कोशिश करें।

डिजिटल मार्केटिंग में बढिया करियर

आज पूरी दुनिया डिजिटिलाइजेशन की ओर बढ़ रही हैं और कंपनियां अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए काफी संख्या में डिजिटल मार्केटिंग एक्सपट्र्स को हायर कर रही हैं। 'द सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी' के अनुसार वर्तमान समय में देश में बेरोजगारी दर 7 प्रतिशत से अधिक है। ऐसे में कई संस्थाओं और थिंक टैंक का मानना है कि युवाओं को अब रोजगार के परंपरागत तरीकों से हटकर कुछ और भी सोचना होगा। दरअसल बेरोजगारी की समस्या से परेशान युवाओं के लिए डिजिटल मार्केटिंग तरक्की के नए रास्ते खोल रहा है। आज पूरी दुनिया डिजिटिलाइजेशन की ओर बढ़ रही हैं और कंपनियां अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए काफी संख्या में डिजिटल मार्केटिंग एक्सपट्र्स को हायर कर रही हैं। डिजिटल मार्केटिंग एक्सपट्र्स की नौकरी अभी टॉप 10 डिमांड्स वाली नौकरियों में भी शामिल है। साथ ही डिजिटल मार्केटिंग एक्सपट्र्स की डिमांड हर साल 30 फीसदी की दर से बढ़ रही है। देश विदेश के बाजार में डिजिटल मार्केटिंग एक्सपट्र्स की बढ़ती हुई डिमांड को देखते हुए देश की जानी-मानी एडटेक कंपनी सफलता डॉट कॉम ने अब देश के युवाओं को डिजिटल मार्केटिंग में दक्ष बनाने के लिए एक खास स्किल डेवलपमेंट

कोर्स की शुरुआत की है। आप इस लिंक डिजिटल मार्केटिंग पर क्लिक करके इस खास कोर्स से जुड़ सकते हैं और घर बैठे इस कोर्स की सहायता से डिजिटल मार्केटिंग के फील्ड में अपना करियर बना सकते हैं।

ये भी सीखें

मास्टर डिजिटल मार्केटिंग
एडवांस डिजिटल मार्केटिंग
प्रोफेशनल डिजिटल मार्केटिंग
12वीं से लेकर ग्रेजुएट युवाओं के लिए है बंपर नौकरियां

डिजिटल मार्केटिंग के फील्ड में उन 12वीं से लेकर ग्रेजुएट युवाओं के लिए बंपर नौकरियां हैं जिन्होंने डिजिटल स्किल हासिल की हुई है। पूरे भारत में अभी आने वाले वर्ष में 8 लाख से अधिक डिजिटल मार्केटिंग एक्सपट्र्स की डिमांड बनी हुई है। साथ ही यह उम्मीद जताई जा रही है कि भविष्य में भी और नौकरी इस फील्कीड में निकलेंगी। इसलिए युवा बेरोजगारी की समस्या को दूर करने के लिए सफलता के खास डिजिटल मार्केटिंग कोर्स की सहायता ले सकते हैं। इस कोर्स की खास बात यह है कि इसमें एडमिशन लेने के लिए आपको किसी खास डिग्री की जरूरत नहीं पड़ेगी।

सफलता द्वारा शुरू किए गए खास डिजिटल मार्केटिंग कोर्स में आपको डिजिटल मार्केटिंग के 20 टूल्स और 10 मॉड्यूल्स से परिचित कराया जाता है और यहां आपको गूगल सर्टिफाइड एक्सपीरियंस्ड फैकल्टीज से पढ़ने का मौका मिलता है। साथ ही आपको इंटरव्यू की भी तैयारी कराई जाती है। इसके अलावा आपको एक्सपर्ट फैकल्टीज से सीखने का मौका तथा इनके मास्टर क्लास सेशन्स में भी शामिल होने का मौका मिलता है। तो देर किस बात की आज ही इस कोर्स से जुड़े और डिजिटल मार्केटिंग की दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बनाएं।

सफलता के साथ करें कॅरियर प्लान

अगर आप भी ग्रेजुएशन कर चुके हैं लेकिन अपने कॅरिअर को लेकर तमाम तरह की चिंताओं से घिरे हैं तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। देश की जानी-मानी ऐडटेक कंपनी सफलता ने युवाओं की मदद के लिए कई प्रोफेशनल और स्किल ओरिएंटेड शॉर्ट और लॉन्ग टर्म कोर्सेज की शुरुआत की है जहां से आप घर बैठे खुद को एक किसी फील्ड का प्रोफेशनल बना सकते हैं। यहां ग्राफिक डिजाइनिंग और डिजिटल मार्केटिंग के अलावा भी कई कोर्स मौजूद हैं। इतना ही नहीं सरकारी नौकरी का सपना देख रहे युवाओं के लिए भी सफलता पर लगभग सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोर्सेज हैं। यहां से पढ़कर सैकड़ों युवाओं ने सरकारी और प्राइवेट सेक्टर में शानदार नौकरियां हासिल की हैं। अगर आप भी प्राइवेट या सरकारी नौकरी की तलाश में हैं तो आप एक बार सफलता डॉट कॉम पर विजिट जरूर करें और अपनी पसंद के मुताबिक कोर्स में एडमिशन लीजिए जिसके बाद आपको सफलता की फैकल्टी ना केवल आपको प्रोफेशनल बनने के लिए तैयार करेगी बल्कि वो आपका सही कॅरिअर चुनने में मार्गदर्शन भी करेंगे।

ऑफिस में लेट-लतीफ न बनें

क्या आपने कभी सोचा है कि देर क्यों हो जाती है? मैं तो इसका केवल एक ही कारण मानता हूं और वह यह है कि हम यह सोचते हैं कि अभी बहुत समय बाकी है। इस तरह हमारा समय कब खत्म हो जाता है, पता ही नहीं चलता।

जो इंसान यह सोचता है कि अभी बहुत समय बाकी है, उसे देर जरूर होती है।

होता यूं है कि जब इंसान यह सोचता है कि अभी बहुत समय है तो वह समय को गंवाना शुरू कर देता है। इससे काम इकट्ठे होने शुरू हो जाते हैं। जब वह काम को करना शुरू करता है तो हड़बड़ाहट पैदा होती है। बीच में कोई न कोई टांग जरूर अड़ जाती है।

क्या आपको नहीं लगता कि जब आपको देर हो रही होती है तो आमतौर पर ट्रैफिक भी मिलता है ? रैड लाइट्स भी बार- बार मिलती हैं। आप जितनी जल्दी करते हैं, उतनी देर होती चली जाती है, लेकिन सच्चाई यह है कि सारी गड़बड़ हड़बड़ाहट के कारण हो रही है। समय से पहले काम कर लेना उपलब्धि है, गलत आदत नहीं है। आप उस समय का कई तरीकों से लाभ उठा सकते हैं। अगर बहुत वक्त बाकी है तो फिर आलस्य क्यों करते हैं, उस समय का सदुपयोग क्यों नहीं करते ?

ईसीआईएल में निकली 55 वर्ष की आयु वालों के लिए नौकरी, दो लाख से अधिक मिलेगा वेतन

इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने मैनेजर के विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की है। इच्छुक और पात्र उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट (www.ecil.co.in) पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती में जनरल मैनेजर, जनरल मैनेजर फाइनेंस, सीनियर मैनेजर लॉ जैसे विभिन्न पद शामिल है।

इन पदों के लिए आवेदन विंडो 11 जनवरी को खोली जाएगी। जिसमें योग्य अभ्यर्थी 31 जनवरी, 2025 तक आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती अभियान का लक्ष्य कुल 12 पदों को भरना है।

रिक्ति विवरण इस प्रकार हैः

13 कुल पद

इन सभी पदों के लिए योग्यताएं अलग-अलग मांगी गई है। उम्मीदवारों योग्यता से संबंधित सभी जानकारी आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर देख सकते हैं। जनरल मैनेजर पद पर अनुभव की बात करें उम्मीदवारों के पास संबंधित क्षेत्र में 24 वर्ष का अनुभव होना चाहिए,जबकि सीनियर मैनेजर के लिए 14 वर्ष का होना चाहिए।

आयु सीमा

इस भर्ती में आवेदन करने के लिए आयु सीमा पदानुसार निर्धारित की गई है।

इतना मिलेगा वेतन

चयनित उम्मीदवारों की सैलरी पदानुसार 70,000 से 2,80,000 रुपये प्रति माह तक होगी। इस भर्ती से जुड़ा विस्तृत विवरण उम्मीदवार ईसीआईएल की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर देख सकते हैं।

यहां जमा करें आवेदन

इस भर्ती में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को ऑनलाइन आवेदन के साथ आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी भी जमा करनी होगी।

हार्ड कॉपी ईसीआईएल कॉरपोरेट ऑफिस, हैदराबाद में जमा करनी होगी। जिसकी अंतिम तिथि 7 फरवरी, 2025 है।

इंटरव्यू के बाद अपनी कमियों पर ध्यान दें

किसी भी नौकरी के लिए इंटरव्यू सबसे महत्वपूर्ण पहलू मानी जाती है। अथक मेहनत और पढ़ाई के बाद ही अभ्यर्थी इंटरव्यू तक पहुंच पाता है। प्रायः इंटरव्यू के पश्चात अभ्यर्थी बैठे-बैठे परिणाम का इंतजार करते रहते हैं पर खाली समय में वे और भी बहुत कुछ कर सकते हैं।

आकलन करेंः आपने इंटरव्यू में वांछित सफलता प्राप्त करने के लिए कितनी पढ़ाई की और सबसे बड़ी बात कितनी निष्ठा और योजनाबद्ध तरीके से की, इस बात

का आकलन जरूरी है, ताकि आपको अपनी कमियों का पता चल जाए।

आपसे क्या पूछा गया, उसे आकर नोट कर लें। इससे आपको दोहरा फायदा होगा। पहला, आपको यह मालूम पड़ जाएगा कि इंटरव्यू में बैठे पैनल का दृष्टिकोण किस विषय पर ज्यादा केंद्रित रहा। दूसरा ये नोट्स आपको आगामी इंटरव्यू में भी मदद देंगे। प्रयास यह होना चाहिए कि इंटरव्यू के दौरान सबसे खास बातचीत क्या हुई, उसे भली-भांति नोट करें।

पढ़ाई का तरीका जांचें अक्सर ऐसा देखा

जाता है कि अभ्यर्थी साल भर कड़ी मेहनत करते हैं, परंतु इंटरव्यू में पाते हैं कि उन्होंने जो पढ़ा था सब कुछ उससे हटकर पूछा जा रहा है। इसलिए इंटरव्यू के बाद इस पहलू पर व्यापक रूप से विचार करें कि आपकी पढ़ाई का तरीका उचित था अथवा नहीं।

संकोच से बचें : इंटरव्यू के दौरान आपकी प्रस्तुति कैसी रही, इस संबंध में अपने मित्रों से बातचीत करने में कतई संकोच न करें। संकोच कुंठित मानसिकता और दुर्बल आत्मबल का द्योतक है। इसलिए जहां तक संभव हो सके, मित्रों से इंटरव्यू के हर पहलू पर गहन विचार-विमर्श करें। इससे आगे के इंटरव्यू में आपको काफी मदद मिलेगी।

सुप्रीम कोर्ट में लॉ ग्रेजुएट्स की भर्ती; 14 जनवरी से शुरू आवेदन, सैलरी 80 हजार तक

सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया ने लॉ क्लर्क कम रिसर्च एसोसिएट के 90 पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट sci.gov.in. पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती के लिए लिखित परीक्षा 9 मार्च, 2025 को आयोजित की जाएगी।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :

भारतीय बार काउंसिल द्वारा मान्यता प्राप्त किसी भी स्कूल/कॉलेज/यूनिवर्सिटी/संस्थान से लॉ में ग्रेजुएशन की डिग्री।

बार काउंसिल में एडवोकेट के रूप में रजिस्टर्ड होना चाहिए।

रिसर्च एंड एनालिटिकल स्किल, लेखन क्षमता और कंप्यूटर नॉलेज होना चाहिए। इसमें विभिन्न सर्च इंजन/प्रोसेस जैसे ई-एससीआर, मनुपात्र, एससीसी ऑनलाइन, लेक्सिसनेक्सिस, वेस्टलॉ आदि का नॉलेज होना चाहिए।

एज लिमिट : 2 फरवरी, 2025 तक कम से कम 20 वर्ष और अधिकतम 32 वर्ष होनी चाहिए।

फीस : 500 रुपए फी के साथ अतिरिक्त बैंक की राशि भी देना होगी।

यह राशि यूको बैंक पेमेंट गेटवे के माध्यम से ऑनलाइन जमा करना होगी।

सैलरी : 80 हजार रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :
प्रीलिम्स एग्जाम
मेन्स एग्जाम
इंटरव्यू

ऐसे करें आवेदन : ऑफिशियल वेबसाइट www.sci.gov.in पर जाएं।

नोटिस सेक्शन के तहत 'रिक्रूटमेंट' टैब पर क्लिक करें।

'ऑनलाइन आवेदन करें' पर क्लिक करें।

यहां अपना नाम, ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर दर्ज करके रजिस्ट्रेशन प्रोसेस पूरी करें।

अपने क्रेडेंशियल के जरिए लॉगइन करें।

जरूरी डिटेल्स के साथ फॉर्म भरें।

जरूरी डॉक्यूमेंट्स की स्कैन की गई कॉपियां अपलोड करें।

फीस जमा करें। इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

ओएनजीसी में 108 पदों पर निकली भर्ती; एज लिमिट 42 साल, सैलरी 1 लाख 80 हजार तक

ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड यानी ओएनजीसी (ONGC) ने 100 से अधिक पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ओएनजीसी की ऑफिशियल वेबसाइट ongcindia.com पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन

संबंधित क्षेत्र में पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री, बीई, बीटेक डिग्री

एज लिमिट :
26 - 42 साल

आरक्षित वर्ग के लिए उम्र सीमा में नियमों के अनुसार छूट दी जाएगी।

फीस :
सामान्य/ईडब्ल्यूएस/ओबीसी : 1000 रुपए
एससी/एसटी/पीडब्ल्यूबीडी : निःशुल्क

सिलेक्शन प्रोसेस :
कंप्यूटर आधारित परीक्षा
इंटरव्यू
ग्रुप डिस्कशन

सैलरी :
60,000 - 1,80,000 रुपए प्रतिमाह

अन्य अलाउंस भी दिए जाएंगे।

ऐसे करें आवेदन :

ऑफिशियल वेबसाइट https://ongcindia.com/ पर जाएं।

होम पेज पर Recruitment सेक्शन पर क्लिक करें।

अब अप्लाई ऑनलाइन पर क्लिक करें। फॉर्म में दी गई जानकारी भरें।

जरूरी डाक्यूमेंट्स, फोटो और सिग्नेचर अपलोड करें।

अपनी कैटेगरी के अनुसार फीस का भुगतान करें।

आवेदन फॉर्म पूरा भरने के बाद इसे सब्मिट कर दें।

फॉर्म का एक प्रिंट आउट निकाल कर रखें।

'इंश्योरेंस सैक्टर' में रोजगार के अवसर

इंश्योरेंस सैक्टर उन फील्ड्स में एक है जो पिछले कुछ वर्षों से तेजी से विस्तार कर रहा है। इसमें रोजगार के कई अवसर हैं। अगर आप भी इस सैक्टर में करियर बनाने की सोच रहे हैं तो यह अच्छा समय है। खास कर कोरोना के बाद इंश्योरेंस के हैल्थ सैक्टर में काफी बूस्ट आया है। हालांकि, आज लगभग हर परिस्थिति से निपटने के लिए बीमा कम्पनियों के पास पॉलिसी हैं।

जीवन बीमा, यात्रा बीमा, वाहन बीमा, स्वस्थ्य बीमा तथा गृह बीमा इनमें सबसे ज्यादा प्रचलित हैं। सरकारी कम्पनियों जैसे जीवन बीमा निगम, राष्ट्रीय बीमा कम्पनी के अलावा कितनी ही निजी इंश्योरेंस कम्पनियां भी इस क्षेत्र में कार्यरत हैं।

ग्रैजुएशन के बाद छात्र इस क्षेत्र में करियर बना सकते हैं। हालांकि, इंश्योरेंस सैक्टर में 12वीं के बाद भी प्रवेश कर सकते हैं। आजकल कई कम्पनियां ग्रैजुएट छात्रों को पार्ट-टाईम जॉब का ऑफर भी देती हैं। फिर भी विषय का पूरा ज्ञान लेने के लिए कॉलेज के बाद इंश्योरेंस मैनेजमैंट में मास्टर्स डिग्री लेना श्रेयस्कर रहेगा।

यदि आपमें सेलिंग स्किल, पीपल स्किल हैं तथा आप लोगों की परेशानियों को समझते व उन्हें वित्तीय मदद भी देने को सदैव तैयार रहते हैं तो इंश्योरेंस सैक्टर आपके लिए बेहतर होगा। वास्तविक दुनिया में इंश्योरेंस का महत्व शुरूआत में ही समझा जाना चाहिए।

इस तरह करें शुरूआत

आप किसी लोकप्रिय इंश्योरेंस कम्पनी के इंश्योरेंस एजेंट या सेल्स एग्जीक्यूटिव इंश्योरेंस के रूप में करियर शुरू कर सकते हैं। इसके लिए आपको इरडा (भारतीय बीमा नियामक प्राधिकरण) द्वारा संचालित एजैंट परीक्षा पास करनी होगी। कुछ सालों तक इस तरह काम करने के बाद आप इंश्योरेंस मैनेजर भी बन सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

इंश्योरेंस को करियर बनाने के लिए दो तरह की स्किल्स की आवश्यकता होती है- पहला, लोगों को आसानी से दोस्त बनाना और दूसरा, उनकी परेशानी को सही ढंग से पहचान कर उन्हें इंश्योरेंस के महत्व को समझाना। आप उन्हें समझा सकते हैं कि भविष्य में होने वाली किसी दुर्घटना से इंश्योरेंस कैसे सुरक्षा प्रदान करता है। इंश्योरेंस कम से कम वित्तीय रूप से लोगों को सुरक्षा तो प्रदान कर ही सकता है।

इंश्योरेंस प्रोफैशनल्स के लिए रोजगार की सम्भावनाएं दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। आप एक इंश्योरेंस एजैंट के रूप में करियर शुरू कर सकते हैं जहां आपको लोगों को बीमा पॉलिसी बेचनी होती है। इसके लिए आपको निश्चित टार्गेट दिया जाता है जिसे आपको प्रीमियम के रूप में कम्पनी के लिए कमाकर पूरा करना होता है।

इसके बदले में आपको कमीशन दिया जाता है। इसके अलावा सेल्स मैनेजर इंश्योरेंस का पद भी महत्वपूर्ण होता है जहां आपको इंश्योरेंस एजेंटों की एक टीम को

संभालना होता है। आप इंश्योरेंस अंडरराईटर के रूप में भी अपने करियर की शुरूआत कर सकते हैं।

एक्कुरियल साइंस में मौके

इंश्योरेंस सैक्टर में बतौर एक्कुरियल प्रोफैशनल भी करियर बनाने के अच्छे मौके हैं। इस क्षेत्र में जाने के लिए आप 12वीं व ग्रैजुएशन के बाद भी जा सकते हैं, लेकिन विषय का पूरा ज्ञान लेने के लिए एक्कुरियल साइंस से संबंधित कोर्सेस में स्नातक डिग्री के लिए मैथ्स या स्टैटिस्टिक्स में 55 प्रतिशत अंकों के साथ 12वीं पास होना आवश्यक है जबकि पी.जी. डिप्लोमा, मास्टर्स डिग्री और सर्टिफिकेट कोर्स के लिए मैथ्स स्टैटिस्टिक्स, इकोनॉमैट्रिक्स सब्जैक्ट से स्नातक जरूरी है। छात्र इंस्टीच्यूट ऑफ एक्चुरीज ऑफ इंडिया को मैम्बर के तौर पर भी ज्वाइन कर सकते हैं।

एक्चुरी प्रोफैशनल बनने के लिए छात्रों को एक्चुरियल सोसाइटी ऑफ इंडिया का फैलो मैम्बर होना जरूरी है। यह संस्थान इसमें कोर्सेस भी कराता है।

कार्य क्षेत्र

एक्चुरियल प्रोफैशनल मैथ्स और स्टैटिस्टिक्स के मैथड्स का इस्तेमाल करके इंश्योरेंस और फाइनांस इंडस्ट्री में जोखिम का अनुमान लगाते हैं। वे यह हिसाब लगाते हैं कि किसी पॉलिसी होल्डर को प्रीमियम के तौर पर कितनी राशि का भुगतान करना होगा या किसी कम्पनी को पैंशन या रिटर्न पर कितना खर्च करना होगा। प्रोफैशनल का काम अचानक घटी घटना के आर्थिक प्रभाव का अंदाजा लगाने का भी होता है। आज इस क्षेत्र से जुड़े प्रोफैशनल्स को इंश्योरैंस इंडस्ट्री का बैकबोन भी कहा जाने लगा है।

योग्यता : अपनी योग्यता के आधार पर आप एडमिनिस्ट्रेटिव अफसर, असिस्टैंट डिवैल्पमैंट अफसर, इंश्योरेंस सर्वेयर, एक्कुरी मैनेजर, रिस्क मैनेजर जैसे पदों पर काम कर सकते हैं। इस फील्ड में भारत में संभावनाएं इसलिए भी अधिक हैं, क्योंकि यहां की कम्पनियां वैश्विक ग्राहकों को कम संसाधन और न्यूनतम लागत में अच्छी सुविधाएं मुहैया करा रही हैं।

इन आंकड़ों को देख खुश होंगे मोदी

साल 2024 में हो गया कमाल, क्या 2030 तक लक्ष्य होगा पूरा?

नई दिल्ली,12 जनवरी (एजेंसियां)। साल 2025 में नरेंद्र मोदी सरकार को एक और अच्छी खबर मिली है। न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी मिनिस्ट्री ने साल 2024 का जो डेटा जारी किया है, उसे देखकर पीएम मोदी खुश होंगे। देश के इस महत्वपूर्ण सेक्टर में साल 2024 में कमाल हो गया है। मोदी सरकार साल 2030 तक अपने एक महत्वपूर्ण लक्ष्य को पूरा करना चाहती है। अब सवाल है कि क्या सरकार इस सेक्टर में अपना लक्ष्य पूरा कर पाएगी? यहां हम बात रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर की कर रहे हैं। न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी मिनिस्ट्री के आंकड़ों के अनुसार भारत ने 2024 में लगभग 30 गीगावाट की रेकॉर्ड रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता वृद्धि दर्ज की है। यह साल 2023 में दर्ज 13.75 गीगावाट से 113 फीसदी अधिक है। भारत की अब रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता 218 गीगावाट हो गई है।

क्या है सरकार का लक्ष्य?

भारत सरकार का लक्ष्य साल 2030 तक देश में 500 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता हासिल करना है। इस कारण इस सेक्टर में मोदी सरकार तेजी से काम कर रही है। भारत की अब रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता 218 गीगावाट पहुंच चुकी है। भारत को अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अगले छह वर्षों में प्रति वर्ष औसतन 50 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता जोड़ने की आवश्यकता है। पिछले दो वर्षों में जिस तरह से हर साल 100 फीसदी से ज्यादा का लक्ष्य हासिल किया है, उसे देखकर लगता है कि भारत साल 2030 तक अपना लक्ष्य हासिल कर लेगा।

हर साल बढ़ रही क्षमता

देश में रिन्यूएबल एनर्जी पैदा करने की क्षमता साल दर साल बढ़ रही है। इस बारे में सरकार ने आंकड़े जारी किए हैं। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि वर्ष 2023 में 13.75 गीगावाट से वर्ष 2024 में लगभग 30 गीगावाट तक की तीव्र वृद्धि हुई है। इस कारण करीब 218 गीगावाट का लक्ष्य हासिल हुआ है।

दुनिया में तीसरा स्थान

रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। सरकार इससे जुड़े कई प्रोग्राम देश में चला रही है। इनमें पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना भी शामिल है। सरकार का उद्देश्य साल 2070 तक कार्बन उत्सर्जन को शून्य करने का है। रिन्यूएबल एनर्जी पैदा करने में भारत का दुनिया में तीसरा स्थान है। इसमें पहले स्थान पर चीन और दूसरे पर अमेरिका है।

लेकिन यहां सरकार के पास नहीं कोई प्लानिंग

रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर बेशक तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन इसके कचरे को खत्म करने के लिए सरकार के पास कोई ठोस प्लानिंग नहीं है। सोलर पैनल का कचरा देश में तेजी से बढ़ रहा है। अभी तक सोलर पैनल का एक लाख टन कचरा पैदा हो गया है। साल 2030 तक यह बढ़कर 6 लाख टन हो सकता है।

इंद्रजीत पावर के खिलाफ नहीं रुकेगी दिवालियापन की कार्यवाही, एनसीएलएटी ने खारिज की अपील

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण ने कर्ज में डूबी थर्मल पावर कंपनी इंद्रजीत पावर के खिलाफ दिवालिया कार्यवाही पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। एनसीएलएटी ने कहा कि एनसीएलटी ने कोई गलती नहीं की है। यस बैंक ने 1 फरवरी 2024 को महाराष्ट्र स्थित कंपनी इंद्रजीत पावर के खिलाफ दिवालिया कार्यवाही शुरू की थी। एनसीएलटी की मुंबई शाखा ने कंपनी को दिवालिया घोषित कर दिया। एनसीएलटी के आदेश को कंपनी के निलंबित बोर्ड के निदेशक राजीव मुंजाल ने एनसीएलएटी में चुनौती दी। अब एनसीएलएटी ने अपने आदेश में दिवालियापन कार्यवाही को बरकरार रखा है।

331 करोड़ रुपये की ऋण चूक का है मामला

एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने 7 जनवरी, 2025 को अपने फैसले में कहा, 'अपीलकर्ता (निदेशक) का यह कहना कि वह समझौता करने का प्रस्ताव कर रहे हैं, इससे साफ होता है कि ऋण और चूक की गई है। ऐसे में हमें इस अपील पर विचार करने के लिए कोई अच्छा आधार नहीं दिखता।' यस बैंक ने इंद्रजीत पावर के खिलाफ 331.41 करोड़ रुपये की चूक का दावा किया है। इंद्रजीत पावर वर्तमान में महाराष्ट्र के वर्धा में 85 मेगावाट का कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांट संचालित करती है।

एनसीएलएटी के समक्ष अपनी याचिका में मुंजाल ने कहा कि वह समझौता करने के लिए कदम उठा रहे हैं। एनसीएलएटी ने इसके लिए कई अवसर दिए हैं। अंतिम अवसर 1 अक्टूबर, 2024 और 5 नवंबर, 2024 को दिए गए थे। अब अपीलीय न्यायाधिकरण ने अपील को खारिज कर दिया।

वॉरेन बफे का बंटेगा साम्राज्य, सामने आए वारिसों के नाम

दोस्त बिल गेट्स को नहीं मिलेगी फूटी कौड़ी

नई दिल्ली,12 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे मशहूर निवेशकों में से एक वॉरेन बफे ने अपनी संपत्ति के बंटवारे का नया प्लान बताया है। 94 साल के बफे बर्कशायर हैथवे के सीईओ भी हैं। उन्होंने वॉल स्ट्रीट जर्नल को दिए इंटरव्यू में कहा कि उनकी लगभग सारी बची हुई दौलत एक नए चैरिटेबल ट्रस्ट को जाएगी। यह फैसला उनके पुराने वाले से अलग है। इसमें पारिवारिक मूल्यों और लंबे समय तक चलने वाले असर पर जोर दिया गया है। बफे के तीन बच्चे – सूसी, हॉवी और पीटर इस नए ट्रस्ट को संभालेंगे। पैसों को कैसे इस्तेमाल करना है, इसके लिए तीनों को मिलकर फैसला लेना होगा। हालांकि, ट्रस्ट अपने हिसाब से काम करेगा। वॉरेन बफे ने अपने बच्चों को काम की दिशा के बारे में कुछ सुझाव दिए हैं। बफे ने कहा है कि दुनिया में आठ अरब लोग हैं। वह और उनके बच्चे सबसे भाग्यशाली लोगों में हैं। बफे ने अपने बच्चों पर भरोसा जताने का फैसला सोच-समझकर लिया है। उन्होंने देखा है कि कैसे उनके बच्चों ने अपने-अपने फाउंडेशन के जरिए नेक कामों में दिलचस्पी दिखाई है। ये फाउंडेशन बच्चों की शुरुआती शिक्षा, खाने की सुरक्षा, मानव तस्करी और आदिवासियों के हक जैसे मुद्दों पर काम करते हैं। यह अनुभव ट्रस्ट के पैसों को सही तरीके से इस्तेमाल करने और परिवार की परोपकार की परंपरा को आगे बढ़ाने में बहुत काम आएगा।वॉरेन बफे की नई योजना में सबसे बड़ा बदलाव है बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन को आगे कोई दान न देना। 2006 से बफे ने फाउंडेशन को 39 अरब डॉलर से ज्यादा दान दिए हैं। लेकिन, उनके निधन के बाद कोई और योगदान नहीं दिया जाएगा। बफे ने साफ शब्दों में कहा, 'मेरी मौत के बाद गेट्स फाउंडेशन को कोई पैसा नहीं मिलेगा।' इससे साफ है कि अब उनका पूरा फोकस अपने बच्चों के काम पर होगा। दान देने के बारे में बफे के विचार समय के साथ बदले हैं। पहले, वह अपनी दौलत अपने पास रखना और बाद में बांटना चाहते थे। लेकिन, 2006 में उन्होंने गेट्स फाउंडेशन और कई पारिवारिक फाउंडेशन को सालाना दान देना शुरू किया। उनकी ज्यादातर दौलत पहले ही दान हो चुकी है, लेकिन बची हुई दौलत का भविष्य अब तक अनिश्चित था। जैसा कि उन्होंने स्वीकार किया, उनके बच्चे दौलत संभालने और बदलते टैक्स कानूनों के हिसाब से चलने में ज्यादा सक्षम हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	धनु	मे	धनु----	04-52	बजे
चंद्र-	मिथुन	मे	मकर...	06-57	बजे
मंगल	कर्क	मे	कुंभ -	08-48	बजे
बुध-	धनु	मे	मीन-	10-25	बजे
गुरु-	वृष	मे	मेष---	12-01	बजे
शुक्र-	कुंभ	मे	वृष---	13-46	बजे
शनि-	कुंभ	मे	मिथुन	15-48	बजे
राहु-	मीन	मे	कर्क...	18-00	बजे
केतु-	कन्या	मे	सिंह---	20-11	बजे
			कन्या---	22-18	बजे
			तुला----	00-24	बजे
			वृश्चिक...	02-33	बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य • उत्तरायणे • ऋतु • शिशिर
महावीर निर्वाण संवत •2051,हिजरी सन् •1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय -06-53 सूर्यास्त. -17-56
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल •• पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- पूर्णिमा . 03-56 तक उपरान्त प्रतिपदा
मास • पौष शुक्ल ,सोमवार 13 January
नक्षत्र • आर्द्रा 10-37 तक उपरान्त पुनर्वसु
योग • वैधृति 04-38 तक उप विष्कुंभ
करण- विष्टी 16-26 तक उप बव
विशेष:- पूर्णिमा व्रत,लोहड़ी
व्रत -त्योहार • शाकम्भरी ज.

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
08:14 से
09:38 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	06:53 - 08:14	शुभ	चंचल	17:56 - 19:36	शुभ
काल.	08:14 - 09:38	अशुभ	रोग	19:36 - 21:12	अशुभ
शुभ.	09:38 - 11:01	शुभ	काल	21:12 - 22:49	अशुभ
रोग .	11:01 - 12:25	अशुभ	लाभ	22:49 - 00:25	शुभ
उत्पात	12:25 - 13:49	अशुभ	उत्पात	00:25 - 01:01	अशुभ
चंचल	13:49 - 15:12	शुभ	शुभ	02:01 - 27:38	शुभ
लाभ	15:12 - 16:36	शुभ	अमृत	03:38 - 05:14	शुभ
अमृत.	16:36 - 17:56	शुभ	चंचल	05:14 - 06:53	शुभ

सस्ती होगी सीएनजी! सरकार ने बढ़ाई सप्लाई

आईजीएल, एमजीएल और अडानी–टोटल पर पडेगा असर

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। सरकार ने शहरी गैस डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों जैसे इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड यानी आईजीएल, अडानी-टोटल और महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) को सस्ती गैस की सप्लाई बढ़ा दी है।

इन कंपनियों ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी है। बीते साल यानी 2024 में सरकार ने इन कंपनियों को गैस आवंटन घटा दिया था। सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों ने कहा कि एपीएम गैस की बढ़ी हुई मात्रा की सप्लाई 16 जनवरी से शुरू हो जाएगी।

आईजीएल ने शेयर बाजारों को दी जानकारी

इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा, गेल (इंडिया) लिमिटेड (घरेलू गैस आवंटन के लिए नोडल एजेंसी) से मिले पत्र के मुताबिक आईजीएल को घरेलू गैस आवंटन 16 जनवरी, 2025 से 31 परसेंट तक बढ़ाया गया है। इससे सीएनजी सेगमेंट में घरेलू गैस की हिस्सेदारी 37 परसेंट से बढ़कर 51 परसेंट हो जाएगी। कंपनी ने एक बड़े सप्लायर के साथ प्रतिस्पर्धी कीमत पर लगभग 10 लाख मानक घनमीटर रोजाना की आयातित एलएनजी के साथ भी करार किया है। आईजीएल ने कहा कि इस संशोधन और अतिरिक्त मात्रा के लिए करार के बाद कंपनी के मुनाफे पर सकारात्मक असर पड़ेगा।

टोटल गैस लिमिटेड ने कहा- रिटेल कीमतों पर आएगा असर

गुजरात और अन्य शहरों में सीएनजी की रिटेल बिक्री करने वाली अडानी-टोटल गैस लिमिटेड ने कहा कि एपीएम गैस के आवंटन में 16 जनवरी, 2025 से 20 परसेंट की बढ़ोतरी की गई है। कंपनी ने कहा कि इस बढ़ोतरी से उसपर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और कंज्यूमर्स के लिए रिटेल कीमतों को स्थिर करने में मदद मिलेगी।

महानगर गैस लिमिटेड का भी गैस आवंटन बढ़ा

मुंबई और अन्य शहरों में सीएनजी की रिटेल बिक्री करने वाली कंपनी महानगर गैस लिमिटेड ने कहा कि एपीएम मूल्य पर घरेलू गैस के आवंटन में 26 परसेंट की बढ़ोतरी की गई है। इस प्रकार सीएनजी के लिए आवंटन 37 परसेंट से बढ़कर 51 परसेंट हो गया है।

क्यों बढ़ाई गई कंपनियों को गैस की सप्लाई

पिछले साल अक्टूबर और नवंबर में सरकार ने सीमित उत्पादन के चलते सिटी गैस रिटेल सेलर्स को एपीएम गैस (मुंबई हाई और बंगाल की खाड़ी जैसे पुराने क्षेत्रों से निकलने वाली सस्ती प्राकृतिक गैस) की सप्लाई में 40 परसेंट तक कटौती की थी।

इसके कारण शहरी गैस वितरण विक्रेताओं ने सीएनजी के दाम दो-तीन रुपये किलोग्राम बढ़ा दिए थे। इसकी वजह यह है कि इन कंपनियों को ऊंची कीमत वाली गैस खरीदनी पड़ी थी। इससे डीजल जैसे वैकल्पिक ईंधन की तुलना में सीएनजी कम आकर्षक रह गई है।

रिलायंस, एचडीएफसी, एसबीआई सभी को जबरदस्त घाटा

अंबानी की कंपनी को 6 महीने में 22% नुकसान, क्यों हुआ ऐसा?

नई दिल्ली,12 जनवरी (एजेंसियां)। पिछला हफ्ता शेयर मार्केट के लिए काफी बुरा रहा। पूरे हफ्ते मार्केट में गिरावट रही। इस दौरान सेंसेक्स 1,844.2 अंक या 2.32 फीसदी गिरा। वहीं निफ्टी में 573.25 अंक या 2.38 फीसदी की गिरावट आई। इस गिरावट के कारण देश की 5 सबसे मूल्यवान कंपनियों का मार्केट कैप 1.86 लाख करोड़ रुपये गिर गया। सबसे ज्यादा झटका एचडीएफसी बैंक को लगा। वहीं दूसरी ओर पिछले 6 महीने में मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज को भारी नुकसान हुआ है। पिछले हफ्ते देश की टॉप 10 कंपनियों में से 5 का कुल मार्केट कैप 1,85,952.31 करोड़ रुपये गिर गया। सबसे ज्यादा नुकसान एचडीएफसी बैंक को हुआ। एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 70479.23 करोड़ रुपये घटकर 12,67,440.61 करोड़ रुपये रह गया। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और आईटीसी के मार्केट कैप में भी गिरावट आई।

इन कंपनियों का बढ़ गया मुनाफा

वहीं दूसरी ओर पिछले हफ्ते कुछ कंपनियों का मुनाफा बढ़ भी गया। इसमें टीसीएस, एचसीएल टेक, इंफोसिस, हिंदुस्तान

यूनिलीवर और भारती एयरटेल शामिल हैं। सबसे ज्यादा मुनाफा टीसीएस का बढ़ा। इस कंपनी का मार्केट कैप पिछले हफ्ते 60,168.79 करोड़ रुपये बढ़कर 15,43,313.32 करोड़ रुपये हो गया।

रिलायंस की क्या स्थिति?

मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज इस समय बुरे दौर से गुजर रही है। कंपनी के शेयरों में लगातार गिरावट आ रही है। पिछले 6 महीने में कंपनी के शेयर 20 फीसदी से ज्यादा गिर गए हैं। 12 जुलाई को रिलायंस के शेयर की कीमत 1596.73 रुपये थी। वहीं शुक्रवार को मार्केट बंद होने पर यह 1245.55 रुपये पर थी। ऐसे में इसमें इन 6 महीनों में 22 फीसदी की गिरावट आई है। वहीं एक साल में इसमें 9 फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई। अंबानी के शेयरों में गिरावट का सबसे बड़ा कारण तेल की गिरती कीमतों को बताया जा रहा है। दरअसल, तेल की गिरती कीमतें सीधे रिलायंस के रिफाइनिंग कारोबार पर असर डालती हैं।

जनवरी में शुरू होता है विदेशी निवेशकों का 'भारत छोड़ो अभियान', चार साल के आंकड़े दे रहे गवाही

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। जनवरी के महीने में विदेशी निवेशकों का शेयर बाजार से पलायन जारी है। अब तक एफपीआई स्टॉक मार्केट से 22 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा निकाल चुके हैं। जिसकी वजह से शेयर बाजार में भी बड़ी गिरावट देखने को मिल चुकी है। सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि आखिर जनवरी के महीने में ही विदेशी निवेशकों का 'भारत छोड़ो अभियान' क्यों शुरू होता है? ये बात हम नहीं बल्कि एनएसडीएल के आंकड़े चीख चीखकर कह रहे हैं। टीवी9 भारतवर्ष

की टीम ने जब बीते कुछ सालों का डाटा चेक किया तो चौंकाने वाले आंकड़े सामने निकलकर आए। बीते 4 बरस यानी साल 2022 से लेकर 2025 तक जनवरी के महीने में शेयर बाजार से विदेशी निवेशकों का पलायन लगातार जारी है। आखिरी बार साल 2021 में विदेशी निवेशकों ने जनवरी के महीने में शेयर बाजार में पैसा डाला था। अनुमान है कि इस बार विदेशी निवेशक साल 2021 का भी रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं और करीब 35 हजार करोड़ रुपए निकाल सकते हैं। आइए जरा आंकड़ों से समझने की कोशिश करते हैं और देखते हैं कि आखिर किस तरह का पैटर्न देखने को मिल रहा है।

जनवरी में निकाल लिया इतना पैसा

एफपीआई ने इस महीने अबतक भारतीय शेयर बाजारों से 22,194 करोड़ रुपए की निकासी की है। कंपनियों के तिमाही नतीजे कमजोर रहने की संभावना, डॉलर में मजबूती तथा डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन में शुल्क युद्ध तेज होने की आशंका के बीच एफपीआई बिकवाल बने हुए हैं। इससे पहले दिसंबर माह में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार 15,446 करोड़ रुपए का निवेश किया था। वैश्विक और घरेलू मोर्चे पर अड़चनों के बीच विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयरों में अपना निवेश घटा दिया है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस महीने (10 जनवरी तक) अबतक शेयरों से 22,194 करोड़ रुपए निकाले हैं। दो जनवरी को छोड़कर सभी कारोबारी सत्रों में एफपीआई शुद्ध बिकवाल रहे हैं।

2022 से लगातार गिरावट

साल 2022 से एक खास ट्रेंड देखने को मिल रहा है। वो ये कि जनवरी के महीने में विदेशी निवेशक भारत के शेयर बाजार को छोड़ देते हैं। साल 2022 के आंकड़े को देखें तो विदेशी निवेशकों ने 33,303 करोड़ रुपए शेयर बाजार से निकाले थे। उसके बाद साल 2023 में ये आंकड़ा 28,852 करोड़ रुपए देखने को मिला।

मुंबई से कराची तक शेयर बाजार का बुरा हाल, निवेशक हो रहे कंगाल

मुंबई,12 जनवरी (एजेंसियां)। मुंबई से लेकर कराची तक शेयर बाजार में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। जनवरी के महीने में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स करीब 1 फीसदी तक टूटा है। वहीं दूसरी ओर कराजी स्टॉक एक्सचेंज100 में डेढ़ फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। खास बात तो ये है कि भारत के निवेशकों के जनवरी के महीने में 13 लाख करोड़ रुपए डूब चुके हैं। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान में शेयर बाजार निवेशकों को भी मोटा नुकसान हुआ है। भारत और पाकिस्तान के शेयर बाजार में गिरावट का प्रमुख कारण डॉलर इंडेक्स में तेजी है। जिसकी वजह से विदेशी निवेशकों ने साउथ एशिया के देशों के शेयर बाजारों से पैसा निकालना शुरू कर दिया है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर भारत और पाकिस्तान के शेयर बाजारों में किस तरह के आंकड़े देखने को मिल रहे हैं।

भारत के शेयर बाजार में बड़ी गिरावट

बीते एक हफ्ते में भारत के शेयर बाजार में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। आंकड़ों के अनुसार बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स पिछले हफ्ते 2.32 फीसदी यानी 1,844.2 अंकों की गिरावट देखने को मिली है। जिसकी वजह से शेयर बाजार निवेशकों को 20 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ। अगर मौजूदा महीने यानी जनवरी की करें तो सेंसेक्स 760.1 अंकों के नुकसान साथ खड़ा हुआ है। जिसकी उम्मीद किसी ने भी नहीं की थी। इस गिरावट की वजह से शेयर बाजार निवेशकों को मौजूदा महीने में अब तक 13 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ है। मौजूदा समय सेंसेक्स 77,378.91 अंकों पर दिखाई दे रहा था। जोकि पिछले हफ्ते यानी 3 जनवरी को 79,223.11 पर था। जबकि पिछले साल के आखिरी कारोबारी दिन 78,139.01 अंकों पर बंद हुआ था।

पाकिस्तान के शेयर बाजार भी गिरावट

कराची स्टॉक एक्सचेंज 100 में भी बीते हफ्ते बड़ी गिरावट देखने को मिली है। आंकड़ों के अनुसार केएसई100 में बीते हफ्ते 3.69 फीसदी की गिरावट देखने को मिली। जोकि भारत के मुकाबले काफी ज्यादा है। 3 जनवरी को केएसई100 1,17,586.98 अंकों पर दिखाई दिया था। जोकि 10 जनवरी को 1,13,247.29 अंकों पर आ गया। इसका मतलब है कि केएसई 100 में एक हफ्ते 4,339.69 अंकों की गिरावट देखने को मिली। वहीं दूसरी ओर पूरे महीने में अभी तक केएसई 100 में डेढ़ फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखी जा चुकी है। आंकड़ों के अनुसार 31 दिसंबर 2024 में 115,126.90 अंकों पर बंद हुआ था।

बड़ी कंपनियों ने स्टाफ से लगाई गुहार, कम करें वर्क ट्रेवल, वर्चुअल मीटिंग पर करें फोकस

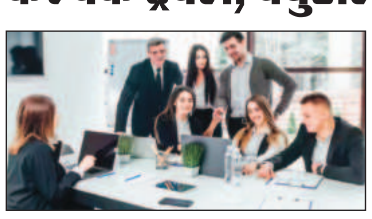

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया की बड़ी कंसल्टेंसी कंपनियों ने अपने स्टाफ से वर्क ट्रेवल कम करने की गुहार लगाई है। अधिक से अधिक वर्चुअल मीटिंग के जरिये परफॉर्म करने के लिए कहा है। बहुत जरूरत होने पर पब्लिक ट्रांसपोर्ट से सफर करने के लिए कहा है। ऐसी अपील करने वाली दुनिया की दिग्गज कंपनियां हैं। इनमें डेलॉयट, पीडब्लूसी, ईवाई, और केपीएमजी जैसी कंपनियां भी शामिल हैं। इन कंपनियों ने इस पहल को कार्बन फुटप्रिंट घटाने की कोशिश बताया है। मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के मुताबिक यह कॉस्ट कटिंग की भी कवायद है। कंपनियों ने अपने स्टाफ से क्लायंट विजिट भी कम करने के लिए कहा है। इसमें कहा गया है वर्चुअल मीटिंग के जरिए क्लायंट से बातचीत को आगे बढ़ाएं। बहुत जरूरी होने पर ट्रेन या बस से सफर कर सकते हैं। पिछले दो-तीन महीनों से इसे धीरे-धीरे लागू किया गया है। पीडब्लूसी इंडिया की चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर आशा रामनाथन ने मनी कंट्रोल को बताया कि कई बार ट्रेवल करना बहुत जरूरी होता है। कंपनी अपने नेट जीरो प्रोग्राम के तहत ट्रेवल में ग्रीन च्वॉयस को बढ़ावा दे रही है। इसलिए हम लो कार्बन-एमिशन को प्रमोट करने के लिए गैर-जरूरी ट्रेवल को कम करने की बात कर रहे हैं। इसलिए फ्यूल बेस्ड कैब की जगह इलेक्ट्रिक वाहन तथा फ्लाइट की जगह इंटर सिटी रेल पर ज्यादा जोर दे रहे हैं। मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के मुताबिक वर्क ट्रेवल कंपनियों के खर्च का बड़ा हिस्सा है। कंपनी वर्क ट्रेवल कम कराकर एक बड़े हिस्से की कॉस्ट कटिंग करना चाह रही हैं। बिग फोर कंसल्टेंसी फर्म में से एक के अधिकारी ने बताया कि कई बार किसी क्लायंट के यहां जाना टाला जा सकता है।

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज के दिन आप अपने आसपास सभी को अपनी सोच और किसी भी स्थिति को सही समझने की योग्यता से प्रभावित करेंगे । अपने कार्यस्थल की किसी बड़ी समस्या या किसी दोस्त की परेशानी का बहुत रचनात्मक सा हल निकलकर छा जायेंगे । आपके लिए रोमांचक समय है । आपको किसी का ध्यान अपनी ओर खीचने की जरुरत नही है,बल्कि लोग खुद आपकी ओर सहायता लेने के लिए आयेंगे ।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आप आज होने वाली घटनाओं के कारण और कई तरह की उलटी -सीधी सूचनाओं के कारण खुद को उलझन में फंसा हुआ अनुभव करेंगे । इस समय आपका सही मार्गदर्शन आपके मन की आवाज ही कर सकती है । जैसा आपका मन कहता है ,वैसा ही करें । इससे आपको काफी कुछ सीखने को भी मिलेगा और आप उस दिशा में आगे बढ़ पायेंगे जिस दिशा में आप बढ़ना चाहते हैं ।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आपमें समर्पण की अद्भुत भावना आ गयी है । आपको परिवार से जुडी कई जिम्मेदारियां निभानी हैं और आप ऐसा बहुत अच्छे से करेंगे । जीवन की चुनातियों से निपटने के लिए आप अपने कौशलों को निखारने और अपनी छुपी हुई क्षमता को बाहर लाने के प्रयासों में जुटे हुए हैं । आपका सफ़र मुश्किल हो सकता है लेकिन आप इसका हरेक पल आनंद लेंगे ।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आप किसी असम्भाव्य साझेदारी की ओर कदम बढ़ा सकते हैं । इससे आपको रोमांस,रोमांच और साहसी होने की अनुभूति तो होगी परन्तु यह देखना होगा कि यह साझेदारी कितनी सफल होगी । किसी अप्रत्याशित श्रोत से समर्थन-सहायता प्राप्त हो सकती है । हालाँकि यह अवसर बहुत कम समय तक ही मिलेगा ,इसलिए आपको जल्दी ही फैसला लेना होगा ।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपको समय फिलहाल रेंगता हुआ महसूस हो रहा है । लेकिन धीरज रखें और अपनी उत्सुकता भी बनाये रखें । हालाँकि आपको अपने किसी वादे या किसी निजी सम्बन्ध की खातिर कुछ समय के लिए अपने लक्ष्यों को एक तरफ करना पड़ सकता है । अपने साथी के साथ विवादों और गलतफहमियों से बचें ।

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
यदि आप आज थोड़े से धीरज और सहनशीलता के साथ काम लें तो आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा हो सकता है,लेकिन धीरज बनाये रखना ही सबसे बड़ी चुनौती है । समय भी आपको रेंगता सा अनुभव होगा और आप जिस गति से चाहते हैं,उससे काम नहीं हो पायेंगे । अगर आप जल्दी भी मचाएंगे तो सब गड़बड़ हो जाएगा ।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आपके लिए बहुत सारा काम है ,व्यस्त रहेंगे । जल्दी के चक्कर में अपने किसी शुभचिन्तक को नाराज ना करें | नम्र बने रहें । आपकी सकारात्मकता के कारण नए अवसर मिलेंगे । धीरज रखें ,परिवर्तन ही शाश्वत नियम हैविसिलिये बदलाव तो आपके जीवन में भी होना ही है।

वृश्चिक — तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आपका झुकाव आज कुछ हद तक आध्यात्मिकता की और रहेगा । आप किसी धार्मिक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं या किसी तीर्थ की यात्रा कर सकते हैं । प्रेरणात्मक साहित्य पढ़ें या किसी महान नायक की जीवनी पढ़ें,हो सकता है कि इसमें से आपको अपने जीवन के लिए कुछ बहुत अच्छा हासिल हो जाए । किसी गंभीर या कडवी स्थिति से बचने की कोशिश करना ही बेहतर रहेगा ।

धनु — ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज अपना और आपनी सेहत का ध्यान रखना ना भूलें । आज स्वास्थ्य सम्बन्धी किसी समस्या की आशंका बन सकती है । बहुत ठंडा भोजन खाने से बचें । अगर पहले से ही कोई स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे है तो और अधिक ध्यान रखें । वित्तीय दृष्टि से ना फायदा ना नुकसान वाली स्थिति रहेगी हालाँकि आज कोई बड़ा निवेश ना करना ही ठीक रहेगा ।

मकर — भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज आपको कुछ चौंकाने वाली बातें पता चलेंगी । लेकिन चिंता ना करें,सब अच्छी खबरें होंगी । जिन कई चीजों के लिए आप लम्बे समय से कोशिश कर रहे थे,वे आज पूरी होने वाली हैं । जिन कोशशों को आप अपनी और से व्यर्थ मान चुके थे,वे अंतत आज सफल होंगी । इसीलिए आज दोस्तों और परिजनों के साथ खुशियाँ मनाएं ,हो सकता है कि उनके पास भी आपको सुनाने के लिए कोई अच्छी खबर हो ।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
अगर आप अपना समय और ऊर्जा गरीब और कम सुविधा प्राप्त बच्चों को शिक्षा देने में लगायेंगे तो आपको बहुत ख़ुशी मिलेगी । अपना कुछ सामन किसी जरूरतमंद को दे दें ।आपकी वित्तीय स्थिति अच्छी है ,आप पैसे से भी किसी की मदद कर सकते हैं । आप नए लोगों से जल्दी ही परिचय भी कर लेते हैं और सबकी जरूरतों का ध्यान रखने के कारण आपकी लोकप्रियता भी है।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
बहुत से अच्छे मौके आपका इन्तजार कर रहे हैं लेकिन आपको उनके लिए पूरे तौर पर समर्पित कोशिशें करनी होंगी,जोकि इस समय आपके लिए कुछ मुश्किल लग रहा है । किसी ख़ास निजी समारोह के लिए इन मौकों को रोके रखना आपके लिए सही है । आप साधारणतया बहुत अच्छे हैं और इसीलिए आपके दोस्त आपसे लगाव रखते हैं ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

अकबर का धर्म बदलने पुर्तगाल ने पादरी भेजा

जहांगीर ने अखाड़े को 700 बीघा जमीन दी; औरंगजेब बीमार होने पर गंगाजल पीते थे

प्रयागराज, 12 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। साल 1567, प्रयाग से करीब 55 किलोमीटर दूर कड़ा के सरदार अलीकुली खां ने बगावत कर दी। विद्रोह कुचलने के लिए अकबर सेना के साथ कड़ा पहुंच गए। दोनों के बीच भयंकर युद्ध हुआ। अलीकुली मारा गया। जीत के बाद अकबर प्रयाग पहुंचे और दो दिनों तक वहां रहे। संगम का इलाका अकबर को इतना भाया कि उन्होंने वहां किला बनाने की ठान ली। आठ साल बाद यानी, 1575 में अकबर फिर प्रयाग पहुंचे। उन्होंने संगम पर एक विशाल किला बनवाया और शाही नगर की नींव रखी। नाम रखा इलाहाबास। इलाहाबास यानी ईश्वर के रहने का स्थान। धार्मिक चर्चा के लिए उन्होंने इबादतखाना भी बनवाया।

इसी बीच पुर्तगाल सरकार को पता चला कि अकबर प्रयाग पहुंचे हैं। पुर्तगाल का पास्टर मोंसेरेंट सालों से अकबर के दरबार में आता-जाता था। उसे भरोसा था कि अकबर इस्लाम छोड़कर ईसाई बन जाएंगे। उसने पुर्तगाल सरकार को चिट्ठी भेजी कि मिशनरी वेंदेत्ति को भारत भेजा जाए। वेंदेत्ति पुर्तगाल का मशहूर पास्टर था और धर्म परिवर्तन कराने में माहिर था। तब प्रयाग में कुंभ लगा था। एक तरफ लाखों हिंदू संगम में डुबकी लगाने जा रहे थे और दूसरी तरफ इबादतखाने में ईसाई प्रचारक अकबर का धर्म बदलवाने में जुटे थे। अकबर उनकी मंशा को भांप गए। उन्होंने धर्म नहीं बदला।

अकबर ने ये कहते हुए इबादतखाने को बंद करवा दिया कि 'मैंने धार्मिक चर्चा के लिए इबादतखाना बनवाया था, लेकिन यहां तो धर्म के नाम पर झगड़े हो रहे। यहां धार्मिक चर्चा की गुंजाइश नहीं बची। धार्मिक चर्चा तो सिर्फ कुंभ में ही हो सकती है।'

हर्षवर्धन कुंभ में पूरा खजाना लुटा देते थे

7वीं सदी की शुरुआत की बात है। उत्तर भारत में हर्षवर्धन का शासन था। प्रयाग भी हर्षवर्धन के राज्य का ही हिस्सा था। उस दौरान चीनी यात्री ह्वेनसांग भारत आए। 643 ईस्वी में वे, हर्षवर्धन के साथ प्रयाग पहुंचे। प्रयाग को उन्होंने चीनी भाषा में 'पोलोयीकिया' कहा। ह्वेनसांग अपने संस्मरण में लिखते हैं- 'दो नदियों गंगा और यमुना के बीच प्रयाग है। यहां बहुत सारे फलदार वृक्ष हैं। हिंदू देवी-देवताओं के मंदिर हैं। हर जगह रेत ही रेत दिखती है। जिस जगह ये दोनों नदियां मिलती हैं, यहां के लोग उसे महादानभूमि कहते हैं। गंगा के उत्तरी तट पर हर्षवर्धन का शिविर लगा था। सुबह हर्षवर्धन सैनिकों के साथ जलपोत से महादानभूमि पहुंचे। मैं भी उनके साथ था। कई देशों के राजा इंतजार कर रहे थे। साधु-संत, गरीब, रोगी और विधवा, हर तरह के लोगों का हुजूम उमड़ा था।''

ह्वेनसांग लिखते हैं- 'हर्षवर्धन ने सबसे पहले महादानभूमि के भीतर बनी एक झोपड़ी में बुद्ध की मूर्ति स्थापित की। उसका श्रृंगार किया और बहुमूल्य रत्न चढ़ाए। तरह-तरह के वाद्ययंत्र बजाए गए। राजा ने कपड़े, रत्न और भोजन लोगों के बीच बांटे। दूसरे दिन उन्होंने सूर्य की मूर्ति और तीसरे दिन महादेव की मूर्ति स्थापित की। चौथे दिन बौद्ध भिक्षुओं को सोने के सिक्के बांटे। इसके बाद साधु-संतों को बहुमूल्य रत्न दिए। फिर विधवा, अनाथ और रोगियों को दान दिया। इस तरह लगातार 74 दिनों तक हर्षवर्धन दान करते रहे। उन्होंने पूरा खजाना खाली कर दिया। अंत में अपना मुकुट भी दान कर दिया।'

इतिहासकार हेरंब चतुर्वेदी बताते हैं- 'हर्षवर्धन हर 6 साल बाद संगम आते और सब कुछ लुटाकर चले जाते। तब बड़ी संख्या में लोग वहां स्नान-दान के लिए जुटते थे। उस वक्त के इतिहास में कुंभ शब्द का जिक्र नहीं है, लेकिन जिस तरह से ह्वेनसांग कहानी बताते हैं, वो इस बात का प्रमाण है कि हर्षवर्धन कुंभ या अर्ध कुंभ के दौरान प्रयाग आते थे।'

तैमूर लंग को खदेड़ते हुए नागा साधु।

हर्षवर्धन के समय कुंभ में दशनामी प्रमुख डेरे पर 52 मढ़ियों का प्रतीक, 52 हाथ ऊंचे खंभे पर 52 हाथ लंबा गेरुवे वस्त्र की ध्वजा लगाई जाती थी। हर्षवर्धन की फौज इन ध्वजाओं को संभाल नहीं पा रही थी। जिसके बाद नागा संन्यासियों ने कुंभ में धर्मध्वजा संभालने का जिम्मा उठाया। उसी समय से नागा संन्यासी परंपरा में धर्मध्वजा फहराने का प्रचलन है।'

8वीं सदी की बात है। भारत में बौद्ध धर्म तेजी से फैल रहा था। कई लोग वैदिक धर्म छोड़कर बौद्ध बन रहे थे। वैदिक संत कुमारिल भट्ट इससे दुःखी थे। वे बौद्ध मत का खंडन करना चाहते थे, लेकिन इसके लिए बौद्ध मत को समझना जरूरी था। बौद्ध धर्म की शिक्षा के लिए वे बौद्ध गुरु श्रीनिकेतन के पास गए। लंबे समय तक उनके साथ रहकर बौद्ध धर्म का अध्ययन किया। हालांकि इसके बाद वे वैदिक धर्म के प्रचार-प्रसार में जुट गए। कुमारिल को इस बात का दुख था कि उन्होंने अपने गुरु को धोखा दिया है। उनसे झूठ बोलकर दीक्षा ली है। इसके लिए वे प्रायश्चित करना चाहते थे। तब गुरुद्रोह का दंड था 'तुषानल' यानी भूसी की आग में जलकर प्राण त्यागना।

कुमारिल ने तुषानल के लिए संगम को चुना। वे संगम के पास भूसी की आग में बैठ गए। इसी बीच वहां से आदि शंकराचार्य गुजर रहे थे। उन्होंने कुमारिल के बारे में सुन रखा था। शंकराचार्य ने अपना परिचय दिया और बोले- 'मैं तो आपसे शास्त्रार्थ करने के लिए आया था। आप इस तरह देह त्याग नहीं कर सकते। अगर आप आज्ञा दें तो मैं पवित्र जल छिड़क कर आपको जिंदा कर सकता हूं।' कुमारिल ने कहा मैंने गुरुद्रोह किया है। इसकी सजा तो मुझे मिलनी ही चाहिए। आपसे शास्त्रार्थ करने की स्थिति में नहीं हूं। मैं चाहता हूं कि आप मेरे सामने खड़े रहें। मैं आपको देखते-देखते प्राण त्याग दूं। थोड़ी देर बाद कुमारिल का शरीर जलकर भस्म हो गया। इतिहासकार हेरंब चतुर्वेदी कहते हैं- 'प्रयाग आने के बाद शंकराचार्य ने चार मठों की स्थापना की। ऐसा माना जा सकता है कि चार जगहों पर लगने वाले कुंभ से ही उन्हें चार मठों की स्थापना का ध्यान आया हो। इसके बाद उन्होंने अखाड़ों की व्यवस्थित तरह से नींव रखी।'

फारसी विद्वान अहमद अलबरूनी 1017 ईस्वी में भारत आए। अलबरूनी अपनी किताब 'तारीख-अल-हिंद' में लिखते हैं- 'यहां संगम के पास एक बड़ा सा वृक्ष है, जिसकी

बीमार होने पर औरंगजेब गंगाजल पीते थे।

लंबी-लंबी शाखाएं हैं। यह एक वट वृक्ष है, जिसे अक्षयवट कहा जाता है। इस वृक्ष पर चढ़कर ब्राह्मण और क्षत्रिय गंगा में कूदते हैं और आत्महत्या कर लेते हैं। इसके दोनों तरफ मानव कंकाल और हड्डियों के अवशेष दिखते हैं। कई लोग तो खुद को गंगा में डुबोने के लिए एक व्यक्ति भी साथ लेकर जाते हैं। वो व्यक्ति तब तक उन्हें गंगा में डुबोए रखता है जब तक प्राण न निकल जाए।' हकीम शम्स उल्ला कादरी की किताब तारीख-ए-हिंद के मुताबिक जहांगीर ने अक्षयवट को कटवा दिया था। उसने उस जगह को लोहे की मोटी चादर से ढंकवा दिया था। ताकि दोबारा वृक्ष बाहर नहीं निकले, लेकिन इसकी कोंपलें भी पनप गईं। उसके बाद जहांगीर ने कहा था- 'हिंदुत्व कभी मरेगा नहीं। ये पेड़ इसका सबूत है।'

पद्म पुराण में अक्षयवट को तीर्थराज प्रयाग का छत्र कहा गया है। मान्यता है कि इस वृक्ष को सीता ने आशीर्वाद दिया था कि प्रलय काल में जब धरती जलमग्न हो जाएगी और सब कुछ नष्ट हो जाएगा, तब भी अक्षयवट हरा-भरा रहेगा।

1583 में अकबर ने प्रयाग में किला बनवाने के बाद अक्षयवट को भी किले के अंदर रख लिया। मुगलों ने अक्षयवट के दर्शन पर रोक लगा दी। यह रोक अंग्रेजों के दौर में और उसके बाद भी जारी रही। 2019 में इसे आम लोगों के दर्शन के लिए खोल दिया गया।

लुटेरे तैमूर लंग को नागा साधुओं ने खदेड़ा था

1398 में समरकंद के आक्रांता तैमूर लंग ने हरिद्वार के कुंभ में लूट-पाट की। साधुओं का नरसंहार किया। इस किस्से का जिक्र तैमूर ने अपनी आत्मकथा तुजुक-ए-तैमूरी में किया है। तैमूर लिखता है- 'मलिक शेख पर फतह करने के बाद मुझे खुफिया जानकारी मिली कि यहां से दो कोस की दूरी पर काफी संख्या में हिंदू लोग अपनी पत्नी और बच्चों के साथ इकट्ठा हुए हैं। उनके पास अथाह धन-दौलत और पशु हैं। मैंने तीसरे पहर की नमाज अदा की और अमीर सुलेमान के साथ दर्रा-ए-कुटिला की ओर रवाना हुआ।' तैमूर लंग ने मेले में लूटपाट की। मंदिर तोड़े। महिलाओं को बंधक बनाया। नागा साधुओं को जब पता चला, तो वे तलवार-भाला लेकर तैमूर की सेना पर टूट पड़े। मजबूरन तैमूर को हारकर भागना पडा।

गुरुनानक देव के बेटे से प्रभावित हुआ जहांगीर

16वीं सदी में गुरुनानक देव के बेटे श्रीचंद्रदेव ने उदासीन संप्रदाय की नींव रखी। वे धर्म के प्रचार के लिए अलग-अलग जगहों पर जा रहे थे। इसी दौरान वे लाहौर पहुंचे। मुगल बादशाह जहांगीर को पता चला कि श्रीचंद्रदेव यहां आए हैं, उन्होंने बुलावा भेजा। जहांगीर के दरबार में पहुंचते ही श्रीचंद्रदेव ने अपनी गुदड़ी कमलासन नाम के शिष्य को दे दी। कमलासन ने गुदड़ी जमीन पर रख दी। अचानक गुदड़ी में कंपन होने लगा। यह देखकर जहांगीर हैरान हो गया। तब श्रीचंद्रदेव ने कहा कि गुदड़ी तुम बादशाह को अपना परिचय दो। बादशाह का शरीर कांपने लगा, आंखें लाल हो गईं, शरीर तपने लगा। बादशाह दर्द से कराह उठा। उसने श्रीचंद्रदेव से कहा कि वह इस दर्द से मुक्ति दिलाएं। श्रीचंद्रदेव ने जैसे ही हाथ से कुछ इशारा किया, बादशाह का दर्द दूर हो गया। श्रीचंद्रदेव ने बादशाह से बताया कि यहां आने के पहले वे बीमार थे। उन्हें तेज बुखार था। उन्होंने बुखार से कह रखा था कि जब तक मैं बादशाह के दरबार में रहूं, तुम गुदड़ी में रहना। शाहजहां इससे काफी प्रभावित हुआ और श्रीचंद्रदेव को 700 बीघा जमीन दान कर दी। आगे चलकर ये जमीन उदासीन अखाड़े को मिली।

बीमार पड़ने पर गंगाजल पीते थे औरंगजेब

शाहजहां ने बड़े बेटे दारा शिकोह को प्रयाग का सूबेदार बनाया था। वे कुंभ के दौरान यहां आते थे। संगम पर साधु-संतों की संगत में रहते थे। उन्होंने उपनिषदों का अध्ययन किया। संतों के बीच शास्त्रार्थ परंपरा शुरू की। हालांकि उनके छोटे भाई औरंगजेब ने गद्दी हथिया ली। इससे साधु-संतों को काफी तकलीफ पहुंची। औरंगजेब भी कुंभ में शामिल हुआ था। यहां के मंदिरों को ग्रांट भी दिया। उसने तो बनारस के कोतवाल को फरमान भी जारी किया था कि जो हिंदू स्नान के लिए आ रहे हैं, उन्हें तंग मत करो। मुझे शिकायत मिली है कि तुम उन्हें परेशान कर रहे हो। हालांकि बाद में उसने कर लेना शुरू कर दिया।

राजकीय अभिलेखागार के दस्तावेजों के मुताबिक औरंगजेब गंगाजल को स्वर्ग का जल मानते थे। एक बार वे बीमार पड़े तो उन्होंने पीने के लिए गंगाजल मंगवाया। फ्रांसीसी इतिहासकार बर्नियर ने अपने यात्रा वृत्तांत में लिखा है- 'औरंगजेब कहीं भी जाता था तो अपने साथ गंगाजल रखता था। वह सुबह के नाश्ते में भी गंगाजल का इस्तेमाल करता था।'

1751 की बात है। झांसी गजेटियर के मुताबिक अफगान शासक अहमद खां बंगस ने दिल्ली के वजीर और अवध के नवाब सफदरजंग को हराकर इलाहाबाद के किले को घेर लिया। वह तेजी से नगर पर कब्जा करने की तरफ बढ़ रहा था। बड़े घरों की महिलाओं को अगवा कर रहा था। इसी समय संगम में कुंभ लगा था। इसमें नागा संन्यासियों का एक विशाल समूह स्वामी राजेंद्र गिरि के नेतृत्व में पहुंचा था। नागा संन्यासियों ने पहले कुंभ में स्नान किया फिर तलवार लेकर बंगस की सेना पर टूट पड़े। फरवरी से अप्रैल तक नागा संन्यासी और बंगस सेना के बीच युद्ध हुआ। आखिरकार अहमद खां की सेना को पीछे हटना पड़ा। बंधक महिलाएं छुड़ा ली गईं। नागा साधुओं ने अफगानों से उनके हथियार और घोड़े भी छीन लिए। इलाहाबाद का किला नहीं जीत पाने पर अहमद खां काफी निराश था। वह ठगा हुआ महसूस कर रहा था। उसने अपनी खीझ निकालने के लिए इलाहाबाद के परकोटे वाले पूरे शहर में आग लगवा दी। सिर्फ उन्हीं जगहों को छोड़ा, जहां अफगानी रहते थे।' नागा साधुओं ने कई बार मुगलों के आक्रमण का सामना किया। कई भारतीय राजा-महाराजाओं की मदद की। इसलिए बड़े-बड़े राजाओं ने नागा साधुओं को चांदी के सिंहासन, पालकी और छत्र जैसी बेशकीमती चीजें दान दी। कुंभ मेलों में इनका खर्च उठाया। इसके बाद ही कुंभ स्नान को शाही स्नान नाम दिया गया।'

गौतम अडानी ने ऊर्जा और सीमेंट परियोजनाओं में 65 हजार करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की

रायपुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से आज रविवार को सीएम हाउस में उद्योगपति गौतम अडानी ने मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ में राज्य में अडानी समूह की ऊर्जा और सीमेंट परियोजनाओं में 65 हजार करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की।

अडानी ने राज्य में रायपुर, कोरबा और रायगढ़ में समूह के बिजली संयंत्रों के विस्तार के लिए 60 हजार करोड़ रुपये के नियोजित निवेश की घोषणा की। इस विस्तार से छत्तीसगढ़ की कुल बिजली उत्पादन क्षमता में अतिरिक्त 6,120 मेगावाट की वृद्धि होगी।

अडानी समूह के अध्यक्ष ने राज्य में समूह के सीमेंट संयंत्रों के विकास और विस्तार के लिए पांच हजार करोड़ रुपये देने की भी प्रतिबद्धता जताई। मुख्यमंत्री की सलाह पर अडानी ने राज्य सरकार को कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कौशल विकास और पर्यटन में पहलों का समर्थन करने के लिए अगले चार वर्षों में दस हजार करोड़ रुपये की सहायता देने का आश्वासन भी दिया। बैठक में रक्षा संबंधी उपकरणों के निर्माण और छत्तीसगढ़ में डेटा सेंटर के साथ-साथ वैश्विक क्षमता केंद्र की स्थापना में संभावित सहयोग की भी चर्चा की गई।

बुंडू में बीजेपी कार्यकर्ताओं से मिले ओडिशा के पूर्व राज्यपाल रघुवर दास

झारखंड सरकार से जल्द पेसा कानून लागू करने की मांग

रांची, 12 जनवरी (एजेंसियां)। ओडिशा के राज्यपाल पद से इस्तीफा देने के बाद फिर से सक्रिय राजनीति में वापसी करने वाले झारखंड के पूर्व सीएम रघुवर दास रांची से जमशेदपुर जाने के क्रम में तमाड़ विधानसभा के बुंडू प्रखंड में बीजेपी कार्यकर्ताओं से मिलकर कुशलक्षेम जाना.

बुंडू आगमन के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा नेता रघुवर दास का बुंडू में पार्टी कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया. इसके बाद उन्होंने बुंडू स्थित सूर्य मंदिर में मत्था टेका. इस दौरान उन्होंने राज्य सरकार से पेसा कानून लागू करने की मांग की.

झारखंडवासियों की सेवा करने आया हूं : रघुवर दास

मीडिया से बातचीत करते हुए रघुवर दास ने कहा की मैं सूर्यदेव से आशीर्वाद लेने आया हूं. उन्होंने कहा कि मैं कुछ दिनों के लिए भगवान जगन्नाथ की धरती ओडिशा में वहां के लोगों की सेवा करने गया था. मैं खुश हूं कि अपने जन्मभूमि और कर्मभूमि झारखंडवासियों की सेवा करने के लिए फिर से आया हूं. इस पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि बिना सूर्यदेव के आशीर्वाद और शक्ति के बिना कोई भी कार्य पूरा नहीं होता है.

राज्य सरकार से की जल्द से जल्द पेसा कानून लागू करने की मांग

रघुवर दास ने आगे कहा कि झारखंड की आदिवासी जनता ने 2019 में हेमंत सोरेन को इस उम्मीद के साथ सत्ता में लाया था कि वे पेसा कानून को लागू करेंगे और ग्राम सभा को मजबूती प्रदान करेंगे. बिना गांव का विकास हुए राज्य और देश का विकास नहीं हो सकता. लेकिन 5 वर्ष सत्ता में रहने के बाद भी आज तक पेसा कानून लागू नहीं कर सके. जबकि नयी सरकार की गठन हुए तकरीबन दो माह बीत चुका है. मैं राज्य सरकार से मांग करता हूं कि वे जल्द पेसा कानून लागू करें.

कुंभ जा रहे कांग्रेस विधायक हादसे का शिकार

कार और ट्रक के बीच जोरदार भिड़ंत, इंद्र साव और उनके परिजन घायल

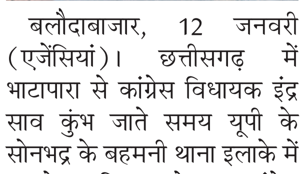

बलौदाबाजार, 12 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में भाटापारा से कांग्रेस विधायक इंद्र साव कुंभ जाते समय यूपी के सोनभद्र के बहमनी थाना इलाके में हादसे का शिकार हो गए। कांग्रेस विधायक इंद्र साव की कार और ट्रक में जोरदार भिंड़त हो गई इससे इंद्र साव और उनके परिजन घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मिली जानकारी के मुताबिक छत्तीसगढ़ के कांग्रेस विधायक इंद्र साव कुंभ स्नान करने के लिए अपने परिवार के साथ जा रहे थे। तभी उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में उनकी कार और ट्रक के बीच में भिड़ंत हो गई। भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। इस हादसे में विधायक और उनके परिजन घायल हो गए है। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई।

पिछले साल हुई मॉब लिंचिंग की जांच के लिए चार सदस्यीय टीम का गठन

जेएसएमसी ने लिया घटना पर संज्ञान

रांची, 12 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के सरायकेला-खरसवां में पिछले साल दिसंबर में एक व्यक्ति की भीड़ ने हत्या कर दी थी। इस मामले की जांच के लिए झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग (जेएसएमसी) के अध्यक्ष हेदायतुल्ला खान की अध्यक्षता में चार सदस्यीय टीम का गठन किया गया था। ऑल इंडिया माइनॉरिटी वेलफेयर फ्रंट के प्रवक्ता सरफराज हुसैन ने एक चिट्ठी इस मामले में न्यायिक जांच की मांग की थी, जिसके बाद ही जेएसएमसी ने इस घटना पर संज्ञान लिया।

समिति के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा, हमने खान की अध्यक्षता में चार सदस्यीय टीम का गठन किया है और मामले की जांच करने का फैसला किया है। टीम सोमवार को कपाली का दौरा करेगी और मृतकों के परिजनों से मिलकर घटना का विवरण लेगी। जेएसएमसी टीम भी कपाली टाउन काउंसिल ऑडिटोरियम में वरिष्ठ जिला अधिकारियों के साथ एक बैठक भी करेगी।

जेएसएमसी के अध्यक्ष ने पुलिस अधीक्षक से मांगी थी कार्रवाई रिपोर्ट

आठ दिसंबर को आदित्यपुर पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत सपरा में अज्ञात व्यक्तियों के एक समूह ने शेख ताजुद्दीन की पिटाई की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। बाद में उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। जेएसएमसी के अध्यक्ष हेदायतुल्ला खान ने कहा कि उन्होंने पिछले साल 26 दिसंबर को सरायकेला-खारसवां जिले के पुलिस अधीक्षक से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी थी, लेकिन अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। एसपी मुकेश कुमार लुनायत ने बुधवार को बताया था कि उपमंडल पुलिस अधिकारी (सरायकेला) को जांच सौंपी गई है और उन्हें एक रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है जिसकी अभी भी जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि घटना के करीब एक सप्ताह बाद अस्पताल में इलाज के दौरान ताजुद्दीन की मौत हुई थी। हालांकि, अबतक इस मामले में चार आरोपियों ने अदालत के समक्ष खुद को सरेंडर कर दिया।

गर्भवती महिला की बेरहमी से पिटाई, गांव की भीड़ देखती रही थी तमाशा; एसपी से न्याय की गुहार

रायगढ़, 12 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले की पुसौर ब्लाक के ग्राम टिनमिनी में एक गर्भवती महिला और उसके विकलांग पिता तथा मां की लात घुसों व चप्पलों से बेरहमी पूर्वक मारपीट करके भगा देने का मामला सामने आया है। मारपीट में घायल महिला उपचार के बाद आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ शिकायत करते हुए कार्रवाई की गुहार लगाई है।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय ज्ञापन देने पहुंची मधुसुदन की पत्नी पीड़िता अनुषा गुप्ता ने बताया कि फेसबुक के जरिये मधुसुदन से उसकी जान पहचान हुई थी और उन्होंने 13 सितंबर को आर्य समाज में शादी के बाद वह अपने पति के साथ उत्तराखंड में रह रही थी। सास ससुर उन्हें घर बुलाये तब दोनों 05 जनवरी को दिल्ली पहुंचे और छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस जो कि बिलासपुर तक चलती है उसमें दोनों रायगढ़ आ रहे थे।

इसी बीच डोंगरगढ़ से रायपुर के बीच मधुसुदन उसे अकेले छोड़कर चला गया। जिसके बाद पीड़िता ने मधुसुदन के भाई को फोन किया तो

उसने उसे और उसके माता-पिता को मारने पीटने की धमकी दिया। मधुसुदन के परिजन उन्हें अपने गांव टिनमिनी बुलाये। 08 जनवरी की शाम 4 बजे के आसपास जब वे लोग टिनमिनी पहुंचे तो वे लोग गाड़ी से उतर ही नही पाये थे कि उन्होंने बाल खींचकर गाड़ी से नीचे उतारकर उसके गर्भवती होनें के बावजूद उसके साथ कई घंटे तक मारपीट की गई। अपनी बेटी के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची महिला नीरा गुप्ता ने रोते बिलखते हुए बताया कि उसे ही सबसे पहले मारने की शुरूआत की गई। गांव की भीड़ में वह मदद की भीख मांगती रही लेकिन कोई भी उसे बचाने आगे नही आया। किसी तरह जान बचाकर वह पड़ोस के गांव उमरिया पहुंची और डायल 112 को काल करके घटना के बारे में अवगत कराया। इस बीच वहां भी कुछ लोग उसे ढूंढते हुए पहुंच गए थे, लेकिन उमरिया गांव के लोगों ने उसकी मदद करते हुए पुलिस के आते तक उसे छुपा कर रखा।

नीरा गुप्ता ने यह भी बताया कि वह अपनी बेटी और पति को छोड़कर इसलिये भागी की वह किसी की मदद लेकर पुलिस को फोन करके पुलिस को बुला सकूं। महिला ने बताया कि वह एक मितानिन है, देश के प्रधानमंत्री कहते है बेटी बचाओ, बेढ़ी पढ़ाओ के संदेश को वह लोगों तक पहुंचाती है और आज वह अपनी बेटी को न्याय दिलाने एसपी ऑफिस पहुंची है। गर्भवती अनुषा गुप्ता को उसकी पेट में नाच-नाच के मारी है।

पीड़िता अनुषा गुप्ता ने यह भी बताया कि वो लोग टिनमिनी गांव शाम करीब साढ़े 3 बजे के आसपास पहुंचे और वह गाड़ी से उतरी ही नही थी कि उसे गाड़ी से ही बाल पकड़कर जमीन पर गिराकर रात 8 बजे तक उसके साथ मारपीट की गई है। घटना स्थल में पुलिस के पहुंचने के बावजूद आरोपियों ने उसे जाने नही दे रहे थे। गांव के बड़े बुजुर्गो के हस्तक्षेप करने के बाद ही उसे जाने दिया गया।

'पेन डे' मनाने पर 80 छात्राओं को प्रिंसिपल ने दी खौफनाक सजा

शर्ट उतारने के आदेश की जांच शुरू

धनबाद, 12 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के धनबाद जिले में एक निजी स्कूल की प्रधानाचार्या पर आरोप है कि उन्होंने दसवीं कक्षा की 80 छात्राओं को संदेश लिखने के कारण अपनी शर्ट उतारने का आदेश दिया जिसकी स्कूल प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। जानकारी के मुताबिक, प्रधानाचार्या ने सभी लड़कियों को कथित तौर पर बिना शर्ट के ब्लेजर पहनकर घर लौटने के लिए मजबूर किया गया।

निजी स्कूल में 'पेन डे' मना रहे थे सभी छात्र-छात्राएं

इस मामले में धनबाद की उपायुक्त माधवी मिश्रा ने बताया कि यह घटना शुक्रवार को जोरापोखर थाना क्षेत्र के डिगवाडीह स्थित एक प्रतिष्ठित स्कूल में हुई। अभिभावकों ने उपायुक्त से शिकायत की कि दसवीं कक्षा के विद्यार्थी परीक्षा देने के बाद एक-दूसरे की शर्ट पर संदेश लिखकर 'पेन डे' मना रहे हैं।

अभिभावकों ने डीसी से की प्रधानाचार्या की शिकायत

अभिभावकों ने डीसी माधवी मिश्रा को बताया कि प्रधानाचार्या ने बच्चों के जश्न मनाने पर आपत्ति जताई और छात्राओं से अपनी शर्ट उतारने को कहा। हालांकि छात्राओं ने इसके लिए प्रधानाचार्या से माफी भी मांगी। लेकिन, इसके बावजूद भी प्रधानाचार्या की तरफ से सभी छात्राओं को बिना शर्ट के ब्लेजर में घर वापस भेज दिया गया।

प्रशासन ने मामले के लिए गठित की एक जांच समिति- डीसी

इस पर उपायुक्त माधवी मिश्रा ने आगे कहा, 'कई अभिभावकों ने प्रधानाचार्या के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। हमने इस मामले में कुछ पीड़ित लड़कियों से भी बात की है। प्रशासन ने इस पूरे मामले को गंभीरता से ले रही है। मामले की जांच के लिए एक समिति गठित की गई है।'

पिता को जेल में मर जाना चाहिए आखिर एक बेटी ने ऐसा क्यों कहा?

पेरिस, 12 जनवरी (एजेंसियां)। अपनी पत्नी को नशीली दवाएं देकर दर्जनों लोगों से रेप करवाने के दोषी फ्रांसीसी नागरिक डोमिनिक पेलिकॉट की बेटी ने बड़ा बयान दिया है। दिए गए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि उसके पिता को "जेल में मर जाना चाहिए।" पिछले महीने फ्रांस को दहला देने वाले एक मुकदमे में पेलिकॉट को 20 साल की जेल की सजा होने के बाद उनकी बेटी कैरोलीन डेरियन ने बीबीसी को पहला टेलीविजन इंटरव्यू दिया है, जिसमें उन्होंने कई खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि उनके पिता हमेशा से सेक्सुअल पॉवर्ट (विकृत व्यक्ति) के थे। ब्रिटेन की "पेलिकॉट ट्रायलः द डॉटर्स स्टोरी" में डेरियन ने कहा, "उसे जेल में ही मरना चाहिए, वह एक खतरनाक आदमी है।" 72 साल पेलिकॉट को पत्नी गिसेले पेलिकॉट को नशीला पदार्थ देकर बलात्कार करने और एक दशक से भी ज्यादा समय तक दर्जनों पुरुषों को ऐसा करने के लिए उकसाने का दोषी पाया गया है। दक्षिणी फ्रांसीसी शहर एविग्नन में तीन महीने तक चली सार्वजनिक सुनवाई के बाद करीब 50 सह-प्रतिवादियों को भी दोषी पाया गया और उन्हें तीन से 15 साल तक की सजा सुनाई गई है। गिसेले पेलिकॉट ने अपने मुकदमे को निजी रखने के बजाय सार्वजनिक रूप से करने का फैसला किया। लोगों ने उनको बहादुरी दिखाने और स्थिति को बहुत गरिमा के साथ संभालने के लिए उनकी प्रशंसा की है। डेरियन ने ये भी कहा कि उनके पिता ने उन्हें भी नशीले पदार्थ दिए और रेप किया। क्योंकि उनके पिता के रिकॉर्ड में उनकी नग्न और बेहोश शरीर की तस्वीरें पाई गईं हैं। हालांकि पेलिकॉट ने मुकदमे के दौरान इस बात से इनकार किया कि उसने कभी बेटी का रेप किया।

पाकः बलूचिस्तान में अलगाववादियों को बांट दिए उन्नत सैन्य हथियार

इस्लामाबाद, 12 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक बड़ा हथियार घोटाला सामने आया है। झोब जिले में संघीय लेवी बल के कम से कम 140 उन्नत हथियार व 1.40 लाख गोलियां अनधिकृत व्यक्तियों के कब्जे में पाई गई हैं। माना जा रहा है कि बड़ी संख्या में उन्नत हथियार व गोलियां अलगाववादियों को बांट दिए गए हैं। इससे पाकिस्तान सरकार की नींद उड़ गई है। संघीय लेवी बल पाकिस्तान का प्रांतीय अर्धसैनिक बल (जेंडरमेरी) है। इसकी मुख्य भूमिका कानून का पालन सुनिश्चित करना, कानून-व्यवस्था बनाए रखने में नागरिक पुलिस की मदद करना व प्रांतीय स्तर पर आंतरिक सुरक्षा अभियानों का संचालन करना है। पुलिस उपायुक्त की ओर से झोब के नगर थाने में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार, ये हथियार व गोलियां संघीय लेवी बल के लिए थे, लेकिन इन्हें अनधिकृत व्यक्तियों को बांट दिया गया। मामले में संलिप्तता के आरोप में 69 लोगों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए हैं। इनमें सेवारत व सेवानिवृत्त लेवी बल के अधिकारी व जवानों के साथ-साथ प्रभावशाली कबायली हस्तियां भी शामिल हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अब्दुल सबूर के अनुसार, अधिकारियों ने क्लाश्निकोव राइफल व पिस्तौल सहित 44 हथियार व बड़ी संख्या में गोलियां बरामद की हैं। जांच जारी है। चिंताएं हैं कि इनमें से कुछ हथियार व गोलियां क्षेत्र में सक्रिय अलगाववादी समूहों के हाथ लग गए होंगे।

भूकंप के झटकों से थर्राया मेक्सिको, रिएक्टर स्केल पर 6.4 आंकी गई तीव्रता

मेक्सिको, 12 जनवरी (एजेंसियां)। मेक्सिको के मिचोआकेन से भूकंप की खबर सामने आई है। बताया जा रहा है, मिचोआकेन तट के पास 6.4 तीव्रता का भूकंप आया। भूविज्ञान केंद्र (जीएफजेड) ने इसकी जानकारी दी जीएफजेड ने कहा कि भूकंप 91 किमी (56.54 मील) की गहराई पर था। इससे पहले मध्य मेक्सिको में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। रिएक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.8 आंकी गई। भूंकप से इमारतें हिलने लगीं जिससे पूरी राजधानी में अलॉर्म बज गया। एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, अलॉर्म बजाकर लोगों को भूकंप की जानकारी दी गई। जिसके बाद व्यवसायों और घरों से लोग बाहर आए। लोगों ने भूकंप को लेकर अनुभव शेयर किया था। उन्होंने बताया कि भूकंप से उनके आसपास की चीजें हिलने लगीं। जिसके बाद वे आनन-फानन में घर से बाहर आए। इस भूकंप से फिलहाल किसी हताहत होनी की सूचना नहीं मिली थी।

गाजा में कुछ होने वाला है बड़ा, नेतन्याहू ने मोसाद चीफ को भेजा युद्ध के मैदान में

येरुशलम, 12 जनवरी (एजेंसियां)। इजरायल और हमास के बीच युद्ध को 15 महीने से अधिक हो चुके हैं। मगर अभी तक शांति नहीं आ सकी है। इजरायली सेना लगातार गाजा पर अलग-अलग ठिकानों पर बमबारी कर रही है। हमास के दोनों चीफ कमांडरों के मारे जाने के बाद भी आतंकियों ने अभी तक इजरायली सेना के आगे हार नहीं मानी है। ऐसे में अब इजरायल गाजा में कुछ बड़ा करने वाला है। इजरायली सेना गाजा को महाविनाश से बचने के लिए आखिरी मौका देना चाहती है। इस बाबत अब इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने युद्धविराम पर गाजा में हो रही बातचीत में प्रगति का संकेत दिया है। उन्होंने अगले चरण की वार्ता के लिए अपनी खुफिया एजेंसी 'मोसाद' के निदेशक को भी इस बातचीत के मेज पर भेजने को मंजूरी दे दी है। ताकि इजरायल-हमास युद्ध में अब शांति लाई जा सके। अब तक इजरायल-हमास युद्ध को रोकने की दिशा में इसे नेतन्याहू का सबसे बड़ा कदम माना जा रहा है। प्रधानमंत्री के कार्यालय ने शनिवार को इस निर्णय की जानकारी दी। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि मोसाद के निदेशक डेविड बार्निया कतर की राजधानी दोहा कब जाएंगे, जहां इजरायल और चरमपंथी समूह हमास के बीच वार्ता हो रही है। उनकी उपस्थिति का यह मतलब होगा कि अब उच्च स्तरीय इजरायली अधिकारी वार्ता में शामिल होंगे, जिनकी आवश्यकता किसी भी समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए होती है। गत 15 महीनों के युद्ध में केवल एक बार थोड़े समय के लिए युद्ध विराम पर सहमति बनी थी और वह भी लड़ाई के शुरुआती हफ्तो में। तब से लेकर अब तक अमेरिका, मिस्र और कतर की मध्यस्थता में कई बार वार्ता हुई लेकिन बेनतीजा रही।

चेक गणराज्य के रेस्तरां में लगी भीषण आग, 6 लोगों की मौत

प्राग, 12 जनवरी (एजेंसियां)। चेक गणराज्य के उत्तरी हिस्से में एक रेस्तरां में भीषण आग लगने की सूचना सामने आ रही है। आग इतनी भयानक थी कि इस हादसे में अब तक कम से कम 6 लोगों की मौत हो गई है। जबकि छह अन्य गंभीर रूप से झुलस गये हैं। इन सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। अधिकारियों ने रविवार को इस घटना के बारे में मीडिया से जानकारी साझा की है। चेक गणराज्य के अग्निशमन कर्मियों ने बताया कि यह हादसा प्राग के उत्तर में लगभग 100 किलोमीटर (63 मील) की दूरी पर स्थित मोस्ट शहर में हुआ। यहां 'यू कोजोटा' रेस्तरां में अचानक आग लग गई, जो आधी रात से पूर्व आग लगने के समय खुला था। पुलिस और अग्निशमन कर्मियों ने बताया कि संभवतः आग का कारण गैस हीटर का पलट जाना था। आगू पर एक बजे तक काबू पाया जा सका और उसमें 60 से अधिक दमकलकर्मियों को मशक्कत करनी पड़ी। इस आग में राहत और बचाव दलों ने कम से कम 30 लोगों को सुरक्षित बचा लिया।

भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था की दुनिया में धाक, कई क्षेत्रों में बड़े निवेश की तैयारी में सिंगापुर

सिंगापुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। सिंगापुर के वरिष्ठ मंत्री ली सीन लूंग ने कहा कि भारत विकास कर रहा है और सिंगापुर दक्षिण एशिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के कई अवसर देख रहा है। दरअसल, स्ट्रेट्स टाइम्स ने ली के हवाले से कहा कि सिंगापुर का भारत में अच्छा ब्रांड नाम है और भारतीय सरकारों के साथ हमारे बहुत अच्छे संबंध रहे हैं। सिंगापुर स्वास्थ्य देखभाल के साथ-साथ डिजिटल और ग्रीन इकानमी जैसे क्षेत्रों की खोज के साथ-साथ द्विपक्षीय व्यापार, कौशल प्रशिक्षण और फिनटेक जैसे मोर्चों पर सहयोग बढ़ाने के अवसर देख रहा है। इसी के साथ उन्होंने भारतीय बिजनेस कम्युनिटी से इन लाभों का अधिकतम लाभ उठाने का भी आग्रह किया। ली ने व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते के महत्व पर प्रकाश डाला, जो दो दशक पुराना सिंगापुर-भारत मुक्त व्यापार समझौता है। इसने दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और यात्रा संबंधों को बढ़ावा देने में मदद की है। उन्होंने कहा कि कई भारतीय कंपनियां इस क्षेत्र की सेवा के लिए सिंगापुर में स्थापित हुई हैं। जानकारी दें कि सिंगापुर में पिछले कुछ समय में प्रवासी और विदेशी मजदूरों को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी देखने को मिली है। इस बीच सिंगापुर इंडियन डेवलपमेंट एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में भाषण देते हुए ली ने कहा कि हमें कट्टर राष्ट्रवाद और विदेशी लोगों के प्रति नफरत के खिलाफ भी मजबूती से खड़ा होना चाहिए और नए लोगों को हमारे विस्तारित परिवार का हिस्सा बनने के लिए स्वागत करना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने कहा कि यह एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें समय लगना स्वाभाविक है।

उन्होंने भरोसा जताया कि धीर-धीरे प्रवासी भी स्थानीय समुदाय में ही एकीकृत हो जाएंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सिंगापुर की पहचान बनाए रखने के साथ इसको समृद्ध किया जा सकता है, जो दुनिया से जुड़ा हुआ हो। हमारी विविधता के लिए जाना जाए। इसी कार्यक्रम में उन्होंने भारतीय समुदाय की प्रगति की तारीफ की और कई क्षेत्रों में लगातार हो रहे विकास को लेकर चर्चा की।

क्या अमेरिका का हिस्सा बनेगा ग्रीनलैंड? पीएम के बयान ने बढ़ाई हलचल, बोले- बात करने के लिए तैयार

कोपेनहेगन, 12 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ग्रीनलैंड पर अमेरिकी नियंत्रण की इच्छा जाहिर कर चुके हैं। ट्रंप के इस बयान पर काफी हंगामा जारी है। अब ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री के ताजा बयान ने हलचल बढ़ा दी है। दरअसल उन्होंने कहा है कि वे डोनाल्ड ट्रंप के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं। हालांकि उन्होंने ये भी कहा है कि ग्रीनलैंड के लोग अमेरिकी नहीं बनना चाहते हैं।

ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री म्यूट एज ने शुक्रवार को डेनमार्क के कोपेनहेगन में एक प्रेसवार्ता को संबोधित किया। इस दौरान उनके साथ डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसन भी थीं। प्रेसवार्ता के दौरान पत्रकारों ने ग्रीनलैंड के पीएम से पूछा कि क्या वे डोनाल्ड ट्रंप के संपर्क में हैं? तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि नहीं, लेकिन हम बातचीत के लिए तैयार हैं। मुझे लगता है कि दोनों पक्षों को आपसी बातचीत बढ़ाने की जरूरत है।

पाकिस्तान पहुंची मलाला यूसुफजई, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को करेंगी संबोधित, तालिबान ने बनाई दूरी

इस्लामाबाद, 12 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में लड़कियों की तालीम पर एक अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया. इस आयोजन में अफगानिस्तान की तालिबान सरकार से इनविटेशन के बाद भी कोई शामिल नहीं हुआ है. नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई इस आयोजन में शामिल हुईं. उन्होंने कहा कि वे अपने मूल पाकिस्तान में वापस आकर खुश हैं. अक्टूबर 2012 में इलाज के लिए ब्रिटेन जाने के बाद से मलाला की यह पाकिस्तान की तीसरी यात्रा है. पाकिस्तान में आयोजित इस शिखर सम्मेलन ने मुस्लिम-बहुल देशों के शिक्षा मंत्रियों और उनके नेताओं को एक साथ लाने की कोशिश की है.लेकिन अफगानिस्तान इस आयोजन में शामिल नहीं हुआ. वह अकेला ऐसा देश है. जहां लड़कियों के स्कूल जाने पर प्रतिबंध है. यूसुफजई को साल 2012 में एक पाकिस्तान तालिबान आतंकवादियों ने गोली मार दी थी. गोली लगने के बाद भी मलाला ने हार नहीं मानी. मलाला ने गोली खाकर भी दुनिया में वो नाम कमाया, जो कि आज हर लड़की के लिए प्रेरणा बन गया है. मलाला ने लड़कियों को पढ़ाने के लिए संघर्ष किया और आज वो ग्लोबल आइकन बन चुकी हैं. अपनी लगन और अपने जज्बे के चलते मलाला नोबेल पुरस्कार से भी सम्मानित हो चुकी हैं. रविवार को सम्मेलन में मलाला संबोधित करने वाली हैं. यूसुफजई अपने माता-पिता के साथ सम्मेलन में पहुंचने पर उसने कहा कि मैं पाकिस्तान वापस आकर वास्तव में सम्मानित, और खुश हूं. मलाला ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मैं लड़कियों की तालीम पर एक अहम सम्मेलन के लिए दुनिया भर के मुस्लिम नेताओं के साथ जुड़ने के लिए उत्साहित हूं. उन्होंने कहा कि रविवार को, मैं सभी लड़कियों के स्कूल जाने के अधिकारों के बारे में बात करूंगी. उन्होंने कहा कि मैं इस पर भी बात करूंगी कि क्यों नेताओं को अफगान महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ उनके अपराधों के लिए तालिबान को जवाबदेह ठहराना चाहिए. पाकिस्तान के शिक्षा मंत्री खालिद मकबूल सिद्दीकी बताया कि इस्लामाबाद ने काबुल को निमंत्रण दिया था. लेकिन इसके बाद भी अफगान सरकार से कोई भी प्रतिनिधि सम्मेलन में शामिल नहीं हुआ है. सऊदी मौलवी और मुस्लिम वर्ल्ड लीग के महासचिव मुहम्मद अल-इस्सा ने शिखर सम्मेलन का समर्थन किया है.उन्होंने कहा कि लड़कियों को स्कूल से रोकने के लिए धर्म कोई आधार नहीं है.

लॉस एंजिलिस की आग का राष्ट्रपति बाइडन ने उड़ाया मजाक, भड़के लोग कमला हैरिस पर भी साधा निशाना

वॉशिंगटन, 12 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन एक बार फिर लोगों के निशाने पर आ गए हैं। दरअसल बाइडन लॉस एंजिलिस में लगी आग के मुद्दे पर बैठक कर रहे थे। इस दौरान बाइडन ने कुछ ऐसा कह दिया, जिससे लोग नाराज हो गए। दरअसल बाइडन अनजाने में लॉस एंजिलिस में लगी आग का मजाक उड़ा गए। बैठक की यह वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर आ गई और लोग बाइडन के प्रति गुस्सा जाहिर कर रहे हैं।

बाइडन की किस बात पर हुआ विवाद

दरअसल जो बाइडन ने बैठक के दौरान अपनी बात रखने के बाद बगल में बैठी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की ओर मुखातिब होते हुए कहा कि मैं जानता हूं उपराष्ट्रपति कि आप अग्निकांड से सीधे तौर पर प्रभावित हैं तो अब आप इस पर अपनी बात रखिए। दरअसल बात रखने के लिए बाइडन ने 'फायर अवे' मुहावरे का इस्तेमाल किया, लेकिन क्योंकि यह बैठक एक आपदा को लेकर हो रही थी तो लोगों को बाइडन का इस मुहावरे का इस्तेमाल करना पसंद नहीं आया। वहीं बाइडन के इस बयान पर कमला हैरिस ने भी जिस तरह से हंसते हुए प्रतिक्रिया दी, उससे भी लोगों ने नाराजगी जाहिर की।

सोशल मीडिया पर यूजर्स ने जताई नाराजगी

एक यूजर ने इस वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि 'क्या ये आपकी सहानुभूति है?' एक अन्य यूजर ने लिखा कि 'जिस तरह से उन्होंने (कमला हैरिस) मुंह बनाया, वो सब कुछ कहता है।' गौरतलब है कि बैठक के दौरान बाइडन ने जब अमेरिकी अग्निशमन विभाग के प्रमुख रैंडी मूर को बोलने के लिए कहा, तब भी उन्होंने 'फायर अवे' मुहावरे का ही इस्तेमाल किया। इस पर यूजर्स का कहना है कि एक बार कोई भी गलती कर सकता है कि लेकिन दोबारा से ऐसा करना साफ तौर पर लॉस एंजिलिस की आग का मजाक बनाना है।

हिजबुल्लाह के कमजोर होने और असद के पतन के बाद, लेबनानी पीएम और अल-शरा आए साथ

सीरिया, 12 जनवरी (एजेंसियां)। सीरिया में नए शासन के बाद पहली बार लेबनान के पीएम एचटीएस चीफ अहमद अल-शरा से मिले हैं। लेबनानी पीएम नजीब मिकाती ने सीरियाई राजधानी दमिश्क में अल शरा से मुलाकात की। मिकाती ने बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अल-शरा ने लेबनान में सीरियाई शरणार्थियों की फाइल पर चर्चा करने में संवेदनशीलता दिखाई है, ताकि उनके देश में उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित हो सके। अल-शरा ने दोनों देशों के रिश्तों को लेकर कहा कि उनका मानना है कि लेबनान के साथ दीर्घकालिक रणनीतिक संबंध सही और ठोस नींव पर आधारित होंगे। हालांकि, उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं है कि दोनों देशों के बीच समस्याएं एक ही बार में हल हो जाएंगी, बल्कि यह धीरे-धीरे किया जाएगा। 2010 के बाद सीरिया के लिए ये पहली लेबनानी पीएम की यात्रा है, जिसके बाद उम्मीद की जा रही है कि दोनों देशों की सरकारों के बीच रिश्ते मजबूत होंगे।

लेबनान के हिजबुल्लाह के पिछली असद सरकार के साथ गहरे संबंध थे और हिजबुल्लाह के लड़ाकों ने ग्रह युद्ध के दौरान असद की तरफ से लड़ाई की है। असद शासन के पतन के बाद लग रहा था सीरिया और लेबनान के रिश्तों में दरार आएगी, लेकिन हिजबुल्लाह के कमजोर होने के बाद वहां कि सरकार के साथ अल-शरा ने रिश्ते मजबूत करने की पहल की है। अल-शरा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि दोनों नेताओं ने सीमा सुरक्षा सहित कई मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि अलग-अलग समस्याओं को हल करने के लिए कमेटी बनाई जाएंगी, सीरियाई लोगों से आग्रह है कि वे इस गरीब देश में जल्द सब बेहतर होने की अपनी उम्मीदों को कम करें। अल-शरा ने कहा, "सीरिया में हमारे पास बहुत सारी समस्याएं हैं। हम उन सभी को एक साथ हल नहीं कर पाएंगे, हमें उन्हें बांटना होगा और हर एक के लिए समाधान की तलाश करनी होगी।"

क्षेत्र को दूसरे देशों की तरह लेबनान को भी खतरा है कि सीरिया में बिगड़े हालात उनके देश में भी अशांति पैदा कर सकते हैं। पिछले हफ्ते सीरियाई सीमा पर हुई झड़पों में कम से कम पांच लेबनानी सैनिक घायल हो गए थे, जब सीरियाई आतंकवादियों ने लेबनानी सैनिकों पर गोलीबारी की थी। लेबनानी सेना ने कहा कि उसके सैनिक क्षेत्र में एक अवैध सीमा क्रॉसिंग को बंद करने की कोशिश कर रहे हैं। इस घटना के बाद लेबनानी पीएम ने अल-शरा से फोन पर बात की थी, जिसके बाद अल-शरा ने वादा किया था कि सीरियाई फोर्सिस बोर्डर पर शांति बनाने के लिए पूरी कोशिश करेंगी।

कैलिफोर्निया की आग में अब तक 16 की मौत

लॉस एंजिलिस, 12 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में बीते 6 दिन से लगी आग पर अभी तक काबू नहीं पाया जा सका है। इसकी वजह से अब तक 16 लोगों की मौत हो चुकी है। कई लोगों के लापता होने की आशंका है। हवा की रफ्तार बढ़ने से आग के फैलने में तेजी आई है। फिलहाल ये 80 किमी/घंटा की रफ्तार से चल रही है, जो अगले 12 घंटों में और बढ़ सकती है। आग से निपटने में अमेरिका की मदद के लिए मेक्सिको से फायरफाइटर्स पहुंचे हैं।

आग के संकट के बीच कैलिफोर्निया के सांता मोनिका शहर में लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया गया है, जिसके बाद प्रशासन ने कर्फ्यू घोषित कर दिया। इस मामले में 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। लॉस एंजिलिस (एलए) में लगी आग से अब तक करीब 11.6 लाख करोड़ रुपए (135 बिलियन डॉलर) के नुकसान का अनुमान लगाया गया है। यहां पर आग को कुछ हद तक काबू तो किया गया है।

आग लगने के बाद खाली हुए वाटर हाइड्रेंट

लॉस एंजिलिस के वाटर डिपार्टमेंट के मुताबिक आग लगने से पहले तक कैलिफोर्निया के सभी वॉटर हाइड्रेंट पूरी तरह से चालू थे। आग बुझाने के लिए पानी की अधिक मांग के चलते सिस्टम पर दबाव बढ़ा और पानी के स्तर में गिरावट आई। इसके चलते 20% वाटर हाइड्रेंड पर इसका असर पड़ा और उनमें सूखे की स्थिति बनी। दरअसल कैलिफोर्निया में कई जगहों पर वाटर हाइड्रेंट सूख गए हैं। मुताबिक राज्य के गवर्नर गैविन न्यूजॉम ने शुक्रवार को जांच के आदेश दिए थे कि वाटर हाइड्रेंट में इतनी जल्दी पानी कैसे खत्म हो गया।

किसी शख्स ने कैलिफोर्निया को आग के हवाले किया

सोशल मीडिया पर दावे चल रहे हैं कि एक शख्स ने जंगल में आग लगाना शुरू किया जिसने फैलते-फैलते बड़ा रूप ले लिया। लॉस एंजिलिस पुलिस ने इस मामले में एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। हालांकि वहां के फायर चीफ डेविड अकूना ने इस दावे का खंडन किया है कि किसी के आग लगाने से वाइल्ड फायर शुरू हुई है। अकूना ने कहा इस बात का कोई सबूत नहीं है किसी ने इस आग को भड़काया है।

दूसरी- सांता सना हवाओं ने लगाई अमेरिका में आग

कैलिफोर्निया का लॉस एंजिलिस शहर पहाड़ों के बीच बसा है। यहां चीड़ के जंगल हैं। मंगलवार को चीड़ के सूखें पेड़ जलने से आग शुरू हुई। अगले कुछ घंटे में आग ने लॉस एंजिल्स के बड़े इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। शहर की हवा जहरीली हो गई है। यहां एक्यूआई 350 पार हो गया है। जंगलों में आग भड़कने के बाद करीब 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली 'सांता सना' हवाओं ने आग को तेजी से भड़का दिया। आमतौर पर पतझड़ के मौसम में चलने वाली ये हवाएं काफी गर्म होती हैं। ये दक्षिण कैलिफोर्निया को सबसे ज्यादा प्रभावित करती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक अभी भी हवाओं की रफ्तार काफी तेज बनी हुई है, इस वजह से आग लगातार फैलती जा रही है।

बांग्लादेश में हिंदुओं के ऊपर हुए थे हमले जांच में आए अहम फैक्ट्स सामने

ढाका, 12 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हुए हमलों के मामले में पुलिस जांच में कई खुलासे हुए हैं. जांच में पाया गया है कि शेख हसीना सरकार के पतन के दौरान अल्पसंख्यकों के खिलाफ हुए हमलों की घटनाओं में से 98.4 फीसद घटनाएं राजनीति से प्रेरित थीं. जांच में यह भी पाया गया है कि इन हमलों में से सिर्फ 1.59 फीसद हमले ही सांप्रदायिक कारणों से हुए हैं. यह जानकारी 4 अगस्त से 20 अगस्त के बीच की घटनाओं की पुलिस जांच से सामने आई है. अब सवाल उठ रहा है आखिर राजनीतिक प्रेरणा किसी भी हत्या को कैसे उचित ठहराती है और अपराधियों को सजा दिलाने के लिए यूनुस सरकार क्या कदम उठा रही है. शेख हसीना सरकार के पतन के दौरान अल्पसंख्यकों के खिलाफ हमलों और बर्बरता की 1415 रिपोर्ट की गई घटनाओं में से 98.4 फीसद राजनीति से प्रेरित थीं,

जबकि 1.59 फीसद सांप्रदायिक कारणों से हुईं. यह जानकारी 4 अगस्त से 20 अगस्त के बीच की घटनाओं की पुलिस जांच से सामने आई है. अंतरिम सरकार की प्रेस विंग की ओर से शनिवार को एक प्रेस रिलीज में ये जानकारी साझा की गई है. बता दें बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद ने इस अवधि के दौरान सांप्रदायिक हिंसा की 2010 घटनाओं की सूचना दी थी. हालांकि, पुलिस डेटा रिपोर्ट में हमलों और बर्बरता के 1769 मामलों दर्ज हैं. इनमें से, पुलिस ने 1415 घटनाओं की जांच हो चुकी है और 354 मामले अभी भी जांच के दायरे में हैं. जांच के दौरान 161 मामलों में सबूत नहीं मिले हैं, जबकि 1254 मामले प्रमाणित किए गए. 5 अगस्त से 8 दिसंबर 2024 तक बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की हत्या और हमले की 2200 घटनाएं रिपोर्ट की गई थी. अंतरिम सरकार ने तब इन रिपोर्टों को मीडिया द्वारा बढ़ा-चढ़ाकर बताया और गंभीरता को स्वीकार करने या जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया था. अब 4-5 महीने बाद उनकी अपनी पुलिस ने जांच की में स्वीकार किया है कि हमले हुए हैं, लेकिन सिर्फ 1769 मामले ही सामने आए हैं. जिनमें से पुष्टि हुई है उनमें से बीडी पक्ष ने यह सिद्धांत पेश किया है कि 98 फीसदी से ज्यादा घटनाएं आपराधिक हैं, लेकिन राजनीति से प्रेरित हैं.

बांग्लादेश ने भारत को फिर दिखाई आंख

इस बार सीमा तनाव पर भारतीय उच्चायुक्त को किया तलब

ढाका, 12 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने सीमा तनाव को लेकर भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब किया है। मोहम्मद यूनुस के सर्वेसर्वा बनने के बाद यह दूसरा मौका है, जब बांग्लादेश ने भारतीय उच्चायुक्त को तलब किया है। इससे पहले अगरतला में बांग्लादेशी राजनयिक परिसर में कथित हमले को लेकर भारतीय उच्चायुक्त को समन भेजा गया था। ऐसे में माना जा रहा है कि मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार भारत से टकराने के पूरे मूड में है। हालांकि भारत ने अभी तक कूटनीतिक तरीके से ही इसके लिए मोहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश को भारत विरोधी ताकतों का गढ़ बनाने की भी कोशिश की है।बांग्लादेश की मीडिया के अनुसार, रविवार दोपहर करीब 3 बजे भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय की इमारत में प्रवेश करते देखा गया। इससे पहले दिन में गृह मामलों के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) मोहम्मद जहांगीर आलम चौधरी ने कहा कि विदेश मंत्रालय को सूचित कर दिया गया है और मामले पर चर्चा के लिए भारतीय उच्चायुक्त को जल्द ही तलब किया जा सकता है। सभी विवादित बिंदुओं पर काम रोक दिया गया है और हम आगे की गतिविधियों की अनुमति नहीं देंगे।भारत-बांग्लादेश सीमा, दुनिया की सबसे लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं में से एक है, जो अक्सर विवाद का विषय रही है, जिसमें सीमा सुरक्षा मुद्दों से लेकर लोगों की आवाजाही तक की घटनाएं शामिल हैं। बांग्लादेश से बड़े पैमाने पर घुसपैठिए आए दिन भारतीय सीमा में घुसपैठ की कोशिश करते हैं। इसके अलावा तस्करों का भी एक विशाल नेटवर्क इस सीमा पर एक्टिव है, जो अवैध तरीके से भारतीय सीमा में तस्करी की कोशिश करते हैं। कई बार इन घुसपैठियों को रोकने के लिए बीएसएफ को बल प्रयोग भी करना पड़ता है।शेख हसीना के देश छोड़कर भागने के बाद मोहम्मद यूनुस बांग्लादेश का सर्वेसर्वा बने हैं। इसके बाद से ही बांग्लादेश में भारत विरोधी गतिविधियां तेज हो गई हैं। पहले बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ जबरदस्त हिंसा हुई और जब आवाज उठाने की कोशिश की गई तो बांग्लादेशी सरकार ने एक बड़े हिंदू नेता को फर्जी मामले में जेल में बंद कर दिया। इसके बाद से यूनुस सरकार में शामिल मंत्रियों ने भारत विरोधी बयानबाजियां की।

11 युवाओं को मिला यूथ आइकन अवॉर्ड

सीएम बोले- हमारे युवाओं में बहुत टैलेंट; लाएंगे नई खेल नीति

जयपुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान यूथ बोर्ड की ओर से जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में चल रहे पांच दिवसीय युवा महोत्सव का रविवार को समापन हुआ। इस मौके पर सीएम भजनलाल शर्मा ने राज्य स्तरीय युवा महोत्सव की विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले युवाओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। वहीं, 11 युवाओं को यूथ आइकन अवॉर्ड दिया। मुख्यमंत्री ने युवा साथी केन्द्र का भी वर्चुअल उद्घाटन किया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि विवेकानंद जी का संदेश प्रत्येक युवा तक पहुंचाना हमारा लक्ष्य है। युवाओं के लिए उत्थान के लिए हमारी सरकार काम कर रही है। हमने जिलों में ऐसे कार्य किए है जिससे रोजगार उत्पन्न हो। राजस्थान के युवाओं में बहुत टैलेंट है।

सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि युवाओं के लिए राजस्थान में नई खेल नीति जल्द लाई जाएगी। राजस्थान के युवा बेहद प्रतिभाशाली है। यहां के युवाओं के टैलेंट की कोई कमी नहीं है। युवाओं के सर्वांगीण विकास और उनकी परेशानियों के समाधान के लिए सरकार युवा नीति लाएगी। खेल के बुनियादी ढांचे के साथ विज्ञान, विश्लेषण, काउंसलिंग तथा पोषण को समावेश करते हुए खेल नीति भी तैयार की जा रही है।

प्रदेश में होंगे 'खेलो राजस्थान' यूथ गेम्स

सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि 'खेलो इंडिया' यूथ गेम्स की तर्ज पर 'खेलो राजस्थान' यूथ गेम्स आयोजित करवाए जाएंगे। इससे स्थानीय स्तर पर प्रतिभाओं को तराशा जाएगा। ग्राम पंचायतों में ओपन जिम एवं खेल मैदान बनाए जा रहे है।

50 खिलाड़ियों को मिलेगी विश्वस्तरीय सुविधा

सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान का नाम खेल के क्षेत्र में शिखर पर ले जाने के लिए मिशन ओलंपिक 2028 की शुरूआत की गई है। इसके माध्यम से प्रदेश के 50 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को ओलम्पिक खेलों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। जयपुर में 100 करोड़ की लागत से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फोर स्पोर्ट्स का निर्माण किया जाएगा।

11 युवाओं को यूथ आइकन अवॉर्ड

इस मौके पर सीएम भजनलाल शर्मा ने शिक्षा, नवाचार, उद्यमिता, कला एवं संस्कृति, पर्यावरण, उच्च शिक्षा, सामाजिक कार्य और महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 11 युवाओं को यूथ आइकन अवॉर्ड दिए। इस दौरान युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ भी मौजूद रहे।

6759 ग्राम पंचायतों का कौन संभालेगा कामकाज?

इसी माह सरपंचों का कार्यकाल हो जाएगा पूरा

जयपुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। पंचायतीराज विभाग ने ग्राम पंचायत और पंचायत समितियों के पुनर्गठन तथा नवसृजन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह प्रक्रिया अप्रेल 2025 तक चलेगी। ऐसे में तब तक 7 हजार से ज्यादा ग्राम पंचायतों का कार्यकाल खत्म हो जाएगा।

पुनर्गठन और पुनर्सीमांकन के चलते इन ग्राम पंचायतों में चुनाव नहीं हो सकेंगे। वहीं, शेष ग्राम पंचायतों का कार्यकाल सितम्बर 2025 में खत्म होगा। सभी के चुनाव एक साथ कराया जाना प्रस्तावित है। ऐसे में इन ग्राम पंचायतों में प्रशासक लगाने होंगे या अन्य विकल्प के तौर पर समिति बनाकर ग्राम पंचायत के संचालन की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। अभी सरकार ने इस संबंध में कोई निर्णय नहीं किया है।

जनवरी माह में 6759 सरपंचों का कार्यकाल पूरा हो रहा है। 17 जनवरी को 2726 ग्राम पंचायत, 22 जनवरी को 2333 और 29 जनवरी को 1700 ग्राम पंचायतों के सरपंचों का कार्यकाल पूरा हो रहा है। इसके अलावा मार्च 2025 में 704 और सितंबर 2025 में 3847 ग्राम पंचायतों का कार्यकाल पूरा होगा। इस माह 210 पंचायत समितियों का भी कार्यकाल पूरा हो जाएगा।

सरपंचों को सरकार के निर्णय का इंतजार

राजस्थान सरपंच संघ के प्रदेश अध्यक्ष बंशीधर ने बताया कि सरकार को मध्यप्रदेश, उत्तराखंड और झारखंड राज्यों की ओर से अपनाए गए विकल्प दे रखे हैं। अभी सरकार ने कोई निर्णय नहीं किया है। मध्यप्रदेश में ग्राम पंचायतों में समिति बनाकर उसका अध्यक्ष सरपंचों को बनाया गया था। झारखंड में विधेयक लाकर कार्यकाल बढ़ाया गया था और उत्तराखंड में सरपंचों को प्रशासक बनाया गया था। इसमें एक विकल्प पर निर्णय होना तय माना जा रहा है। पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर इस बारे में पहले की कह चुके हैं कि मुख्यमंत्री के स्तर पर इसका निर्णय होगा।

घर में घुसकर फायरिंग, फोन करके बोला 'पूछ तेरे घर पर क्या सीन हो रहा है'

फिर इंस्टाग्राम पर लगाई स्टोरी

झुंझुनू, 12 जनवरी (एजेंसियां)। झुंझुनूं के गुढ़ागौड़जी के हांसलसर गांव में दो महीने पहले हुई कहासुनी ने गंभीर रूप ले लिया। बदमाशों ने शुक्रवार रात को गांव में आदित्य मीणा के घर पहले फायरिंग की, बाद में उसे इंस्टाग्राम पर फोन किया और कहा कि 'पूछ तेरे घर पर क्या सीन हो रहा है। हमने तेरे घर पर फायरिंग की है, अगली बार जान से मारेंगे।

जानकारी के अनुसार हांसलसर गांव के वार्ड नं 9 में रहने वाले रामजीलाल मीणा के घर पर शुक्रवार रात करीब 10.40 बजे कैपर गाड़ियों में सवार होकर आए बदमाशों ने 11 राउंड फायर किए। बदमाशों के पास करीब आठ दस कैपर गाड़ियां थी, जिन्हें घर से करीब तीन – चार सौ मीटर दूर खड़ी कर दी गई। बाद में एक बाइक घर के सामने आकर रुकी। उस पर दो जने थे, जिन्होंने बाहर खड़े -खडे. फायरिंग की। बाद में दो -तीन बदमाशों ने दीवार फांदकर अंदर आकर अंधाधुंध फायरिंग करना शुरू कर दिया। बदमाश उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से भाग गए। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर गुढ़ागौड़जी थानाधिकारी राममनोहर ठोलिया जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे।

घर पर आग लगाने की बात के बदले में हुई फायरिंग

बताया जा रहा है कि 16 नवबर 2024 को आदित्य मीणा और हेमंत मान के भाई की आपस में कहासुनी हो गई। इस पर आदित्य मीणा और उसके दोस्तों ने हेमंत के घर में घुस कर मारपीट और आगजनी की वारदात को अंजाम दिया। मामले में दोनों पक्षों की ओर से गुढ़ागौड़जी थाने में परस्पर मामले दर्ज कराए गए थे। उसी बात का बदला लेने के लिए हेंमत मान ने अपने साथियों के साथ शुक्रवार को फायरिंग की घटना को अंजाम दिया। हेमंत मान एक मामले में फरार भी चल रहा है। मामले की जांच कर रहे नवलगढ़ डिप्टी राजवीर सिंह ने बताया कि सूचना मिलने पर गुढ़ागौड़जी थाने पहुंचे थे। मामले की बारीकी से जांच कर जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

मामला दर्ज

गुढ़ागौड़जी थाने में रामजीलाल मीणा पुत्र लछुराम मीणा ने इलाखर निवासी हेमंत मान पुत्र राजेश मान, हिमांशु मान पुत्र राजेश मान, नालपुर निवासी आजाद सिंह, हांसलसर निवासी अजय पुत्र लालचंद शिवराण, विकास फौजी सहित चार पांच अन्य के खिलाफ घर में घुस कर फायरिंग करने का मामला दर्ज कराया है।

देशी कट्टों से की फायरिंग

गुढ़ागौड़जी थानाधिकारी राम मनोहर ठोलिया ने बताया कि फायरिंग के स्थानों को चिन्हित कर मौके से नौ खोल बरामद हुए हैं। प्रथम दृष्ट्या यह माना जा रहा है कि फायरिंग देशी कट्टों से की गई है। पुलिस बदमाशो के ठिकानों पर दबिश दे रही है।

घटना के बाद लगाई इंस्टाग्राम पर स्टोरी

फायरिंग की घटना के बाद हेमंत मान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर स्टोरी लगाई और लिखा कि गब्बर गैंग के बदमाश आदित्य मीणा के घर जो गोलियां चली है, सब मैंने चलवाई है। नीचे लिखा है ब्लैकिया गैंग।

हाईवे पर बंदूक दिखाकर दिनदहाड़े 50 लाख की लूट, पुलिस महकमे में मचा हड़कंप

दौसा, 12 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के दौसा जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-21 पर दिनदहाड़े अपहरण कर 50 लाख रुपए से अधिक की नकदी लूटकर ले जाने का मामला सामने आया है। राजमार्ग पर हुई लाखों रुपए की लूट के मामले की सूचना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस ने नाकाबंदी करवाकर बदमाशों की तलाशी शुरू कर दी है। दौसा से भी डीएसटी टीम थाने पहुंचकर बदमाशों की तलाश में जुट गई है। राजमार्ग पर हुई लाखों रुपए की लूट के मामले की सूचना के बाद बंदूक दिखाकर हाईवे पर दिनदहाड़े 50 लाख रुपए की लूट मच गया। पुलिस ने नाकाबंदी करवाकर बदमाशों की तलाशी शुरू कर दी है। दौसा से भी डीएसटी टीम थाने पहुंचकर बदमाशों की तलाश में जुट गई है।

थाना प्रभारी सुरेश कुमार ने बताया कि दो जने मानपुर चौराहे पर कचौरी खाकर कार से जयपुर के लिए रवाना हुए थे। तभी कार सवार तीन बदमाशों ने उनका पीछा कर सीकरी मोड़ के पास कार को रुकवा ली। उसके बाद दो बदमाश कार में बैठकर वापस भरतपुर की ओर लेकर रवाना हो गए। उसके बाद मानपुर चौराहे से कुछ दूरी पर एक जने को पटक गए। कार चालक को बालाजी मोड़ के पास पटककर कार व नकदी को लेकर फरार हो गए। सूचना पर पुलिस ने नाकाबंदी करवाई तथा दौसा से डीएसटी टीम को बुलाया गया।

पुलिस ने लूट के मामले को गंभीरता से लेते हुए डीएसटी सहित चार टीमों का गठन किया गया। बदमाशों की तलाशी में टीमों को अलग-अलग दिशाओं में भेजा गया है। पुलिस राजमार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेजे भी देख रहीं हैं। बदमाशों की तलाशी जारी है। कार चालक बलवीर सिंह व मुनीम बृजमोहन से भी पूछताछ की जा रही है।

प्रोपर्टी के लिए नकदी लेकर रवाना हुए थे कार चालक व मुनीम

पीड़ित विष्णु कुमार ने बताया कि उनका सोंख उत्तर प्रदेश में प्रोपर्टी व कंस्ट्रक्शन का काम है। जयपुर में एक प्रोपर्टी को लेकर फर्म के मुनीम बृजमोहन व चालक बलवीर सिंह को 50 लाख रुपए अधिक की नकदी लेकर कार से रवाना किया था। करीब दस बजे चालक ने मानपुर चौराहे पर थोड़ी देर रुककर जयपुर के लिए रवाना हो गए।

उसके बाद कुछ दूरी पर कार के आगे बदमाशों ने ओवरटेक कर कार को रूकवा लिया। उसके बाद दो जने कार में बैठ गए और बंदूक दिखाकर चालक व मुनीम को कार सहित वापस भरतपुर की ओर लेकर रवाना हो गए। मानपुर चौराहे से कुछ दूरी मुनीम बृजमोहन को पटक गए। उसके बाद बालाजी मोड़ के पास कार चालक बलवीर सिंह को पटककर लाखों रुपए की नकदी व कार को लेकर फरार हो गए।

बिना ड्यूटी किए 4 साल तक लेता रहा सैलरी

एमएलए के पूर्व गनमैन पर अब बड़ा एक्शन

कोटा, 12 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां विधायक की सुरक्षा किए बिना ही एक गैनमैन चार साल तक वेतन उठाता रहा। हालांकि, लाडपुरा विधायक कल्पना देवी के पूर्व गनमैन जितेंद्र सिंह को अब एसपी ने बर्खास्त कर दिया है।

जितेंद्र को 2019 से विधायक की सुरक्षा के लिए गनमैन के रूप में तैनात किया गया था। इस मामले का खुलासा तब हुआ, जब विधायक ने जून 2023 में सिटी एसपी से शिकायत की कि पिछले चार साल से उनके पास कोई गनमैन तैनात नहीं है, जबकि पुलिस लाइन के रिकॉर्ड में जितेन्द्र को उनकी सुरक्षा के लिए नियुक्त दिखाया गया था।

ड्यूटी नहीं की और उठाता रहा वेतन

शिकायत के बाद तत्कालीन एडिशनल एसपी मुख्यालय रामकल्याण मीणा को सौंपी गई जांच में यह पाया गया कि जितेन्द्र ने ड्यूटी नहीं की और वेतन उठाता रहा। जांच पूरी होने के बाद सिटी एसपी ने उसे गत 31 दिसंबर को बर्खास्त कर दिया।

हथियारों की जांच करवाई, लेकिन ड्यूटी पर नहीं आया

पुलिस लाइन में गनमैन के हथियारों और गोलियों की वार्षिक जांच की जाती है। पिछले तीन साल में जितेन्द्र ने पुलिस लाइन में अपने हथियारों की जांच करवाई, लेकिन ड्यूटी पर उपस्थित नहीं हुआ।

अब जंगल से बाहर घूमने नहीं जा पाएंगे बाघ, विभाग ने गले में लगाया रेडियो कॉलर ट्रेकिंग डिवाइस

सवाई माधोपुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के रणथंभौर अभ्यारण्य में बाघों की बढ़ती संख्या और व्यस्क बाघों के जंगल से बाहर बढ़ते मूवमेंट को देखते हुए अब वन विभाग पहली बार ट्रेकिंग डिवाइस के रूप में रेडियो कॉलर का इस्तेमाल करने जा रहा है। रणथंभौर टाइगर रिजर्व यहां के युवा बाघों के गले में ये रेडियो कॉलर लगाएगा, ताकि उनका मूवमेंट ट्रैक किया जा सके।

वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरटीआर में 77 बड़ी बिल्लियां हैं, जिनमें 29 नर, 32 मादा और 16 शावक शामिल हैं। बड़े नर बाघ अपने इलाके में किसी युवा बाघ को बर्दाश्त नहीं करते और उन्हें मार देते हैं। ऐसे में ये युवा बाघ अपनी जान बचाने के लिए नर बाघों के क्षेत्र से दूर चले जाते हैं। कभी-कभी उनका मूवमेंट दूसरे जिलों से लेकर दूसरे राज्यों तक भी हो जाता है।

एक जनवरी सरिस्का टाइगर रिजर्व से एक युवा बाघ एसटी-2302, दौसा पहुंचा और तीन लोगों पर हमला किया। दो दिन बाद उसे ट्रेंक्युलाइज कर वापस जंगल लाया गया। यह ऐसा इकलौता मामला नहीं था। पिछले दिनों तीन साल का बाघ-एसटी 2303 भटककर हरियाणा चला गया था और महीनों की ट्रैकिंग के बाद उसे लाया गया। रणथंभौर से बाघ अक्सर मध्य प्रदेश की ओर चले जाते हैं। उदाहरण के लिए, 2008 में टी-38 मप्र में ट्रैक किया जाने वाला पहला बाघ था। वही बाघ 10 साल बाद आरटीआर में लौटा। उन्होंने कहा कि दूसरा उदाहरण टी-56 है, जो भी मध्य प्रदेश गया था। वहीं 2002 में एक बाघिन 'ब्रोकन टेल' आरटीआर से मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व के दर्रा क्षेत्र में पहुंची और ट्रेन दुर्घटना में उसकी मौत हो गई।

मामले से जुड़े वन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि जब तक बाघ अपनी मां के साथ रहता है, तब तक उसे शावक माना जाता है। एक बार जब वह उसे छोड़ देता है, तो वह अल्पवयस्क (2-3 वर्ष का) हो जाता है। उन्होंने बताया कि जब एक बाघ उप-वयस्क या युवा अवस्था में पहुंचता है तो वह एक क्षेत्र की तलाश शुरू कर देता है। ऐसे में बड़े नर बाघों से उन्हें खतरा बढ़ जाता है और उनके बाहर जाने की संभावना बढ़ जाती है। राजस्थान के बाघ अभ्यारण्यों में ऐसे मामले बढ़ रहे हैं। इसलिए अब इनकी ट्रेकिंग के लिए रेडियो कॉलर का इस्तेमाल किया जाएगा।

पुलिस के डर से चौथी मंजिल से कूदा युवक

सिर में चोट लगने से हुई मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

उदयपुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। शहर में ऑनलाइन ठगी के आरोप में संदिग्ध युवक को पकड़ने गई आसपुर पुलिस के डर से युवक उमरड़ा में एक अपार्टमेंट की चौथी मंजिल से कूद गया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के परिजनों ने पुलिस पर हत्या का आरोप लगाते हुए कार्रवाई नहीं होने तक शव उठाने से इंकार कर दिया। मृतक के परिजन 50 लाख रुपये मुआवजा, एक परिजन को सरकारी नौकरी और आसपुर पुलिस पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार रमेश पुत्र नाथूलाल पटेल उदयपुर में उमरड़ा स्थित शुभ शांति विहार अपार्टमेंट में रुका हुआ था। युवक पर आरोप था कि वह अपने साथियों के साथ लोगों से ऑनलाइन ठगी करता है। आसपुर थाने में इस मामले में एक प्रकरण भी दर्ज हुआ था, जिसके आधार पर पुलिस ने लोकेशन ट्रेस करते हुए इस अपार्टमेंट में दबिश दी और तीन युवकों को पकड़ लिया लेकिन रमेश पुलिस के डर से बिल्डिंग की चौथी मंजिल से नीचे कूद गया, जिससे उसके सिर में चोट आने की वजह से वह गंभीर रूप से घायल हो गया और एक निजी चिकित्सालय में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। इधर सूचना पर अस्पताल में सैकड़ों की संख्या में एकत्र हुए मृतक के परिजनों और समाज के लोगों ने पुलिस पर हत्या का आरोप लगाया है। मृतक के छोटे भाई देविंग पटेल का कहना है कि मृतक रमेश गांव से खाटूश्यामजी के दर्शन करने के लिए निकला था। मित्रों के कहने पर रमेश उमरड़ा में कमरे पर रुका, जहां आसपुर पुलिस ने दबिश दी और रमेश के साथ मारपीट की, इसी दौरान रमेश चौथी मंजिल से नीचे गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई।

टाइगर से लड़ाई में पैंथर की मौत

वन विभाग ने पोस्टमार्टम कर किया अंतिम संस्कार

धौलपुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। जिले के सरमथुरा वन क्षेत्र में खुशहालपुर गांव के नजदीक जंगल में पैंथर का शव मिलने से वन विभाग में हड़कंप मच गया। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया। नाले के पास टाइगर और पैंथर की लड़ाई की बात निकल सामने आई। वन विभाग की टीम ने पैंथर के शव का पोस्टमार्टम करा दिया है। रेंजर देवेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि वन विभाग की टीम सरमथुरा वन क्षेत्र में गस्त कर रही थी। गस्त के दौरान खुशहालपुर गांव के नजदीक जंगल मे पैंथर का शव मिला है। उन्होंने बताया घटनास्थल का बारीकी से मौका मुआयना किया गया। प्रथम दृष्टया वन विभाग की टीम को मौके पर टाइगर और पैंथर की लड़ाई के सबूत मिले हैं। टाइगर और पैंथर के पंजों से अनुमान लगाया गया है। दोनों की जंगल में जबरदस्त लड़ाई हुई है। लड़ाई के दौरान नर पैंथर की मौत होना सामने आया है। उन्होंने बताया वन क्षेत्र में टाइगर और पैंथरों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। इस वजह से आए दिन जानवरों में फाइट भी होती रहती है। इससे पूर्व भी इस तरह के मामले जंगल में देखे गए हैं। वन विभाग की टीम ने मृतक नर पैंथर का पोस्टमार्टम करा दिया गया है। पोस्टमार्टम करने के बाद उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया गया हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मामले की स्पष्ट पुष्टि की जाएगी।

दस रुपये को लेकर हाथापाई में बदला बस कंडक्टर और रिटायर्ड आईएएस के बीच हुआ विवाद

जयपुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर में लो-फ्लोर बस में रिटायर्ड आईएएस अधिकारी से कंडक्टर द्वारा मारपीट का मामला सामने आया है। घटना शुक्रवार सुबह की है, जब 75 वर्षीय रिटायर्ड आईएएस आर.एल. मीना को कंडक्टर ने थप्पड़ मारे और लात-घूंसों से पीटा। विवाद 10 रुपए के किराए और सही बस स्टॉप पर नहीं उतारने को लेकर हुआ। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कंडक्टर को सस्पेंड कर दिया गया है।

कानोता निवासी रिटायर्ड आईएएस आर.एल. मीना शुक्रवार सुबह 11 बजे जयपुर से नायला जाने वाली लो-फ्लोर बस में सफर कर रहे थे। उन्होंने कानोता बस स्टॉप तक का टिकट लिया था लेकिन बस कंडक्टर ने उन्हें उनके स्टॉप पर नहीं उतारा और बस आगे नायला तक ले गया। नायला पहुंचने पर कंडक्टर ने रिटायर्ड आईएएस से 10 रुपए किराए की मांग की। इस पर मीना ने कंडक्टर की गलती बताते हुए किराया देने से मना कर दिया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो हाथापाई में बदल गई।

विवाद बढ़ने पर कंडक्टर घनश्याम ने रिटायर्ड आईएएस को धक्का देकर बस से नीचे गिराने की कोशिश की। जवाब में रिटायर्ड आईएएस ने कंडक्टर को थप्पड़ मार दिया। इसके बाद कंडक्टर ने गुस्से में रिटायर्ड अधिकारी के साथ गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी। यात्रियों ने बीच-बचाव कर किसी तरह उन्हें बचाया। इसी बीच यात्रियों ने घटना का वीडियो बना लिया, जो अब वायरल हो चुका है।

बैंककर्मी ही पासवर्ड रिसेट कर उड़ाते थे रकम

अपराधियों के खिलाफ बड़ा एक्शन

जयपुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। साइबर ठगों के खिलाफ पुलिस एक्शन में आ गई है। राजस्थान पुलिस ने जयपुर में शनिवार को ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया गया जो साधु बनकर (नकली दाढ़ी-मूंछ व सिर पर बड़े बाल लगाकर) सोशल मीडिया पर लोगों का भविष्य बताने के नाम पर ठगी कर रहा था। उधर मध्यप्रदेश पुलिस के हत्थे चढ़े साइबर ठगों के अंतरराष्ट्रीय गिरोह ने जांच एजेंसियों के कान खड़े कर दिए हैं। पड़ताल में सामने आया है कि मध्यप्रदेश में सक्रिय गिरोह के जरिए देशभर में एक हजार करोड़ से ज्यादा की ठगी की गई। पैसा म्यूल अकाउंट में भेजा गया। म्यूल अकाउंट्स पर ही साइबर पुलिस व एंटी टेरिरिस्ट स्क्वॉड की निगाहें टिकी हैं। इन एकाउंट में टेरर फंडिंग के लिए भी पैसा दोबारा भेजा जाता था। पैसा कहां से भेजा जाता था, इसकी भी जांच चल रही है। यह बैंक खाते गैरकानूनी गतिविधियों से पैसा हासिल और ट्रांसफर कर अवैध ट्रांजेक्शन का जरिया बनते हैं। भारत में ये अकाउंट अक्सर ऐसे लोग खोलते हैं, जो कुछ पैसे, कमीशन या शुल्क लेकर दूसरों को अपने खाते के जरिए ट्रांजेक्शन की सुविधा देते हैं। पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि कालवाड़ थाना क्षेत्र में पकड़ा गया गिरोह साधु बनकर साइबर ठगी कर रहा था। ऑनलाइन गेमिंग ऐप के जरिए गिरोह के दो सदस्य श्रीलंका में ट्रेनिंग लेकर आए थे। गिरफ्तार ठगों में ऑनलाइन सट्टा लगाने वाले भी शामिल हैं। जयपुर कमिश्नरेट पुलिस ने अलग-अलग छह स्थानों पर दबिश देकर 30 जालसाजों को गिरफ्तार किया है।

करीमनगर में हुई घटना की मंत्री ने निन्दा की

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि सरकार द्वारा महत्वाकांक्षी रूप से क्रियान्वित की जा रही चार योजनाओं में जिले के पदाधिकारी शामिल हों और कार्यक्रम को सफल बनायें। उन्होंने कहा कि सुनिश्चित करें कि आपकी भागीदारी कम न हो। आज की घटना की कड़ी निंदा करता हूं। आज की घटना में जिन्होंने दल नहीं बदले वे जीवन भर उसी दल में रहते तो इसका कोई मतलब होता। जिन लोगों ने पार्टियां बदलीं, उन्होंने वाईएसआरसीपी में तेलंगाना कार्यकर्ताओं पर पत्थर फेंके, कांग्रेस में आए और उन्हें कांग्रेस में अवसर मिले.. अगर वे टीआरएस में वापस जाते हैं और उस पार्टी से कुछ के बारे में बात करते हैं, तो इसका कोई मतलब नहीं है।

उन्होंने कहा कि राज्य के नेता केसीआर, केटीआर और हरीश राव को आज की घटना पर प्रतिक्रिया देनी चाहिए। क्या आप ऐसे आयोजनों का समर्थन करते हैं। क्या आपने उदाहरण के तौर पर कोई ऐसा स्कूल स्थापित किया है जहां ये सब अनाप-शनाप बातें करते हों..? यह एक अच्छा अभ्यास नहीं है। उन्होंने कहा कि लाइब्रेरी अध्यक्ष संयुक्त कलेक्टर को धमकी दे रहे हैं कि उन्हें क्या कहा जाएगा।

हमने आपसे सरकारी कार्यक्रमों को सफल बनाने में सहयोग करने का आह्वान किया है। बीआरएस राज्य नेतृत्व तत्काल प्रतिक्रिया की मांग करता है।

इस तरह का व्यवहार करना आपकी पार्टी की संस्कृति है। इन चार योजनाओं में अधिकारी इस तरह से काम करें कि तेलंगाना राज्यों का संयुक्त करीमनगर जिला आगे रहे।

वन विभाग लकड़ी की नीलामी और चेन लिंक बाड़ लगाने की तैयारी में

अप्रत्याशित बारिश और तूफान ने मचायी थी भारी तबाही

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ताड़वई-एतुरनगरम जंगलों में पांच महीने तक चली भयावह तबाही के बाद, जिसमें 60,000 से अधिक पेड़ नष्ट हो गए और उखड़ गए, वन विभाग अब लकड़ी की नीलामी करने और पूरे वन क्षेत्र के चारों ओर चेन लिंक बाड़ लगाने की तैयारी कर रहा है। पिछले साल 28 अगस्त से 2 सितंबर के बीच हुई अप्रत्याशित बारिश और 135 से 140 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली तेज हवाओं के कारण वन क्षेत्र में व्यापक तबाही हुई थी। 332 हेक्टेयर क्षेत्र में कई पेड़ क्षतिग्रस्त हो गए और कई उखड़ गए।

अब विभाग उखड़े हुए पेड़ों और क्षतिग्रस्त पेड़ों को हटाने का काम कर रहा है और लकड़ी की नीलामी की तैयारी कर रहा है। लगभग 3000 क्यूबिक मीटर लकड़ी को हटाने की उम्मीद है और 1000 क्यूबिक मीटर लकड़ी को पहले ही एटुर्नगरम वन डिपो में ले जाया जा चुका है। शेष लकड़ी को भी 20 दिनों में ले जाया जाएगा।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हमें उम्मीद है कि लकड़ी की नीलामी से विभाग को 10 से 15 करोड़ रुपये का राजस्व मिलेगा। हालांकि, कई पेड़ क्षतिग्रस्त हो गए और उखड़ गए, लेकिन केवल सात प्रजाति के पेड़ ही ऐसे थे जो दृढ़ लकड़ी के थे और जिनका वाणिज्यिक मूल्य था।

लकड़ी की नीलामी के तुरंत बाद, विभाग पूरे 332 हेक्टेयर क्षेत्र के चारों ओर चेन लिंक बाड़ लगाने जा रहा है और बांस तथा अन्य स्थानीय प्रजातियों की बड़े पैमाने पर खेती कर रहा है। क्षेत्र में वनों के प्राकृतिक पुनर्जनन पर जोर दिया जाएगा। चेन लिंक बाड़ लगाने का उद्देश्य जंगली जानवरों की आवाजाही और बाहर से मनुष्यों के वन क्षेत्र में प्रवेश को रोकना था। इसके अलावा, बांस के पौधे बड़े पैमाने पर लगाए जाएंगे क्योंकि वे तेजी से बढ़ते हैं और भारी बारिश और हवाओं के दौरान गिरते नहीं हैं। इसके अलावा, इसका अच्छा व्यावसायिक मूल्य भी है। मार्च के अंत तक पूरे वन क्षेत्र के चारों ओर चेन लिंक बाड़ लगाने का काम पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

राष्ट्र निर्माण में युवा सक्रिय रूप से योगदान दे रहे : पीयूष गोयल

मुंबई, 12 जनवरी (एजेंसियां)। स्वामी विवेकानंद की 162वीं जयंती को देश 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मना रहा है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने स्वामी जी के अमूल्य योगदान को याद करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में युवा प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हम स्वामी विवेकानंद की जयंती को श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाते हैं। उन्होंने कहा कि इस दिन को मनाते हुए हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश के युवाओं को नए भारत के निर्माण में जोड़ा जाने के प्रयासों को भी सेलिब्रेट करते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने जिस प्रकार से भारतीय युवाओं को एक सकारात्मक दिशा में प्रेरित किया है और उनका मार्गदर्शन किया है, वह अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज दिल्ली के भारत मंडपम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी देशभर से आए हुए विकसित भारत एंबेसेडर के साथ मुलाकात किया और 2047 तक विकसित भारत के निर्माण की दिशा में युवाओं की भूमिका पर चर्चा किये। यह संयोग है कि मुझे भी परसों महाराष्ट्र और गोवा से आए हुए 125 बच्चों के साथ मिलने का अवसर मिला, जो आज इस विकसित भारत कार्यक्रम में शामिल होंगे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इन बच्चों के उत्साह, उनकी सोच और भारत के प्रति उनकी निष्ठा को देखकर मुझे बहुत ही आनंद और प्रेरणा मिली। इस अवसर पर, मुझे यह महसूस हुआ कि भारत के युवा इस समय न केवल अपने व्यक्तिगत विकास की ओर अग्रसर हैं, बल्कि वे देश की सेवा करने और देश को प्रगति की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। खासकर, आज के समय में जब भारत की आर्थिक स्थिति भी मजबूत हो रही है, देश के युवा इस परिप्रेक्ष्य में अपने दायित्व को निभाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। आज मुझे इस बात का भी अनुभव हुआ कि भारत के युवा देश की सेवा में जुटने के लिए एक नए जोश और उमंग के साथ तैयार हैं और अपने दायित्वों का निर्वाह करने के लिए उत्साहित हैं।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि मैं यह भी मानता हूं कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने जिस प्रकार से अपनी पहचान दुनिया में बनाई है, वह अभूतपूर्व है। भारत की बढ़ती शक्ति और गौरव ने न केवल देशवासियों को प्रेरित किया है, बल्कि विदेशों में भी भारत के प्रति आकर्षण बढ़ाया है। निवेशक अब भारत में निवेश करने के लिए आकर्षित हो रहे हैं और साथ ही साथ अन्य देश भी भारत के साथ व्यापार बढ़ाने के लिए तत्पर हैं।

खेल में जीत और हार को समान रूप से स्वीकार करना चाहिए : एसपी डीवी श्रीनिवास राव

कुमरमभीम आसिफाबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार के दिन जिला पुलिस मुख्यालय में मैत्रीपूर्ण माहौल में पुलिस और प्रेस के बीच क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। पहले प्रिंट मीडिया टीम और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया टीम के बीच मैच हुआ, उसके बाद पुलिस टीम और प्रिंट मीडिया टीम के बीच फाइनल मैच खेला गया, जिसमें पुलिस टीम विजयी रही।

जिला पुलिस अधीक्षक डीवी श्रीनिवास राव आईपीएस ने कहा कि आज मैत्रीपूर्ण माहौल में पुलिस और प्रेस के बीच क्रिकेट मैच का आयोजन करना खुशी की बात है। सभी को खेलों को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सभी को शारीरिक परिश्रम के साथ-साथ मानसिक आनंद के लिए भी खेलों का चयन करना चाहिए। खेलों में जीतना और हारना स्वाभाविक है तथा सभी को वास्तविक जीवन में भी इनका अभ्यास करना चाहिए। इसके बाद विजेता टीम और उपविजेता टीम को पुरस्कार प्रदान किए गए।

पीएससी के अगले राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करेगा हैदराबाद

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद इस वर्ष दिसंबर में राज्य लोक सेवा आयोगों (पीएससी) के अध्यक्षों के अगले राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करने के लिए तैयार है। शनिवार को बेंगलुरू में आयोजित राज्य लोक सेवा आयोगों के अध्यक्षों के 25वें राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान यह निर्णय लिया गया। सम्मेलन का उद्घाटन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने किया, जिसमें राज्य लोक सेवा आयोगों की कार्यप्रणाली और सर्वोत्तम प्रथाओं से संबंधित कई प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई।

विचार-विमर्श के दौरान, टीजीपीएससी को सभी कानूनी मुद्दों के लिए समन्वयक और सभी राज्य पीएससी के लिए विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ बनाया गया। बैठक में कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, यूपीएससी की अध्यक्ष प्रीति सूदन, टीजीपीएससी के अध्यक्ष बुर्रा वेंकटेशम और राज्य पीएससी के अध्यक्षों ने भी भाग लिया।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायुडू ने अपने कैंप कार्यालय पर स्वामी विवेकानन्द जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

भतीजे ने की विधवा की हत्या

मंचेरियल, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को जन्नाराम मंडल के देवुनिगुडेम ग्राम पंचायत के अंतर्गत कोट्टूर गांव में एक विधवा की कथित तौर पर उसके भतीजे ने हत्या कर दी। लक्सेटिपेट इंस्पेक्टर अल्लम नरेंद्र ने कहा कि कोट्टूर के एक कृषि मजदूर मदवी कौसल्या (50) की कृष्णा ने हत्या कर दी। कृष्णा उस पर इसलिए गुस्सा था क्योंकि उसने हाल ही में उसे बेकार बैठने के लिए डांटा था। उसने अपनी चाची से बहस की। गुस्से में आकर कृष्णा ने कौशल्या को उसके खेत में कुल्हाड़ी से मार डाला। अन्य किसानों ने उसके परिवार के सदस्यों को इसकी सूचना दी, जिन्होंने पुलिस को सूचना दी। कौशल्या के पति की पहले ही मृत्यु हो चुकी है और उसकी कोई संतान नहीं है। परिवार के एक सदस्य से प्राप्त शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

सैन्य अस्पताल गोलकोंडा ने चिकित्सा आउटरीच शिविर का आयोजन किया

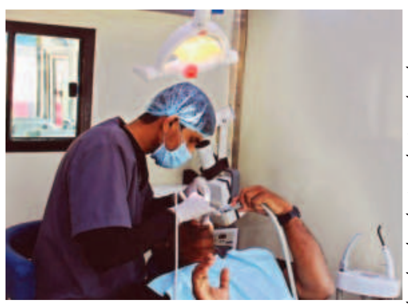

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को हैदराबाद के गोलकोंडा में सैन्य अस्पताल गोलकोंडा द्वारा मुख्यालय तेलंगाना और आंध्र उप क्षेत्र के तत्वावधान में भारतीय सशस्त्र बलों से सेवानिवृत्त दिग्गजों और उनके आश्रितों तक पहुंचने के लिए एक चिकित्सा आउटरीच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में दिग्गजों को सामान्य दवाओं, सर्जरी, नेत्र रोग, ईएनटी, दंत चिकित्सा, हड्डी रोग, स्त्री रोग और हृदय रोग सहित विभिन्न नैदानिक सुविधाओं सहित विशेषज्ञ उपचार सुविधाएं प्रदान की गईं। इस अवसर पर हैदराबाद के दिग्गजों के लायंस क्लब और आर्मी कॉलेज ऑफ डेंटल सर्विसेज ने भी पूरे जोश के साथ भाग लिया। दिग्गजों को मुख्यालय टीएएसए द्वारा मुफ्त दवाइयाँ वितरित की गईं। मुख्यालय तेलंगाना और आंध्र उप क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए, ब्रिगेडियर एसके चेट्टी ने दिग्गजों से बातचीत की और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के लिए हर संभव समर्थन का वादा किया। उन्होंने भारतीय सेना के दिग्गजों तक पहुंचने और उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए हमेशा मौजूद रहने के सिद्धांत को दोहराया। उन्होंने सभी दिग्गजों को धन्यवाद दिया और राष्ट्र और समाज के लिए उनकी सेवा को स्वीकार किया। आउटरीच कैंप में लगभग 350 दिग्गज और उनके आश्रित शामिल हुए।

ब्राण्डेड परिधानों एवं शूज पर 80 प्रतिशत डिस्काउंट

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। होटल दि वेस्टीन हैदराबाद माइंडस्पेस पर ऐतिहासिक सेल के चलते ब्रांडेड क्लोद्ज एवं शूज पर 80 प्रतियत भारी डिस्काउंट का मेला चल रहा है। इसमें ब्रांड्स के परिधानों या वस्त्रों तथा शूज की खरीदी पर 80 प्रतिशत डिस्काउंट दिया जा रहा है।

इसके चलते अब इस कंपनी ने वर्ष 2024 के तत्संबंधित गारमेंट्स ताजा बाक्स पैक कलेक्शन एवं मेन्स शूज के भारी स्टाक को हैदराबाद में बिक्री के लिए उतारा है।

जिनमें मेन्स शर्ट केवल 1200 रुपये, लेडीज कुर्ती 600 रुपये, किड्स गारमेट्स 300 से 600 रुपये, महिलाओं के मिक्सिड गारमेंट्स 300 से 600 रुपये, मेन्स टी शर्ट 600 से 800 रुपये, मेन्स ब्रांडेड जीन्स 1500 रुपये एवं लेडीज ब्रांडेड जीन्स 600 रुपये पर उपलब्ध है। जिनकी असली कीमत 2,000 से 12,000 रुपये तक है। ब्राण्डेड एण्ड मिक्स ब्रांडेड शूज या जूतें रुपये 800 से 1800 रुपये में उपलब्ध हैं। यह सेल 15 जनवरी तक सुबह 10 से रात्रि 9 बजे तक जारी रहेगा।

जामबाग भाजपा पार्षद राकेश जयसवाल ने पटना में बिहार प्रदेश के भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल एवं बिहार के राजस्व मंत्री एवं भूमि सुधार मंत्री डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी पवन जायसवाल विधायक से मुलाकात कर समाज एवं वर्तमान राजनीति पर चर्चा की उक्त नेताओं को हैदराबाद आने का निमंत्रण भी दिया।

गुंडाला गर्म पानी के झरने पर्यटकों को करते हैं आकर्षित

गर्म पानी के झरनों से जुड़ी कई किंवदंतियां

कोत्तागुडेम, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भद्राचलम के निकट गोदावरी नदी के तट पर उष्णगुंडालु या गर्म पानी का झरना एक धार्मिक स्थल है, जहां अक्सर श्रद्धालु और पर्यटक आते हैं। गर्म पानी के झरने आंध्र प्रदेश के येतपाका मंडल के गुंडाला गांव में भद्राचलम से लगभग 6 किमी दूर स्थित हैं। प्राकृतिक रूप से बने गर्म पानी के झरनों से जुड़ी कई किंवदंतियां भी हैं। भक्तों का मानना है कि सर्दियों के दौरान भगवान ब्रह्मा, विष्णु और शिव स्नान करने के लिए नदी के गर्म पानी के कुंडों पर आते हैं और इसलिए यहां के गर्म झरनों में उपचार के गुण होते हैं। यहां आने वाले भक्त बोतलों में पानी भरकर घर ले जाते हैं।

एक और किंवदंती है कि अपने वनवास के दौरान भगवान राम अपनी पत्नी सीता के साथ यहां के जंगलों में रहे थे। जब देवी सीता को नहाने के लिए गर्म पानी की ज़रूरत पड़ी तो भगवान राम ने नदी में तीर मारकर गर्म पानी का झरना बनाया। एक अन्य किंवदंती के अनुसार, गर्म पानी के झरने सर्प राजा आदि शेष द्वारा बनाए गए थे और पवित्र झरने में डुबकी लगाने से व्यक्ति के पिछले पाप नष्ट हो जाते हैं। उष्णगुंडालु तक पहुंचने के लिए नदी के किनारे लगभग आधा किलोमीटर चलना पड़ता है, जहां आगंतुक प्रार्थना करते हैं।

भूजल विभाग के सेवानिवृत्त उप निदेशक वी आनंद कुमार ने कहा कि नदी तल के नीचे भारी मात्रा में सल्फर जमा होने से गर्म पानी के झरने बनते हैं। उन्होंने कहा कि नदी तल में गहरे बलुआ पत्थरों के अंतराल में जमा सल्फर भूतापीय गतिविधि के कारण गर्मी पैदा करता है लेकिन हाल के दिनों में, अत्यधिक रेत खनन के कारण, अक्सर अवैध रूप से, गर्म पानी के झरने क्षतिग्रस्त हो रहे हैं, गुंडाला गांव के निवासी श्रीनिवास ने शिकायत की। वह चाहते थे कि अधिकारी गर्म पानी के झरनों को संरक्षित करने के लिए क्षेत्र में रेत खनन को नियंत्रित करें।

उन्होंने बताया कि जब नदी सूख जाती है, तो स्थानीय लोग रेत खोदकर कुएं बना लेते हैं, ताकि उसमें पानी रिस सके। इस तरह कुओं में जमा गर्म पानी श्रद्धालुओं में बांटा जाता है।

गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने के लिए हस्ताक्षर अभियान

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्री राधा मदन मोहन मंदिर (इस्कॉन), अबिड्स में बजरंग सेना तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव के नेतृत्व में गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने की वकालत करते हुए हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इस अभियान में भक्तों की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही और इसके समर्थन में 500 से अधिक लोगों ने हस्ताक्षर किए। इस कार्यक्रम के दौरान संजय कुमार एवं राघव कुमार (उपाध्यक्ष), सुरेंदर सुराना (संगठन मंत्री), मनोज मोगलगिड्डी (अध्यक्ष, ग्रेटर हैदराबाद), रामेश्वर मिश्रा और संगठन के प्रमुख सदस्य मौजूद थे। उन्होंने भक्तों के प्रति उनके पूरे दिल से समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया और गौ माता के कल्याण की रक्षा और संवर्धन के लिए अपने प्रयासों को जारी रखने का संकल्प लिया।

तेंदुआ दिखने से विश्वविद्यालय में दहशत का माहौल

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राजेंद्रनगर स्थित प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय में रविवार सुबह एक तेंदुआ देखे जाने के बाद एक बार फिर दहशत फैल गई। सुबह टहलने निकले स्थानीय लोगों ने प्रोफेसर जयशंकर की मूर्ति के पास तेंदुए को देखा। रिपोर्ट के मुताबिक, लोगों की आवाजाही देखकर तेंदुआ घने जंगल में छिप गया। स्थानीय लोगों ने विश्वविद्यालय सुरक्षाकर्मियों को इस बारे में सूचना दी, जिन्होंने वन विभाग को सूचित किया। वन अधिकारियों की एक टीम परिसर का दौरा करेगी और तेंदुए की मौजूदगी की पुष्टि करने से पहले पैरों के निशानों की जांच करेगी। परिसर में तेंदुए की आवाजाही नियमित है और पहले भी परिसर के आसपास तेंदुए पकड़े गए हैं। तेंदुए शमशाबाद गंगन पहाड़ के आरक्षित वन क्षेत्र में रहते हैं और हिमायतसागर, शमशाबाद राजेंद्रनगर और मोइनाबाद के गांवों में घूमते रहते हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

लक्ष्य जड़ी बूटी, इसक...

स्वामी जी कहते थे कि मेरा विश्वास युवा पीढ़ी में है, नई पीढ़ी में है। स्वामी जी कहते थे कि मेरे कार्यकर्ता नौजवान पीढ़ी से आएंगे और वो हर समस्या का समाधान निकालेंगे।

शनिवार को केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा था कि आज विकसित भारत युवा संवाद शुरू हो गया है। मुझे खुशी है कि इसमें भाग लेने वाले 30 लाख युवाओं में से 3 हजार युवाओं का चयन किया गया है। उन्हें आनंद महिंद्रा, अमिताभ कांत और इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ जैसी हस्तियों का मार्गदर्शन मिल रहा है।

विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग में 15 से 29 साल के 3 हजार युवाओं को चुना गया है। इनका सिलेक्शन तीन राउंड में की गई सिक्लेशन प्रोसेस के बाद हुआ था।

एक राष्ट्र, एक...

आयोग ने आगे कहा चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों के परामर्श से इसे स्वैच्छिक आचार संहिता के रूप में विकसित किया है जिसका सभी हितधारकों की तरफ से पालन किया जाना चाहिए और यह स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने और विश्वसनीय परिणामों के लिए एक अभिन्न अंग है।

विधि आयोग और केंद्रीय विधि मंत्रालय में विधि मामलों के विभाग के साथ एक साथ चुनाव कराने के कई पहलुओं पर चुनाव आयोग के रुख को एक साथ चुनाव कराने संबंधी विधेयकों की जांच कर रही संसद की संयुक्त समिति के सदस्यों को प्रदान किया गया है। चुनाव आयोग का रुख पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर उच्च स्तरीय समिति को भी बताया गया।

भारत को क्यों...

रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने पिछले 20 वर्षों में अफगानिस्तान में सहायता और पुनर्निर्माण कार्यों में 3 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश किया है। तालिबान के कब्जे के बाद ऐसा माना जाने लगा था कि भारत का यह निवेश अब डूब चुका है। इसका जश्न खासतौर पर पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर मनाया गया। लेकिन, तालिबान ने काबुल पर कब्जे के बाद अपनी विदेश नीति को पाकिस्तान के प्रभाव से बचाए रखा और अफगानिस्तान में भारत की जरूरत को महसूस किया। ऐसे में तालिबान ने भारत के साथ मिलकर क्षेत्रीय विकास, व्यापार और मानवीय सहयोग के साथ-साथ विकास परियोजनाओं को फिर से शुरू करने, अफगानिस्तान में स्वास्थ्य क्षेत्र और शरणार्थियों का समर्थन करने के लिए एक समझौता करने का प्रयास किया है।

पहली बात यह है कि यह बैठक भारत द्वारा अफगानिस्तान पर पाकिस्तान के हवाई हमलों की निंदा करने के कुछ ही दिनों बाद हुई है, जिसमें पिछले महीने कथित तौर पर कम से कम 46 लोग मारे गए हैं। यह बैठक पिछले साल नवंबर में मुंबई में अफगान वाणिज्य दूतावास में तालिबान द्वारा एक कार्यवाहक वाणिज्यदूत की नियुक्ति के तुरंत बाद हुई है। हालांकि भारत सरकार ने नियुक्ति पर कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन यह समय उसी महीने भारत के विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव की काबुल यात्रा के समय से मेल खाता है।

विदेश भागने वाले...

जो अपराधियों के अपराध के पैसों से विदेशों में खड़ी की गई संपत्ति का पता लगाने का अहम काम करेगा।

इंटरपोल ने पहला नोटिस इटली के अनुरोध पर जारी किया है। फिलहाल सिल्वर नोटिस वाला सिस्टम पायलट प्रोजेक्ट के तहत भारत समेत 52 देशों के साथ शुरू किया गया है। जो की इस साल के नवंबर तक चलेगा। कामयाबी मिलने पर इसे तमाम 195 देशों के साथ शुरू कर दिया जाएगा। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह सिल्वर नोटिस अपराधियों की आर्थिक रूप से कमर तोड़ने के लिए बेहद कारगर साबित होगा। भविष्य में इसके अच्छे परिणाम सामने आएंगे।

सीबीआई के एक अधिकारी ने बताया कि सीबीआई ने 2024 में इंटरपोल के माध्यम से 170 नोटिस जारी कराए थे। इनमें 100 रेड कॉर्नर नोटिस थे। इनके माध्यम से विदेशों में छिपे 30 भगौड़ों को भारत डिपोर्ट कराने में कामयाबी मिली थी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

23 मार्च से शुरू होगा आईपीएल 2025, फाइनल 25 मई को

बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला का बड़ा खुलासा

मुंबई, 12 जनवरी (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की शुरुआत 23 मार्च से होगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने रविवार को इसकी जानकारी दी। मीडिया से बातचीत में शुक्ला ने बताया कि टूर्नामेंट के 18वें एडिशन का आगाज 23 मार्च से होगा जबकि फाइनल मैच 25 मई को खेला जाएगा। हालांकि इस बारे में अब भी आधिकारिक घोषणा का ऐलान बाकी है।

23 मार्च से शुरुआत 25 मई को फाइनल

आज हुई बीसीसीआई एसजीएम (स्पेशल जनरल मीटिंग) में नए कोषाध्यक्ष प्रभतेज भाटिया और सचिव सत्यजीत सैकिया को निर्विरोध चुना गया। जय शाह और आशीष शेलार के इस्तीफे के बाद यह दोनों पद रिक्त पड़े थे। सैकिया और भाटिया इन रिक्त पदों के लिए नामांकन दाखिल करने वाले एकमात्र उम्मीदवार होने के कारण निर्विरोध चुने गए। मीटिंग में महिला प्रीमियर लीग (WPL) के वेन्यू पर स्पष्टता लगभग तय हो गई है। आईपीएल 2024 की शुरुआत 22 मार्च को हुई थी जब आरसीबी और सीएसके के बीच ओपनिंग मैच खेला गया था। फाइनल 26 मई को हुआ था, जिसमें केकेआर ने ट्रॉफी जीती थी।

चैंपियंस ट्रॉफी स्क्वॉड का ऐलान कब?

18-19 जनवरी को होने वाली अगली बैठक आगामी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम को अंतिम रूप देने पर फोकस होगी। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच की टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए चयनकर्ताओं ने शनिवार को भारतीय टीम की घोषणा की थी। टी-20 के बाद खेली जाने वाली तीन मैचों की तीन वनडे श्रृंखला और 19 फरवरी से शुरू होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम की घोषणा नहीं की गई है। भारत चैंपियंस ट्रॉफी का अपना पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगा। भारत हाइब्रिड मॉडल के तहत अपने सभी मैच दुबई में खेलेगा जबकि अन्य टीमों के मैच मेजबान देश पाकिस्तान में खेले जाएंगे।

आईपीएल मेगा ऑक्शन में बरसे थे पैसे

पिछले साल के अंत में हुई मेगा नीलामी में दो खिलाड़ियों का दबदबा रहा था। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत 27 करोड़ रुपये में बिकने के बाद आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए, उनके बाद श्रेयस अय्यर (26.75 करोड़ रुपये) और वेंकटेश अय्यर (23.75 करोड़ रुपये) का नंबर आता है। 574 खिलाड़ियों की फाइनल सूची सामने आने के बाद कई टीमों ने हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों के लिए बड़ी बोली लगाई थी। इस बीच, डेविड वार्नर, पृथ्वी शॉ और शार्दुल ठाकुर जैसे खिलाड़ी अनसोल्ड ही रह गए।

बुमराह चैंपियंस ट्रॉफी ग्रुप स्टेज से बाहर हो सकते हैं

पीठ में सूजन; मार्च के पहले हफ्ते तक फिट होने की उम्मीद

मुंबई, 12 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अगले महीने होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप स्टेज से बाहर हो सकते हैं। बुमराह की पीठ में सूजन है। इसके लिए उन्हें बेंगलुरु में नेशनल क्रिकेट अकादमी में रिपोर्ट करने के लिए कहा गया है। यहां उनकी रिकवरी पर नजर रखी जाएगी।

बुमराह को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट के दूसरे दिन पीठ में थोड़ी समस्या हुई थी, जिसके बाद उन्हें स्कैन के लिए ले जाया गया था। फिर वे मैच में बॉलिंग नहीं कर सके थे।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से शुरू होगी। भारत अपना पहला मुकाबला 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगा।

मार्च के पहले सप्ताह तक ही पूरी तरह फिट होने की उम्मीद

भारतीय सिलेक्टर्स ने मुंबई में इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए टीम चुनने के लिए मीटिंग की। रिपोर्ट के मुताबिक, इस दौरान उन्हें बुमराह की फिटनेस के बारे में जानकारी दी गई। बीसीसीआई के एक सूत्र के मुताबिक, बुमराह के मार्च के पहले हफ्ते तक ही पूरी तरह फिट होने की उम्मीद है। उससे पहले वे तीन हफ्ते तक एनसीए में रहेंगे। रिकवरी के बाद भी उन्हें एनसीए में एक या दो मैच खेलने होंगे, भले ही वे अभ्यास मैच ही क्यों न हों, जो उनकी मैच फिटनेस देखने के लिए खेले जाएंगे।

बुमराह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के टॉप विकेट टेकर

बुमराह ने हाल ही में खत्म हुई ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में सबसे ज्यादा 32 विकेट झटके। बुमराह इस सीरीज के 5 मैचों में 151 ओवर फेंके। उन्होंने इस दौरान 32 विकेट लिए।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम की घोषणा में देरी

बीसीसीआई ने इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टी-20 सीरीज के लिए टीम का ऐलान किया। उम्मीद थी कि इसी दिन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भी टीम की घोषणा कर दी जाएगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम की घोषणा करने की आखिरी तारीख 12 जनवरी यानी आज है, लेकिन बीसीसीआई ने आईसीसी से समय सीमा बढ़ाने की मांग की है। टीमों में बदलाव 12 फरवरी तक किए जा सकते हैं।

सिलेक्टर्स इस बात पर विचार कर रहे हैं कि बुमराह को 15 सदस्यीय टीम में शामिल करना चाहिए या उन्हें टूर्नामेंट के लिए रिजर्व खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल करना चाहिए।

टीम इंडिया अपने सभी मैच दुबई में खेलेगी

भारत अपने सभी मैच दुबई में ही खेलेगा, टीम के ग्रुप में बांग्लादेश और न्यूजीलैंड भी हैं। दुबई में ही एक सेमीफाइनल भी खेला जाएगा। अगर भारत फाइनल में पहुंचा तो यह मैच भी दुबई में होगा। जबकि टूर्नामेंट के बाकी 10 मैच पाकिस्तान में होंगे। चैंपियंस ट्रॉफी 8 साल बाद होने जा रही है, 2017 में आखिरी बार पाकिस्तान ने भारत को फाइनल हराकर खिताब जीता था।

बांग्लादेश के खिलाफ अभियान शुरू करेगा भारत

भारत ग्रुप-ए में है। टीम के ग्रुप में पाकिस्तान, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड हैं। वहीं दूसरे ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान हैं। 4 और 5 मार्च को 2 सेमीफाइनल होंगे, वहीं 9 मार्च को फाइनल खेला जाएगा।

देवजीत सैकिया बीसीसीआई के सेक्रेटरी बने

प्रभतेज सिंह भाटिया कोषाध्यक्ष बने; दोनों को निर्विरोध चुना गया

मुंबई, 12 जनवरी (एजेंसियां)। असम क्रिकेट संघ के देवजीत सैकिया ने जय शाह की जगह ली। शाह अब आईसीसी के चेयरमैन हैं। देवजीत सैकिया बीसीसीआई के सेक्रेटरी बने हैं, जबकि प्रभतेज सिंह भाटिया को कोषाध्यक्ष चुना गया। दोनों रविवार कोबीसीसीआई की स्पेशल जरनल मीटिंग में निर्विरोध चुने गए। सैकिया और भाटिया ने पिछले हफ्ते नामांकन भरा था। उनके अलावा किसी और ने नॉमिनेशन फॉर्म नहीं भरा।

सैकिया ने पिछले महीने दिसंबर में पूर्व सचिव जय शाह की जगह संभाली थी। उन्हें इंटरिम सेक्रेटरी बनाया गया था। जय शाह ICC के चेयरमैन बनाए गए हैं, इस वजह से उन्होंने बीसीसीआई सचिव पद छोड़ दिया था।

मीटिंग के बाद BCCI के वाइस प्रेसिडेंट राजीव शुक्ला ने कहा- 'इस SGM का एक ही एजेंडा था, बीसीसीआई सेक्रेटरी का चुनाव।' उन्होंने बताया कि आईपीएल-2025 की शुरुआत 23 मार्च से होगी।

असम क्रिकेट एसोसिएशन का हिस्सा हैं सैकिया

देवजित सैकिया 6 दिसंबर को ही बीसीसीआई के इंटरिम सेक्रेटरी बनाए गए थे। वह असम क्रिकेट एसोसिएशन का हिस्सा हैं। उन्होंने जय शाह की जगह ली। पहले खबरें आ रही थीं कि अरुण जेटली के बेटे रोहन जेटली सेक्रेटरी बनेंगे, लेकिन पिछले महीने ही जॉइंट सेक्रेटरी सैकिया का नाम आगे आ गया।

दूसरी ओर, भाटिया छत्तीसगढ़ क्रिकेट एसोसिएशन का हिस्सा हैं। वह आशीष शेलार की जगह कोषाध्यक्ष का पद संभालेंगे। आशीष महाराष्ट्र सरकार का हिस्सा बन गए और नियम के अनुसार, केंद्र व राज्य सरकार के मंत्री बीसीसीआई का हिस्सा नहीं बन सकते।

शाह को एसजीएम में सम्मानित किया गया

चुनाव अधिकारी एके जोती ने रिजल्ट जारी करते हुए कहा- 'पदाधिकारियों के दो पद सचिव और कोषाध्यक्ष के लिए निर्विरोध निर्वाचन हुआ और इसलिए मतदान की जरूरत नहीं पड़ी।' शाह को बीसीसीआई ने शनिवार को सम्मानित किया था। उनका SGM में भी स्वागत किया गया।

ओलंपिक चैंपियन झेंग दूसरे दौर में

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में पहले दिन बारिश ने डाली बाधा

मेलबर्न, 12 जनवरी (एजेंसियां)। ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन ने रविवार को यहां रॉड लेवर एरेना में छत के नीचे इनडोर परिस्थितियों का भरपूर फायदा उठाते हुए सीधे सेटों में जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया, जबकि बाहर बारिश हो रही थी।

साल के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के पहले दिन बारिश के कारण कई मैच नहीं हो पाए क्योंकि इनडोर सुविधा में कुछ मैचों का आयोजन ही संभव हो पाया था।

पिछले साल फाइनल में आर्यना सबालेकना से हारने के बाद मेलबर्न पार्क के मुख्य कोर्ट पर अपने पहले मैच में पांचवीं वरीयता प्राप्त झेंग ने 20 वर्षीय क्वालीफायर एंका टोडोनी को 7-6 (3), 6-1 से हराया।

सत्रह वर्षीय मीरा एंड्रीवा दूसरे दौर में जगह बनाने वाली पहली खिलाड़ी थी। उन्होंने जॉन कैन एरेना में छत के नीचे खेले गए मैच में मैरी बौज़कोवा को सीधे सेटों में 6-3, 6-3 से पराजित किया।

19 साल के अर्शिन कुलकर्णी का कमाल

पहले ही मैच में शतक जड़कर सभी को चौंकाया

मुंबई,, 12 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के युवा बल्लेबाज अर्शिन कुलकर्णी ने विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 के दौरान लिस्ट ए क्रिकेट में शानदार शुरुआत करके सुर्खियां बटोरी हैं। उन्होंने महज 19 साल की उम्र में अपने पहले ही मैच में 107 रनों की शानदार पारी खेली, जिसकी बदौलत महाराष्ट्र ने वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में पंजाब के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच में 275 रन का स्कोर खड़ा किया। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के साथ पारी की शुरुआत करते हुए कुलकर्णी को शुरुआत में पंजाब के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने काफी परेशान किया।

हालांकि उन्होंने धैर्य बनाए रखा और अंकित बावने के साथ तीसरे विकेट के लिए 145 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की। उनका शतक 41वें ओवर में पूरा हुआ। अर्शिन 45वें ओवर में 107 रन बनाकर आउट हुए, जहां उन्हें अर्शदीप ने अभिषेक शर्मा के हाथों उन्हें कैच आउट कराया। पंजाब के लिए अर्शदीप सिंह ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और 9 ओवर में 56 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए बांग्लादेश ने किया टीम का ऐलान

ढाका, 12 जनवरी (एजेंसियां)। 2025 चैंपियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से 9 मार्च तक पाकिस्तान और संयुक्तर अरब अमीरात में खेली जानी है. 8 टीमों के बीच खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट के लिए स्क्वॉड का ऐलान होना शुरू हो गया है. इंग्लैंड की टीम ने पहले ही अपनी टीम चुन ली थी. अब भारत के एक पड़ोसी देश ने भी अपने स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है. लेकिन इस टीम में सबसे अनुभवी खिलाड़ी को शामिल नहीं किया गया है.

भारत के पड़ोसी देश ने किया टीम का ऐलान

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए बांग्लादेश की टीम ने अपने स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है. नजमुल हुसैन शांतो इस टीम की कमान संभालेंगे. वहीं, पूर्व कप्तान और अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन को टीम में नहीं चुना गया है. हाल ही में शाकिब अल हसन लगातार दूसरी बार बॉलिंग एक्शन के टेस्ट में फेल हुए हैं. ऐसे में उन्हें टीम में नहीं चुना गया है. दूसरी ओर लिटन दास को भी स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया है. हालांकि अनुभवी खिलाड़ी महमूदुल्लाह और मुशफिकुर रहीम इस टीम का हिस्सा हैं.

इन टीमों से होगी बांग्लादेश की टक्कर

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में बांग्लादेश के ग्रुप में भारत, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान की टीमें शामिल हैं. वह अपने अभियान की शुरुआत 20 फरवरी से करेगी. जहां उसका सामना टीम इंडिया से होगा. ये मुकाबला दुबई में खेला जाएगा. इसके बाद बांग्लादेश की टीम पाकिस्तान जाएगी. ग्रुप स्टेज में वह अपना दूसरा मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ 24 फरवरी को रावलपिंडी में खेलेगी. इसके बाद 27 फरवरी को रावलपिंडी में ही उसकी टक्कर पाकिस्तान से होगी. बता दें, पिछली चैंपियंस ट्रॉफी में बांग्लादेश की टीम सेमीफाइनल तक पहुंची थी. ऐसे में वह बाकी टीमों के लिए इस बार भी बड़ी खतरा रहने वाली है.

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए बांग्लादेश का स्क्वॉड

नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), सौम्या सरकार, तंजीद हसन, तौहीद हृदोय, मुश्फिकुर रहीम, एमडी महमूद उल्लाह, जेकर अली अनिक, मेहदी हसन मिराज, रिशाद हुसैन, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर, परवेज हुसैन इमोन, नसुम अहमद, तंजीम हसन साकिब, नाहिद राणा.

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले बांग्लादेश को झटका

शाकिब अल हसन पर जारी रहेगा बैन

ढाका, 12 जनवरी (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 शुरू होने में अब करीब 5 हफ्ते का समय रह गया है. 19 फरवरी से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट से पहले बांग्लादेश को बड़ा झटका लगा है. टीम के दिग्गज ऑलराउंडर शाकिब अल हसन लगातार दूसरी बार बॉलिंग एक्शन के टेस्ट में फेल हो गए हैं. इसकी वजह से उन पर लगा बैन जारी रहेगा. यानि बांग्लादेश के लिए वो इस टूर्नामेंट में गेंदबाजी नहीं कर पाएंगे. बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने बताया है कि चेन्नई के श्रीराम चंद्र सेंटर फॉर स्पोर्ट्स साइंस में शाकिब ने बॉलिंग एक्शन की स्वतंत्र जांच के लिए पिछले महीने टेस्ट दिया था. लेकिन इसे वो पास नहीं कर पाए.

शाकिब अल हसन पिछले साल भारत के खिलाफ हुए दो टेस्ट मैचों की सीरीज के बाद काउंटी क्रिकेट के लिए इंग्लैंड चले गए थे. सरे की ओर से खेलने के दौरान उनके बॉलिंग एक्शन को लेकर शिकायत की गई थी. साथ ही गेंदबाजी पर बैन लगा दिया गया था. इसके बाद शाकिब ने अपने एक्शन की जांच के लिए इंग्लैंड में एक टेस्ट का सामना किया था. लेकिन वो इसमें असफल रहे थे. फिर उन्होंने स्वतंत्र जांच के लिए भारत का रुख किया. लेकिन वो यहां भी फेल रहे. बता दें गेंदबाजी से बैन हटाने के लिए एक सफल टेस्ट की जरूरत होती है. हालांकि, शाकिब गेंदबाजी से टीम में योगदान नहीं दे सकते, लेकिन घरेलू और इंटरनेशनल क्रिकेट में वो बल्लेबाज के तौर पर खेलने के लिए योग्य हैं.

शाकिब पर बैन लगने से बांग्लादेश की टीम को बड़ा झटका लगा है. वो टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं और 247 वनडे मैच खेल चुके हैं. इस दौरान शाकिब ने 7570 रन बनाने के साथ ही 317 विकेट भी चटकाए हैं.

इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि इससे बांग्लादेश को कितना बड़ा नुकसान हुआ है. हालांकि, क्रिकबज ने बीसीबी सेलेक्शन पैनल में मौजूद सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट किया है कि चैंपियंस ट्रॉफी में शाकिब के चुने जाने की उम्मीद बहुत कम है. सिर्फ बल्लेबाजी के लिए उन्हें टीम रखना मुश्किल होगा. सीनियर बल्लेबाज तमीम इकबाल पहले ही अपने संन्यास का ऐलान कर चुके हैं. वहीं शाकिब को तीसरा टेस्ट देना होगा. इसलिए बोर्ड इन बातों को ध्यान में रखकर ही स्क्वॉड बनाने के बारे में सोच रहा है. अगर वो तीसरे टेस्ट में पास हो जाते हैं, टूर्नामेंट के बीच में उन्हें रिप्लेसमेंट के तौर पर बुलाने को लेकर विचार किया जा सकता है.

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए न्यूजीलैंड टीम का ऐलान

सेंटनर कप्तानी करेंगे; विलियम्सन की एक साल के बाद वनडे टीम में वापसी

खेल डेस्क, 12 जनवरी (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। स्पिन ऑलराउंडर मिचेल सेंटनर चैंपियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड टीम की कप्तानी करेंगे। वहीं पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज केन विलियम्सन को भी टीम में जगह मिली है।

विलियम्सन 14 महीने बाद वनडे टीम में लौटे हैं। उन्होंने अपने देश के लिए आखिरी वनडे मैच वनडे वर्ल्ड कप-2023 का सेमीफाइनल खेला था जो नवंबर में हुआ था। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से शुरू होगी। न्यूजीलैंड अपना पहला मुकाबला 19 फरवरी को पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगा। इसी मुकाबले से टूर्नामेंट का आगाज होगा। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम में मैट हेनरी, लॉकी फर्ग्यूसन, नाथन स्मिथ, बेन सियर्स और और

विलियम ओरूर्के जैसे गेंदबाजों को शामिल किया गया है। पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के दौरान रिजर्व खिलाड़ी रहे बेन सियर्स घुटने की चोट के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए न्यूजीलैंड की टीम

मिचेल सेंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चापमैन, डेवोन कॉन्वे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, टॉम लैथम, डेरिल मिचेल, विलियम ओरूर्के, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, बेन सियर्स, नाथन स्मिथ, केन विलियमसन और विल यंग। न्यूजीलैंड ग्रुप-ए में है। इसी ग्रुप में भारत भी है। भारत अपने सभी मैच दुबई में खेलेगा। दुबई में ही एक सेमीफाइनल भी खेला जाएगा। अगर भारत फाइनल में पहुंचा तो यह मैच भी दुबई में होगा। जबकि टूर्नामेंट के बाकी 10 मैच पाकिस्तान में होंगे। चैंपियंस ट्रॉफी 8 साल बाद होने जा रही है, 2017 में आखिरी बार पाकिस्तान ने भारत को फाइनल हराकर खिताब जीता था।

'यूनिका' की पुस्तक विमोचन समारोह में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता एकजुट हुए

राजनीतिक गुटों के बीच एकता की सराहना

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राजनीतिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण परिवर्तन आया है। सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के बीच बयानबाजी का चल रहा आदान-प्रदान जीवंत और तीव्र है। फिर भी, पुस्तक विमोचन समारोह ने व्यापक प्रशंसा अर्जित की है। रविवार को, शहर में भाजपा नेता और महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल विद्यासागर राव द्वारा लिखित "यूनिका चेन्नामनेनी की आत्मकथा" नामक पुस्तक का विमोचन हुआ। इस कार्यक्रम में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार, राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय और हरिबाबू, तेलंगाना के मंत्री श्रीधर बाबू, पोन्नम प्रभाकर, एमपी लक्ष्मण, लेखक एंडेसरी, बीआरएस नेता बोइनपल्ली विनोद कुमार सहित अन्य प्रमुख दलों के नेता शामिल हुए।

सभी दलों के उपस्थित लोगों ने उपस्थित राजनीतिक हस्तियों द्वारा प्रदर्शित एकता की भावना की सराहना की। इसके अलावा, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की इस बात के लिए व्यापक प्रशंसा हुई कि उन्होंने अपनी कई आधिकारिक जिम्मेदारियों के बावजूद इस आयोजन को प्राथमिकता दी और इसके लिए काफी समय दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि यह एक सुखद क्षण है। आज एक ही मंच पर उन सभी नेताओं से मिलने का अवसर मिला जो मेरे 35 साल के राजनीतिक जीवन में मेरे लिए आदर्श हैं। विद्यासागर राव के प्रशंसक जिनमें मैं भी शामिल हूं, वरिष्ठतम नेता को प्यार से 'सागर जी' कहते हैं। सागर जी ने दो राज्यों के राज्यपाल के रूप में कार्य किया और तेलंगाना राज्य का सम्मान बनाए रखा। यह सराहनीय है कि विद्यासागर राव ने बिना किसी आरोप का सामना किए सक्रिय राजनीति में पांच दशक बिताए और तेलंगाना समाज के लिए एक आदर्श के रूप में खड़े हैं। जॉर्ज रेड्डी और विद्यासागर राव ने उस्मानिया विश्वविद्यालय में अपनी छात्र राजनीति में अपनी विचारधाराओं का सख्ती से पालन किया। वर्तमान में, विश्वविद्यालय अपनी चमक और अस्तित्व खोने के कगार पर हैं। मुख्यमंत्री पद संभालते ही विश्वविद्यालयों का गौरव वापस लाने का निर्णय लिया।

तेलंगाना आंदोलन के दौरान विश्वविद्यालय के छात्रों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राजनीति में छात्रों की सक्रिय भूमिका का ही परिणाम है कि पृथक तेलंगाना राज्य का गठन हुआ। राजनीति में विचारधारा का अभाव पार्टी में दलबदल का मुख्य कारण है। नेता पदों के लिए दल बदल रहे हैं। पार्टी की विचारधारा का पालन करने वाले छात्र हमेशा राजनीतिक संगठन के प्रति वफादार रहेंगे। वैचारिक छात्र राजनीति का पुनरुद्धार समय की मांग है। राजनीति में आगे बढ़ने की चाह रखने वालों से अपील है कि वे यूनिका पुस्तक पढ़ें। तीसरी पीढ़ी में कोई महत्वपूर्ण नेता नहीं बनता। मुख्यमंत्री और मुख्य विपक्षी नेता के अनुरोध पर स्पीकर माइक देते हैं। सरकार का मतलब है विपक्ष और सत्तारूढ़ दल का 119 विधायकों का गठबंधन। विपक्ष की भूमिका सरकार की कमियों को उजागर करना है। हालांकि, हम लोकतंत्र की भावना खो रहे हैं। मेरी सरकार लोकतांत्रिक भावना का परिचय दे रही है।

पिछले 13 महीनों में विधानसभा से विपक्ष के सदस्यों को निकालने का एक भी मामला सामने नहीं आया। किसी के साथ कोई मतभेद नहीं है। तेलंगाना के विकास के लिए सभी से मिलेंगे और सभी का सहयोग लेंगे। देश में एक ट्रिलियन अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनाने के लिए तेलंगाना को बढ़ावा देने में सहयोग करने के लिए पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अनुरोध किया है। तेलंगाना की 60 प्रतिशत आय हैदराबाद से आती है। हैदराबाद को वैश्विक शहर बनाने के लिए क्षेत्रीय रिंग रोड और क्षेत्रीय रिंग रेल को मंजूरी देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी से आग्रह किया। तेलंगाना अब रैंकिंग में नौवें स्थान पर आ गया है।

केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी आज रियाद जाएंगे

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी "फ्यूचर मिनरल्स फोरम मिनिस्टीरियल राउंडटेबल कॉन्फ्रेंस' में भाग लेने के लिए सऊदी अरब के रियाद जा रहे हैं। सऊदी अरब सरकार के निमंत्रण पर केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी सोमवार (13 जनवरी) रात को रियाद के लिए रवाना होंगे। ये बैठकें मंगलवार (14 जनवरी) से तीन दिनों तक रियाद में "ग्रैंड एग्रीमेंट की ओर' थीम पर आयोजित की जाएंगी। इस अवसर पर खनिज संसाधन विकास के मुद्दे पर व्यापक चर्चा होगी।इसके बाद केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी विभिन्न देशों के कोयला और खान मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकों में भाग लेंगे। केंद्रीय मंत्री और कंपनियों के सीईओ इस सम्मेलन को संबोधित करेंगे। सऊदी अरब सरकार पिछले तीन वर्षों से रियाद में खनिज संसाधनों पर उपयोगी चर्चा को सुविधाजनक बनाने और दुनिया के खनिज संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने के उद्देश्य से इस सम्मेलन की मेजबानी कर रही है।

अपने अंदर की शक्ति को पहचानें, लचीलेपन के साथ बाधाओं पर विजय पाएं: श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर युवाओं को संबोधित करते हुए आईटी और उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने आग्रह किया, विफलताओं को खुद को परिभाषित न करने दें। अपने भीतर की अपार शक्ति को पहचानें और अपने लक्ष्यों की ओर आत्मविश्वास से भरे कदम उठाएं। स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं से प्रेरणा लेते हुए उन्होंने युवाओं को चुनौतियों का सामना करते हुए दृढ़ और दृढ़ रहने के लिए प्रोत्साहित किया। रविवार को यहां डोमलगुडा में रामकृष्ण मठ द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए मंत्री ने कहा, आज कई युवा छोटी-छोटी बाधाओं से पराजित महसूस करते हैं।

एक भी विफलता अक्सर उन्हें अपनी क्षमताओं पर संदेह करने पर मजबूर कर देती है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि बाधाएं सफलता की सीढ़ियां हैं। जीत उन्हीं की होती है जो चुनौतियों का डटकर सामना करते हैं। जब युवा किसी लक्ष्य पर अपनी निगाहें टिका लेते हैं, तो ऐसा कुछ भी नहीं है जिसे वे हासिल न कर सकें। उन्होंने आगे जोर देते हुए कहा, आपकी मानसिकता ही सफलता की कुंजी है। इस धारणा से मुक्त हो जाएं कि दूसरे लोग- चाहे वे माता-पिता हों, शिक्षक हों या गुरु- हमेशा आपका मार्गदर्शन करेंगे। अपने जीवन की जिम्मेदारी लें। अनुशासन अपनाएं, अथक परिश्रम करें और सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखें। किसी भी प्रतिकूल परिस्थिति से निपटने के लिए खुद को शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार रखें। युवाओं से स्वार्थ से परे सोचने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा, आप देश की सबसे बड़ी संपत्ति हैं। स्वार्थी महत्वाकांक्षाओं से आगे बढ़कर देश और समाज के कल्याण के लिए काम करें। जरूरतमंदों की मदद करें और आपके जीवन को सही अर्थ मिलेगा। आध्यात्मिक मूल्यों को अपनाएं, मानवता का पोषण करें और हमारी भूमि की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं का सम्मान करें।

मंत्री ने युवाओं को सशक्त बनाने और राष्ट्रीय गौरव की भावना को बढ़ावा देने के प्रयासों के लिए रामकृष्ण मठ की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा, "मठ युवाओं को उद्देश्यपूर्ण और सकारात्मक मार्ग पर ले जाने में सहायक रहा है, जिससे उनकी छिपी हुई क्षमता को उजागर किया जा सके। मैं अपने छात्र जीवन से ही इस स्थान पर आता रहा हूँ। संयुक्त आंध्र प्रदेश में मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, मैं अक्सर यहाँ आया हूँ, और आज भी, हर बार यहाँ आने पर मुझे अविश्वसनीय सकारात्मक ऊर्जा मिलती है, जो मुझे अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती है।" इस कार्यक्रम में संपादक गुरुमूर्ति, रामकृष्ण मठ के अध्यक्ष स्वामी बोधमयानंद जी और अन्य सहित प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

टीपीसीसी ने पी. जनार्दन रेड्डी को श्रद्धांजलि अर्पित की

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष एमएलसी बोम्मा महेश कुमार गौड़ ने खैरताबाद स्कायर पर पूर्व सीएलपी नेता स्वर्गीय पी. जनार्दन रेड्डी की 77वीं जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर, टीपीसीसी प्रमुख ने नेकलेस रोड पर प्रसाद आईमैक्स के पास पीजेआर प्रशंसकों द्वारा स्थापित रक्तदान शिविर का दौरा किया। पीजेआर की बेटी पार्षद विजया रेड्डी, प्रशंसकों और कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम में भाग लिया।

कांग्रेस सरकार ने किसानों को डुबोया : हरीश राव

सिद्दीपेट, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री हरीश राव ने आज आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने राज्य के किसानों को डुबो दिया है। वे आज सिद्दीपेट में मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा, सीएम रेवंत रेड्डी राज्य के किसानों को नुकसान पहुंचाने के बाद भी लोगों से बिना किसी शर्म के जश्न मनाने को कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस नेता रेवंत रेड्डी और राहुल गांधी द्वारा किए गए किसी भी वादे पर कोई सवाल उठता है तो वे खुली बहस के लिए तैयार हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता 15,000 रुपये प्रति एकड़ के वादे से मुकरने के बाद अब रैतु भरोसा योजना के तहत 12,000 रुपये प्रति एकड़ देने की योजना बना रहे हैं। हरीश राव ने कहा कि तीन फसलों के लिए रैतु बंधु की मांग करने वाले रेवंत रेड्डी को अब जवाब देना चाहिए कि वे एक ही फसल के लिए रैतु बंधु कैसे देंगे? उन्होंने किसानों से कहा कि जब कांग्रेस पार्टी के नेता उनके गांवों में आएं तो उन्हें घेर लें। राव ने कहा कि रेवंत को पता होना चाहिए कि बटाईदार किसानों से किए गए वादे का क्या हुआ? उन्होंने कहा, खेतिहर मजदूरों को 12,000 रुपये देने का वादा करने वाले सीएम रेवंत अब कह रहे हैं कि वे इसे केवल 10 लाख मजदूरों को देंगे। हमारे राज्य में एक करोड़ 2 लाख मजदूर हैं, अगर इसका लाभ 10 लाख लोगों को दिया जाए तो यह कौन सी नैतिकता है। उन्होंने कहा कि बीआरएस पार्टी की ओर से वे एक एकड़ जमीन के मालिक किसानों को खेतिहर मजदूर मानकर उनके लिए 12,000 रुपये की मांग कर रहे थे। उन्होंने कांग्रेस पर लोगों का ध्यान भटकाने के लिए हिंसा की राजनीति को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। बीआरएस पार्टी के नेताओं पर हुए हमलों पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि सीएम रेवंत रेड्डी गृह मंत्री हैं और लोगों को संदेह है कि हमलों के पीछे सीएम का हाथ है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में अपराध दर में 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और कहा कि सीएम रेवंत को हिंसा की इस राजनीति को तुरंत बंद करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार को गुंडों पर काबू पाना चाहिए और केंद्र सरकार को भी हमलों में हस्तक्षेप करना चाहिए और राष्ट्रपति शासन लगाना चाहिए।

चाइनीज मांझा का प्रयोग न करें : कोंडा सुरेखा

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भोगी, मकर संक्रांति और कनुमा त्योहारों के अवसर पर, वानिकी, पर्यावरण और देवदया विभाग की मंत्री कोंडा सुरेखा ने राज्य के लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि किसानों की कर्ज माफी, अनाज की समय पर खरीद, बाजरा आदि के लिए 500 रुपये का बोनस, किसानों और खेतिहर मजदूरों के लिए इस साल से लागू की जाने वाली रैतु भरोसा, इंदिराम्मा आत्मीय भरोसा योजनाएं, गरीब लोगों के लिए राशन कार्ड जारी करना, इंदिराम्मा घरों के लिए लाभार्थियों का चयन आदि खुशी तो आ ही रही है। इस अवसर पर, मंत्री ने कामना की कि तेलंगाना राज्य सुख और समृद्धि से समृद्ध हो। मंत्री ने युवाओं से कहा कि पतंग उड़ाते समय चाइनीज मांझा का प्रयोग कर पशु-पक्षियों को नुकसान न पहुंचाएं। मंत्री सुरेखा ने भगवान से प्रार्थना की कि उत्तरायण पुण्य के दौरान सब कुछ अच्छा हो।

करीमनगर डीआरसी बैठक में विधायक कौशिक रेड्डी ने किया हंगामा

करीमनगर, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को करीमनगर कलेक्ट्रेट में आयोजित जिला समीक्षा बैठक में हंगामा हो गया। मंत्री पोन्नम प्रभाकर, श्रीधर बाबू और उत्तम कुमार रेड्डी की मौजूदगी में कांग्रेस और बीआरएस पार्टियों के विधायकों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। उन्होंने एक-दूसरे को धक्का दिया। पुलिस के हस्तक्षेप करने और बीआरएस पार्टी के हुजूराबाद विधायक पाडी कौशिक रेड्डी को बाहर निकालने के बाद स्थिति शांत हुई। जगतियाल विधायक संजय बैठक में बोलने की तैयारी कर रहे थे, तभी हुजूराबाद विधायक पाडी कौशिक रेड्डी ने हस्तक्षेप किया।

उन्होंने संजय को बोलने नहीं देकर बैठक में हंगामा खड़ा कर दिया। कौशिक रेड्डी ने संजय से पूछा, आप किस पार्टी से हैं? और मांग की कि विधायक संजय को माइक न दिया जाए। संजय ने जवाब में कौशिक से पूछा कि उन्हें माइक क्यों नहीं दिया जाना चाहिए? इस दौरान दोनों नेताओं के बीच तीखी नोकझोंक हुई और उन्होंने एक-दूसरे को धक्का दिया। वहां मौजूद नेताओं ने सुलह कराने की कोशिश की। हालांकि, जब कौशिक रेड्डी पीछे नहीं हटे, तो पुलिस ने उन्हें मीटिंग हॉल से घसीटकर बाहर निकाल दिया। यह झड़प मंत्रियों पोन्नम प्रभाकर और डी. श्रीधर बाबू के सामने हुई। कौशिक रेड्डी ने बाद में मीडिया से बात की।

उन्होंने आरोप लगाया कि जब उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र के लिए फंड की मांग की तो कांग्रेस नेता हिंसा पर उतर आए। उन्होंने कहा कि उनके निर्वाचन क्षेत्र में केवल 50 प्रतिशत फसल ऋण माफ किया गया है। उन्होंने कहा, मैंने मांग की है कि शेष 50 प्रतिशत फसल ऋण बकाया माफ किया जाना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व सीएम केसीआर के कार्यकाल के दौरान 18,500 परिवारों को दलित बंधु योजना का लाभ दिया गया था। उन्होंने कहा, हमने दलित बंधु की दूसरी किस्त मांगी है। पडी कौशिक रेड्डी ने कांग्रेस नेताओं को चेतावनी दी कि अगर वे उन्हें धमकाते हैं तो डरने वाला कोई नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे किसानों के साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने मांग की कि रैतु भरोसा योजना के तहत किसानों को 15,000 रुपये दिए जाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक संजय ने खुद को सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी को बेच दिया है। उन्होंने मांग की, संजय का विधायक पद हमारे पार्टी प्रमुख केसीआर द्वारा दी गई भीख है।

संजय को इस्तीफा दे देना चाहिए और कांग्रेस के टिकट पर जीतना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे निश्चित रूप से संजय से सवाल करना जारी रखेंगे और कहा कि केसीआर तीन साल बाद फिर से मुख्यमंत्री बनेंगे।

सिकंदराबाद में तीन दिवसीय उत्सव की तैयारी

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 13 से 15 जनवरी तक आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय पतंग एवं मिठाई महोत्सव में भाग लेने के लिए 100 से अधिक पतंगबाज, जिनमें लगभग 50 विदेशी पतंगबाज शामिल होंगे, सिकंदराबाद के विशाल परेड ग्राउंड में शामिल होंगे। पतंग महोत्सव में न केवल देश के विभिन्न भागों से प्रतिभागी शामिल होंगे, बल्कि 16 देशों से अंतर्राष्ट्रीय पतंगबाज भी शामिल होंगे।

तेलंगाना पर्यटन एवं संस्कृति विभाग द्वारा संक्रांति उत्सव के एक भाग के रूप में आयोजित किए जा रहे इस सातवें संस्करण में न केवल तेलंगाना, बल्कि अन्य राज्यों की पारंपरिक मिठाइयों के साथ मिठाई उत्सव भी होगा। सुबह 10.30 बजे से शाम 8.30 बजे तक चलने वाले इस कार्यक्रम में सभी दिन प्रवेश निःशुल्क रहेगा। पारंपरिक कारीगरों द्वारा हथकरघा, हस्तशिल्प और अन्य उत्पादों को प्रदर्शित करने वाले स्टॉल भी लगाए जाएंगे। अधिकारियों को उम्मीद है कि पर्यटन विभाग द्वारा 2017 से आयोजित किए जा रहे तीन दिवसीय वार्षिक कार्यक्रम में 15 लाख से अधिक लोग भाग लेंगे।

अंतर्राष्ट्रीय पतंग और मिठाई महोत्सव के लिए यातायात पर सलाह

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर की यातायात पुलिस ने परेड ग्राउंड सिकंदराबाद में अंतर्राष्ट्रीय पतंग और मिठाई महोत्सव-2025 के मद्देनजर यातायात परामर्श जारी किया है। यह कार्यक्रम 13 से 15 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा और परेड ग्राउंड के आसपास 'आवश्यकता के आधार पर' यातायात प्रतिबंध लगाए जाएंगे।

रोटरी 'एक्स' रोड से आने वाले और एसबीएच जाने वाले वाहनों को वाईएमसीए से घंटाघर की ओर मोड़ दिया जाएगा। रसूलपुरा से आने वाले वाहनों को सीटीओ 'एक्स' रोड से बलमराय की ओर मोड़ दिया जाएगा। पिकेट से आने वाले और एसबीएच और टिवोली जाने वाले वाहनों को स्वीकर उपकार से वाईएमसीए की ओर मोड़ दिया जाएगा। एनसीसी से प्लाजा की ओर जाने वाले वाहनों को टिवोली से ब्रुकबॉन्ड की ओर मोड़ दिया जाएगा। यातायात पुलिस ने लोगों से आरपी रोड और एसडी रोड से बचने का अनुरोध किया है। यातायात पुलिस अधिकारियों ने कहा कि सामान्य यात्री जो सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन की शाम की ट्रेनों और जुबली बस स्टेशन के माध्यम से आरटीसी बसों से यात्रा करने का इरादा रखते हैं, उन्हें समय पर रेलवे स्टेशन पहुंचने के लिए जल्दी चलना चाहिए और मेट्रो रेल सेवा का उपयोग करने की भी सलाह दी जाती है।

विक्षिप्त महिला से गैंग रेप का खुलासा, 3 गिरफ्तार

मेदक, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एक मानसिक रूप से विक्षिप्त महिला के साथ तीन लोगों द्वारा कथित रूप से सामूहिक बलात्कार किया गया। यह घृणित कृत्य संयोगवश तब प्रकाश में आया जब पुलिसकर्मियों ने तीन दिन बाद मवेशी चोरी के एक मामले में सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू किया। पीड़िता की हालत को देखते हुए उसे दर्दनाक घटना के बारे में कुछ भी याद नहीं है और पुलिस ने उसे उचित देखभाल के लिए भरोसा केंद्र में भेज दिया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि तीनों कथित बलात्कारियों को हिरासत में ले लिया गया है और उनसे पूछताछ जारी है। यह घृणित घटना तीन दिन पहले मसाईपेट मंडल के रमंतपुर गांव में घटित हुई थी।

एक ग्रामीण से मवेशी चोरी की शिकायत मिलने के बाद पुलिसकर्मी रामंतपुर गांव में हंसा ढाबा के पास लगे कैमरे में दर्ज सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे थे। तीन लोगों द्वारा सामूहिक बलात्कार की रिकॉर्डिंग देखकर पुलिसकर्मी घबरा गए और इसकी जांच शुरू कर दी। हिरासत में लिए गए तीनों संदिग्ध तूप्रान और चेगुंटा मंडल के अलग-अलग गांवों के रहने वाले थे, जबकि तीसरा बिहार का रहने वाला था।

करीमनगर में लोमड़ी का हमला

3 लोग घायल, ग्रामीणों ने लोमड़ी को मार डाला

करीमनगर, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुस्ताबाद मंडल के मद्दीकुंटा गांव में रविवार को एक लोमड़ी के हमले में तीन ग्रामीण घायल हो गए। बताते हैं कि सुत्रम राधा (34) नामक महिला अपने घर के आंगन की सफाई कर रही थी, तभी लोमड़ी ने उस पर हमला कर दिया और उसे घायल कर दिया। बाद में उसी लोमड़ी ने डी.टी. सथैया और टी. किशन पर हमला किया, जो अपने खेतों की ओर जा रहे थे। घबराए हुए गांव वाले इकट्ठा हो गए और लोमड़ी का पीछा करके उसे पीट-पीटकर मार डाला। घायल ग्रामीणों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है।

मन्नेपल्ली में नहर का बांध टूटा

एससी कॉलोनी में घुसा पानी

करीमनगर, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार सुबह थिम्मापुर मंडल के मन्नेपल्ली में एसआरएसपी डी-4 नहर का बांध टूट गया। थोटापल्ली जलाशय से मनकोंदूर मंडल के विभिन्न गांवों को पानी की आपूर्ति की जा रही है। स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा क्योंकि पानी पास की एससी कॉलोनी में घुस गया था। किसानों द्वारा अपने खेतों में पानी की आपूर्ति के लिए छोटे-छोटे जलद्वारों की व्यवस्था करना और एससी कॉलोनी में नहर की खराब गुणवत्ता को बांध टूटने का कारण माना जा रहा है। किसान सरपंच मेडी अंजैया और उपसरपंच वेंकटेश ने अधिकारियों को घटना की जानकारी दी। घटना की जानकारी होने पर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने अधिकारियों को मरम्मत कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। मानकोंदूर विधायक कव्वमपल्ली सत्यनारायण ने घटनास्थल का दौरा किया।

भगदड़ में घायल भक्तों ने श्रीवारी का दर्शन किया

तिरुमला, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी ने रविवार को 28 श्रद्धालुओं को दर्शन कराए, जो 8 जनवरी को तिरुपति में वैकुंठ द्वारदर्शन एसएसडी टिकट काउंटर पर हुई भगदड़ की घटना में घायल हुए थे और एसवीआईएमएस में उपचार के बाद ठीक हो गए। 11 जनवरी को टीटीडी के चेयरमैन बी आर नायुडू ने अस्पताल का दौरा किया और घायलों को मुआवजा दिया तथा संबंधित अधिकारियों को ठीक हो चुके श्रद्धालुओं को विशेष दर्शन उपलब्ध कराने का आदेश दिया।

निर्देशों के अनुसार टीटीडी ने रविवार को ठीक हो चुके श्रद्धालुओं को प्रोटोकॉल के अनुसार दर्शन कराए। इस अवसर पर बोलते हुए इन श्रद्धालुओं ने बेहद खुशी जताई और राज्य सरकार, टीटीडी बोर्ड तथा अधिकारियों को उनका पूरा ख्याल रखने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने मुआवजा देने और श्रीवारी वैकुंठ द्वार दर्शन की व्यवस्था करने तथा अपने गृह क्षेत्र लौटने के लिए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू, टीटीडी चेयरमैन और अधिकारियों को धन्यवाद दिया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.